

Allador & Mapifyla

सं**० 21]** नहीं बिल्ली, शनिवार, मई 26, 1984 (ज्येष्ठ 5, 1906)

No. 21] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 26, 1984 (JYAISTHA 5, 1906)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाव III—धन्य 1 [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेबा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, 110011, दिनांक 23 अप्रैल 1984

सं० ए०-11016/1/84-प्रशा० III--संघ लोक सेवा आयोग संवर्ग में के०स०से० के अनुभाग अधिकारी श्री डीं० शिवराजन को राष्ट्रपति हारा 12-3-84 से 11-1-84 तक अथवा, आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियक्त किया जाता है।

श्री डी० णिवराजन कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के कार्यालय ज्ञापन सं० 12/1/74 सी०एस० दिनांक 11-12-75 की शतों के अनुसार हु० 75/-- प्र० मा० विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

एम० पी० जैन, अवर संचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा आयोग

प्रवर्तन निदेशालय विदेशी मुद्रा विनियमन श्रिधिनियम नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1984

वर्षक्षेत्रीय कार्यालय—I में दिनांक 13-1-84 (पूर्वाह्न) से मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के पद पर, प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया जाता है।

REGISTER

डी०सी० मण्डल, विषेप निवेशक

केन्द्रीय न्याय वैश्वफ विज्ञान प्रयोगशाला केन्द्रीय अन्वेषण व्यक्रो

दिल्ली, दिनांक 7 मई 1984

मं 1-15/84-मी श्राफ्त श्राप्त 3408--राष्ट्रपति. विन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड II श्री बी श्राप्त विसारिया (रसायन) को 25-4-84 (पूर्वाह्म) से केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड 1 (रसायन) के पद पर तबर्थ आधार पर 6 माह या पद के स्वार्ड रूप ने भरने तक, जो भी हो, नियुक्त करते हैं।

सं ०-1-15/8 क्-सी० एफ०ए०स०फाल०/3410---राष्ट्र-पति, केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोग शाला के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड (II) श्री एम०के० जैन (डाक्सैन्ट) (11643) को 25-4-84 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय न्याय यैद्यक्ष विज्ञान प्रयोगशाला में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (ग्रेड1) (डाकूमैन्ट) के पद पर तदर्थ आधार पर 6 माह या पद के स्थाई रूप से भरने तक, जो भी हो नियुक्त करते हैं।

> आर॰ एस॰ नागपाल, प्रशासकीय अधिकारी (इ)

ग्रह् मंत्रालय

महानिदेशास्त्रय के॰रि॰पु॰ बल नई विरुली, दिनांक 30 अप्रैस 1984

मं० श्रो०दो-230/69-स्था० -- राष्ट्रपति केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री जी०एल० शर्मा को प्रवरण कोटि (सलेक्शन ग्रेड) कमाडेन्ट के पद पर अस्थाई रूप में अगले आदेश होने तक सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

इन्होंने दिनांक 3-4-84 (पूर्वाह्म) से अपना कार्यभार सम्भाल लिया है।

सं० पी॰ सात-7/72-स्था०-1---राष्ट्रपति श्री ए०के० बन्द्योपाध्याय को उनके पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक के० रि० पु० बल में उपमहानिरीक्षक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री ए० के० बन्द्योगाध्याय ने उपमहानिरीक्षक के पद पर नियुक्त होने पर अतिरिक्त उपमहानिरीक्षक (कमा-छेन्ट) ग्रुप केन्द्र के०रि०पु० बल अंत्राडी के पद का कार्य-भार 19-4-84 (अपराह्न) में त्याग दिया श्रीर उन्होंने के० रि० पु० बल में उपमहानिरीक्षक चन्डीगढ़ (पंजाब) के पद का कार्यभार उसी दिन व समय से सम्भाल लिया है।

दिनांक 2 मई 1984

सं० श्रो०दो० 1774/83-स्थापना—सहानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर, सुरेन्दर कुमार परिमल को 29 फरवरी 1984 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व बल में कनिष्ट चिकित्या अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप मे नियुक्त करते हैं।

वाई० एन० सक्सैना उप निदेशक (स्थापना)

का एवं प्र० स० विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1984

सं० एस०-20/65-प्रशासन-5-समसंख्यक अधिसुचना दिनांक 16-9-83 के कम में राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस० सी० ग्रंग्रीण की, विताक 1-3-84 से दिनांक 31-5-84 तक की ग्रीर अवधि अथवा पद के नियमित रूप से भरे जाने, जो भी पहले घटित हो, तक के लिए केन्द्रीय अन्त्रेषण ब्यूरों में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न अपर विधि मलाहकार के रूप में नियक्त करते हैं।

विनांक 5 मई 1984

निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, मध्य प्रदेश पुलिस से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों में प्रतिनियुक्त, श्री आर० एस० गुक्ला, पुलिस उपाधीक्षक की सेवाएं विनांक 30 अप्रैल, 1984 (अपराह्म) से मध्य प्रदेश सरकार को सौंप वी गई।

> राम स्वरूप नागपाल प्रशासनिक अधिकारी (स्थापना) केन्द्रीय अन्त्रेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय भौचोगिक सुरक्षा वल नई दिल्ली-110003 दिनांक 15 अप्रैल 1984

सं० ६० 32015(3)/8/84-कार्मिक राष्ट्रपति, श्री एस०एल० प्रसाद को, प्रोन्नति पर, 2 अप्रैल, 1984 के पूर्वाह्न से अस्थायी तौर पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर केवल छ: माह के लिए या नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, उपक्रमांबेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

तारीखा 19 अप्रैल 1984

सं०ई०-32015(2)/5/84-कार्मिक -राष्ट्रपति, श्री बी सरकार को, प्रोक्ति पर, 3 अप्रैल, 1984 के पूर्वाह्न से, पूर्णतया तदर्घ आधार पर अस्थाई रूप से 6 महीने की अवधि के लिए या नियमित नियुक्तियां किए जाने तक, जो भी पहले हो, केग्रौसुब यूनिट, आर०एस०पी०, राउरकेला में कमोडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

संवर्ष०-32015(2)/13/84-कार्मिक — राष्ट्रपति, श्री एनव्सीव सेनगुप्ता को, प्रोक्षति पर, 2 अप्रैल, 1984 के पूर्वाक्ष से, पूर्णतया तदर्थ आधार पर अस्थाई रूप से 6 महीने की अवधि के लिए या नियमित नियुक्तियां किए जाने तक, जो भी पहले हो, केश्रीसुब यूनिट, सीव्सीव्डब्ल्युव ग्रोव, धनबाद में कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं०ई०-32015(2)/17/84-कार्मिक — राष्ट्रपति, श्री पी०पी० मितरा को, प्रोक्षति पर, 4 अप्रैल, 1984 के पूर्वाह्म से, पूर्णतया तदर्थ आधार पर अस्थाई रूप से 6 महीने की अवधि के लिए या नियमित नियुक्तियां किए जाने तक, जो भी पहले हो, केन्ग्रीसुब यूनिट, बी०सी०सी० एल० झरिया में कमांडेंट के रूप में नियुक्त कम्रते हैं। सं० ई०-32015(2)/14/84-कार्मिक — राष्ट्रपति, श्री एम०ए० जब्बर की, प्रोक्षति पर, 2 अर्प्रल, 1984 के पूर्वाह्न से अस्थाई तौर पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर केवल 6 माह के लिए या नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, केग्रीसुब यूनिट, "नलको" ग्रंगल में कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

नई दिल्ली तारीख 21 अप्रैल 1984

सं०ई०-28013/1/83-सा० प्रशासन-II — निवर्तन की आयुं होने से सेवा निवृत्त होने पर श्री गुरचरन सिंह ने 31 मार्च, 1984 के अपराह्म से के०ग्री०सु०व० मुख्यालय,

नई दिल्ली, के अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनां म 12/23 अप्रैल 1984

सं०६०-32015(2)/84-कार्मिक —राष्ट्रपति, श्री एम० एस० बोस को, प्रोन्नति पर, 29 मार्च, 1984 के पूर्वाह्न से, पूर्णतया तदर्थ आधार पर अस्थाई रूप से 6 महीने की अविध के लिए या नियमित . नियुक्तियां किए जाने सक, जो भी पहले हो, कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

्स० अनन्दाराम महानिदेशक/केश्रौसुब

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा, विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय, नई दिल्ली 110002, दिनांक 30 प्रप्रैल 1984

सं० 981/व०ले०प० 1/67-81—श्रपर उप नियंत्रक महालेखा परीक्षक (वाणिज्यिक) नीचे कालम 3 में उलिखित कार्यालय के श्रनुभाग श्रधिकारी (वाणिज्यिक) जो नीचे कालम 4 में उल्लिखित संगठन में इस समय बाह्य सेशा पर प्रतिनिधुवित पर हैं को "तत् निम्न नियम" के श्रन्तर्गत नीचे कालम 5 में उल्लिखित तारीख से ग्रागे ग्रादेश दिए जाने तक स्थानापन्न रूप से लेखा परीक्षा श्रधिकारी (वाणिज्यक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

कम सं	० ग्रनुभाग ग्रधिकारी (वाणिष्यिक) का ना	किस कार्यालय के हैं। न	कार्यालय जहां प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहें हैं।	पद्मेन्नति की
1	2	3	4	5
1. 5	ने०बी० राजसेखर	स० ले० प० बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिष्यिक लेखापरीक्षा, रांची	श्रांध्र प्रदेश राज्य मीट - एवं पार्ल्ट्री डिवेलप्मेंन्ट कारपोरेशन शक्ति नगर हैदराबाद ।	31-12-83 पूर्वीहन

के० पी० लक्ष्मण राव सङ्ग्यक नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक)

कार्यालय महालेखाकार, जम्मू व काश्मीर लेखापरीक्षा कार्यालय, (1) श्रीनगर दिनांक अप्रैल 1984

कार्यालय महालेखाकार जम्मू और काश्मीर से कार्यालय महालेखाकार, जम्मू और काश्मीर, लेखापरीक्षा कार्यालय को उनकी स्थायी बदली के परिणामस्वरूप महालेखाकार जम्मू और काश्मीर, लेखापरीक्षा कार्यालय ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को 1-3-1984 से 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040 रू० के नेतनमान में स्थानापन्न धारिता में सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों (वर्ग ख-राजपन्नित) के रूप में नियुक्त किया है। क्रमांक नाम

सर्वश्ची

- 1. मखन लाल धर।
- 2. मुहम्मद अमीन भट।
- 3. गुलाम हसन काजी—(ल**षु उद्योग सेवा** केन्द्र, श्रीनगर में प्रतिनियुक्ति पर)।

- 4. मखन लाल कीन-[[
- 5 प्राणनाथ सुत्
- 6. द्वारिका नाथ रावल
- 7. कें॰डी॰ बसनोबा—(संस्कृत विद्या पीठ, जम्मू में प्रतिनियुक्ति पर)।
- मखन लाल कौल ।
- गुलाम कादिर कुमार।
- 10 ग्रोमकार नाथ कौल।
- 11. परमजीत सिंह दत्ता।
- 12. बद्री नाथ कौल।
- 13. क्रिज नाथ बाली।
- 14. श्रो०पी० सालगोता।
- 15. पुष्कर नाथ भौल।
- 16. सिलोकी नाथ कोठा।
- 17. भ्रली मुहम्मद हमदानी।
- 18. गिरधारी लाल ससा।

- 19. मखन लाल कसवा।
- 20 मोती लाल मट्टू।
- 21. मोती लाल भट---(उप निदेशक, एस०आई०बी० श्रीनगर में प्रतिनियुक्ति पर)।
- 22. भारत भूषण।
- 23 गुलाम मुहम्मद भृट।
- 24 अवतार कृष्ण ऐमा।
- 25 ग्रवतीर कृष्ण भवामा ।
- 26 रत्तन लाल तिकू।
- 27. ग्रासा सिंह पाण्डा ।
- 28. मोहन लाल जुत्शी।
- 29 कुलदीप राज भर्मा।
- 30 रोशन लाल शर्मा——(सालल जल विद्युत् परियोजना, रियासी में प्रतिनियुक्ति पर)।
- 31 णिवन जी० मुस्तात ।
- 32 तेज नारायण वैष्णवी
- 33. राजेन्द्र रैना ।
- 34. शिबन लाल चक्रा
- 35. मुहम्भद श्रगरफ।
- 36 क्रिज नाथ कौल।
- 37 शम्भु नाथ रैना——(सलाल जल विद्युत् परियोजना, रियासी मे प्रतिनियुक्ति पर)।
- 38 श्रब्दुल रहमान डार ।
- 39. मनोहर नाथ खर।
- 40 चमन लाल रैना—-(महालेखाकार गुजरात, ग्रहम-दाबाद में प्रतिनियुक्ति पर)।
- 41. पुष्कर नाथ गुर्खा——(सलाल जल विद्युत् परि-योजना, रियामी में प्रतिनियुक्ति पर)।
- 42 भव्दुल ग्णीय गतलू।
- 43 रघुषण मुभार गुप्ता।
- 44. खूब चन्द शर्मा— (डूल हर्स्सा परियोजना, किश्त-वार में प्रतिनियुक्ति पर)।
- 45. सूरज नारायण भान--(दिल्ली विकास प्राधिकारी मे प्रतिनियुक्ति पर)।
- 46 प्यारे लाल हण्डू।
- 47. महाराज कृष्ण कौल।
- 48. हृदय नाथ रैना— (भारत तिब्बती सीमा, लेह में प्रतिनियुक्ति पर)।
- 49. मोह्न निह समयाल ।
- 50. रत्तन लाल कम्पासी ।
- 51. रूप कृष्ण नारायण।
- 52. भ्रोमकार नाथ लंगू।
- 53. कृष्ण लाल काचमः।
- 54 सुरंश चन्द्र बिवेदी—(वेतवा रिवर बोर्ड क्षांसी में प्रतिनियुक्ति पर)।
- 55 प्रशुम्त कृष्ण जेलखानी--(मुख्यालय महानिरिक्षक सीमा भुरक्षाबय जम्मू मे प्रतिनियुक्ति पर)।

- 56. एस०के० गुप्ता ।
- 57 कुलवन्त सिंह।
- 58. विजय कुमार धर।
- 59 कन्हैया लाल जाडू।
- 60 मान्ति लाल।
- 61 कें ब्डी० बढेरिया——(निदेशक नेखापरीक्षा केन्द्रीय राजस्य, नई दिल्ली मे प्रतिनियुक्ति पर)।
- 62. नाथ जी कौल।
- 63 ठाकुर ग्रोमकार सिह।
- 64. श्रोम प्रकाश कौल।
- 65. जवाहर लॉल भट।
- 66 हीरा लाल धर।
- 67. शिवन लाल निक्।
- 68 भूषण लाल धर।
- 69. प्राण नाथ कौल।
- 70 श्रीमती क्रिज किणोरी नखामी।
- ,71 श्रशोक कुमार कौल ।
- 72. महाराज कृष्ण धर।
- 73. ग्रोम प्रकाण शर्मा—(सलाल जल विद्युत् परियो-जना, रियासी मे प्रतिनियुक्ति पर)।
- 74 रत्तन लाल, धर।
- 75. भूषण लाल तिकू।
- 76. ग्रणोक कुमार सप्रा
- 77 श्रशोक कुमार चिर्वी।
- 78. रोशन लाल खोसा ।
- 79. भूपण लाल हण्डू।
- 80. श्रवतार कृष्ण भान।
- 81. मेहराज उद्दीन ।
- 82. ग्रशोक कुमार गजू।
- 83 विजय कुमार चलू।
- 84. श्रवतार कृष्ण गंजू।
- 85. शम्भु नाथ सीम्ब ।
- 86. गुलाम नबी पाम्पोरी।
- 87. राज कुमार गर्मा।
- 88. गुलाम हसन किताब।
- ४७. गुलाम मुहम्मद बजाज ।
- 90. भूषण लाल पण्डिता ।
- 91. वीर भ्रयतार कील उनकी परमार वरिष्ठना भ्रवण मे नियत की जाएगी।

स्निमर कौर उप महालेदखकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम कर्नाटका:

वंगलीर दिनाक 1 मार्च 1984

क० प्रशासन/ए3/83-84/1 —महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम ने निम्नलिखित अनुभाग ग्रधिकारियों को स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षा ग्रधिकारियों के रूप में छनके वरिष्ठों के विना प्रतिकृत प्रभाव डाले श्रागामी श्रादेश तक पदोन्नत किये हैं:— कम सं० नाम

श्रो/श्रीमती

- जी० राधवेन्द्राचार्य ।
- 2. स्नारं वेंकटनारायणन्
- 3 नूर ग्रहमद पाणा
- া জী০ চ্ম০ জীল্প
- 5. एस० नरसिंहन् (1)
- 6. जी० सी० शिवराम गर्मा
- 7. के० श्रीनिवासन्
- एम० नर्रासहमूर्ति
- एम० वासुद्वेबन्
- 10. ए० पणम्गम्
- 11. डी० तिरुज्ञानम्
- 12. व्ह्री० एन० संगम
- के०ग्रार० पार्थसारधी
- 14. एल० राममूर्ति
- 15. पी० व्ही० मिर्जी
- 16. एच० एस० चन्द्रशेखर शास्त्री
- के०ऋी० पोस्नुस्वामी
- 18. एस० रंगनाथन
- 19. ए० सुन्नमोनिया श्रय्यर
- 20. जे० लक्ष्मी नरसिंहराव
- 21. टी० एस० रामस्वामी श्रय्यंगार
- 22. टी० एस० सुन्नमग्यम्
- 23. के० बी० लक्ष्मीनारायण
- 24. सी० बी० गोपास कृष्ण
- 25. भार० सम्पन्
- 26. एच० सूर्यनारायण
- 27. एन० कृष्ण स्वामी
- 28. एस०बी० नागराज राव
- 29. पी० नागराज राव
- 30. एच०सी० नारायण
- 31. के०एस० राजगोपालन् (2)
- 32. एच०के० नागराजा
- टी०ए० रामकृष्ण मास्त्री
- 34. ग्रार० देवदासन्
- 35. भ्रार० श्रीनिवासन् (3)
- 36. बी० गोपिनाथ
- एस० वेंकिटाचला भ्रय्यर
- 38. एम० स्नार्० गणपति राव
- 39. के० एस० रामनाथा
- 40. ए० के० पी० उसी
- 41. पी० पाण्डुरंगा राव
- 42. के० टी० कुन्हि कण्णन नंत्रियार
- 43. जो० बी० हंपीहोली
- ad. बॉल्टोल सी**ला**शम

- 45. एस०ग्रार० कृष्ण श्रध्यंगार
- 46. के० श्रीनिवासाचारी
- 47. कें ०वी ० सीतापिति
- 18. स्रार० नागाराजन्
- 49. बीं० एन० हांगल
- 50. एस० यू० देशपांडे
- 51. एच० एन० उमापति
- 52. जी० पी० वेकटेशन
- 53. एन० रघुराम रेड्डी
- 54. एम०एस० वेदान्ता
- 55. के० धनशेखरन्
- 56. वी० नारायण स्वामी
- 57. एस०एन० अनंत रामन
- 58. एच०पी० स्रय्यताल
- 59. भ्रार०एस० वेंकटरमण
- 60. ई०जान पिलिपोस
- 61. के० एल० श्रीनिवास भट्टा
- 62. एम०बी० श्रप्पण
- 63. एम०श्रार० प्रसाद
- 64. बी० सुब्रमण्यम्
- 65. के० नारायण स्वामी
- 66. एम**०एस० श्रीधरमू**ति
- 67. टी० एस० कृष्णन्
- 68. के० सुवेन्द्रा
- 69. एच०एच० कृष्णमूर्ति
- 70. ग्रार॰एस॰ देवापुर
- 71. एस० नटराजन्
- 72. बी० आर० सेतुराव
- 73. के० पद्मनाभन्
- 74. एम० जयरामन्
- 75. बी०एस० बेंकट रमणया
- एन० सोम सुन्दरा राव
- 77. सुद्र बेंकण्ण नायक (एस०बी० नायक)
- 78. टी०ए० राजगोपालन्
- 79. ए० उपा कुमारी
- 80. एस० सेत्बाई
- 81. एस० गजन्
- 82. पी०एम० अनन्त रामन्
- 83, ग्रार० राघवेन्द्रराव
- 84. एम० के० सत्यनारायाणा
- 85. सी० के० नारायणन्
- 86. बी० बी० तिरूपेंग**ड**ेमुदलियार
- 87. ए० नागराजन्
- 88. के०एस० श्रीपति
- 89. एन०एस० वरदराज
- 90, डी० कान्तराज

सर्वश्री		सर्वेश्री	
91.	के० पद्मानाभन् पोट्टी	139.	पी० बालन्
92.	टी० राजामोहन् राव	140.	ग्रार० राजगोपालन्
93.	एम० एस० सत्यनारायण राव	141.	वाई० एस० वेंकटारामू
	एम० बी० मोहन	142.	एम० सागीर ग्रहमद्
94.	दन्य भार पाहन के० इथग्रीव पुराणिक	143.	के० एस० गोपाला कृष्णन्
95.		144.	के० एल० विस्वनाथन्
196.	के० एल०ए० नागराज राव	145.	डी० एन० ग्रन्नय्या
97.	एस० गुरूराज राव	146.	एम० सिगार वेल्
98.	जी <i>०</i> राधवेन्द्र चेट्टी	147.	के० राधवे त्रद्र राव
99.	एम० नरसिंह मृति (3)	148.	एन० एस० नाग राजन्
100.	डी० एन० सी० पेटकर	149.	सी० टी० चन्द्रशेखरन्
101.	एथं एस० रामचन्द्रा	150.	श्रार० नाग राजन् (2)
102	टी० के० रघुपति	151.	के० टी० कृष्ण स्वामी
103.	डी० एच० रंगराव	152-	एस० सेतुराजन्
104.	एन० सुद्रमणियम् (1)	153.	वेंकटेशमूर्ति
105.	एस० ए० मक्तेदार	154.	एच० ग्रार० गोपाल ग्रायन्गर
106.	टी० भार० गुरूराज राव	155.	के० वेणुगोपालन्
107.	एस० जी० नागराजय्या	156.	एच० धार० नागराज राव
108.	जे० लीक्षारामलाक	157.	एस० मार्य्या
109.	एस० श्रार० श्रीनिवासा मूर्ति	158.	एम० ग्रार० सरणो भट्ट
110.	भ्रार े	159.	सिद्दय्या
111.	म्रार० वी० सत्यनारायण	160.	एल० पद्म नाभ
112.	्टी० श्रार० सुरेश चन्द्रा	161.	सी० के० मूर्ति
113.	के० एम० रामास्वामी	162.	मुरलीधर कुलकर्णी
114.	एन० शिवास्थामी 🖡	163.	एम ं के ० गोपिनाथ राव
115.	एच० जी० नागाराजन्	164.	एस० भ्रार० नरसिंह मृति
116.	ग्रार ० ग्रनंत पद् मानाभन्	165.	टी० एन० स्वामिनाथन
117.	सावित्री बालकृष्णन्		
118.	खलिलूर रहमान खान	166.	ए० वी० कोटी
119.	एस० निमंचा	167.	कं० चन्नव्रशेखर गैट्टी सी० के० नरसिंह मृति
120.	एम० सत्यनारायण	168.	· •
121.	बी० जी० नागाराजु	169.	एस० राधाकृष्ण
122.	के० रंगनाथा	170.	एम० बी० सुरलीकल
123.	एस० नागराजू	171.	जी० ए० इस्माइ ल
124.	एस० गिरिजा शंकर	1,72.	वी० के० पे रियन्
1 2 5.	बी० णिबस्वामी राव	173	जी० वी० जगन्नाथन्
126.	वी ० एल० सूर्यनारायण रा व	174.	बी० बी० पोसापा
127.	के० ग्रार० सन्तानम्	175.	एस० रामकृष्णा (2)
128.	के० गोपिनाथन्	176	सैयद ग्रब्दुल हमीद
129.	वी० वी० शिवाजी राव	177.	श्रार० त्यागराज
130.	डी० वेंकटा रमणि	178.	वी० वी० पाल मुर्कर
131.	के० एस० गोविन्द राव	179.	विश्वनाथ शास्त्री
132.	जी० बी० भवाट	180.	एस० नरसिंह मूर्ति
133.	सी० गणेश	181.	एम० ग्रार० रंगनाथ
134.	यू० सुरेण राव	182.	द्यार० बी० नारायण शर्मा
135.	के० ग्रार० नरसिंह मृति	183.	म्रार० जयराज
136.	ए० टी० ची० शेषाद्वी	184.	डी० ग्रार० श्रीपाद
137.	ए० बी० काले	185.	भार० कृष्ण राव
	जी० जी० विरोदर	186.	बी० टी० ईराप्पा पी० के० 'राधाकुळान्
138.	जार जार विरादर	187.	tie die Matshald

सर्गा

- 188. भार० नारायणन्
- 189. बी० के० बालन्
- 190. जी० एत्र० सूर्येनारायाणा
- 191. जी० ग्रार० कृष्णामृति (2)
- 192. एस० मोहन कुमार
- 193. एस० के० देशपांडे
- 194. बी० एस० लक्षमीनारायणा
- 195. टी० एल० हेगडे
- 196. धाई० बी० सुन्दरराज
- 197. एल० जी० ममिधरन् नायर
- 198. म्रार० श्रीघर
- 199. पी० वरदराज
- 200. के० एस० मुरेश
- 201. गुरूराज एच० नायक
- 202. घी० नारायण राव
- 203. एन० एस० प्रकाण
- 204. डी० एस० शाहपूर
- 205. चार्लस सृईस
- 206. के० नारायणन् (2)
- 207. जीव केव भट्ट
- 208. ए० प्रकाश .
- 209. एन० सुब्रमेणियन् (3)
- 210. टी० एस० शिवप्पा
- 211. ए० एन० रामदुर्ग
- 212. पी० मल्लिकार्जनापा
- 213. यी० विश्वास
- 214. एम० एन० मोहन
- 215 एन० सुन्नमण्यप्पा
- 216. ए० सूरेशकुमार
- 217. एम० के० प्ताना
- 218. बी० एस० मांलिमी
- 219 जी० भ्रमंत पेद्दमानाभ राव
- 220. वी० गणेण बाबू
- 221. ए० जी० कुलकर्णी
- 222. ए० एम० बद्रीनाथ
- 223. एम० मुत्तु स्वामी
- 224. टी० एस० लक्षमीकान्तन्
- 225. बी० एन० नागराज राव
- 226. डी० राघवन्
- 227. श्रोय० लक्ष्मच्या
- 228. पी० जी० श्रीनिवासन्
- 229. एम० श्रीनिवासा
- 230. एस० श्रीधर मृति
- 231. एस० एन० मोहिटे
- 232. के० बी० नागराजन्
- 233. एच० एन० नागराजा
- 234. टी० एम० रामचन्द्राचार

अधोलिखित अनुभाग अधिकारियो (ले०प०) जो प्रति-नियुक्ति पर या विदेश सेत्रा पर हैं उन्हें सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में "नेक्स्ट बिलो रूल" के प्रोकार्मा के आधार पर 1-3-81 से उनके कनिष्टों के सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों के पदोक्षति होने के दिनांक से पदोप्रति की जाती है। सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी के पद में किसी वेतनमान के दाने, जब तक उनके निरूतरता बाहरी विभाग या विदेशी नियोक्ता में होगा तब तक, उनके बाहरी विभाग या विदेशी नियोक्ता के प्राधिकारियों के शर्तों पर संस्वीकृति वेतनमान लागू होगा।

सर्वेश्री

- 1. बी० एस० विश्वनाथ
- 2. धार० नागराज धर्मा
- 3. बी॰ एन॰ माधव राव
- टी० एस० क्रुटणा राव
- एम० सी० श्रीधर मूर्ति
- जी० बी० नागराजा
- 7. के० पी० माधव राव
- 8. एम० श्रीकण्ठराज श्रर्स
- एम॰ आर० पुट्ट नरिसह्य्या
- 10. एस० राजरथिनम्
- 11. एस० बी० मछिहरूली
- 12. एस० पी० देशपांडे
- 13. के० एस० श्रीनिवास मृति
- 14. के० एस० रघनन्दन
- 15. के० एस० वबारकानाथ
- 16. एम० श्रार० सूब्बराया
- 17. के० एस० बालकृष्णन्
- 18. के० पार्थसारती
- 19. नियाज श्रहमद गौरी
- 20. पी० डी० दातार
- 21. एच० शेषगिरी
- 22. डी० एन० वेंकटे शय्या
- 23. बी० एन० मुर्ति
- 24. पी० पी० गणपती
- 25. के० शेषगिरी
- 26. टी० वी० एम० पार्थमार्थी
- 27. एम० टी० प्रस्हलाया
- 28. एस० वेणुगोपाल
- 29. के० शंकरनारायणन्
- टी० सूर्यनारायण भास्त्री
- 31. बी० नागराजू
- 32. एम० रामाराव
- 33. शंकर नारायणराव
- 34 आर० पेरूमान
- 35. एम० सीनाराम
- 36. डी० बी० शेषाद्री
- 37. भी० नागराज्

सर्वश		42.	एम ०	पी० पत्मानाभ राप
.38	एम० पी० नंजुण्ड स्वामी	43	पी० :	कुन्होक्कव्यान्
39	एच० बी० विश्वनाथा	1.1	सी०	सुङगराव
40.	एस० बालमुक्रामण्यम्			उ० मंकर,
41.	श्रार० बेंकटरामन			उप महालेखाकार (प्रशासन)

निदेशक लेखा परीक्षा का कार्यालय, मध्य रेलके, बम्बई बी०टी०

दिनांक 3 मई 1984.

सं० ले॰ प॰/प्रशासन/विविध/गोपनीय/ !---निम्नलिखित प्रवरण कोटि प्रनुभाग ग्रधिकारी/ग्रनुभाग ग्रधिकारी (लेखा परीक्षा) नीचे दिये हुये दिनांक से स्थानापन्न लेखा परीक्षा श्रधिकारी/सहायक लेखा परीक्षा श्रधिकप्री के पद पर नियुक्त किये गये हैं।

कर्माक	नाम श्रीर पद		पदोन्नती	पदोक्षती जारी
ा. श्री ए	स ०एन० मोडक.	স্তৃক্তিয়ত্যত	से॰प॰ग्र॰	2-12-1983
2 श्रीपी	ि श्रार० परांजपे	***	म ०ले०प ०ग्र०	1-3-1984
3. श्री ए	० एस० राव,	1)	***	1-3-1984
4. श्रीमती	िए०ग्रार० श्रय्यर,	,,,	71	1-3-1984
5. श्रीए	० बी० पानसरे,	11	11	1-3-1984
6 श्रीर्ज	ि एस० मुक्ला,	"	13	1-3-1984
7. श्रीए	च० जे० भोजवानी,	য়৹য়৹	11	1-3-1984
8 श्रीए	स० ए० भ्रगरवाल,	***	"	1-3-1984
9 श्री ए	म० द्यार० करंदीकर,	,,	ކ	1-3-1984
10. श्री ए	स० भ्रार० निगोटे,	7)	71	1-3-1984
11. श्री र्ज	ो० एम० जोशी,	11	11	1-3-1984
12. श्री ए	० व्ही० कृष्णम्,	11	,,,	1-3-1984
13. श्री ए	० के० महाजन,	,,	11	1-3-1984
14 श्री ए	स० एस० वर्दे,	11	11	1-3-1984
15. श्री ए	स० एस० वैद्य,	11	1)	1-3-1984
16. श्री ए	स० एस० कुलकर्णी,	17	17	1-3-1984
1.7. श्रीवे	⁵ ० पी० सिह,	11	11	1-3-1984
18.श्रीए	स० के० वर्मा,	11	"	1-3-1984
19. श्री %	गर० के० कपूर,	1)	11	1-3-1984
20. श्री व	ि सी० पाल,	13	,,,	1-3-1984
21. थी ए	(च० डी० शर्मा,	",	"	1-3-1984
22. श्री मं	ोहमद शफी,	17	"	1-3-1984
23. श्रीए	न० सी० भ्रगनिहोत्री,)1	"	1-3-1984
2.4. श्री ज	ी० सी० राय,	71	"	1-3-1984
25. श्री ए	म० वी० मोटघरे,	"	,,	1-3-1984
-	० टी० खिलनानी,	**	71	1-3-1984
27. श्रीटी	l० एम० सितारामन,	11),	1-3-1984
	ार० एस० चव्हाण ,	11	7)	1-3-1984
29. श्री पी	। तलरेजा ,	n	11	1-3-1984
30. श्री ए	० सी० सराफ,	n	n	1-3-1984
31. श्री के	० श्रार० पिलाई,	1)	11	1-3-1984
32. श्री ए	स० पी० धमेजा,	"	j,	1-3-1984
33. श्री प्र	ार० डी० केसवानी,	11	1)	1-3-1934
34. श्री ग्र	ार० बी० तेवारी,	11	n	5-3-1984
35. श्री श्र	ττο एनο तिवारी,	,;	17	1-3-1984
36. श्रीए	फ० जे० ग्रागा,	"	11	1-3-1984

क्रमांक नाम और पद		पचोन्न ति	पदोस्रोति जारी
37. श्री कें व्ही वाब्राजन,	য়৽য়৽	म ०ले०प०अ०	1-3-1984
38 श्री श्रार० ग्रनंथरामन,	11	***	1-3-1984
39. श्री निसार ग्रहमद,	**	, 11	1-3-1984
40. श्री व्ही० ए० गारी,	1)	11	1-3-1984
41. श्री पी०सी० जैन,	71	I I	1-3-1984
42. श्री डी०बी० पाखीडें,	n	11	1-3-1984
43. श्री ए०पी० भवालकर,	27	17	1-3-1984
44. श्री पी० मोहनदास,	"	**	1-3-1984
45. श्री ग्रार०डी० राजन,	"	31	1-3-1984
46. श्री श्री०एन० पांडे,	1)	, n	1-3-1984
47. श्री के०पी० शेट्टी,	11	"	1-3-1984
48. श्री व्ही०एस० गुप्ता,	n	,,,	1-3-1984
49. श्री ए० राधाकृष्णन्,	"	n	12-3-1984
50. श्री श्रार०के० बजाज,	"	"	22-3-1984
51. श्री एस०एम० लवाटे,	,,,	7,9	11-4-1984
52. श्री श्रो०पी० मेहता,	, D	11	1-3-1984
53. श्री श्रार०के० गर्मा,	Ŋ	1)	1-3-1984
54. श्री जे॰जी॰ लुखे,	11	"	1-3-1984
55. श्री के० वेणूगोपालन,	33	11	1-3-1984

एस० सींदरराजन, निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा मंत्रालय भारतीय श्रार्डनैन्स फैंक्टरियां सेवा श्रार्डनैन्स फैंक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-700016 दिनांक 24 मार्च 1984

सं० 23/जी०/84—वार्धक्य निवृत्ति ग्रायु प्राप्त कर, श्री जोगिन्दर सिंह, सहायक निर्माण प्रवन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) विनांक 31 मार्च, 1983 (श्रपराह्र) से मेवा निवृत हुए।

दिनांक 27 श्रप्रैल 1984

सं०-24/जी/84 — राष्ट्रपति महोदय, हैवी वैहिकल फैंक्टरी, श्राबादी, मद्रास के अवकाश प्राप्त महाप्रबन्धक सी० जी० डी० भल्ला को अपनी सही जन्म तारीख अर्थात् 12-2-1923 को दबाकर वार्धक्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 28-2-1981 (श्रपराह्र) मे अपनी सामान्य सेवा निवृत्ति की तारीख के उपरान्त सेवा में अनधिकृत रूप से बने रहने के फलस्वरूप उपरोक्त श्रवधि में उनके द्वारा की गई प्रणासनिक/वित्तीय कार्रवाइयां नियमानुकूल करने की दृष्टि से, भारतीय श्रार्डनैन्स फैंकटरियां सेवा में दिनांक 1-3-1981 से 15-5-1981/श्रपराह्न तक की यवधि के 2—7601/84

लिए, अपर महानिदेशक, ग्रार्डनैन्स फैक्टरियां की श्रेणी में पनः नियमत करते हैं।

> वी० कें० मेहता, निवेशक/स्थापना

वाणिज्य मंत्रालय मुख्य नियंत्रक, श्रायान एवं निर्यात का कार्यालय, नई दिल्ली, दिनांक श्रप्रैल 1984 श्रायात भ्रौर निर्यात व्यापार नियंक्षण (स्थापना)

सं० 6/1370/81-प्रशासन (राज०)--मेवा निवृत्ति की ग्रायु होने पर, श्री श्रमित कुमार मुतर्जी, जो संयुक्त-मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यात्य, कलकत्ता में नियंत्रक, श्रायात-निर्यात हैं, 31 जनवरी, 1984 के श्रपराह्र से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

> एम० एल० जयन्त, उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात एवं निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, श्रायात एवं निर्यात

पूर्वि तथा निष्टान महानिष्टणलय

(प्रणासन प्रनुभाग-6) नई दिल्ली, दिनाक । मई 1984

स० ए०-17011/121/77-ए०-6 --राष्ट्रपति भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड III ग्रप 'ए" (धातू णाखा) के सहायक निदेशक निरीक्षण (धात) श्रा एम० के० गागुली को दिनाक 21-3-81 के प्याह्म स छ गहीन का प्रविध क नियं प्रथवा इस पद के नियमित श्राधार पर भर जान तक जो भी पहले हो पूर्णत तदर्थ श्राधार पर भारतीय निरोक्षण सेवा के ग्रेड II ग्रुप "ए" (धातु णाखा) का स्थानापन्न उप निदेशक निरीक्षण (धात्) नियुक्त करते हैं।

श्री एस० क० गागुली की तदर्थ नियुक्ति से उन्हें निय-मित नियुक्ति के लिये दाया करने का कोई हक नहीं होगा तथा उनके द्वारा की गई सेबायें उस ग्रेंड में वरीयता पदोन्नित एवं स्थायीकरण की पाबता के लियें गिनी नहीं जायेंगी।

श्री एम० के० गागली ने दिनाक 21-3-84 के पूर्वाह्म से सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) के पद का कार्यभार छोट दिया है तथा दिनाक 21-3-81 के पूर्वाह्म से निरीक्षण निदेशक (धातु) जमगोदपुर के ग्रबीन उप निदेशक निरीक्षण (धातु) के कार्यालय की कार्यभार सभाल लिया है।

> एस० एस० कपूर, उप-निदेशक (प्रशासन)

इस्पात श्रीर खान महालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपूर, दिनाक 28 भ्रप्रैल 1984

म० ए०-194011 (181)/76-म्था० ए०---विभागीय पदोश्चित समिति की सिकारिण पर श्री ग्रार० एस० लिहिपाडे, स्थायी किनिष्ठ खनन भूविज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरों में वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर दिनाक 30-3-84 (श्रपराह्म) से पदोन्नति प्रदान को गई है।

दिनाक 30 घप्रैल 1984

म ० ए०-19011(50)/70-स्था० ए० --विभागीय पदोन्नित समिति की सिफारिण पर श्री एम० एल० सिघल, क्षेत्रीय खनन भूविज्ञानी, भारतीय खान ब्यूरो को, मैंगनीज श्रीर इंडिया लि० से दिनाक 12-4-84 अपराह्म से वापस झाने पर, जहा वे मख्य भूविज्ञानी के पद पर दिनाक 30-6-82 (अपराह्म) से प्रतिनियक्ति पर थे, दिनाक 12-4-84 (अपराह्म) से प्रधीक्षक खनन भूविज्ञानी के पद पर स्थानावश्र क्षे में पदोन्नित प्रदान की गई है।

सं० ए०-19011 (220)/79-स्था० ए० --विभागीय पदोक्षति समिति की सिकारिण पर श्री चूडामणि पाल, कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी, भारतीय खान ब्यरो की दिनांक 3 भ्रप्रैल 1981 (ग्रपराक्ष) से वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर स्थानापक्ष रूप में पदाक्षति प्रदान की गई है।

स० ए० -19012(178)/83-स्था० ए० --सघ लोक मेवा श्रायोग की सिफारिण पर श्री रिवन्द्र रघनाथ शेन्डे, बरिष्ठ नकनोकी सहायक (रसायन) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, पुणे-6 की दिनाक 3 श्रील 1981 के पूर्वाह्म में भारतीय खान ब्यूरा में स्थानापन्न रूप में सहायक रसायत-विद् के पद पर नियक्ति की गई है।

श्राणाराम कश्यव वरिष्ठ प्रणासन श्रिधकारी भारतीय खान क्युरो

नागपुर दिनाक 2 मई 1984

स० ए०-19011(352)/84-स्था० ए०---राष्ट्रपति, श्री के० एन० कलांदे, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (खनन) को सघ लोक सेवा ग्रायोग की सिफारिण पर, भारतीय खान ब्यूरों में सहायक खान नियन्नक के पद पर, स्थानापन्न रूप में दिनाक 31-3-84 के ग्रपराह्न से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनाक 4 मई 1984

म० ए०-19011(298)/83 स्था० ए० पी० पी०— निवर्तन की श्रायु पूर्णकर सेवानिवृत होने पर श्री ए० श्रार० कश्यव, विष्ट प्रणासन श्रीधकारी का 30 श्रप्रैल 1984 के श्रपराह्म से भारतीय खान ब्यूरो के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है श्रीर तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

> पी० पी० बादी प्रशासन त्रधिकारी **कृते महा**नियत्रक भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय भृवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनाक 30 भ्रप्रैल 1984

म० 297/बी०/ए०-32013 (प्रणा० श्रधि०)/82/19-ए० —भारतीय भवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के श्रधीक्षक श्री गुप्लेक्ष्यर सिंह की प्रशासिक श्रधिकारी के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार वेतन पर 650-30-710-35-द० से० -810- द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० -40-1200 रू० के वेतनमान में, श्रस्थाई क्षमता में श्रागमी श्रादेश होने तक 13-3-84 के पूर्वाह्म में पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

दिनाक 1 मई 1984

म० 2999-बी०/ए०-19012(3-जेपीएस)/83-19-बी०— भारतीय भवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ श्री जगदोण प्रसाद शर्मा ने तेल और प्राकृतिक गैम ग्रायोग में रसायनज्ञ का पद ग्रहण करने के लिए भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में दिनाक 18-7-83 के श्रपराह्म से ग्रपना कार्यभार सीप दिया।

दिनाक 7 मई 1984

मं० 3118-बी०/ए०-19012 (3-पी०के० प्रार०)/84-19-बी० — भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण के विष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन), श्री प्रदीप कुमार राय को महायक रसायनज्ञ के पद पर, भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में, नियमानुसार बेतन पर 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 रू० के वेतनमान में, श्रम्थायी क्षमता में, श्रागमी श्रादेण होने तक, 28 मार्च, 1984 के पूर्वाह्म में पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

मं० 3128 बी०/ए०-19012 (3-एम० एस० बी०)/8419-बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक,
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी महायक
(रसायन) श्री सूर्य शकर बोम को महायक रमायनज के
पद पर, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण मे, नियमानुसार
बेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40
1000-द० रो० 40-1200 ६० के ज्वतनमान मे,
अस्थायी क्षमता मे, आगामी आदेश होने तक, 24 मार्च
1984 के पूर्वाह्न से पदोष्ठानि पर नियुक्त कर रहे हैं।

मं० 3138-बी०/ए०-19012 (3-ए०के०एस०)/83-19-बी० —भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, डा॰ ग्रणोक कुमार मोलंको को महाग्रक रसायनज्ञ के पद पर, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुमार या 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 रु० के न्यूनतम वेतनमान में, जैसा मामला हो, ग्रस्थायी क्षमता में, ग्रागामी ग्रादेश होने तक 3-3-1984 के पूर्वाह्म से नियक्त कर रहे हैं।

> श्रमित कुणारी निदेशक (कार्मिक) भारतीय भूवैज्ञानिक मर्वेक्षण

कलकत्ता-700016,विनांक 1981

स० 3010-की०/ए०-19012 (बी०टी०)/84-19-ए०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेणक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के विष्ठि तकनीकी महायक (डी०भ्रो०) श्री
बेजामिन टोप्नो को ग्रार्टिस्ट के रूप में, उसी विभाग में,
नियमानुसार वेतन पर 650-30-740-35-810- द० रो०35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान
में, स्थानापन्न क्षमता में, ग्रागामी भादेश होने तक 7 ग्रुप्रैल,
1984 के पूर्वाह्न में पदोन्नानि पर नियुक्त कर रहे हैं।

श्रमित कुणारी निदेशक (कार्मिक) कसे गहानिदेशक महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहराटून, दिनाक 1 मई 1984

सं० मी०-6063/594 — श्री ख़ड़क सिंह, तकनीकी सहायक (मानचिन्न पुनक्त्पादन) सि०ले ग्रेंड को दिनांक 30 मार्च, 1984 में सहायक प्रबन्धक, मानचिन्न पुनक्त्पादन सा० सि० सेवा ग्रुप "बा") के पद पर भारतीय सर्वेक्षण विभाग में 650-30-740-35-810-द० रो० -35-880-40-1000-द० रो० -40-1200 स्पर्य के वेतनमान में तदर्थ ग्रांधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है ग्रोर उनकी तैनाती मं० 101 (एच०एल०ग्रो०) मुद्रण वर्ग (मा० प्र० निदेशालय), देहरादून में की जाती है।

भारतीय सर्वेक्षण विभाग दिनाक 2 मई 1984

स्था० I-6065 | 698-मैप क्यूरटर — श्री नरोसम णर्मा, ग्रधीक्षक, महासर्वेक्षक कार्यालय. दिनांक 30 मार्च, 1984 (पूर्वाह्म) मे श्रगले श्रादेशों तक पूर्वी मिकल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कलकत्ता मे प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण पर मैप क्यूरेटर (मा० मि० मेवा ग्रुप को० पद) के पद पर 550-25-750-द.० रो०-30-900 रुपए के वेतनमान मे स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जातें हैं।

गिरीण चन्द्र श्रग्नेवाल, मेजर जनरल, भारत के महासबक्षक

राष्ट्रीय प्रभिलेखागार

नई दिल्लो-110001, दिनाक 1 मई 1984

स० एक०-8-9/83-स्था० — श्रीतरलोखन सिंह, प्रशासन अधिकारों के सरकारी सेवा में स्वेच्छा में सेवानिवृत्त होने के फलस्वरूप, श्री ए०के० शर्मा, श्रधीक्षक, को पहलों मई, 1984 के प्रविद्ध से, श्रगले श्रादेश होने तक, पूर्णतया तदर्थ साधार पर प्रशासन श्रीधकारों (यूप "वी"-राजपितत) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है। उन्हें इस तदर्थ नियुक्त में नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक अथवा क्लेम नहीं होगा और इसे वरीयता के प्रयोजन हेत् श्रीर अगले ऊचे ग्रेड में पदोश्रीत को पावता के लिए नहीं माना जायेगा।

राजेश परती, ग्रभिलेख निदेशक

श्राकाणवाणी महानिदेशालय

नई दिल्लो, दिनाक 27 प्रप्रैल 1984

स० 10/4/83-एस०-तीन/चार--महानिदेशक, श्राकाण-वाणी, एतद्द्वारा कुमारी इमा भट्टाचार्य, को 30-3-1984 (पूर्वाञ्च) से अपने आदेश तक, श्राकाशवाणी, कनकत्ता में, श्रस्थाई रूप में, सहायक ग्रभियन्ता के पद पर नियुक्त करते हैं।

विनांक 1 मई 1984 शुद्धिपत

सं० 10/46/77-एस तीन/चार--श्री वी०के० चिटिनस, सहायक श्रिभियन्ता, दूरवर्शन केन्द्र, बस्बई के श्रनुरोध को स्वीकार करने के फलस्वरूप, उनके स्वीक्छिक सेवा निवृत्ति की तारीख 30-11-1983 (श्रपराह्न) के स्थान पर 1-12-83 (पूर्वाह्न) पढ़ी जाए।

मार्क्स एन० इलियास, प्रशासन उप निदेशक, कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 30 श्रप्रैल 1984

सं० ए०-32014/2/81 (ज०सं० ७०)/प्रशासन-1/एम० (एफ० एण्ड एस०) — स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री पी०एस० श्रीनिवासन को 10 जनवरी, 1983 के पूर्वाह्र से तथा श्रागामी श्रादेशों तक जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवम् अनुसंधान संस्थान, पाण्डिचेरी में प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर प्रशासनिक श्रिधकारी के पद प्रतियुक्त किया था।

श्री पी०एस० श्री निवासन का सफदरजंग अस्पताल नई दिल्ली में मुख्य प्रशासनिक श्रधिकारी के पद पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 16 मार्च, 1984 के श्रपराह्म से जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं श्रनु-संधान संस्थान, पाडिचैरो के प्रशासनिक श्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

पी० एन ठाकुर, उप निदेशक प्रशासन (सी०एण्ड बी०)

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 3 मई 1984

सं० ग्रार०-201/स्था०11/1671 — श्री इलम्पिलविल रामकृष्णन् ने भा०प०द्म० केंद्र के निदेशक के निजी संचिव पद का पद भार 30-9-1983 ग्रपराह्म को छोड़ दिया।

> आर०एल०बता उपस्थापना अधिकारी

परमाण ऊर्जा विभाग नरौरा परमाणु विद्युस् परियोजना बुलन्दणहर, दिनांक 1984

नं० पर्वाविष्याः/भर्ती/11(6)/84/एम०/---नरीरा प्ररमाणु विद्युत् परियोजना के परियोजना निदेशक स्थायी श्रवर श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न चयन श्रेणी लिपिक, श्री ए० एस० गलवणे को श्री एन०के० शर्मा, सहायक कार्मिक ग्रिश्वकारी के ग्रवकाश जाने पर दिनांक 5-3-1984 से 7-4-1984 उनके स्थान पर नरौरा परमाणु विश्रुत् परियोजना में तदर्थ श्राधार पर ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक कार्मिक ग्रिधकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

नं ० प० वि० प०/प्रशा०/भर्ती/11(6)/84/एस०/—नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना के परियोजना निदेशक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न चयन श्रेणी लिपिक, श्री श्रोम प्रकाश को श्री एस० सी० बन्सल, सहायक कार्मिक श्रीधकारीं के अवकाश जाने पर दिनांक 13-2-84 से श्रीप्रम श्रादेशों तक उनके स्थान पर नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना में तदर्थ श्राधार पर रु० 650-30-740-35-880 द० रो०-40-960 के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रीधकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

ग्रार० के० बाली, प्रशासन श्रधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र हैदराबाद-5000/62, दिनांक 23, अप्रैल 1983 जापन

संदर्भ ना०ई०स०/का०प्र०4/ग्र०न० सं०/3800/186— पत्न संख्या का प्र०भ०/0702/2057, दि० 2-5-1981 के उन के नियुक्ति प्रस्ताव के श्रनुच्छेद 1 (क) को कार्यालय ज्ञापन संख्या का प्र०भ०/0702/2057, दिनांक 8-5-1981 के बाथ संयोजित करते हुए तथा उनके श्रनुसार नाभिकीय ईंधन सम्मिश्न के श्रनुरक्षण निवका संयंत्र के कारीगर 'क' श्री पी बलराम, कार्मिक कूटौक 3800 की संवा तत्काल प्रभाव से समाप्त की जाती है तथा नोटिस की अविध के लिए बेतन एंव भरतों के वे उसी दर पर हकदार होंगे जिस दर पर वे श्रपनी सेवा की समाप्ति के तुरंत पूर्व प्राप्त कर रहे थे।

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्न के श्रन्रक्षण निलंका संयंत्र के प्रबंधक जी को वे श्रपना बस पास, सुरक्षा बिल्ला, परि-वार परिचय पत्न, तथा उन को दो गई श्रम्य कोई सरकारी सामग्री तन्काल ग्रभ्यपित कर दें।

श्री पी० बलराम,

निवास संख्या 4-90

घटकेसर, जनपद:रंग रेडिडा---

दिनौंक 28 भ्रप्रैल 1984

सं० का०प्र०भ०/0704/983 — इस कार्यालय की ग्रधि-सूचना संख्या का प्र०भ०/0704/664, दिनांक 13-3-1984 के कम में सहायक लेखाकार श्री यु०रा० प्रभाकरन जी सहायक लेखा अधिकारी के रूप में तदर्श आधार पर र० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के बेतन-मान में नियुक्ति की, दिनांक 22-5-1984 पर्यंन्त अथवा आगामी आदेशों पर्यन्त जो भी पूर्वघद्भित हो, बढाया जाता है। दिनांक 30 अप्रैल 1984

सं० का० प्र०भ०/0704/994 --- नाभिकीय सम्मिश्र के प्रशासन के उप मुख्य कार्यपालक जी सहायक लेखाकार श्री एन० भरतन को तदर्थ आधार पर ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के रूप में दि० 23-4-1984 से 9-6-1984 पर्यंत अथका आगामी आदेशों पर्यंत जो भी पूर्व घटित हो, नियुक्त करते हैं।

> जी० जी० कुलकर्णी प्रबंधक, कार्मिक व प्रशासन

महानिदेशक नागर विमानन का का यालिय नई विल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1984

सं ०ए०-32014/2/83-ई०सी० --महानिवेशक विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, वाराणमी के कार्यालय में कार्यरत श्री माम चन्द, संचार सहायक को दिनांक 25 जनवरी, 1984 (पूर्वाह्न) से तथा अन्य आदेश होने तक सहायक मंचार अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है श्रौर उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, वाराणसी में तैनात किया है।

> ग्रो०पी० अग्रवाल, सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1984

सं०ए०-32014/4/83-ई०सी०--महानिदेशक नागर विमा-नन ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को उच्च पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से छ: मास की अर्याध के लिए या पद के नियमित आधार पर भरेजाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, रु० 650-1200 के वेतन-मान में सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है ग्रीर उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :---

ऋमसं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	जिस स्टेशन पर तैनाक्ष किया गया	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
सर्वश्री	-Fa		44 mm	
1.	टी०एस० धर्मराज		केलारी	14-4-84 पूर्वाह्न
2_{\cdot}	एस ०के ०			
	उपाध्याय	कलकत्ता	कलकला	30-12-83 पूर्वाह्न

(1) (2) (3)		(4)	(5)
सर्वश्री			
 एच०वी० इसरार्न 	ì		
;	कुड़	<i>चित्रेन्द्रम</i>	13-2-84
			पूर्वाह्न,
4. जी०एम० प्मैथ्यू			
	त्रिवे न्द्रम	त्निवेन्द्रम	28-12-83
			पूर्वीहन
 एम०सी० गुप्ता 			
,	जोधपुर	पालम,विल्ली	6-2-84
			पूर्वहिन
के०आर० नरसिम	हन		
;	मद्रास	मद्रास	28-11-83
			पर्वाहन
		श्र ो० पी	० अग्रवाल,
		सहायक निदेश	क प्रशासन,

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1984

कृते महानिदेशक नागर विमानन

सं० 5/84--श्री एस० एन० शर्मा ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, दिल्ली में सहायक समाहर्ता के पद पर कार्यरत थे, वित्त मंत्रालय, राजस्य विभाग के दिनांक 30-1-84 के पत्न फा० सं० U0-22012/10/94 प्रशा० Π आदेश सं० 23/84 द्वारा निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदे-शास्त्रय, सीमा गुल्क एवं केंद्रीय उत्पादन शुल्क, नयी दिल्ली में स्थानांतरण हो जाने पर. दिनांक 16-4-84 को पूर्वाह्म में सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया।

> ए० सी० सल्डाना, निरीक्षण निदेशक

नौबहन और परिवहन मंत्रालय नौवहन महानिदेशालय बम्बई-400038, विनांक 1984

स० २-एस०एच०(४)/83----संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री बी०के० भौमिक को 31-10-83 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशी तक जल परिवहन विभागः विशाक्रापटनम में अस्थायी तीर पर इंजीनियर श्रीर पोत सर्वेक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 2-एस०एच०(6)/83--संघ लोक सेवा आयाग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री अजय चटर्जी को 31-10-83 (पूर्वाह्म) से अगले अादेशों तक जल परिवहन विभाग, कलकत्ता में अस्थायी तीर पर इंजीनियर श्रीर पोत सर्वेक्षक के रूप में नियक्त क्षेपने हैं।

> पी० घोष, नीवहन उप महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1984

सं० ए०-19012/1015/82-स्था० पांच--अध्यक्ष, केम्ब्रीय जल आयोग, श्री एस० सी० बन्धोपाध्याय, पर्यवेक्षक को अति-रिक्त सहायक निदेशक/सहायक ष्टंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड तथा २० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-1200 के वेतनमान में पूर्णतः अस्थाई तथा तदथं आधार पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 30-11-82 की पूर्वाह्न से 31-8-1984 अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

डी० कृष्णा, अवर सचित्र

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

"कम्पनी अधिनियम 1956 और फिरदोस फानेन्सियरस एन्ड चिट फन्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 1984

सं० जी०/स्टेट/3019--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर फिरदोस फानेन्सियरस एण्ड चिट फन्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

बी० एम० हुजैन, कम्पनी राजस्ट्रार, पंजाब, हिमाचल प्रवेश एवं चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर प्रभात सेविगस एन्ड फिनान्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में :---

पटना-800001, दिनांक 1984

सं०--कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि प्रभात सेविंगस एन्ड फिनान्स कम्पनी प्राईबेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और तूफान केडिट एन्ड फिनान्स कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में :--

दिनांक 1984

सं० (1745)560—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दो जाती है कि प्रात केविट एण्ड फिनान्म कम्पनी प्राईबेट निमिटेड का नाम जाज कम्पनियों के रजिस्टर से काट विया गया है और उपल कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और गाईड सेबिंग एन्ड फिनान्स कम्पनी प्राईबेट लिमिटेड के विषय में :--

दिनांक 1984

सं० (1163) 560 — कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दो जाती है कि गाईड से विंगे एन्ड फिनान्स कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कस्पनी अधिनियम 1956 और जमालपुर केडिट एन्ड इनबेस्टमेन्ट कस्पनी प्राईबेट लिमिटेड के विषय में :---

दिनांक 1984

सं० -- कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि जमालपुर केडिट एन्ड इनवेस्टमेंट कम्पा प्राईबेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ए० बहाब अन्सारी,

कस्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियम 1956 और मदन एंड कं (पेरार) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। कलकत्ता, दिनाह 2 मई 1984

सं 19215/560(3) कम्पनो अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह मूचना दो जातो है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर भदन एंड कं (पेपार) प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्ति न किया गया तो रिज टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और वाणी मालंच प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

विनांक 2 मई 1984

सं० 24305/560(3)——कम्पनो अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दो जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवनान पर वाणी मालच प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दींगत ने किया गया तो रिजस्टर में काट विया जायगा और उक्त कम्पनो विघटित कर दो जायगी।

> कम्पनी अधिनियम 1956 और हिन्दुस्तान टिम्बर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में दिनांक 2 मई 1984

मं०-24776/560(3) —कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एलप्**दारा** यह सुभना दो जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हिंग्युस्तान टिंबंर इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेख का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशान न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विषटिस कर दी जायगी।

> कम्पनी अधिनियम 1956 और हीरा मारकेटिंग प्राक्ष्वेट लिमिटेड के विषय में।

दिनाँ ह 2 मई 1984

मं० 26926/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस नारीख से तीन भास के अवसान पर हीरा मारकेटिंग प्राईवेट लिक्टिंड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिंगत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विधटित करदी जायगी।

> यम्पनी अधिनियम 1956 और चटर्जी हेल्य मर्विमेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। दिनाक 2 मर्ड 1984

सं० 28329/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीख से तीन मास
के अवसर पर चटर्जी हैल्थ सिंबसेस प्राईवेट लिमिटेड का
नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणन न किया गया तो रिजस्टर
से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी
जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कमर्राणयल पिलमेंक प्राडवेट लिमिटेड के विषय म । दिनौंक 2 मई 1984

मं० 28333/560(3) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीख से नीन मास के अवसान पर कमरणियल पिलम के प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मुमेर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। दिनांक 2 मई 1984

मं० 30/37/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 को धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवमान पर मुकेर प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रति- कल कारण दर्शित न किया गया तो रिजम्टर मे काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विष्टित कर दी जायगी।

> एम० आर० वि० वि० सत्यनारायन कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बिलपास प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

महास, दिनांक 30 अप्रैल 1984

म० 5719/560(3)/84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा () के अनुसरण में एनद्द्रारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख मे तीन मास के अवसान पर बिलपास प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिकात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बाल् फैबरिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनाँक 30 अप्रैल 1984

गं०- -- 660 9/560 (3)/84 -- कम्पनी अधिनियम
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुनरण में एनद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख
से तीन मास के अवसान पर बालु फैबरिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकल कारण दिशात न किया गया 'तो
रिजस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित
कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पोलिग्राम इनस्ट्रीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में । दिनांक 5 मई 1984

मं० 7982/560 (3)/84— त्रम्पती अधितियम, 1956 की धारा 560की उपधारा () के अनुसरण में एतद् धारा यह सूचता दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पोलिग्राम इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम उसके प्रतिकृत्व कारण दिया न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और उकत कम्पती विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपटमीय अवर कम्पनी रजिस्ट्रार तमिलनाडु कम्पानी लिधिशियम, 1955 और पचनील शीपींग लिमिटोड (समापन अन्तर्गत) के विषक्त में कलकता, विनांक 9 गई 1984

मृ. एल /30753/एच-डी/2067—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनित्ररण में एतद्द्यारा यह सूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्चन्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 9-2-1984 के आदेशानुसार उपरांक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक, उच्चन्यायालय कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियक्त किया है।

एस. के. शाहा कम्पनियों का अतिरिक्त रिअस्ट्रार पश्चिम बंगाल, कलकस्ता

कार्यालय आयकर आयुक्त लप्यनऊ, दिनांक 30 अपैल 1984 आयकर विभाग

सं० 22(ए) 165—श्री शम्भूनाथ सक्सेना, आयकर अधिकारी (वर्ग "ख") जो आयकर अधिकारी, डी०-वार्ड, लखनऊ में तैनात थे 31-1-84 के अपराह्म में निवर्तन की आयु पर रिटायर हो गये।

श्री सुशील कुमार, आयकर अधिकारी (वर्ग "खें ें) जो कर-बसूली अधिकारी. मुरादाबाद में तैनाल थे 31-1-84 के अपराह्म में निवर्तन की आयु पर रिटायर हो गये।

श्री कें ० जी० श्रीवास्थव, आयकर अधिकारी (वर्ग 'खा'') जो आयकर अधिकारी बी-वार्ड, फैजाबाद में तैनात थे 31-1-84 के अपराह्म में निवर्तन की आयु पर रिटायर हो गये। श्री विनोद कुमार राय, आयक र निरीक्षक, इलाहाबाद प्रभार को आयकर अधिकारी (वर्ग "ख") के पद पर आफिसियेट करने के लिये कुछ 650-30-740-30-810-दूर रोज -35-880-40-1000-देव रोज-40-1200 के वेमनमान में पदोक्षण किया गया है। पदोन्नित पर उन्होंने 9-3-84 के पूर्वाह्र में जन सम्पर्क अधिकारी, कार्यालय आयकर आयुक्ष, इलाहाबाद के रूप में कार्यभार संभाला।

श्री कुणलपाल मिह, आयक्कर निरीक्षक, लखनऊ प्रभार को आयकर अधिकारी (वर्ग "ब") के पद पर आफिसियेट करने के लिये र० 650-30-740-30-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में पदोश्रत किया जाता है। पदोश्रति पर उन्होंने 9-3-84 के पूर्वाह्न में आयकर अधिकारी (सी०आई०बी०) कार्यालय आयकर आयुक्त, लखनऊ के रूप में कार्यभार संभाला।

श्री मुकेश चन्द्र बौराई, आयकर निरीक्षक, लखनऊ प्रभार को आयकर अधिकारी (वर्ग "ख") के पद पर आफिसियेट करने के लिये रु० 650-30-740-30-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में पदोक्षम किया गया है। पदोन्नित पर उन्होंने 30-3-84 के अपराह्म में अतिरिक्त सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ के रूप कार्यभार सभाला।

श्री हरीओम प्रकाण सक्सोना, श्रायकर निरीक्षक लखनऊ प्रभार की आयअर ग्रिधकारी (थर्ग ''ख'') के पद पर आफिसियेट करने के लिये रु० 650-30-740-30-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेसनमान मे पदोन्नित किया गया है। पदोन्नित पर उन्होंने 11-4-84 के पूर्वोन्ह मे कर-बसूली ग्रिधकारी, मुरादाबाद के रूप में कार्यभार संभाला

धरनी धर, आयकर आयक्त, लखनऊ प्रारुप आहे. टी. एन. एस. न्नन्य------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 260-प (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 म्रप्रैल 1984

ग्रावेण सं० रा०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/2383---यतः सुन्ने. मोहम सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् (उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिनका उनित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 64 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कर्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 10 ग्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपित्स के उिचत बाजार मूख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा क निए; और/धा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या खन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, या धन-(1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-क्रर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिज्याने में मिविधा के निए।

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :~~ 3.~76GI84 श्री प्रभुदयाल

पृत्र श्री किशन बन्द

निवासी 427 गली नं० 3,

राजापार्क,

जयपुर।

(भ्रन्तरक)

श्री लक्ष्मीनारायण
पुत्र श्री रिखी राम,
188, फंटियर कालोनी,
ग्रादर्श नगर,
जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

अन्स्पी

प्लाट नं० 64, फ्रांटियर कालोनी, श्रादर्श नगर, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1814 दिनांक 10 ग्रगस्त, 1983 पर पंजीबड़ विकय पत्र में ग्रौर विस्तृत स्टा मे विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

नारीख: 12 श्रप्रैन 1984

मोहर:

प्ररूप आइ².टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्**प**ना

भारत सरकार

कार्यालयः, महायक क्षायकार आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, जयपुर

जथपुर, दिनाक 12 भ्रप्रौल 1984

श्रादेश स॰ राज॰/सहा॰/श्रा॰ श्रर्जन/2382—यत. मुझे, मोहन सिंह,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० म्लाट न० 1 बी/17 है तथा जो जयपुर मे स्थित है, (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णं रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर मे, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5 श्रगस्त, 1983

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया मिया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अतरण से हुई फिली आप की बाबल, उपन पिक्रियम के अपीन कर दोने के अतरक के लोकरण में क्यी करने या उससे बचने में स्विधा (२२० कीर/छ।
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यां उक्त अधिनियम, या धनकर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में स्रिया के रितए,

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी. तत अधिनियम की धारा 269-व की उरवारा (1) के अधीन, िकिटियम व्यक्तियों, सर्थात :---

श्री सुरेन्द्र कुमार बहल 606, श्रादर्श नगर, जयपुर।

(श्रन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कर्ष्य किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्सूची

प्लाट नैं० 1 बी, 17 सिविल लाईन्स, कल्याण कुंज, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम सं० 2025 दिनाक 5-8-83 पर पंजीबद्ध विकय पत्र मे ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिका सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

सारीख: 12 ध्रप्रैल 1984

मोहर:

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालम्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 12 श्रप्रैल 1984

आदेश सं० राज०/सहा० आ० श्रर्जन/2381—यतः, मुझे, भोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 4 है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 25 ग्रगस्त, 1983

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नसिवित उद्देश से उनत अन्तरण विविद्य में बास्तिक क्ष्य से किएत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सर्विधा के मिए; बौर/या
- (श) श्रेती किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिज्ञी व्याग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उथरा अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उथरा अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) को अधीन, निगननिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् हिल्ल (1.) भैंसर्स साकेत एन्टरप्राइजेज द्वारा भागीदार श्री सुनिल कुमार केडिया पुत्न श्री श्रोमप्रकाण केडिया, 25 जवाहरलाल नेहरू मार्ग, जयपुर।

(अन्तरक)

(2.) श्री ग्रलताफ हुसैन, सिराजुद्दीन; जाकिर हुसैन गुलाबनबी, एयं मुहम्मद रफीक पुद्रान श्री अब्दुल गनी रंगरेज, नियासी रामगढ़, जिला मीकर।

(भ्रन्तरिनी)

को वह सूपना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वाए;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्द्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति मो किए जा सकींगे।

स्थव्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होरा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

णोरूम स्थित प्लाट नं० 4, मंसार चन्द्र रोड़, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1969 दिनांक 26 श्रगत्त, 1983 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, जयपूर

तारीख: 12 भ्रप्रैन, 1934

मोहर

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत बच्चार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अप्रैल 1984

श्रादेश सं० राज०/महा० ग्रा० ग्रर्जन/2380—यतः मुझे, मोहन सिंह,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/न्तः से अधिक है

भ्रौर जिसकी मं० प्लाट नं० 32 है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित है, (श्रार इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हनुमानगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31 श्रगस्त 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी नायु की नायत, उक्त जीभृतियम के जभीन कर दोने के जुस्तुरक के दायित्य में कमी करने या उग्नस नक्षेत्रें सुनिका के लिए; बरि/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

बत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अमृतरण में, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269 थ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अधीत् ;── श्री कण्मीरी लाल पुत्र श्री करम चन्द हनुमानगढ़ टाउन।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती प्रसन्नी देवी
 पत्नी श्री ग्रमर नाथ गुप्ता,
 निवासी प्लाट नं० 32,
 पैक्टर नं० 3,
 मंडी, हनुमानगढ़, टाउन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उस्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के ने किसी व्यक्ति (द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्साक्षरों के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों बा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्भू जी

प्लाट न० 32, सैक्टर 3, हनुमानगढ़ टाउन, हनुमानगढ़ जो उप पंजीयक, हनुमानगढ़ द्वारा ऋम संख्या 1731 दिनांक 31-8-83 पर पंजीबद्ध शिक्षय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> माहन मिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपूर

मारीख : 12 पर्यंच 1983 मोहर : प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) क प्रयोग सूचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनाक 12 श्रप्रैल 1984

म्रादेश स० राज०/सहा० म्रा० म्राजन/2379—यत , मुझे, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त यधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अर्धान सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित्र वाजार पूरुष 25,000/-६० से अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी सं० प्लाट न० 32 है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित है, (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हनुमानगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 31 श्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यभान प्रतिफल का पंद्रह प्रश्वित से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अतरितियों) के जिल्ल एसे अतरण के लिल्ल तय पाया गया प्रति-फल, िम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयं को आजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिष्धा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उप-भारा (1) को अधीन, निम्नीजितिक अधिकतथी, अर्थात् :---- (1.) श्री कश्मीरी लाल पुत्र श्री कर्मचन्द ग्ररोड़ा, निवासी हनुमानगढ टाउन,

(श्रन्तरक)

(2) श्रामका सया वका
पत्नी श्री हेम राज गुप्ता
निवासी प्लाट नं० 32,
सेक्टर नं० 3, मंडी
हनुमानगढ।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

जनत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तिया पर स्वना की गानील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

म्पड्टोकरण:--इसने प्रमुक्त मध्या ग्रीर पदों का, जा उक्त यिनियम के ग्रहमात 20-क में परिमाणित है, बहा यह होगा, जा उस सहयाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 32, सक्टर न० 3, मण्डा हुनुमानगढ़ दाउन जो उप पजीयक, हुनुमानगढ़ द्वारा ऋम संख्या 1732 दिनाक 31-8-83 पर पंजीबद्ध विकय पत्र मे श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> माहन सिंह सुक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर जायुक्स (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 12 श्रप्रैल, 1984 मोहर प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.------

नायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अभीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज, जयपुर

जयपूर, दिनाक 12 श्रप्रैल 1984

श्रादेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/2378---यतः, मुझे, मोहन सिह,

अगयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्स अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 219 है तथा जो हनुमानगढ़ भें स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रे कार्यालय, हनुमानगढ़ मे, राजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20 श्रगस्त, 1983 प्लाट नं० 219 है तथा जो हुनुमानगढ़ में स्थित है, (ग्रीर

इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हनुमानगढ मे, रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन,

तारीख 20 श्रगस्त 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्तु सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, असको रूपमान प्रतिफाल से, एसे रूपमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे मंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्मसिनित उद्देश सं उत्तत मन्तरण कि वित में बास्त-निक रूप से कमित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाब्त, उक्त मिधिनियस के मधीन कर दोने के मन्तरक की बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बहु/या
- (क) एेसी किसी नाय या किसी धन मा जन्म आस्तियों को जिन्हां भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) वा उक्त अधिनियम, भनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में स्विधा के सिए?

वतः वसः, उपतः विधिनियसं की धारा 269-गं के बनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर, निकारिकित व्यक्तियों, अर्थात ---

(1) श्री राजकुमार पुत्र 'श्री तेजाराम हनुमानगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2.) श्री सत्तीश कुमार पुत्र श्री मोहन लाल हनुमानगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उच्च सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी भाशेष ⊱

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिसम् में से किसी व्यक्ति व्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ۳, ا

प्लाट नं० 219, वार्ड नं० 6, हनुमानगढ़ में स्थित मकान का भाग जो उप पंजीयक, हनुमानगढ़ द्वारा कम संख्या 1710 दिनांक 20-8-83 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में भ्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिष्ठ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 12 श्रप्रैल 1984

मोटर ३

प्रकृप बार्ष, टी. एन. एव.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भाउत ब्रकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

ग्रर्जन रेज, जयपूर

जगपुर, दिनांक 12 श्रप्रैल 1984

स्रादेश सं० राज०/सहा० भ्रा० भर्जन/2377--यत: मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान न० 219 है तथा जो हनुमानगढ में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हनुमानगढ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19 श्रगस्त 1983

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्सित उध्वदेय से उक्स अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है । --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के सिए; जरि/वा
- (थ) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य जास्तियां की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रभट नहीं किया गया भा या किया धाना चाहिए था छिपान में सर्विभा के निए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों. क्योंत — श्री राज कुमार पुत्र श्री तेजा राम, हन्मानगढ टाउन।

(अन्तरक)

श्रीमती रीता राती पत्नी श्री मतीश चन्द्र निवासी हत्मानगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांत्रत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हों।

उक्त कम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष सें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विष्णु जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस्त अध्याय में दिया गया है:

*प्रन्*स्ची

मक्तान नं० 219, वार्ड नं० 6, हनुमानगढ का भाग जो उप पंजीयक, हनुमानगढ द्वारा ऋम संख्या 1691 दिनाक 19-8-83 पर पंजीयक विक्रय पत्र मे प्रौर विस्तृत रूप मे विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायकर (तिरीक्षण) ग्राप्ति रोंज, जयपुर

नारीख: 12-4 1984

मोहर

प्ररूप. आहे. दी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनाक 12 श्चर्प्रैल 1983 श्रादेण सं० राज०/सहा० श्चा० श्चर्जन/2376—-येत मसे. ग्रोहन सिह,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० ए०-2 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 29 श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल किम्मित उद्वदेश में उक्त अंतरण जिखित में शास्त्रिक रूप में कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन फर दोने के अन्तरल के शियरव में करने भा नसमें अपने में नविधा के लिए; और मा
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के का उक्त अधिनियम, वा पार्टिश ह्यारा प्रकट नहीं किया गया था या विद्या जाना चाहिए था, कियाने में सिप्धा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- एक्टर प्रश्लाद सितः पृत्र टारुर शेर सितः 29 गंगवाल पार्कः, जयपुर।

(कालगह)

2. श्रीमती ऊपा णर्मा पत्नी श्री एम० एल० णर्मा. ई-35, शास्त्री नगर. जयपुर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सझ्परित के अर्कन के लिए कार्यवाहियां शरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी कार्क्षण :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकीं।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ए-2, नारायण सिंह का चौराहा. जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर हारा कम संख्या 2019 दिनांक 29 अगस्त, 1983 पर पंजीवद किश्य पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप में विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

सारीख: 12-4-1984

मोहर:

प्रकार बाहें . बी . एन् . एक , -------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

बारत बरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जथपुर

जयपूर, दिनांक 12 भग्नैल 1984

श्रावेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/2375—यतः मुझे, मोक्ष्म सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25.000/ रा. ये अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 163 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख 1 श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यसान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उच्चेश्य से उचत अन्तरण निम्निलिचत से अस्ति अस्ति स्था गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी अथ की वावत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के सिए; बॉर/वा
- (ख) ऐसी किसी काथ या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिरती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या विद्या जाना चाहिए था छिपाने से स्थिभा के निष्;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत स्यिक्तियों अधित् :—— 4 —7601/84 श्रीमती चांद भण्डारी
परनी श्री महेश भण्डारी,
निवासी विपोलिया,
जोधपुर।

(भन्तरक)

2 श्री सी० के० वासू पुत्र श्री कूमाराम वासू, नया पावर हाउस रोड़, जोधपुर।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पृव्यंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत् :--

- (क) इस स्वता के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील ते 30 दिन की समित, जो भी समित बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राह्म;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों आहेर पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 163, लक्ष्मीनगर, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 766/2254 दिनांक 1 ग्रगस्त, 1983 पर पंजीबृद्ध विकय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 12-4-1984

माहर "

प्ररूप बार्ड. टी. एन्. एस., - -- -

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 12 भ्रप्रैल 1984 ग्रादेश सं० राज०/सहा० भ्रा० श्रजीन/2374—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जियका उचित बाजार मृत्य 25,000/- के. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 20 है तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4 श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए कन्तरित की गहुँ हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथांपूर्वोक्त संपरित का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकार) और (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्दरेश से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिविक स्प से कथिस नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की शम्यत उपत अभिन नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य अस्तियों करें. रिजर्हे भारकीय अस्ति अस्ति अस्ति । 1922 (1922 का 11) या लक्त अधिनयम, या धन-कार जिथानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ स्वतियों निवस प्राप्ति । विद्या प्रया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के अस्तः

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-न की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री भंवरलाल
पुत्र श्री घीसूलाल ब्राह्मण
निवासी 129 पोलो सेकिन्ड,
जोधपुर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री पुरुषोत्तम
पुक्ष श्री चूहड्गमल,
सब्जी मंडी,
जोघपुर।
व श्रीमती कविता बाई
परनी श्री ग्रंथोक कुमार
जी सिंधी निवासी रातानाड़ा,
जोधपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिक, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्भ किसी बन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा यकोंगे।

स्पव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों अहैर पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

प्लाट नं० 20, जालिम बिलास, जोधपुर जो उप पंजीयक जोधपुर द्वारा कम संख्या 765/2309 दिनांक 4 ग्रगस्त, 1983 पर पंजीबद्ध विश्वय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 12-4-1984

मोहर:

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अप्रैल 1984

संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/2373—यतः, मुझे, मोहन सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 161 है तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 अगस्त, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती विश्वतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कार अधिनियम, या धर-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिजनार्थ अंतरिनी धनारा प्रकट नहीं किया गया **पा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा** के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :---

(1) श्री गोविन्दराम पुत्र श्री दामोदरदास, चौपासनी रोड, जोबपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री दशरथ चन्द सिंघवी पुत्र श्री मिलापचन्द सिंघवी, 437, फर्स्ट सी रोड, जोधपुर।

(**अ**न्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकारी।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

प्लाट न० 161, सैक्शन 7, मसूरिया, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम सक्या 197/2406 दिनांक 16-8-83 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 12 अप्रैल, 1984।

मोहर ः

प्रकृताही. टी. एम्. एकः; ----

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत स्रकाड

कार्यालय, सहायक आयकर जाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अप्रैल 1984

श्रादेश संख्या राजाः /सहा० आ० अर्जन/2372---यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनयम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्यत बाजार मस्य 25,000/-रा. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 2 है तथा जो जोधपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 अगस्त, 1983

का प्यानित संपत्ति के उचित नाजार मून्य से कम के अस्यमान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वाय करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का उचित याजार मून्य, उसके सश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेक्यों से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरूप ने सूद कियी बाव की वान्त्, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तर्क के स्वित्य में कमी करणे वा उपले वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी थन वा अन्य बारिसयों की जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, या भन-कर विधिनयम, या भन-कर विधिनयम, 1957, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के सिक्;

जत: जब उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिविधित व्यक्तियों, अर्थात् स्— (1) श्री धरम चन्द पुत्र श्री अभय राज घोसवाल, जगदम्बा भवन, चौपासनी रोड, जोधपुर।

(अन्सरक)

(2) डाक्टर सुदेश चन्द मेहता पुत्र श्री बल्लभ चन्द मेहता, निवासी साहपुरा, सुनारों का बास, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सि कार्ययाहियां करक करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भ अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबा किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पा सिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

> मोहन सि. सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपु

तारीख : 12 अप्रैल, 1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्क्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अप्रैल 1984

म्रादेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2371—-यतः मुझे, मोहन सिंह,

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त निधित्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रूड. से बिधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सैक्शन 7 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए द्रथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) वस्तरण से हुई किसी जाय की वावट, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के निए; जार/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सविधा के लिए;

बतः सम, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के विधीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात् धन्- श्री महावीर मेहता पुत्र श्री नेमी चन्द जैन, मोहनपुरा, जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री नेनूराम पुत श्री आशा राम चौधरी, रेलवे बंगला नं० 33, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के वर्जद के जिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस मूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मयधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सक्शन 7, न्यू पावर हाउस, मसूरिया जोधपुर में स्थित प्लाट जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2450 विनांक 19-8-83पर पंजीबद्ध विकय पक्ष में भौर विस्तत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 12 अप्रैल 1984

मोहर 🗟

मृरूपः आइ^र् टी. एतः एस्ः - - - -

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अप्रैल 1984

म्रादेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2370:----थत मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० प्लाट न० 12 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (धौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 अगस्त, 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (भा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण दं, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) अंधीन, निम्निलिखित स्याध्वियों अर्थीन, निम्निलिखित स्याध्वियों अर्थीन, क्रिन्न

श्री मनोहर बनगानी पुत
 श्री हरचन्द राय,
 मुख्तार श्री कन्हैं यालाल पुत
 श्री चन्डी राम,
 बी० रोड, सरदारपुरा,
 जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बरसा पत्नि श्री मनाहर बनगानी, 10 बी॰ रोड, सरदारपुरा, जोधपुर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप ---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की अविधि मा निसम्बर्धी व्यक्तियों पर
 न सकी अविधि में निर्मात हाती हो, को भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से विभी व्यक्ति हुई। सा
- (स) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर रम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण :--इसमी प्रयुक्त शब्दी और पदा का, जो उक्त ाधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

प्लाट नं० 12, एफ० सैक्टर, सैक्शन-4, शास्त्री नगर, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर $^{\mathrm{T}}$ द्वारा कम संख्या 199/2257 दिनांक 1-8-83 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 12 अप्रैल 1984

मोह्रु 🛭

प्राक्तप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर जयपुर,दिनांक 12 श्वप्रैल 1984

आदेण संख्या राज०/सहा०/म्रा० प्रर्जन/2369---यतः, मुझे, मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे म्समें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारां 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 2ए, पी०डब्ल्यू०डी० कालोनी है तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30 ग्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया ह

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उमसे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या त्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिताम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट उहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, अक्न लिभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री लक्ष्मण कुन्डीमल गोपलानी, जालौरी गेट के पास, जौधपुर ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्र रेखा गुप्ता पत्नी श्री ए० पी० गुप्ता, सी-66, णास्त्री नगरः जौधपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🤃 ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पच्छोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2 ए, पी० डब्स्यू० डी० कालोनी, जोघपुर जो उप पंजीयक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 266/2585 दिनांक 30-8-83पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 12-14-984

मोहर 🖫

प्ररूप आर्ष: टी. एन. एस. -----वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दोक्षण) श्रर्जन रेंज, अयपुर

जयपुर, दिनांक 12 धप्रैल 1984

म्रादेश संख्या राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/2368:—यतः, मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौरपूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1 श्रगस्त,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्याग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव उच्च अधिनियम की भारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीग, निम्नलिश्वित व्यक्तियों अधीय

(1) सर्वश्री लक्ष्मीनारायण उर्फ भोमराज, मिनर्वा सिनेमा के पास, जोधपुर, श्री मापक चौपड़ा एवं सुरेन्द्र कुमार तथा मनिश कुमार, द्वारा गगन न्यूजपेपर, जोधपुर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री प्रेम चन्द पुत्र श्री मूल चन्द व श्री उगमराज पुत्र श्री मूल चन्द तथा श्री उत्तम चन्द चौरडिया पुत्र, श्री रिखबराज चौरडिया, नि० जोधपुर।

(ब्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र्ची

प्लाट स्थित मिनर्वा सिनेमा के पास, सौजती गेट, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 771/2243 दिनांक 1-8-83 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में भीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह् सक्षम प्राधिकरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, जयपुर

तारीख: 12-4-1984

मोहर 🕄

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपूर

जयपुर, दिनाक 12 श्रप्रैल, 1984

आदेश सख्या राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/2367---यत , मझे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उथत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / - रत. से अधिक ह

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 14 क 2 है तथा जो जयपूर मे स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जयपूर मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29 म्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्स सभ्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के परयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सविधा के जिए: और/या
- (स्प) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-रर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा क्रेसिए:

(1) श्रीमती नीरजा पटेल पत्नी श्री राम भ्रवतार, 37/4 जवाहर नगर, जयपूर ।

(यन्नस्क)

(2) श्रीलोकेण कुमार माथुर, पुत्र श्री मिट्टन लाल माथुर, 29, पत्नकार कालोनी, तिलक नगर , जयपुर ।

(भ्रन्सरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्गवाहियां शरू करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्धन्धी व्यक्तिया पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान न० 14 क 2, लालकोठी, योजना, ज्योतिनगर, जयपुर जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1977 दिनाक 29 ग्रगस्त, 1983 पर पजोबद्ध विकय पत्र में श्रीर विस्तत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायका (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज जयपुर

अत अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, नाम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् .---5-76GI|84

नारीख 12-4-1984 मोहरू 🕃

प्ररूप आर्ड .टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार कार्यांनय, महायक म्रायकर म्रायुव्स (निरीक्षण)

म्रजंन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 12 शर्पेल 1984

ग्रादेश मंखा० राज०/सहा० ग्रा० ग्रेजेन/2366——यत , मृझे, महिन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269--ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुट से अधिक है

धीर जिसकी सं० कानोता बाग है तथा जो जयपुर में स्थित है, (धीर इससे उपाबद्ध ध्रन्यूची में धीर पूर्ण रूप से यणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) क ध्रधीन, तारीख 29 ध्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उच्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण किखित में बास्तविक रूण से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा औं लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधित :---- (1) सैगर्स कानौता एन्टरप्राईंग्रेज द्वारा, मोहन गिह, कानोता बाग, नारायण निवास, नारायणगिह रोड, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ठाकुर शेर मिह पुत्र, स्वर्गीय श्री मोती सिंह, गगवान पार्क, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्चन के िलए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र मों त्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उच्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा जधोहरताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकी।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कानोता बाग में प्लाट, नारायण पिंह का चौराहा, जयपुर जो उपपिजयक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 1990 विनाक 29-8-83 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन मिह मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायक्षर श्रायुक्ष (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर

तारीख 12-4-1984 महिर: श्रुक्त आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 12 भ्रप्रैन 1981

आदेश मख्या०राज०/महा० ग्रा० ग्राजन/2365—-यतः, मुझे, मोहन सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धीर 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० नारायण निवास है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्ण घ्य में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29 श्रगस्त, 1983

को पृषांकित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत समित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पल्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जायं की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे वचने में तृत्रिभा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ कार्रे, जिन्हें भारतीय जाय-कार जिथिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिजियम, वा धन-कर जिथिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिथा की लिए।

कतः क्य उकत अधिनियम की भाग 269-ग के अनसरण में, भें, उकत अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) में कभीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, सर्थात् :--- (1) मैसर्स कानोता एन्टरप्राईजेज द्वारा, श्री मोहन सिंह, नारायण निवास, कानोता बाम, नारायणसिंह रोड, जयपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ठाकुर शेर मिह, पुत्र स्वर्गीय श्री मोनी सिह, 29 गंगवाल पार्क, जयपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वता वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां स्रूक करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विम की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण. -- इगम प्रयुक्त शब्दो और पदौ का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्यो

नारायण निवास में प्लाट, कानोता बाग, नारायणिसह रोड, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम सख्या 1991 दिनांक 29-8-83पर पंजीबद्ध विकय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रज, जयपुर

तारीख: 12 म्रप्रैंग, 1984

मोहर ह

प्रकृत बाहै. टी. एत. एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनक 12 अप्रैल 1984

आदेश सख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/2364—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ष्प्रौर जिसकी सं० मी-1 है तथा जो जयपुर मे स्थित है, (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची मे ष्प्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय जयपुर मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, तारीख 26 अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित शाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिश्वत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार युधिनियम, 1957 (1957 का 27) की पर्याजनार्थ आस्तियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, स्त्रिपाने में सृष्यिधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः:— (1) श्री कर्नेल इंग्द्रजीत सिंह पुत्र श्री प्यारे सिंह, 366, डिफोन्स कालोनी, नई दिल्ली ।

(अस्तरक)

(2) श्री गणेश कुमार रानापुत्र श्री चान्द बिहारी लाल राना, राजा भवन, गोपालजी का रास्ता, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाबस सम्परितः के वर्जन के लिए कर्म्यवाहियां करसा हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्र्यो

प्लाट नं० सी-1, जयसिंह हाईने, बनी पार्क, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम सख्या 1961 दिनांक 26-8-83 पर पंजिबस विकय पत्न में ख्रीर विरत्त रूप में विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपृर

ारीख : 12 अप्रैल, 1981।

महिर:

प्रक्ष. माइ. टी. एन. एस. ----

भागकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

जयपूर, दिनाक 12 अप्रैल, 1984

द्रादेश संख्या . राज०/सहा० आ० अर्जन/2363 — यत मुझे, मोहन सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-रु से अधिक है

भ्रौर जिसकी स० ए-8 है तथा जो जयपुर मे स्थित है, (भ्रौर इसमें उपाबंब अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीक र्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिफल में, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अतरण से हुई किसी आय^क की बाबस, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मृतिधा को सिए; और/या
- (का) एनेनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (१९ के अधीन, निम्निलिश्विस स्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रह्लाद कुमार पुत्त. श्री रामेण्यर लाल जी. मुख्नारआम श्री माणकचन्द, भागचन्द पुतान, श्री गुलाब चन्द, निवासी केशर भवन, स्टेशन रोड, जयपुर।

(2) श्री कृष्णमुरारी अग्रवाल पुत्र, श्री लाराचन्द, दुकान न० ए-8, तीसरी मजिल, नई अनाजमंड़ी, चान्दपोल बाजार, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुः।

उनत सम्पत्ति के गर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में विमा गया है।

क्रमस्वी

बुकान न० ए-8, की तीसरी मिजल के दक्षिणी हिस्से का आधा भाग जो उपपिजयक, जयपुर द्वारा कम सख्या 1888 विनांक 19-8-83 पर पिजबद्ध विकय पत्न में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, जयपुर ।

नारीख 12 अप्रैल, 1984। मोहर

प्रकर बाहे.टी.एन.एस.-----

बारकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के वर्धीन ध्वा

भारत बर्कार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अप्रैल, 1984

आदेण सख्या : राज०/सहा०/आ० अर्जन/2362:---यतः मुझे; मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का -43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की भारा 269-च के अधीन संभूम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी स० वुकान न० ए-8 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 अगस्त. 1983

को प्रांचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृन्य उसके द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) क बाच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नतिवित उददिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बस्तरण से हुई किसी थाय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जागा चाहिए था, छिगाने में सुविधा के निए;

लतः अब उत्रस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधित :--- (1) श्री प्रह्लाद कुमार पुत्र, श्री रामेण्वर लाल जी मुख्तारआम, श्री माणकचन्द भागचन्द पुतान श्री गुलाब चन्द, निवासी केणर भवन, स्टेशन रोड़, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेण कुमार अग्रवाल, पुत्न श्री ताराचन्द , निवासी दुकात न० ए-8, तीसरी मंजिल, नई अनाजमंड़ी, चान्दपोल बाजार, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हुई, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वच्छीकरणः--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त-अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष कृषा, जो उस अध्याय में दिवा कृषा है।

अनुसूची

दुकान न० ए-8 के थर्ड फ्लोर के दक्षिणी हिस्से का आधा भाग, नई अनाज मंड़ी, चान्दपोल बाजार, जयपुर जो उप पेजियक, जयपुर द्वारा ऋम सख्या 1889 दिनांक 19-8-83 पर पेजियद्व विक्रय पत्न में घोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्रांधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जयपुर ।

सारीखः 12 अप्रैल 1983

प्रस्प आहें.टी.**एन्.एस**्------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-घ (1) के अधीन संचान

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 12 अप्रैल, 1984

आवेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/2361:—यत: मृझे, मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी मं० ए-8 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (धौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 अगस्त,

को पूर्वेक्ति सम्पिति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठेक्ति संपिति का उिषत बाजार मूल्य उमें के दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नत में बाम्तियक क्य में कथित नहीं किया गया है '—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत. अब, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्निकित व्यक्तियों, अधीत् ६—- (1) श्री प्रह्लाद नुमार, पुत्र श्री रामेण्यर लाल जी, मुख्तारआम, श्री माणकचन्द्र, भाग चन्द्र पुत्रान श्री गुलाय चन्द्र, नियामी केशर भरवन, स्टेशन रोड, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंजय कंवर पत्नि, श्री रामेक्वर लाल, निवासी : दुकान मं० ए-8, तीसरी मंजिल, चान्दपोल बाजार, जयपूर ।

(अलरिती)

को बहु सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्स सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मो किए जा सकोगे।

स्थव्यक्तिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

अतसर्ची

दुकान नं ० ए- 8 की तीसरी मंजिल के उत्तरी भाग का आधा हिस्सा जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1890 विनांक 19 अगस्त, 1983 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ग्रोर विस्तृत रूप में विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, जयपुर।

तारीख: 12 अप्रैल, 1984।

मोहर 🕹

प्रकृप आहु टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 209-व (1) के अधीन सुकता

भारत सरकार

कार्यालयः, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनाक 12 श्रप्रैल 1984

भावेण सं०राज०/सहा० भ्रा० श्रर्जन/2360:—श्रतः मुझे, मोहन सिंह, नायकर अधिनियम, 1961 (1961-का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० वुकान नं० ए-8 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19-8-1983

को प्शांकित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एमें क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्वदेय से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अप या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना भाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अत अब, उअन अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुमरण भे, में, उकत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रा प्रहलाद नुमार पुत
 श्री रामण्यर लाल जी,
 गुग्तार पाम जो मालकान्द भागचन्द,
 पुत्र श्री गुलाब चन्द
 निवासी केशर भवन, स्टेंणन रोड,
 जयपुर।

(ग्रन्तरक)

 राम भ्रवतार पृत्न श्री रामेश्वर स्नाल निवासी 1448 बारह गणगोर का रास्सा, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृथक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 चिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए वा सकोंगें।

स्यव्यक्तरण ----इसमें प्रयुक्त शब्बों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया प्रया है।

वनुस्ची

हुकान नं० ए-8 पर स्थित थर्ड फ्लोर के उत्तरी हिस्से का भ्राधा भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1891 दिनाक 19-8-83 पर पंजिबङ विक्रय पत्न मे भ्रौर विस्तृत रूप मे विवरणित है।

> मोहन निह्न, मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 12-4-1984

मोहर

प्रकार कार .डी .एन .एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?69-घ (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यांलय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 मार्चे 1984

स० जी० श्रार्श्व श्रार्थ संख्या एस० – 306/ए० सी० क्य् – यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या खसरा नं० 111, 112, 115, 117, 133, 134/1, 110 व 114 है तथा जो मौजा नौबस्ती खुर्द लखनऊ मे स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक 12-8-1983

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एर्यमान प्रतिफल से, एसे एर्यमान प्रतिफल का अन्तरह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उसत अंतरण लिखित में वास्तिक हुए में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मित्रिधा के लिए; बार/या
- (स) ऐसी किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था छिपाने भें सविधा के लिए,

१ भीपती जैंग्रेशिसा बेगम

(अन्तरिती)

2 श्री सजय गांधी निर्माल जन श्रावास निर्माण जन सेम्रा समिति, लि० लखनऊ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पृचीकत क्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए का सकों में।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उन्त किंध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

जनसंची

ग्राराजी खमरा नं० 111, 112, 115, 117, 133, 134/1, 110 व 114, पैमाईमी 10 बीघा 11 गिस्वा 17 विस्वान्सी, स्थित मीजा नीवस्ती, खुर्द, लखनऊ, ग्रोर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि मेलडीड व फार्म 37 जो संख्या 5109 मे बिण्ड है जिसका पजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लखनऊ

भारीख 28-3-1984 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?69-घ (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 भ्रप्रैल 1984

सं० जी० श्राई० श्वार० संख्या एस-307/ए० सी० क्यू०:--यत: मुझे; ए० प्रसाद,

क्षायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्म इसके पब्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्वा श्राराजियात नं० 313 व 314 तुलसी पुर, परगना देहात अमानत, वाराणसी में स्थित है (स्रौर इस से उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 10-8-1983!

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाण्वेंकित सम्पत्ति का उनित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ं—

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिंधिनियम के अक्षीन कर क्षेत्र के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सिविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या लग्य आहितारों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिलाने मो सर्विधा के लिए:

जतः जब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मों, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधास (1) को अधीन, सिर्मिनियम कपस्मियों, अर्थान :--- । श्री प्रवीप कुमार

(भ्रन्तरक)

2. साकेत गृह निर्माण महकारी समिति लि०, वाराणसी द्वारा, श्री ग्रम्थिका प्रमाद सिंह। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति त्यारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थाक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसुची

श्राराजियात नं 313, का श्राधा हिस्सा पैमाईसी एक एकड़ श्रौर श्रारजियात नं 314, पैमाईसी 17 डिसमिल, टोटल 1.17 का श्राधा 58 1/2 डिसमिल स्थित तुलसी पुर, परगना—देहात श्रमानत, वाराणसी श्रौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 14114 में वर्णित है, जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 10-8-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 7-4-1984

प्रकपः नार्षः दीः एतः एसः, -----

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भागुक्त (निर्काक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 अप्रैल, 1984

सं० जी० साई० श्रार० संख्या एम०-177/ए०सी० क्यू यतः मुझे ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम दुर्गु नगला, तहसील सदर, जिला रामपुर में स्थित है, (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनु-स्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रामपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-8-1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रियमान प्रितिफ ल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रियमान प्रतिफल सं, एसे रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की भावत उक्त अधि-नियम के अधीम फर दोने के अन्तरक के वाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण वें, मैं उक्त विधिनियम की भारा 269-**ग की उपभारा (।)** के अभीन, निस्नलिकित व्यक्तियों, अभित् ह—— 1. सरदार वली खान

(भ्रन्तरक)

- मोधी एक्स, ऐक्स लि०, नवीन प्रस्तावित कम्पनी द्वारा मैसर्स मोदी रबड़ लि० मोदी पुरम मेरठ, द्वारा भूमि प्रबन्धक श्रधिकारी पुरूषोत्तम स्वरूप। (श्रन्तरिती
- 3. ऋेता

वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है

को यह गुजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पात्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वम् सूची

भूमि पैमाईसी 2 बीधा 3 बिस्वा श्रीर 15 बिस्वान्सी स्थित ग्राम दुगुँ नगला तहसील सदर जिला रामपुर श्रीर सम्पत्ति का सम्पूर्ण का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 1858 में विणित है जिसका पंजी हरण गब-रजिस्ट्रार रामपुर के कार्यात्रय में दिनांक 12-8-1983 को किया जा भुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, लखनऊ

नारीख: 2-4-1984

गोहर :

प्ररूप नार्च. टी. एम. एस.-----

भायकर लिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ!

लखनऊ, दिनाक 2 अप्रैल 1984

जी अर्हि० आर० सं० एम०-176/एक्वि०--यत. मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृश्य 25,000/- रु. मे अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० भूमि है तथा जो ग्राम दुर्गू नगला, तहसील सदर, जिला-रामपुर मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-8-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उव्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत मही किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उनमें अधने में सृविभा के निए, और/या
- (क) एंशी किसी भाग या किसी भन या अन्य भास्तियों को, त्रिन्हें भारतीय भासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-चर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या जिया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिरिट स्मिनियमों, अधीन स्म 1 श्री अब्दुल रशीद खान

(अन्सरक)

ये मै० मोदी एक्सरोक्स लि०, नवीन प्रस्तावित कम्पनी द्वारा मेससं मोदी रजड़ लि० मोदी पुरम, मेरठ, द्वारा भूमि प्रबन्धक अधिकारी पुरुषोत्तम स्वक्ष्य।

(अन्तरिती)

3. क्षेत्रा

(बह् व्यक्ति, जिसके अधिभीग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना कारी करके पृत्रांवत सम्पत्ति के अपन के लिए कार्यनाहिया धरता हूं।

उक्त सम्पति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप !---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर स्थान की तार्माल स 30 दिन की अवधि अवित में से अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर कि किता में में किसी ब्यक्ति दशराः
- (त) इस सूचना के राज्यश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अग व्यक्ति वसाग तथाहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक स्पा: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्मनी.

भूमि पैमाईसी 1 नीधा, 12 बिस्वा ग्रीर 5 विस्वान्सी स्थित ग्राम पुर्गुं नगला तहसील सदर जिला-रामपुर, ग्रीर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जी सख्या 1851 मे विणित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार रामपुर के कार्यालय मे दिनांक 11-8-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लखनऊ

रीख: 2-4-1984

मोद्रर :

प्र∓प आह⁸. टी. एन. एस.-----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, विनाक 2 अप्रैल 1984

जी० आई० आर० म० एम०→175/एक्वि०--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्ट अधिनयम' कहा गया है), की भारा 26ए-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 -रक से अधिक है

प्रौर जिसकी स० भूमि है तथा जो ग्राम—दुर्ग नगला, जिला—
रामपुर, तहसील, सदर मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध
अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप म वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अग्निकारी के कार्यालय रामपुर मे रिजस्ट्रीकरण अग्निनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 11-8-83
को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रात्तकल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास
करन का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिकल से, ऐसे इध्यमान प्रतिकल का
पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन, निम्निलिखत उद्विश्य से उक्त कन्तरण किवित में बास्तिक
क्ष से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन्द्रं किसी आय की बाबत, उपकल जिमितियम के अभीत कर तीने के अन्तरक को वायित्य में कमी करने या उससे अचन में मृतिभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उचत अधिनियम, या भारते अधिनियम, या भारते अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अत , अब , अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , एका अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अबीन , जिस्मीनिक्ट अधिकत्याः , अधीत् हरू-

- 1 (1) श्री रफीक अहमद
 - (2) श्री अब्दुल रशीद
 - (3) श्री जमील अष्टमद

(अन्सरक)

- 2 मैं० मोदी एक्सरोक्स लि०, नर्वान प्रस्तानित कम्पनी द्वारा मेसर्स मोदी रजड लि० मोदी पुरम मेरठ, द्वारा भूमि प्रवन्धक अधिकारी (अन्मरिती) पृक्षोत्तम स्वरूप।
- 2. नेता

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में, सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मरित के प्रर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वचाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में बरिशावित हैं, बहुते कुई होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि पैमाइंसी . 1 बीघा, 10 बिस्वा श्रांर 10 बिस्वान्सी स्थित ग्राम दुर्ग नगला, (तहसील—सदर जिला रामपुर, श्रांर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37—जी सख्या 1850 में विणत है जिसका पजी- करण सब-रिजस्ट्रार रामपुर के कार्यालय में दिनांक 11—8—83 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारोख 2 - 1−1984

11(S. 1. 2)

प्रक्य गाइं. दी. एन्. एस. ----

नायकर निभित्तियन, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-घ (1) की सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनक

लखनऊ, दिनांक 2 अप्रैल 1984

जी जाई अार सं एम - 174/एक्वि - यतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमं इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम—-दुर्गु नगला, तहसील सदर, जिला—रामपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9—8-83 को पृषेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल, निम्नलिखित उव्यवश्य से उक्त अंतरण लिखिट में वाम्य-विक रूप से किथा नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुड़ किसी आय की बाजत उनत जांध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधर के निष्ट बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थितने में सुविश्व के लिए;

करः वव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व वे वज्हरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व ज्रण्यारा (1) के अधान, निम्नलिशित व्यक्तियों, अधित्:---

- 1. (1) श्री मुप्ते
 - (2) श्री बाकर अली
 - (3) श्री सफदर अली

द्वारा माता व अटार्नी श्रीमती रहीसन।

(अन्तरक)

2. मैं० मोदी एक्सरोक्स लि०, नवीन प्रस्ताबित कम्पनी ब्रारा मेसर्स मोदी रवड़ लि० मोदी पुरम, मेरठ ब्रारा भूमि प्रवन्धक अधिकारी पुरुषोत्तम स्वरूप।

(अन्तरिती)

उ⊷ श्रेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ित के अर्जन के लिए कार्यश्रहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इत तृष्णा के राष्ण्यत्र में प्रकाशन को तारोब से 45 विन की शवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की शवीध, जो भी ववीध याद में सभाप्त होती हो, के भीतूर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी श्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्यत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया। क्या हैं।

बन्त्ची

भूमि पैमाईसी 4 बीघा 8 बिस्वा स्थित ग्राम-दुगुँ नगला तहसील सबर जिला--रामपुर, ग्रौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 1832 में विजत है पंजिसका जीकरण सब-रजिस्ट्रार रामपुर के कार्यालय में दिनांक 9-8-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

नारीख : 2-4-1984

माष्ट्रर :

प्रकण बाह्र . दी. एन्. वस.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 अप्रैल 1984

जी शाई० आर० सं० एम० — 173/ए०सो • क्यू० — न्यतः मुझे, ए० प्रसाद,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी स० भूमि है तथा जो ग्राम---पुर्ग नगला, तहसील सदर, जिला-रामपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-8-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित पे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियां की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 था 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जम्म चाहिए था, दिश्याने में ब्रिका के सिए;

अतः अतः, उत्कतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-घं की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिबित व्यक्तियों, अर्थातः :-- 1. श्री मनस्कर अरी

(अन्तरक)

मोदी एक्सरोक्त लिं.
नियान प्रस्ताधित कम्पनी
द्वारा मेगरी गोदी त्रवह लिं
मोवी पुरम भेरठ
द्वारा भूमि प्रबन्धक अधिकारी
पुरुषोत्तम स्वरूप।

(अन्तरिती)

३. केत।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुरुपत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण्:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं। भूवा हैं।

वतसर्वी

भूमि पैमाईसी 9 बीघा, 3 बिस्वा श्रौर 10 विस्वान्सी स्थित ग्राम—-दुर्गं नगला तहसील—सदर, जिला— रामपुर, श्रौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फाम 37—जी सख्या 1831 में विणत है जिस हा पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार रामपुर के कार्यालय में दिनांक 9~8~83 को किया जा चका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पण्यक

तारीख: 2-4-1984

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?60 घ (1) के अधीग गचा।

भारत संश्कार

भाषीत्रय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 मार्च 1984

जी० आई० आर० संख्या अप्०-217/एक्वि०--यतः मुझे, ए० प्रसादः,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० आराजी खसरा नं० 261 है नथा जो मौजा खुर्रम नगर, तहसील व जिला—लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकराण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 8-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य शसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्ह प्रतिश्चत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण निम्नलिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं विश्वा गया है .——

- (क) अंगरण में हार्ड जिस्मी आय की बाबन, उनका अधिनियम के अभी। कर दार्ग के अनुरक्ष के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मुनिया के लिए, और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिथा की लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपभाग (1) के अधीन, निम्निसिक्ति व्यक्तितयों. अधीतः:——

- 1 (1) श्री लोक्ट्
 - (2) थी अभरफो पान
 - (उ) श्राः गनेशोः

(अन्तरक)

2 मैं० दि राजस्थान फैप्रीकेटर्स

स्टाफ सहकारी आवास रोमिति लि०.

भिशात गंज,

लखनऊ,

द्वारा प्रेसीडेंट

श्री संगीर अहयट

3. विक्रेमा

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

अक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उतन स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोतस्याक्षणे के पास विकास के किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः ---इसमं प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो तम अध्याय में िका। गमा है।

नन्त्र्यी

आराजी भूमिधरी खसरा नं० 261, पैमाईसी 8848 वर्ग-फिट स्थित मोजा—खुर्रम नगर, परगना तहसील व जिला लखनऊ और सम्पन्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड फार्म 37-जी संख्या 9457 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 8-8-1983 की किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र लखनऊ

नारीख: 30-3-1984

प्रचल बाह्^रु दी , एन _न एच्छ ५ ८ - वस्ट

नायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मभीत सूचना

भारत तडकार

कार्यालय, महायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 मार्च 1984

जी० आई० आए० संख्या—आर०-218∫एविब-यत मुझे, ए० प्रमाद,

बायकर मििनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० आराजी खसरा नं० 263 है तथा जो मौजा--खुर्रम नगर, तहसील व जिला--लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-8-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिवा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिविद के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के हैं सहः

जतः अत्र , उक्त विभिनियम को भारा 269-ग के जनुबारण वो , मों , उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीत , निम्नसि**वित व्यक्तियों , वर्षात्** ६——

- 1. (1) श्री सारा
 - (2) श्री रघुनाथ
 - 3. श्री नोमीलाल

(अन्सरक)

 मै० दि राजस्थान फैक्कोकेटर्स स्टाफ सहकारी आवास समिति लि०, लखनऊ द्वारा प्रेसीडेंट श्री सगीर अहमद।

(अन्तरिती)

3. विश्वेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्चन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी शाक्षीय ह---

- (क) इस सूब्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया हाँ।

अमसधी

आराजी भूमि धरी खसरा नं० 263, पैमाईसी 8'304 वर्ग-फिट स्थित मौजा खुर्रम नगर, परगना सहसील व जिला लखनऊ भौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सिलडीड व फार्म 37-जी सख्या 9468 में विज्ञात है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में विनांक 8-8-83 को किया जा चुका है।

्० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 30-3-1984

मोहर 🛭

7 - - 76GI184

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

श्रायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 260 भ (1, क वर्धान राजना

भारत गरकार

कार्थालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 अप्रैल 1984

सं ञ्जी व आई० आर्र० संस्था तस्व - 308/ए०र्सः व्हप्०---थतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त-अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सुरु अराजियात मुरु 313 है तथा जो तुल्मी-पुर, परगता—देहात अमानत, वाराणसी में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणमी में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-8-1983

को प्वांकत सम्पत्ति के उपित वाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मूमं यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्वोंतन सम्पत्ति का उपित बाज़ार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से किंग्र नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे प्रचल में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अद, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इं अधीन, निम्हतिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1 श्री भूनील कुमार

(अन्तरक)

 साकेत गृह निर्माण सहकारी समिति लि०, बाराणसी ढारा सचिब, श्री अम्बिका प्रसाद सिंह।

(अन्सरिती)

का यह स्चना जारी फरणे प्रांकित संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दाँ आर्थ अन्दाँ का, जो अन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अराजियात न० 313, पैमाईसी 0.83 डिसमिल ग्रीर आराजियात न० 314, पैमाईसी 0.33 डिसमिल टोटल 1.16 डिसमिल, का आधार 58 डिसमिल स्थित तुल्सीपुर, परगना—देहात ग्रमानन वाराणसी, ग्रीर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि मेलडीड व फार्म 37-जी सख्या 14115 में विणित है जिसका पंजीकरण मव-रिजिन्ट्रार वाराणसी के कार्यालय मे दिनांक 10-8-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लखनऊ

नारीख: 7—4—1984

प्रस्प आहा. टी. एन. एस.-----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षीण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 6 अप्रैल 1984

निर्देश आर० थे० सी० नं० 37/84-85---यत मृझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी म० घर है, जो चीक्कडपल्ली हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपात्रद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अतिरती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गणा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिमित में वास्तविकं रूप से किथात नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन अर दोन के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अधन में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों की. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबके अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा ोहिए था छिपाने में सुविध, के लिए;

अतः अभा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

शिमती के० नागम्मा श्रीर श्रीमती एन० ग्यामला, चीक्कडपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2 श्री एम० नर्रासग राव पिता नागय्या घर न० 1-8~115/2, चीक्कडपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के क्षर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप "--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पयो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो एस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्र्ची

पर संपत्ति त० 1-8-115/2, चोक्कडगल्ली, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख त० 4200/83, रिजस्ट्रीकृती अधिकारी, हदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 6-4-1984

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. - - -

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आमृक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निर्वेश आर० ये० सी० नं० 38/84~85—यतः मुझें, एम० जेंगन मोहन,

वायकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारल है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 25000/- द० से प्रधिक है

यौर जिससी सं० फ्लैट है, तथा जो बरकसपुरा हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीक्कड-पल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त लिल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तिविक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- हुँक) नम्बद्रण से हुई हैंकजी नाय की बावत उक्त विधिनियम के वधींग कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा की लिए; बीट्√या
- (क) ऐसी किसी अाथ या किसी भग या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना भाहिए था, स्थिपाने में सृतिधा के जिए:

अतः मज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--- मेसर्स हाई लाईन बिल्डस प्रा० लि०, 1-1-714/सी-4, गोधीनगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. दि स्टेट बैंक आफ इण्डिया को-श्रॉपरेटिव केडिट सोसायटी लि०, स्टेट बैंक लोकल आफिस, बैंक स्ट्रीट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह शूचना जारीं करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सुपना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीज हैं
 45 बिन के मीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास तिचित में किए का सकेंगे।

स्वष्यक्रिरण्ड--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया मुंबा है।।

नगृत्यी

प्लैट न० 4, तीसरा मंजला, घर नं० 3-4-495, बरकतपूरा, हैदराबाद, विस्ट्रीर्ण 1123 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 536/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सीक्कडपल्ली।

एम० जेगहन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-4-1984

प्रकप आर्चाः टी्र एस्., एस्.,:------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारण 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

भारत तुरकार

कार्यासय, सहायुक भागकर भागुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निर्देश आर.० ये० मी० नं० 39/84-85---यतः मुझे, मन् जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट हैं, तथा जो दोमलगुडा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दंश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बक्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आहि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में समिधा के लिए

क्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- मैसर्स सागर कंन्स्ट्रक्शन्स,
 1-2-524,
 वोमलगुडा,
 हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्रीमती रसीली रमनिकलाल गोयल पति रमनिकलाल ऊधवजी गोयल, आशोक मार्केट, हैदराबाद।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 विन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पर्शि में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थल्टीक एण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विशिवस के कथ्याय 20-क में परिभावित है, बहु क्ये होगा, जो उस अध्याय में दिया गुया है।

वन्सूची

फ्लैट न० 204, दूसरा मंजला, सागर अपार्टमेंट्स, 1-2-524, दोमलगुडा, हैदराबाद, बिस्तीर्ण 970 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 4183/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-4-1984

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.-------बायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक जायका आय्क्त (निर्मक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984 निर्देश आर० ये० सी० नं० 40/84~85—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन ——

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 26 प्र-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पोरशन है, जो हीमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किरते अय सा किसी पन या अन्य आस्ति की, रिनहीं भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने से सिवधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) की अधीन, निम्नुसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मेसर्स गुरु को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, 4-1-916, तीलक रोड, हैदराबाद।

(अन्तरक)

श्री दिलीप कुमार,
अशोक कुमार
ग्रीर आस्विनी कुमार,
एम/जी, श्री कांतीलाल,
3-6-128,
हीमायतनगर,
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीकत् संपर्क्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में अकाशन की तारीख से सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

ह्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों आर पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

बनुसूची

घर नं० 3-6-128, हीमायतनगर, हैदराबाद का पोरशन, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4148/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मीहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद)

तारीख: 6-4-1984

मोहुरु 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

प्रायकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

आर० ए० सी० नं० 41/84→85---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो हीमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इस में उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के अधीन, तारीख अगरत 1983

को पूर्विक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दध्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच हुसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने मा उससे वचने में सुविभा
- (हा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए,

 मैसर्म एस० जे० बी० बिल्डर्स, 3-6-10, हीमायतनगर, हैदराबाद।

(अन्सरक)

मसस विजया टोबको
 बाई पार्टनर श्री बाई० एस० एन० प्रसाद
 श्रौर अन्य,
 यर्ड फ्लोर आफ
 मेसर्स अनसूया कमरणियल काम्पलैक्स,
 हीमायतनगर,
 हैदराबाद।

(अन्सरिती)

को यह सुभना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में है फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

पनैट, मेसर्म अनस्या कर्माशियल काम्पर्नेक्स, 3-6-10, अयोजिट लिबरटी थियेटर, हीमायतनगर, हैदराबाद, तीसरी मंजिल, विस्तीर्ण 5859, चैं।० फैंट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4400/83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6~4~1984

मोहर ७

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- त्रक्ष्यु आहाँ दी एन एस .-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के मुभीन सुमना

-गरत् चुड्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984 आए० ये० मी० नं० 42/84-85---यतः मुझे, एम० जेंगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित ग्राजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो ऊमाबाग, नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उष्यत बाकार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उष्यत बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफस से, एसे दश्यमान प्रतिफस का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अन्तरितिवा) के बीच एसे अन्तर्य के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नतिवित उद्वदेश से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया ग्या है।

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाब की बाबल, उपत बिधिनियमं के बधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्य में कभी करने या उत्तसे बचने में तृतिभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों की, केंक्र-हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोद्यार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट मही किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने कें स्विधा के लिए;

भतः सम्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों,, अर्थात् :-- मेससं पुरुषोत्तमदास रछोदास ग्रौर सन्स, वाई नरेन्द्र मदनलाल, गुलजार हाउस, हैदराबाद।

(अन्सरक)

श्री मोहोंमद पिता अब्बास गरीफ, श्री अब्दुल खादर पिता गोराब अली खान श्रीर श्री मखनलाल जसवाल पिता कीगन प्रसाद. 11-6-187, नागपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के रीजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निविद्य में किए जा सकाँगे।

स्पष्टिकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगत्त्वी

भूमि विस्तीर्ण 573.2 चौ० गज, उमा बाग, नामपर्ल्ली हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4360, 4362, श्रौर 4361/83, रजिम्ट्रीकृती अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेंगन मोहन सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-4-1984

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस -----

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) से अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

आर० ये० मी० नं० 43/84-85-यतः मुझें, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० घर है, जो कुचा फतेसूलतान लेन, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पावा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उन्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उत्तरों वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा खें लिए:

श्रतः अबः, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-----8---76GI/84 श्री पी० एस० नायड, नामपल्ली, नेयराबाद।

(अल्लंरक)

श्री जी० साईबाका पिता यु० श्री रामाराव, 5-8-51, कूषी फते मुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविध या तत्सं वंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्राप्तायन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब किसी जन्य व्यक्ति द्यारा अधोत्स्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उन्तर बीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

वग संच

घर सम्पत्ति कूचा फतेसुलतान, नामपल्ली, **१दरा**बाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं • 1509 83. रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेंगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीखा: 6-4-1984

अक्य बार्ड , डो , रह , वंड .-----

लायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुवना

बारत सम्बार

कार्यांत्रय, सहायक भायकर नाम्कः (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

आर० ये० सी० नं० 44/84≠85—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात (जबत अधिनियम कहा गया है) की वाच 269-स के लाधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित् जिसका उचित बाचार बूक्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसगी स० भिम है, जो म्सारामबाग, हैदराबाद में खिन है (और उससे उपाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्ट्री र्रा अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अवीन तारीख अगस्त 1983

को प्रवेशित संपन्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मभ्ने यह विश्वास माने ता जारण है कि यथाप्टेशिक सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एोगे अयमान प्रतिफल का नन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरफ (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के जीच एोसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नीसित उद्वेश्य से अक्त अन्तरण विवित्त में वास्त्रिक कम से स्थित नहीं किया का हैंड--

- (क) अभारण में शुर्श किकी बाव की बावक बच्छ क्षिय-नियम के अभीन कार रोगे के बातरक के बाबित्य में काजी कार्य वा समय बचने में सुविधा के सिबे; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में निवधा के निष्ण,

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-श का उपभारा (1) के अरीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री शंकर रेड्डी और अन्य मूसारामशाग, हैदराबाद।

(अन्तरक)

मेमर्स शानीवाहाना बिल्डर्म प्रा० लि०, वाई श्री बि० जनार्धन एम० डी०, 5-9-85, गालीवाहान हाउस, चापल रोड़, हैदराबाद।

(अन्तरिती

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के वर्जन के लि कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त बन्दरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप १---

- (क) इस सुमान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 4 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सुमन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हवाड़ा;
- (ड) इस स्वान के राजपन में प्रकावन की तारीच 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी पास लिचित से किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिक्षण :---इसमें प्रयुक्त शब्धां आहि पर्वो का जो और अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभारि. इ^क, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विश प्रवाहित।

वनसंची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 1076 जो गज मूसारामबाग, हैदराबाद, रजिस्ट्री हत विलेख नं 5216/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन मक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, हैदराबाद

तारी**ख** : 6-4-1984

प्रकृष बाह्ये टी. एत्. एस ------

नामकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के स्थीन सुम्बर

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरुक्षिण)

श्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रेल 1984

आर० ये० सी० नं० 45/84-85—स्वत मझे एम० शेगन मोहन.

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ...) परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का रिण् है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उणितः वाबार मृस्य 5,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, तथा जो चीक्कडपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीक्कडपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

ां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्थमान कितन के निष् अन्तरित की गई है जार मुक्ते वह विश्वास हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार ल्य उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का न्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) जीर अन्तरिती अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में स्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (क) एसी किसी जाय वा किसी भन या अन्य अहिस्तयों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काला चाहिए था किया में बुविशा के सिक;

जतत जब उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 3 अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्रीमती जी० अनस्या,
 1-1-189/1, सं 5,
 विवेकनगर,
 हैदराबाव।

(अन्तर्भः)

 श्रीमती नीला बाई और अन्य, 14-11-388, चौराह जेन्सी, हैदराबाद।

(अन्तरितं)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

बक्तु सुम्प्रीत के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप हुनन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु की 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों अस व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकादन की तारींब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्थ्यां का तुन्न निर्मा प्रमुक्त शब्दों सौर प्यों का, भो जन्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया भ्या है।

नम्स्यी

घर संपत्ति नं० 1-1-283/सी०, चीमकडपर्ली, हैदरायाद रिजस्ट्रीकृत बिलेख नं० 591/83, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी भीककडपरेली।

एम० जोगन मोहन, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वैदराबाद

तारीख: G~4-1984

मोहरू 🛭

प्रकार बार्ड हो पुर्व एड

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के स्थीन स्चनाः

भारत तरुकार

कार्यांस्य, सहायक सायकार साम्यक्त (निर्दासन)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 6 अप्रैल 1984

आर० ये० मी० न० 46/84-85—यत मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलट है तथा जो दोमलगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिहात से अधिक, है और अन्तरक (अंतरकारें) और बंतरिती (अन्तरितियाें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारूत-दिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अभ्यारभ से हुई भिन्नी साम की वासत, उत्थय वाभिनियंत्र को अभीन कर दोने के अन्तरक को दासित्व में अभी करने या उक्कचे अभने में स्विभा के सिए; सार/वा
- (च) ऐसी किसी नाम या किसी धन या नत्म नास्तियों को विन्हें भारतीय नाम-कर निधानियन, 1922 (1922 का 11) या उन्ता निधानियम, या धनकी अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या का किया नाम खाड़िए था कियाने में स्विका के सिए;

अतः अब, इक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण भो, मीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिसित व्यक्तियी, अर्थात् ह मेसर्स जगजीवन इंटरप्राइसेस ध्यू इट्स पार्टनर्स श्री जी एस॰ वासू, 1-2-593/52, दोमलगुडा, हैदराबाद।

(अन्सरक)

2. श्रीमती पाञ्चाराजू,सरोजीनल पित डा० पी० रामाराव, फलट नं० 5, प्रथम तल, 1-2-593/52, दोमलगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सू 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्परित में हितबद्ध , किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधनियम, के बध्याय 20 के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्त्री

फ्लट न० 5, प्रथम तल दोमलगुडा हैदराबाद, विस्तीणें 700 चौ० फुट रिजस्ट्री इत बिलेख नं० 5171/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जोगन मोहन, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 6-4-1984

मोहर 🖫

प्ररूप भाइ. टी. एम. एस.-----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कायतिय, सहायक आयकर मायक्त (निरक्षिण) अर्जन जेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अर्थंस 1984 आर० ये० मी० नं० 47/84-85---यत मुझे, एम० जेगन मोहन,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕∼ रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लट है तथा जो दोमलगुड़ा हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 रा 16) के अधीन, नार्राख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृतेंक्ति संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की गायत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे अचने में सुविधा के बिए; आंट्र/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अभ, उप्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उद्धत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारण (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पिक्तयों, अर्थात् :— मै जगजीवन इंटरप्राइसेस थ्रू इट्स पाड्टनर श्री जी० एस० वासू, 1-2-593/52, दोमलगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

मास्टर जइ श्रीधर
पिता आर० रामस्वामी,
फ्लट नं० 7,
1-2-593/52,
दोमलगुडा,
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हं ।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यावस
- (व) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानार संपरित में हितनद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

जन्सूकी

फ्लट नं० 7, 1-2-593/52, बीमलगुडा, हैवराबाद, विस्तीर्ण 700 चौ० फुट रिजस्ट्रीवृत विलेख मं० 5172/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैवराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्गन रेंग, हैदराबाद

नारीख: 6-4-1984

मोहर 🥲

प्ररूप नाइर्. टी. एन. एस. -----

भायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भाउत सङ्कार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

आर० ये० सी० नं० 48/84-85---यत मुझे एम० जोन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, तथा जो न्यू नल्लाकूटा, हैदराबाट में िया है (और इसन उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चीक्क उपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1983

को पूर्विकत सम्पति के उचित बाजार मूल्य में कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात :--- श्री जे० सत्यनारायणा पिता रामय्या, 2-2-1137/6/3, नलाक्ट्रा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

श्रीमती गंगा भवानी
 पति श्री पी० सरवपालरेड्डी,
 2-2-1137/6/बि०,
 न्यू नल्लाकंटा,
 हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को**इ भी बाक्षेप** है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अन्तुची

घर सम्पत्ति न्यू नलाकटा, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 605/83, रीजस्ट्रीकृती अधिकारी चीक्कडपफली।

> एम॰ जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-4-1984

प्ररूप बार्ड .टी .एन . एड ,-==----

आयक्ष मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैक्दराबाद

हैदराबाद, दिनाक 1 ग्रप्रैल 1984

ग्रार० ए० सी० नं० 49/84-85---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

धीर जिसकी सं० घर है तथा जो हीमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फस, निकान्वित उद्देश्य से उसत कन्तरण कि विचत में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- ((क)) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में स्थिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी भन या अल्य जास्तियों कां, जिन्हें भारतीय जायकार अभिनियम, 19?2 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्मरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया नया भा वा किया जाना चाहिए जा कियाने में स्विका के लिए;

कतः अव. अकतं विधिनियमं की भारा 269-ण के जन्सरण में, में, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (भ्रग्तरक)

श्री महेंदर,

 नरेंदर,
 विजय ग्रीर
 राजेंदर,
 पिता मदन लाल,
 22-5-191,
 पट्टलवाडी लैंन,
 गुलजार हाउस,
 हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना भारी करके पृत्रों कर सम्मृतित के जर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकोंगे।

स्पच्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनस ची

घर नं० 3-6-128 का भाग, हीमायतनगर, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4256/83, रिजस्ट्रीकृती श्रिधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-4-1984

मोहर 🕄

प्रकृष बाद. ही. एन. एस.-----

शायकर विभिनिय्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के ब्राभीन सूचना

श्रारत स्टब्स्ट

कार्यालय, सहायक आयकः आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंत रेंज, हेदराबाद

हैदराबाद, दिनाक ७ श्रप्रेल 1984

सं० श्रार० ए० सी० तं० 21/84-85—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट है, तथा जो नारायणगुडा, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चीक्कड-पल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख़ श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्रयमाब प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्रयमान प्रतिफल के, एसे क्रयमान प्रतिफल का बलाह प्रतिश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत्त, निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्वित वे बास्तविक क्ष्म से कांचित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिपियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खिरक् में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा वै सिष्; जोड़/वा
- (क) एसी किसी आब या किसी अन या अन्य गरिसामों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नाए प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा वै विष्;

ब्तः बंब, उक्त अभिनियम की भारा 269-व के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) डे सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मै० विनायक इन्टरप्राइसेस बाई श्री एम० विनायक 3-4-536, वरकतपुरा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती फराह गलबाश पित पित अब्दुल हामीद श्रीर श्रन्थ, 305, यरबस अपार्टमेंट्स, होमायतनगर, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वा क्या संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सुमान्त होती हो, के भीतर पृष्टिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति युवारा अधाहस्ताक्षरी के पास निष्टित में किए ना सकेंगे।

स्यख्दीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सूर्व होगा, जो उस स्थ्याय में दिया गया हैं।

मन्स् ची

पलैट नं० 305-सी, तीसरा मंजिला, यरवस अपार्टमेंट्स, नारायणगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1006 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 565/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीक्कडपल्ली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-4-1984

प्ररूप मार्ड, टी. एन्. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकार वायुक्त (निर्देशिका)

ग्नर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 श्रप्रैल 1984

भार० ये० सी० नं० 22/84-85---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है, तथा जो जीरागग्राली लेन, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ ग्रनुमूकी में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिक्षनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रभीन, तारीख ग्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से किया गया है:--

- (क) बंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों काँ, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्धरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सकिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थातः— मेसर्स फिरोज बिल्डर्स, करीमाबाद कालोनी, चीराग म्राली लेग, हैदराबाद।

(भन्तरक)

 श्रीमती दौलत खान, क्लैट नं० 12, करीमाबाद कालोनी, चीराग ग्राली लेन, हैदराबाद।

(मन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वात के ग्राविष्ठ में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्वात की तामील से 30 दिन की अविधि और भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्तें स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डिकरणः --- इसमें प्रभूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भन्स्ची

फ्लैंट नं॰ 5, चीराग माली लेन, हैवराबाद, विस्तीणं 360 चौ॰ फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 5016/83, रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी हैवराबादं।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-4-1984

मोहर:

9---76GI/84

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर शिंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

म्रार० ये० सी० नं० 23/84-85---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो फतेह सुलतान लेन, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बाँणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1983

को पूर्वोवत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उच्च अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से कथित नहां किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बागत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए।

 मैससं नदनम कम्स्ट्रक्शन को०, बाई श्री पी० शिवकुमार रेड्डी, 5-8-42, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद।

(मन्तरक)

2. श्री के० नामी रेड्डी केर श्राफ रीजनल इंजीनियरिंग कालेज, वरंगल, मां० प्र०।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पब्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियो गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1004/91, दसवां मंजला, फतेह सुलतान लेन, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1060 ची० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 5178/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधी न, निम्निलिखित व्यक्तिस्तां, अर्थात :---

तारीख: 6-4-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बृाइं.टी.एन.एस. -----

नायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 म्रप्रैल 1984

भार० ये० सी० नं० 24/84-85- यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, तथा जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1983

को भूबोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाग गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मेसर्स नंदनम कन्स्ट्रक्शन को०, बाई शिवकुमार रेड्डी, फतेह मुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती एस० पन्यवती रेड्डी पति डा० जगन मोहन रेड्डी, 5547, ह्याइट हावन ट्रीय, मीचीगम, यू० एस० ए०।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्परित के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

क्लैट नं० सं०-501/57, पांचवां मंजला, नंदनम कंस्ट्र-क्शन को० नामपस्ली, हैदराबाद विस्तीर्ण 1200 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5179/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-4-1984

मोहर 🖫

प्ररूप . बार्ड . टी . एत् . एस . ----

जायक र मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकत्तर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 श्रप्रैल 1984

धार० ए० सी० न० 25/84-85---यतः मुझे, एम० जेगन ुमोहन,

कायकर विभिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० फ्लैंट है, जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भाधीन, तारीख भगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया बया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी जाय या किसी धन का अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से सविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स नंदनय कम्स्ट्रक्शम को० बाई श्री शिव नुमार रेड्डी, 5-8-42, फतेष्ठ मुलतान लेन, नमपल्ली, हैदराबाव।

(मन्तरक)

श्रीमती एस० विजयलक्ष्मी पति एस० नरसिम्ह्ल, 5-8-567/1, चीराग श्राली लेन, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पक्तीकरणः--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सूची

फ्लैट मं० सी-304/40, तीसरा मंजिला, फतेह मुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1000 औ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5175/83, रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी, हैदराबाद।

> एस० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर भायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज, हैयराबाद

ारीख: 6-4-1984

मोहर 🛭

प्रकल बाह् . टी . एन . एवं . --- ------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निर्वेण सं० आर० ए० सी० नं० 26/84-85--अतः मुझे, एम० जैगम मोहन

कायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- का से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पलैट है, जो किंग कोठी रोड़, हैदराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मृत्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकार से मिनिक है और प्रस्तरक (पन्तरकों) यौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण किखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण महर्द किसो मान को बाबत, उका प्रष्ठिक नियन के प्रजीत कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए। भीर/या
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरियी ब्वास प्रकट नहीं किया गया थन या किया का वाहिए था, छिपाने में स्तिया के दिवस के दिवस

ब्दः बन्, उन्त विभिन्यमं की भारा 269-मं के अनुसरक में, में उन्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपभारा (के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु— (1) नटराज बिल्डर्स,3-5-796, किंग कोठी रोड़,हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रवीन के० देधीया पिता श्री खीमजीम, 3-5-1091/10, निलाद्री, प्रथमतल, वेंकटेण्वरा कालोनी, नारायणगुडां, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के कर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ
 लिखित में किए जा सकरें।

स्पध्यीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

फ्लैट नं० 6, दूसरा मंजला, महावीर अपार्टमेंटस्, किंग कोठी, हैदराबाद, विस्तीर्ण 950 चौ०, फूट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4164/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैंदराबाव।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीखाः 6-4-1984.

मोहर 😃

प्ररूप आई .टी .एन .एस .-----

भायकर अधिनिवमः 1961 (1961 का 43) की कार। 269व (1) के भ्रमीन सुवना

शाद्व ध्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज़, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 अप्रैल 1984

आर० य० सी० न० 27/84-85-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित गाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी स० फ्लैंट है, जी नामपल्ली, हैंदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983.

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित पें बास्तविक रूप से किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः ----- (1) मैंसर्स नवनम कन्सट्रक्शनस को० बाइ, श्री पी० शिंकूमार रेड्डी, 5-8-42, फतेह सुल्तान लेन, नामपल्ली, हैंदराबाद.

(अस्तरक)

(2) श्रीमती के० सेणू नागी रेड्डी, पिता के० नागी रेड्डी, स्टाफ क्वार्टर्स, बार० ई० कालेण, वारंगल.

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्योंक्स सम्पत्ति के कर्जन औं हिंगए कार्यवाहियां शरू करसा हुं।

चक्त सम्परित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजभन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों कर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पण्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसची

प्लैट न० 104/4, ग्राउड फ्लोर, फतेह मुल्सान लेन, हैंदराबाद, विस्तीर्ण 1104 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5176/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैंदराबाद।

> एम० जेगन मोहम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 6-4-1984

मोहरुः

प्रकृष वार्षः दी. तः प्राः - = = =---

मायकर स्थिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के स्थीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निर्वेश सं अार० ये० सी० न० 28/84-85---अत: मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो लेक हील रोड़, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आजत, उक्त जिसीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना कहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धार्य 269-च की उपचार्य (1) के स्थीन, भिक्तिवित व्यक्तियों, वर्धीत् ६—- (1) मरीडीयन कन्स्ट्रक्शन को०,5-8-612, अबिडस्,हैवराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती संगीता भगवानवास, पति भगवानदास दयाल, 807, मीनार अपार्टमेंटस्, डेंक्कन टावर्स, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स, सम्पृत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क)) इस स्वना के राजपत्र में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकी

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त गड्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जी जस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अ**नुस्**ची

फ्लैट नं० 201, मेरीडीयन, भापर्टमेंटस्, लेक हीलस रोड़, हैंदराबाद, -विस्तीर्ण 1460 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4549/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैंदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण-IV) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 6-4-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

आर० ये० सी० नं० 29/84-85--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट है, जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि गरी के कार्यालय, हैदराबाद मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गीर्द है और मफ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

स्रतः अका, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '---- (1) मैं सर्स नंदनम कन्स्ट्रेक्शनस को० बाइ, श्री पी० शिक्मार रेड्डी 5-8-42, फतेह सुल्तान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद ।

(अन्सरक)

(2) श्री हराहाल पंजाबी पिता सीरोमल पंजाबी, 15-5-227/16, आफजलगंज, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी सवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
 पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त कट्यों और पदों का, जो सक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नपुरुषी

ंपलैट नं∘ सी-403/51, चौथा मंजला, नंदनम अपार्ट-मेंटम्, फतेह् मुल्लान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद, विस्ताणं 1000 चौ० फूट, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 5174/83, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायक्त (निरीक्षण) अर्जेत रेंज, हैदराबाद

तारी**ख:** 6-4-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीर सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जामकर जायुक्त (निरीक्रण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

आर० ये० सी० नं० 30/84-85--यतः : मुझे, एम०

जेगद मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमध् कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसका सं० फ्लैट है, जो नामपल्ला, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्येलय, हैदराबाद में रजिस्टी-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को, पूर्विक्त संपृति के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से, एरेसे दश्यमान प्रतिकल का पंचत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-⁴क्रल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिबक्क **अप से कथित नहीं किया गया हैं:--**

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दबीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) बर् प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चरित्रए था, कियानं में सविधा के लिए:

के अधीन , निम्नलिसित व्यक्तियों , अर्थाह :---10-76 GI/84

वतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) (1) मैसर्स नंदनम वान्स्ट्रवशनस, को० बाइ, श्री पी० शिवकुमार रेव्डी, 5-8-42, फतेष्ठ मुल्ताम लेन, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रं हारीचंदमेदरेट्टां पिता मालचंद मेंदरेट्टां, 5-8-50/2, फतेष्ठ सुस्तान लेन, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**स से** 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (छ) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरी।

स्पट्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, अपे उस अभ्याय में विमा गया है।

प्रनुसूची

फ्लैट न० 402/50, चीथा मजला, नंदनम कन्स्ट्रक्शनस को० फतेह सुल्तान लेन, नामपर्ल्ला, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1200 चौ० फुट, रिजस्ट्रोक़त विलेख नं० 5177,83, रजिस्टोकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-4-1984

प्ररूप आहरे. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्जीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

आर० ये० सी० नं० 31/84-85--अतः मूसे, एम० मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसका सं० पर्नेट है, जो बोमलगुजा, हैदराबाद स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनूसूर्वा में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीक्प्ती अधिकारा के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, अगस्त 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य तसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या बन्य आस्तियों करो, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः - अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— मैसर्स सागर कन्स्ट्रवशन्स,
 1-2-524, दोमलगूडा,
 हैवराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सविता चंद्रकांत कापसी, पति श्री चंद्रकांत शिवनाल कापसी, 15-2-332/ए, ज्ञान बाग, शाहा इनायत गंज, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्रत सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच् से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर प्वक्तियां से किसी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष. किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 203, दूपरा मंजना, सागर अपार्टमेंटस्, दोमनगुडा, हैदराबाद,, भिम्नार्ण 1000 ची० फूट, रिजस्ट्रान कृत विलेख नं० 4190/83, रिजस्ट्रासर्वा अधिकारा हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकार सह्यक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-4-1984

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, महायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनार 6 अप्रैल 1984 आए० ये० सी० नं० 32/84--85---यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जियका में पनैष्ट है, जो दाननगुषा, हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूबी में और पूर्गरूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारा के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के स्थ्यभात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड ही और मुक्ते यह जिस्तास करने का कारण ही कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यभान प्रतिफल गे, एमें इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दश्य से उयत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क्क) अन्तरण में हुई किमी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- ह) ऐमी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ कां. जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जार कांहिए था, छिपान में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैंसर्स सागर कन्स्ट्रवणन्स,1-2-524, बोमलगुडा,हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमिती सुनीता एम० मोहम्मद, पति डॉ० एम० डी० मोहम्मद, 1-2-3/ए, दोमलगुडा, हैदराबाद.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित्बद्ध किमी अन्य व्यक्ति ददारा अपाहस्ताक्षण के पास लिखित मो किए जा स्केंग।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमे प्रयुक्त शन्दों और पदी बा, जो उक्त अधिनियम के अध्याय (१०)-वः मा परिभाषित हौ, बही अर्थ हाना जा उस अध्याय में दिसा गया है।

मन्म्चीं

पलैट नं 207, दुशरा मंजना, पागर आतर्टभेटम्, दोलल-गुडा, हैदराबाद, बिस्तीर्ण 1000 चार फट, र्राजस्ट्राकत बिलेख नं 4178/83, राजस्ट्राकर्ता आधारार हैदराबाद

> एम० जेगन मोहन राजम प्राधि∴री सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-4-1984.

मोहर 🖫

प्रकप नाहै .टो . एस . एस . ------

जाशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाध

हैवराबाद' विनांक 6 अप्रैल 1984

आर० ये० सी० नं० 33/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक ही

और जिसकी सं० गैरेज है, जो नामपर्त्ता, हैंदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित्त है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवार्ष, के वार्यांत्वा, हैंदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित ब्राजार मृत्य म कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एरां दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नांद्र/वा
- (क्य) एसी किसी आय वा किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः (1) मैसर्स नदनेम कंस्ट्रक्शनस, को० बाइ, श्री पी० शिवकुमार रेंड्डा, 5-8-42, फतेह सुल्तान लेन, हैदराबाद.

(अन्तरक)

(2) श्री एस० नरसीम्हूलू पिता बालनरसय्या, 5-8-42, फतेह सुल्तान लेन, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पद्धीकरण.--इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित , है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट गैरेज नं० जी-2, जी-एफ-5-8-42, फतेह सुल्तान लेन, हैंदराबाद, बिस्तीर्ण 200 ची० फूट, रजिस्ट्रीकृत बिलेख न० 5173/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधियारी हदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 6-4-1984

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

आर० ये० सी० नं० 34/84-85--अत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसका सं० फ्लैट है, जो चिराग आला लेन, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्णस्य से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिक्रस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के एथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) मैसर्स फिरोज बिल्डर्स, कीरामाबाद, कालोनी, चीराम आली लेन, हैदराबाद.

(अन्तरक)

(2) कुमारी यास्मीन एम०|जी०, पिता सदरहीन, करीमाजाद कालोनी, चीराग आली लेन, हैदराजाद.

(अन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वमस्यी

फ्लैट नं० गाप नं० 3, चौराग आली लेन, हैंदराबाद, विस्तीर्ण 194, चौ० फूट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5042/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैंदराबाध।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-4-1984.

प्रथमः नाइं. डी. एन्. एस., -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 अप्रैल 1984

आर० ए० सी० नं० 35/84~85 --अ⊤: मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० वूकान है, जो चिराग आली लेन, हैवराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुमुक्तों में और पूर्णरूप से बणित है), रजिस्ट्राक्ती अधिकारी के कार्यानय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पृषेषित सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:~~

- (कि) वन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कार दाने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (क) एमा किसी आम या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयुक्तिनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया । या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिया के सिए;

बतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ', में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं भर्स फिरोज बिल्डर्स, करामाबाद कालोनी, चिराग आला लेन, हैवराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री सदूदीन, भाकिट रोड, महबूब नगर,

(अन्तरिती)

क्षे यह भूषना जारी करके पृथांक्त सम्मिति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हु।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरों के पास लिचित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त क्षिपियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० शाप नं० 1, चिराग आर्ला लेन, हैंदराबाद, विस्तीर्ण 219 चौ० फूट, रजिस्ट्रोक्टत में विलेख नं० 5036/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैंदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

मारीख: 6-4-1984

ब्रह्मप् आर्<u>ष</u> <u>,धी .एम् . एस ...-----</u>

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 6 अप्रैल 1984 मं० आए० ए० सी० नं० 36/84-85-- यतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की भारा 209-ज के नभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो बेगमंपेट, हैदराबाद में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनूमूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभनगर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रगस्त 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उमित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह बिध्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए द्रेष पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकितों में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सविधा के लिए;
- (स) ऐमी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-अर्थारणार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्भ श्रानियासा बिल्डर्स प्रा० लि०, 6-3-1187, बेगमपेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 मैसर्स बकेलाईट हायलम लि०, 7-3-1669, मोमाजीगुडा, हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उनते स्थावर सम्पत्ति में हित- बत्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अभाहस्ताक्षरी के पास निविद्या में किए जा सर्जोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रय्कत शब्दों और पदों का जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फ्लैट नं 801, श्रांनिवासा , टावर्स 'ए', 6-3-1187, बेगममेट, हैदराबाद, विस्तीर्थ 1350 चौ फुट, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं 2687/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बल्लभनगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-4-1984

प्ररूप बाइ . टी. एनः एस.-----

बायकर अर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर भायूक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, हैकराबाव

हैवराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984 निवेश संब्धार ० ए० सी० नं० 50/84-85:--- श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2'69-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है, (और इससे उपाबज्ञ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यलय, बल्लभनगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 वा 16)के अधीन अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेगों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना जाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थाद :— मैसर्स र्थानियासा चिल्डर्स,
 6-3-1187,
 बेगमपेट

(अन्तरक)

 मैसर्स बकेलाईट हाइलम, लि०, घर नं० 7-2-1669, सनस नगर, हैदराबाद।

हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अथोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पस्यक्रिपण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का,, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सूधी

फ्लैट नं० 301, श्रीनिवासा टॉवर्स 'ए' 6-3-1187, बेगमपेट, हैवराबाद, विस्तीर्ण 1600 चौ० फुट, रजिस्ट्री-कर्ती विलेख सं० 2688/83, र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी बल्लमनगर।

> एम जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैदराबाद**

गरीख: 6-4-1984

प्ररूपः आर्षः टी. एन. एस्. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाब, दिनांक 6 अप्रैल, 1984

सं० आर० ए० सी० न० 51/84-85---यतः मुझें, एम० जोगन मोहन

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या पलैट है जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय वल्लभनगर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रगःजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

क्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तिसमें, अधितः

11-76GI/84

 मैसर्स श्रीनिवासा बिल्डर्स प्रा० लि० घर न० 6-3-1187, बेगमपेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्रीमती जमरूदजाही बेगम, फ्लैट न० 708, श्रीनिवासा टावर्स 'ए' बेगमपेट हैदराबाद।

(भन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्बुधी

फ्लैट न० 708, श्रीनिवासा टावर्स "ए' बेगमपेट हैदरा-बाद विस्तीर्ण 1600 चौ० फूट रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2554/83 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी वल्लभनगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 6~4~1984 मोहरः: अरूप् आह^र,टी.एन.एस.....

कासकार मधिनियस, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-भ (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

सं० आर० ए० सी० न० 52/84-85--- यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी फ्लैट है जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वल्लभनगर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संस्पित के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंबत संपत्ति का उिचत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दरीयत्थ में कभी कारने या उससे वचने थें सुविधा के लिए और/बा
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

 मैसर्स श्रीनिवासा बिल्डर्स प्रा० लि० घर न० 6-3-1187 बेगमपेट, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती के० बि० लक्ष्मी देवी घर न० 6~3~533 सोमाजी गुडा हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकीं।

स्पष्टीकर्ण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

नन्सूची

फ्लैट न० 201, श्रीनिवासा टावर्स 'ए' बेंगमपेट, हैदरा-बाद विस्तीर्ण 1600 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2705/83 रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी वल्लभनगर।

> एम. जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमों, अर्थात् ६—

तारीख: 6-4-1984

भोहर 👍

.**शरूप् नार्**ः टौ_ः एत_ः एक्ः - + :: - ::-

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासन्, सङ्गयक मायकर आगक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

सं० आर० ए० सी० नं० 53/84-85:—यतः मुझे, एम० जोगन मोहनः

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्भावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक ही

धौर जिसकी सं० पलैट है जो बेगममेट हैवराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय बल्लभनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इसमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्वेषयों से उक्त अन्तरण निखित में शस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किमी बाय की वाबत, उक्त ब्रिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जो जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 '६७२२ का 1.1) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए।

 मैसर्स श्रीनिवास बिल्डर्स प्रा०लि० घर नं० 6→3→1187 हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्रीमती सी० शारवा देवी ग्रीर अन्य तीन घर नं० 6→2→953 खैरताबाद हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यविहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्शि को अर्जन् को सम्बन्ध में कोई भा बाक्तप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के वें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 407, श्रीनिवासा टावर्स 'ए', विस्सीर्ण 1700 ची० फूट, बेगमपेट, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2553/83, रजिस्टीकर्ती अधिकारी वरुबभनगर

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहारक जायकर भायुक्त (निरीक्षण) क्षर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्भरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ का उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तिवी, वर्षात् हिल्ल

तारीख: 6-4-1984

मोहर 🖫

प्रक्य आइ. टी. एन. एस. ------

बायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 54/84-85:---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्स अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अभिक हैं

मौर जिसकी सं० घर है तथा जो बंजारा हील्स् हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्स 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित्त बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ले ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्वेदय से उक्त अन्तरण निम्ति से बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है :----

- िक) अन्तरम् वं हुइं हिंक्की नाम की नावत उनत निध-विवन् के ज्वीत कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी कहने वा उन्नदे वचने में सुविधा के सिए; शीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन था अन्य अस्तियों का, चिन्हें भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया आया वाशिए वा, डियान में तृतिथा के लिए;

 श्रीमित आर० सरस्वती पित श्री सत्यनारायणा राजू घर नं० 6~3-345/1, रोड नं० 1, बंजारा हील्स्, हैवराबाद।

(अन्तरक)

श्री सुधीर राजन से गुप्ता,
 घर नं० 6-3-569/1/7, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवर्षित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र हू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें वास निवित में किए जा सकोंने ।

स्थव्यक्तिरण:----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त किंभिनयम् के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुज्जी

घर संम्पति नं० 6-3-345/1/1, रोड नं० 1, बंजारा हील्स्, हैंघराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4621/83, रजिस्ट्रीक कसी अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवरासाद

बत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

वारीब: 6-4-1984

मोहरु व

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस . -----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० 55/84-85:—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजर मून्य 25,000/- रूट. से अधिक है

भौर जिसकी सं० घर है, जो उमानगर बेगममेट, हैदराबाद में स्थित है (प्रांर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ग्रगस्त, 1983

को पूर्विक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की वाबत, उक्त जीधीनयम के अधीन क्रार दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे स्थाने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, जिपाने में सविधा के लिए,

अंतः बव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरक मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १८--- श्री बाबूभाई शाहा,
 घर नं० 1-10-72/10,
 बेगममेट, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती गाँता देवी पति श्री सत्यनारायणा, घर नं० 6-3-1219/2, बेगमपेट, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सँ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भंपीत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकाँगे।

स्पध्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उपस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमसन्बी

घर नं० 6-3-1219/2, ऊमानगर, बेगमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1800 चौ० फूट प्लींथ ऐरीया, श्रौर 400 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9/83, रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-4-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आहाँ. टी. एम. एस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैसराबाद

हैदराबाद, दिनाक 6 अर्डल 1984

सं० भ्रार० ए० सी० नं० 56/84-85.--यत. मुशे, एम० जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 769-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/- का से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० घर है जो मौसूलगुड़ा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पृर्ण रूप में विणत है), रजिस्टीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारती रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, ग्रगस्त, 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति, ति की गई है और मूझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य उसके रृश्यमान प्रतिफल से एसे रृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योदों से उक्त अन्तरण सिलिख में अस्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे मचने में सिवधा क, जिन् यु और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वापूर प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुधिभा के निए;

मैसर्स कीष्णा सागर भौर एसोसियेटस, 6-3-902/5, सोमाजी गुडा, हैदराबाद

(घन्तरक)

श्रीमिम चील्ला कोटेस्वराम्भा पति सी० नरसीम्हारेडडी 3-4-489, बरकतपुरा, हैवराबाव-500027:

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के ति कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भं अविधि बाद में समाप्त हाती हों, क नीतर पूर्वोंक ब्योग्तयों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

घर संपत्ति नं० 8-3-169/113/11/ए, दत्ताक्षया को श्रापरेटिव हाउसिंग कौलनी, युसुफ गुडा, हैदराबाद, रजिस्ट्री∎ कत विलेख नं० 2444/83, रजिस्टीकर्त्ता श्रिधकारी हैदराबाद

> एम० र्जोगन मोहन, सक्षम श्रिधकारी, (सहायक म्रायकर भ्रायुक्त) निरीक्षण भर्जन रेंज, हैदराबादः

कतः अंध, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख . 6-4-1984

प्रकृष बाइं. टी. एतृ. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यांस्य , सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 भ्राप्रैल 1984

सं० ग्रार० ए० सी० नं० 57/84-85-यतः मुझो, एम० जेगन मोहन,

गयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ेको अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रह. से अधिक ह

भीर जिसकी सं० जमीन है, तथा जो बंजारा हिल्स हैवराबाद म स्थित है (भ्रीर इससे उपाबाद प्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, भ्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उचित आजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निक्तिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक हम की स्थान के सिर्मा से किस्त की स्थान स्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत, उक्त अधि-निमम के ब्रधीन कर दोने के जन्तरक के दासित्व भे उसी करने या इससे बचने में स्विधा के लिए: बीस्/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भर या अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर श्रींभियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त राधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्थात् :--- श्री एस० पी० ग्रगरवाल, 6-3-883/3, पंजागुट्टा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

श्री लक्ष्मीकांत रेड्डी,
 3-5-140,
 हिमायतनगर, हैंदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के मूर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का थे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (स) इस स्वना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारी अं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीत ताकरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं मर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

ं जमीन 1196 चतुर गज बंजारा हिल्स, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4162/83 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, हैदरावाद।

तारीख: 6-4-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आइ. टी.एम.एस. ------

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 6 भन्नेल 1984

सं श्रार ए० सी० नं 58/84-85:—यत: मुझे, एम० जोगन मोहन,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्लास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित धाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है:

ग्रौर जिसकी सं० घर है, जो कोडूर गांव कुडापा जिला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, पुल्लामपेट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ग्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम इशमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्दर प्रतिद्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिभा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती कुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिर्गियम की बारा 269-म के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधित क्षित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री वी० ग्रोमकाराप्पा, पी० नीलाम्मा, 25 वार्ड, बाल्लारी पोस्ट ग्रौर टाऊन। (ग्रन्तरक)
- श्री बै० एस० विवेकानन्ता रेड्डी और भ्रन्य, श्रोमकाराप्पा बिल्डिंग, कोडूर, काडापा जिला।

(भ्रन्तरती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अना न्यक्ति द्वारा अधाहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पस्त किरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

घर ग्रोमकाराप्पा बिल्डिंग, कोङ्क्रूर गांव में कडापा जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 783/83 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी पुल्लामपेट।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 6-4-1984

प्रस्प आई.टी.एन.एस. ------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-र्थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 म्रप्रैल 1984

सं० भार० ए० सी० नं० 59/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संप्लाट है, जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है, (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय कैराताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कृरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफाल से एसे स्वयमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए त्य प्राया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य में उच्न अन्तरण निस्तिक में वास्तिवक म्या से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, जन्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण को, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

मैसर्स सुनील कनस्ट्रवशनस (पं०) लिमिटेड,
 बै० नि० एस० त्रियाना रेछडी,
 बंजारा हिल्स,
 हैदराबाद।

(श्रन्तरक)

 श्री अब्दुल रहमान चीडा, 6-3-1188, कैराताबाद, हैदराबाद।

(धन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों दर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीए में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पच्छोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्लाट नं० 194 सारिता भ्रपार्टमेंट में बंजारा हिस्स, हैदराबाद विस्तीर्ण 1285 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2485/83 रजिस्ट्रीकर्ना भ्रधिकारी कैराताबाद।

एम० जेगन मोहन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 6-4-1984

प्ररूप मार्च, टी. एन. एस., -----

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 श्रप्रैल 1984

सं० ग्रांर० ए० सी० नं० 60/84-85:---यत:, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात कारने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० घर है, तथा जो ग्राजमपुरा हैवराबाद में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यातय ग्राजमपुरा में रिजस्ट्री- करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान द्वितिक को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिस्ति में वास्तिवक क्या से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुंदै किसी जाय की बाबत, छन्छ जिभित्यम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तिबों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनका अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने जें सविधा के लिए;

मतः अब उक्त जीभीनियम की भाग 269-ण की जन्तरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपभाग (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— मोहाम्माद श्रजीजुद्दीन, 16-7-334, मालाकैम्प, हैदराबाद।

(भ्रन्सरक)

2. ग्रहम्मद, जी० पी० ए० राविया बेगम, 22-1-369, सुलतानपुरा हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह चुचना चारी करके पूर्वों कतु सम्मृतित को सर्वन के सिष्ट् कार्यवाहियां करता सूं ॥

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजभन्न में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविभ या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तानीस से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशिंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हैं।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्माक्तीकारणः — इसमें प्रयुक्त सब्बाँ और वदाँ का, यो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्मची

षर नं० 6-7-334, भ्राजामपुरा, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1592/83 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी श्राजामपुरा

> एम० जेगन मोहन, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 6-4-1984

मोहर्ः

प्रकप आहु", टी. एन. एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल, 1984

सं शार थे सी ने 61/84-85-यतः मुझे, एम जगन मोहन,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- तः. से निधक है

धौर जिसकी सं० जमीन है, जो ध्रमीरपेट हैवराबाद में स्थित है (ध्रीर इससे उपाबद अनुसूची में घ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण घ्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के घ्रधीन, तारीख ध्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतोरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल, निम्नलिक्ति उद्धेश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तविक इस्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी फरने या उससे वचने में सुविधा के तिए; बाँड/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत. जथ, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में, क्षास्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, गिम्निसिवित व्यक्तियों, सुधित 2--- (1) श्री बैं० लक्ष्मनराव, एम०/एस० विजया टवरस, एन० सी० एच० रोड़, ग्रमीरपेट, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ये० राजामानी, पति, रामाचन्द्रन, नरसापुर गांव, मेदक जिल्ला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में डिसबनध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पव्योकपुण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सू जी

जमीन भ्रमीरपेट में विस्तीर्ण 1022 चतुर गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4410/83 रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी हैदराबाव।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्रधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रोंज, हैदराबाद

तारीख: 6-4-1984.

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस्.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 कम 43) कीं वारा 269-भ (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैधराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 भ्रप्रैल 1984

सं० धार० ए० सी० नं० 62/84-85- यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकों पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उच्चित बाजार मृल्ब 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी स० घर है, तथा जो श्रीनगर कालोनी हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख 8/83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उथत अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में स्विधा में सिए;

भतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमति कैर्राश्नसा सुलेमान ग्रीर ग्रन्य, 521 के० के० नगर, मधुरै, तमिलनाडु।

(भ्रन्तरक)

(2) गुलाम हैदर भौर भन्य,8-2-542/4वे,हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना आरी करक पृत्रोक्त संपत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति को कर्जन के संबंध को कोई भी आक्षेप :--

- ्क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी सन् में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दियोऽ गया हैं।

अनुसूची

घर नं० 8-3-1053 श्रीनगर कालोनी, हैदराक्षाद रिजस्ट्री-कृत विलेख नं० 4344/83 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तप्रीख : 7-4-1984.

मोहरु 🖺

प्ररूप वार्ष. टी. एन. एस.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 7 भ्राप्रैल 1984

स॰ श्रार॰ ए० सी० नं० 63/84-85--यत मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बानार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी स० जमीन है, तथा जा बोल्लारम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नरसापुर में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख भगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूस्य से कम से कम दूर्यमान प्रतिफल के लिए यन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत संग्रीयक है और बन्तरित से। अन्तरिक है और बन्तरित से। के बीच ऐसे बन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्त उद्देश्य से सकत अन्तरण लिखिन में बास्त विक इप के स्थित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, अक्स अधिनियम के अधीन कर घेने की अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने मे सुनिभा के निए; आंह/या
- (ख) ऐसे किसी आज या जिसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हा माणीय आउत्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन प्रतिक्षिण, 1957 (1977 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए: और/या

जत. जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात ७--- (1) ठी० नारासाम्मा भीर म्रन्य, बोल्लारम गाव, मेदक जिला।

(भ्रन्तरक)

(2) एम० एस० ये० वी० एस० कटेयिनरस (प्रा०) लि**०;** वेस्ट श्रीनिवासानगर कालोनी, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नम्स्ची

जमीन बोल्लारम मे विस्तीर्ण 24 याकरस 29 गुंटास एस० ग्रार० ग्रो० नारसापूर, विलेख नं. 964, 1860, 1861, 1868, 1869, 1872, 1973, 1874/83

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख ' 7—4—1984 **मोहर** ≟ प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-प(1) के अधीन सूचना भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, **है**दराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 भ्रप्रैल 1984

सं० भ्रार० ए० सी० नं० 64/84-85--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 नरु से अधिक है

धौर जिसकी सं० घर है, जो मलकपेंट हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; आर्ट्/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अध उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्री माहाम्मद उर्बेराहीम,
 16:3:991/1,
 मलकपेट,
 हैदराबाद।

(मनारक)

(2) मोहाम्मद माजारल हसन राहात ग्रीर ग्रन्य, 18-7-606, लालदरवाजा, हैदराबाद!

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन<u>ृ</u>त्स्वी

घर नं० 16-3-991/1 मलकपेट, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4472/83 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भायुक्त, (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, हैवराबाद।

तारीख: 7-4-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन पुचना

भारत संद्रकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 ग्रप्रैल 1984

निदेण सं० श्रार० ए० सी० नं० 65/84-85:--यत: मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने जा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट है, जो बंजारा हिह्स हैदराबाव में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाव में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख भगस्त, 1983

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान क्ष्मितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण सिखित में बास्तिक इस से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण वे हुवै कि वी गांव की गांवत सकत विश्व-निवस्त के वधीन कर वोगे के नन्तरक के वासिरण में कमी करने या उससे बचने में गृतिधा के लिए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन या नम्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ न्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नथा था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के विदः

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(1) मैं-मर्स मुनील कनस्ट्रक्शनस श्रौर प्रामोटरस,
 10-2-289/25,
 मन्तनगर,
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सादु रेनुकाराव, 3−4−750, नारायानागूडा, हैसराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षेष हु--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

प्लाट सुनीता श्रपार्टमेंट में बंजारा हिल्स, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 5035/83 रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राघिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 7-4-1984

मोहर अ

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

ज्ञाक्कर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1984

सं० आर० ए० सी० नं० 66/84—85——यतः मुझे, एस० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो सालारजंग कालोती हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाग्यिक स्थ से कथित बड़ी किया भया है :---

- (क) जन्मरण से शुर्द किसी बाब की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को जन्मरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अकत अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना घाहए था, छिपान में स्विधा के किए:

जतः प्रज्ञ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६---- (1) श्री अननतालाल करनानी, सिधियमबर बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) सैय्यव अफरोज अहम्मद, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्परित के अर्जन् के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत, स्थिनतारों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बंद्ध किसी अध्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस सध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

घर नं० 9-4-86/173, सालारजंग कालोनी, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4497/83 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 7-4-1984

प्ररूप बाहाँ, टी. एत. एस. ------

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनर्ज़,हैदरावाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1984

मं० आर० ए० सी० नं० : 67/84-85—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो हैदरनगर गांव आर० आर० जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोक्तर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० आर० जिना में भारतीय रजिस्ट्रोक्तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारी ख अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिंखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने भें मृत्रिका के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मविधा के लिए;

(1) भी दी॰ कुछा और भया.* 1--1--526||5, हंदराबाद।

(अन्तरमः)

(2) दि येक्सलवया कोआपरेटिव हार्जीसम सोसायटी लि०, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जनसंची

जमीन विस्तीर्ण 5 याकरम हैदरनगर में रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6605/83 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी आर० आर० जिला।

> ण्म० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहामक आयक्कर प्रायुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, हैकराबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अभूतरण मं, मं, स्वत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीर निम्निलिखित स्थितियों, अर्थात् हु—

तारीख:-7-4-1984

मोहर ः

प्रकृष आहे. टी. एन. एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरेंज,हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1984

सं० थार० ए० सी० नं० 68/84~85ः~-यतः मुझे, एम० जगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है, जो सासुलीगुट्टा महबूबनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री क्ती अधिकारी के कार्यालय महबूबनगर में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1983 •

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रति-फल निम्मलिसित उद्देश्य म उक्त अन्तरण लिखन में रास्तिबङ म्य से कथित महीं किया गया है के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त जिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (प) एमी किसी जाय या किसी धन या अन्य अगरितयों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा, या किया जाना चाहिए धा, खिपाने में स्विधा को लिए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) डे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रीपी० चेम्नारेड्डी, महबूबनगर ।

.(अन्तरक)

(2) श्रीकी० पांडुरंगय्या, मह्रवूबनगर ।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिए की अविधि, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाग के रावपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मुर्ध होता जो उस मध्याय में दिया पू गया हैं।

अमृस्ची

जमीन सामुला गुट्टा, मह्बूबनगर में, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1889/83, 1864/83 और 1861/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मह्बूबनगर।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुवन (निरीक्षण) अर्जनरोंण, हैदराबाद

तारीख: 7-4-1984.

मोहर 🗈

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्त्रय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज, हैवरावाद

हैदराबाद, दिनाक 7 अप्रैल 1984

स० आर० ए० सी० न० 69/84-85 ---यत. मुझे, एम० जगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का करण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपय सं अधिक है

और जिसकी स० जमीन है, जो नारिसगी गाव में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० आर० जिल्ला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के जअधीन, तारीख अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के श्रीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की भावत, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (स) एस किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व्य प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिक्ति व्यक्तियो, अर्थात् :--- (1) मोहम्मद यूसाफुधंन और अन्य, नारसिंगी गाव, मेदक जिल्ला।

(अन्तरकः)

(1) श्री टी॰ चिटआय्या, हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकैगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ हरेगा, जो ज़म अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन नारसिंगी गांव मे रिजस्ट्रोक्कत विलेख नं० 6084/83 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी आर० आर० जिल्ला।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहस्मक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख 7-4-1984 **मोहर**ः

प्रकप शाइ . टी , एन् . एस . ------

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनाक 7 अप्रैल 1984

सं० आर० ए० सी० नं० 70/84--85--यत मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्णित बाजार मृत्य 25 000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीत है तथा जो नार्यासगी में स्थित हैं (और इससे उपावब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० आर० जिस्ला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1983

को पूर्वोकत सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के द्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिकल से ऐसे द्रयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितिखित उद्देश्य से अकत अन्तरण निम्नित में नारति विश्व रूप में किया गया है

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; सौर/या
- (का) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए,

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्थ मो, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) श्री मोहम्मद यूसाफुद्दीन और अन्य, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीके० रंजित कुमार और अन्य, हैदशबाद।

(अन्सरिता)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

जमीन विस्तीर्ण 16-31 याकरस नार्रासगी मे रजिस्ट्रीहास विलेख नं 6083/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आए० आर० जिल्ला।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 7--4-1984. मो**हर**⊈ प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस. - - -

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाक 7 अप्रैल, 1984

सं० आर० ए० सी० न० 71/84-85'—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० प्लाट है, जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लाभनगर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार भन्य उसके रश्यमान प्रितिफत स, एसे दश्यमान प्रितिफत स, एसे दश्यमान प्रितिफत स अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शित्यत, निम्मितियेन उत्तर्य म उन्त संसरण विक्ति म वास्तिक स्थान कि कि मा कास्तिक स्थान कि वास्तिक स्थान कि कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/मा
- (ख) ऐसा किसा आय या किसी अन गा अन्य घारितयाँ की, अन्हें भारतीय पायकर प्रवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिनियम, या अन-कर घिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, जिलाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अन्सरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निनिकत व्यक्तिया, अर्थात् --- (1) श्री जब्बार रियल एस्टेट, नल्लागुट्टा, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) गुलाम माहम्भद यूसफ फारु की, नामपार्खी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चना की तामील म 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्न बद्ध किसी अन्य न्यान्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसम प्रयुवत शब्दा और पद्यां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यि -

प्लाट न० 14, बंगमपेट, हैदराबाद मे रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2367/83 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी बद्रलाभनगर ।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 7-4-1984

मोहर 🏻

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के न्धीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 7 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 72/84-85--यस. मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचिक बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० प्लाट है, जो वेस्ट मारेडपाल्ली में स्थित है. (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपाल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रुयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रुयमान प्रतिफल से, ऐसे ब्रुयमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकान निम्निविद्य उसुदेदय से उच्य असरण जिस्तिह में बास्तविद्य

- (क) जनसरण ये हुई जिल्ली जाम की बाजत उक्त जिल्लीनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे जभने में सुविधा में जिल्हा करने भा
- (ज) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या भन्कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया काना चाहिए था, जिनाने में साविभा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग को, अनुसरण मो, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः-— (1) फेशनस बिरुडर्स, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति एल० एस० पुरुषोत्तम, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :~~

- (क) इस स्वता है राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्ति में से किसी व्यक्ति इवार;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदो का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

प्लाट वेस्ट मारेश्रपाल्ली में रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1523/ 83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपाल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 7-4-1984

मोहर ः

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1984

निर्देण सं० श्रार० ये० मी० नं० 73/84-85---यतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 म के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है, जो मासाब टेंक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिकास, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रक्तूबर 1983

को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उचन अन्तरण निष्तित मे वाग्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी बाय की बाबत उक्त बिध-निग्ध्य के अभीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे धचने में मुनिष्धा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन रूर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्णाजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।;

(1) मैसर्स श्रजंता गिलडरस, देवराबाव।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीए० स्नार० वी० प्रमाद राय, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को पह सुचना जारी करके. पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कि तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

नन्स्ची

प्लाट हैदराबाद में रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5440/83 रिजस्ट्रीकर्ता धिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **धर्जन** रेंज, हैदराबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) ये अधि, विम्नितिस्थित ज्यक्तियों, अर्थात् ह—

नारीख: 7-4-1984

ATTY.

प्रथप सार्वे ही । एनव मुन्न---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन नुचना

भारत सर्कार

कायलिय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैचराबाद, दिनांक 7 ग्रप्रैल 1984

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है,) की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- स्पण से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० काटेज है, जो पदमाराव नगर, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय सिकन्दरावाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतर्कों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में मृदिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

प्रतः अब. उन्त प्रक्षिणियम की प्रापा 269-भ के, प्रनुसर में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह (1) मैसर्स छ्पा विलड्स्स. सिकन्दरायाद

(ग्रन्परक)

(2) श्री जी० विनोदं कृमार श्रीर भ्रत्य, सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवा**हि**यां करता ह**ू**।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध िस्सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पध्वीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नपृत्र्

काटेज पदमाराव नगर सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 344/83 रजिस्ट्रीकतीं श्रिष्ठिकारी मिकन्दराबाद।

> एस० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-4-1984

प्रकृप आहूर. टी. एन . एस . **********

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैषराबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1984

निर्देश मं० द्यार० ए० सी० नं० 75/84—85—यतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अक्षीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ४० में अधिक है

श्रौर जिंसकी सं० प्लाट है, जो करन श्रपार्टमेंट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दरावाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1983

को प्रवेक्त संपत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर घन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलियिन उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्तक ग्रिशितयम के प्रधीन कर देने के प्रगतरक के वायित्व में कभी करने हा जनसे बचने में सुविधा के सिए। और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या था किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के सभीन. निम्हिलित व्यक्तियों, मर्भात क्रें—
14—76GI/84

(1) मैसर्स बुमाकरण तेज करण, वैवरागाव

(भ्रस्तरक)

(2) श्रीमती एन० सास्त्री, हैदराबाद

(भन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके प्यास्ति सम्पत्ति के वर्षन् के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बासपे :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंबी 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्वांतिक स्थानतयों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याय, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --इसमें प्रयुक्त क्याँ और पदाँ का, वो उक्त अभिनयम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित हुँ, नहीं अर्थे होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हुँ।

अनुस्ची

प्लाट नं० 11 करन भ्रपार्टमेंट में रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2116/83 रिजस्ट्रीकर्ती भ्रधिकारी, सिकन्दरावाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 7-4-1984

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, हैदराबाद

[हैदराबाद, विनांक 7 भ्रप्रैल 1984

निर्देण सं० श्रार० ए० सी० नं० · 76/80-85--यतः मुझे. एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके परकात् 'उकन अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000'- रह. से अधिक हैं

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल को पन्ने हर्यमान प्रतिफल को पन्ने हर्यमान प्रतिफल को पन्ने प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निस्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उत्तर के अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्व के लिए;
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिपाने में गुविधा के लिए।

(1) मैसर्स युना करण तेज करण, हैदरायाय

(अन्धर्क)

(2) श्रीमती विमाला श्रीवास्तव, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्ठींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स भ्वत्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इत राजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशंहस्ताक्षरी की पास लिखित में विष्णु जा सकेंगी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तु । अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिते -हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियाः * गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० 5 पद करण श्रपार्टमेंटस, सिकन्दराबाद रिजस्ट्री-कृत विलेख नं० 2117/83 रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी, मिकन्दराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद्य

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-धं की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलियित अभिकत्यों, अर्थात :---

तारीख: 7-4-198**4**

भोहर 🛚

भारत सरकार

'कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैसराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आंर० ए० सी० नं० 77/84-85-यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० आफिस कमरा है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1983

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल सो, एसे दृश्यभान प्रतिफल का पद्म प्रतिश्वात से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में सास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को; जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

कतः. क्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैसर्स कावरा कांपलेक्स, सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री नारायणदास वी० भोजवानी, सिकन्दराबाद।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कां हैं भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिलित में किए जो सकेंगे।

स्यच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गया है।

अमुस्ची

आफिस कमरा न० 210 काबरा कामप्लेक्स, सिकन्दराबाद राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 347/83 राजस्ट्रीकृता अधिकारी सिकन्दराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारोख: 7-4-1984

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हेबराबाद, दिनाक 7 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 78/84-85--- यसः मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,,000/- हु ख अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जमीन है, जो सिकन्यराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मारेडपाली में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1983

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने के कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बस्तरण ते हुई किसी बाय की बायत उपत गरिं-नियम के अभीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तरे युवने में बुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी बास या किसी धृत या सन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1:) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अन्सरण के, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभार (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीयू० शंकरधौर अन्य, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) मालानी कोआपरेटिय हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति . के वर्णन के लिए कार्यवाहिया करता हूं ।

उक्त सम्मृत्सि के अर्जन के सम्मन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में तमाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- सूचुम् किसी अन्य व्यक्ति व्यारा व्याहिस्ताश्रा के पास लिखित में किए जा राकांगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनस निधान के नभ्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्राहुरी

मन्स्ची

जमीन सावर बाजार सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1414/83 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपाल्ली।

एम० जगन मोह्न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाव

सा**रीखं** : 7-4-1984

मोहर् 🛭

प्रकल कार्ड. टी. एन. इस.------

नागकर निध्नियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हेंदराबाद, विनांक 7 अप्रैल, 1984

निर्देश स० आ२० ए० सा० त० 79/83--84---- मुझे, एम० जगन मोहन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० जमीन है, जो मारंडपाल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय मारेडपाल्ली में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिकारी के कार्यालय मारेडपाल्ली में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिकारम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुर्द किमी बाय की दावत, अकल अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आयं या किसी अन या अय्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः असः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की जमधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री एन० श्रीनिवास, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) णोमाना कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड, सिकन्वराबाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्विक्स संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्यास में विया गया है।

मन्सूची

जमीन मारेडपार्ल्ला सिकन्यराबाद में राजस्ट्रीकृत विलेख नंज 1554, 1576/83 राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मारेडपारली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

सारीख: 7-4-1984

प्रकथ बाइ . टी . एव . एस . -----

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के मुभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक जायकर नायुक्त (जिरीक्सभ)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनाक 7 अप्रैल, 1984

निर्वेश सं० आर० ए० सी० न० 80/84-85-यत मुझे एम० जगन मोहन

सायकर सिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ेश्रीर जिसकी स० जमीन है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ना अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्न 1983

को प्रांक्त सम्परित के उचित धाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के सिए तथा पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) नन्तरण ते शुर्श किसी नाम की नामझ, अच्छ नियान के अभीत कर बोने के जन्तरक के धामित्य में कमी करते ना बसते अपने में सुनिधा के सिए; और/ना
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने सें सुविधा के लिए;

अतः अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ा के अनुसरण भौ, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिल व्यक्तियों अधीन :--- (1) श्री जै० आर० रमेणजी, सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) एम०एस० दीननदानावाना कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी, सिकन्यराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्परित् के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उभत संपरित के अर्जन के सबध में कोई भी जाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्वाध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्वाच्यीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ अवन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1513/84 रिजस्ट्रीकरता अधिकारी मारेडपाल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैंदराबाद

तारी**ज : 7-4-1**984

मीहर:

प्रकृष पाइ० टी॰ एन० ए स०----

मायकर प्रवितियम, 1061 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 81/84-85-पतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० घर है, जो सिकन्वराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लाभनगर में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल को पंष्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उपना जाँध-नियम के जधीन कर दीने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिमी स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के निग्;

अतः वस, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं:, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जगमेड वीव मून भीर जन्मः सिकल्पराजाः ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किरण मी० मोडी, श्रीर अन्य, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्तीकरणाः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्यो का, जॉ सबस विक्षितियम के अध्याय 20-क में परिधासित है; वही धर्म होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

घर पी० जी० रोड, सिकन्दराबाद में राजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2122/83 राजिस्ट्रीकरना अधिकारी वाल्लामनगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद्र

नारीख: 7—4—84 -

मोहर 🕾

प्ररूप. बाइ. टी. एन. एसं.-----

भायकर अधिनियस,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुभ्ना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 82/84-85—यत. मुझे, एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाल्लाभनगर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1983,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से, अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और संतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित् में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) एम०/एस० श्रीनिवासा जिलडरस (पी०) लिमिटेड हैक्शवाथ।

(अन्तरक)

(2) श्रीटी० षामुंडेस्वारी, हैदरायाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसुचि

प्लाट नं० 206 श्रीनिवासा टवरस, हैवराबाद में रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3044/83 रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी वाल्लाभनगर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तिसों, अर्थात्:---

लारी**ख**: **7**-4-1984

प्रकप बाहं. टी. एन. एस. -----

लायकर अधिनियज, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

फायौलय सहन्यक आयथ्यर आयक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनाक 7 अप्रैल 1984

निर्देण स० आर० ए० मी० न० 83/84-85---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० प्लाट है, जो हैदशबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाल्लाभनगर में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1983

को पूर्वीक्य सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफाल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफाल, निम्नतिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

(1) श्री एम/एस० श्रीनिवासा विलष्टरस (पी) लिमिटेड, हैडराज्ञान।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० राधा बेगमपेट, टैदराबाद

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (ख) इस सृपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ज्ञमुस्ची

प्लाट न॰ 405 श्रीनिवासा टबरेस, हैवराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 3143/83 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी वाल्लाभनगर।

> ्म॰ जगन मोहन सक्षम अधिकारी महायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैक्राबाद

जतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्नितिसत व्यक्तियों, सर्थीत् :---15—76 GI/84

नारीख 7-4-1984

मोहर ३

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज जानस्थर

जालन्धर, दिनाक 10 अप्रैल 1984

निदेश न०/ए० पी० न० 5297—यत **म्झे**, जे० एल० गिरधर,

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रह में अधिक है

श्रौण जिसकी स० जैसा अनसूची में लिखा है तथा जो सैख् गण्डी में स्मिन है (श्रौण इससे उपावड अनुसूची में श्रीण पूर्ण रूप में वर्णित हो), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलोट में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अगस्त, 1983

को पुर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अतिरित की गई है और मुझे यह विद्याम करने का करण है कि उदापनी ति सपीन का जीवन बाजार माय, उसके त्रयमान प्रतिफाल में, एमे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्प्रह प्रतिक्षत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किमृत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1920 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना था, छिपाने में मुनिधा के लिए,

(1) श्री माया देवी विधवा गोविन्द लाल व रणजीत लाल पुत्र गा लाल——याउ नः /— —मगोट।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन लाल चावला पुत जवाला गिह वासी भेखू मडी, मलोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित, ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसर्ची

च्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि जिलेख न० 1184 दिनाक अगस्त 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलोट ने लिखा है। जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर ।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

नारीख 10-4-84 **मोहर** № प्रकृप भाइ . टरी . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाव 10 अप्रैल 1984

निदेश स० ऐ० पी० न० 5298. -- यत मुझे, जे० एल० भिरधर,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो गाव बुट में स्थित हैं (और इसस उपाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं) रिजिस्ट्रीवर्त्ता अधिकारी के सार्यालय जालन्धर में रिजिस्ट्रीररण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधान, ताराख अगस्त 1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रष्ठ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिशित उद्दश्य म उज्जत अन्तरण लिखित मे बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अभने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय, आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुनिधा के लिए,

बतः वय, तक्त विभिनियम की भारा 269-त के वन्त्ररूप मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) को अधीन निम्मीनिखन व्यक्तियों, अर्थान् :--- शामनी मनजोत कोर पत्नी व करणजीत पुत्र मुमनजोत कौर पुत्री धमनजीत सिंह पुत्र हरीवल सिंह, वामी बाखेबाल, जिला गुरदास पुर।

(4 177)

 डा० राज कुमार पुत्र बता राम वासी हरचोवाल जिलागुरदासपुर।

(अन्तरिती)

का यह स्थना जारी करक पृत्रों क्त सम्पृत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

उदस सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के खाजपत्र में प्रकाशन की तार्रोख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी व उस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा तथा परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय भी दिया गया है।

अनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमा कि विलख न० 3192,दिनार अगस्त, 1983 को र्राजस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी जालन्प्रय न लिखा है।

> जे एल० गिरधर, म**क्षम प्रा**विकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण) अर्जन रेंज जानन्धर

तारीख: 10-4-1984

मोहर 🧓

प्ररूप. गाई. टी. एन. एस. - - - -

मायकार मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्त्रर, दिनांकः 10 अर्प्रल, 1984 - निदेश सं० ए०पी० नं. 5299: - -यत: मुझे,जे०एल० गरधर.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी स० जेंसा अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव बुट में स्थित है (और इससे उपाबद अमुसूची में और पूर्ण का में विशित है), रिजिस्ट्राकर्मा अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, नारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूख्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरूप से हुई फिडी बाब की वावत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; बौड/वा
- (त) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकर नहीं जिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

 श्रीमती मनजीत कौर पत्नी किरनजीत सिंह पुत्र सुमदजोत कौर पुत्रो धमनजीत सिंह वामी बाखेवाल जिला गुरदासपुर।

(अन्तरक)

 श्री मलकीत सिंह पुत्र डी० सिंह, वासी चिट्ठी तिह० जालण्घर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

ननुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3507, विनौर भगस्त 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> त्रीत एनत गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, जालन्धर

अतः अज्ञ, उपन्त मीधीनयम्, की धारा 269-ग के अमृतरण भें, में . उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपवारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति स्यक्तियों, मुधीत् स—

नारीख: 10−4-84

माहु दु

प्ररूप आहें. टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीम सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 10 अप्रैल, 1984 निदेश सं० ए० पी०नं० 5300:——यत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जैमा अनुसूची में लिखा है नथा जो गाव बुट में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारों के कार्यालय जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अगस्त, 1983

को पूर्वेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेष्ठत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का रिती (अन्तरित्यों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तेषिक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ह) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः ननः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपचारा (1) के नधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधिन :--- श्री मलकीत सिंह पुत्र चनन सिंह, वासी जन्दु सिन्धु तिहि० जालन्धर मुख्तार आम केवल सिंह पुत्र पाखर सिंह वासी गाव बुट, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम कुमार पुत्त धनपत राय वासी किला डाकखाना नाह, नगल, जिला होशियारपुर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाद्रियां शरु करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ब्र 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा खक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बगुस्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि बिलेख नं० 3441,दिनाक अगस्त 1983 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

ने० एन० गिरधर, सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालम्बर

नारीख: 10-4-1984

मोहरु 🕫

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 अप्रल, 1984

निवेश सं० ए०पी०नं० 5301:——यतः मुझे। जॅ०एल**०** गिरधरः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु, से अधिक हैं

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बी खुरला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त मंपित का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ब्रान्तरण से हुए किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री हरी चन्द पुत्र राम लाल, वामी बस्ती गुजा जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रं। सोहत सिंह, पुत्र हरभजन सिंह व हरभजन कौर षत्नी सोहन सिंह, वासी गन्दोबाली तहसीलः जालन्धर।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आंभी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिभित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया हुँ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3228, दिनांक अगस्त, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे.० एल० गिरधर, मक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिए व्यक्तियों, अर्थीन कि

नारीख: 10−4−1984

प्ररूप आहाँ. टी. एन ह एस .----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन संभाना

भारत मरकार

कार्यालयः, महायक आयकार आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज जालस्धर

जालन्धर, दिनाक 10 ग्रप्रैल 1984

निर्वेश सं० ऐ० पी० नं० 5302—यत मुझे, जे० एख० गिरधर.

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक ह

श्रीर जिसकी मं० जैसा कि श्रनसूची में लिखा है तथा जो गांव बुट में स्थित है (श्रीर इसमें उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जालन्थर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, श्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय्पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आर्√या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922. (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ह श्री हरप्रताप सिंह गिल पुत्र प्रताप सिंह गार्गा 168/।, रोन्ट्रल टाउन जालन्यर मुब्दार-प्राम जोगिन्द्र सिंह, जगवीर सिंह, जगदीप सिंह पृत्र हरप्रताप सिंह।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमतो बीना दुबलिश परेनी सितन्द्र कुमार पुत्र परमा नन्द, बामी 185, लाजपत नगर जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थना आरो करक २व उत सम्पत्ति **के अर्जन के लिए** कार्यवादियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए का सकोंगे।

अनुसूची

सम्यक्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3103 दिनांक ग्रगस्त, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जुलन्धर में लिखा है।

जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारो महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

नारीखाः 10-4-1984

प्ररूप बाइ". टी. एन. एस. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ 11) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांलय महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 श्रप्रैल 1984

निर्देश सं० ऐ० पी० नं 5303—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैंसा ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव बुट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रगस्त 1983

को पृषोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्त आस्तियों कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों , वर्षी दि—

 श्री हरप्रताप सिंह गिल पुत्र प्रताप सिंह, 168/4, सेंड्रल टाउन जालन्धर मुख्तार ग्राम, जोगिन्द्र सिंह, जसबीर सिंह व अमरदीप सिंह, ।

(धन्तरक)

 श्री मितिन्द्र कुमार दुविलिण पुत्र परमानन्द सुबिलिण वामी 185 लागपत नगर, जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊगर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखेता है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुँक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

नगत्त्रची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3102, दिनांक ग्रगस्त, 1983 को रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रिधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जालन्धर

नारीख: 10-4-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, जालन्धर

जॉलन्धर, दिनांक 10 श्रप्रैस 1984

निर्देश स० ए० पी० नं० 5304--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रत. से अधिक ह

भौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव बट में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983

को पूर्वीक्त संपृत्ति के उचित् याजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एंसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अनेतफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किशत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उबत अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्षात :---

16-76GI|84

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण

1. श्री बलबन्त सिंह, पुत्र किशन सिंह वानी रेनक बाजार जालन्धर गुक्तार खाम परममीत सिंह खुद य मुख्तार-श्राम नरिन्द्र कौर व हरीपाल सिंह जीव एवं दिल्पोर सिंह।

(अन्तरक)

2. श्री हरजीम सिंह व हर्रजिन्द्र सिंह पुत्र गुरवच्या सिंह, वासो ई० यू०-342 रेनक बाजार, जालन्धर (ग्रन्तरिती)

3. जैसाकि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में मम्यति है)।

4. जो अगिषत सम्पत्ति में रूचि रखता है (बह रूबक्ति, जिसकेबारे में ग्रधोहस्ताक्षरो जानता है कि वह रूपक्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पर्धीकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चाना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियां में में किसी ध्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पब्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, यही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्य

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 0 3145, दिनांक रजिम्द्रीकर्ना ग्रधिकारी, जालन्धर 1983 को श्रगस्त ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर (सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज. जालन्धर

नारीख: 10-4-1984

मोहर ३

प्ररूप भाइ. टां. एन्. एस. ----

कायकार बाधिनियर 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बधीन मुखना

भारत संबकार

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 10 अप्रैल 1981

निर्देश मं० गे० पी० नं० 5305—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर.

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िपसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा ै तथा जो गांव बुट में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त, 1983

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशयों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुद्ध किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व मों कमी करने या उससे बचने मो स्विधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 20) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया जा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- श्री बलबन्त सिंह पुत्र किणन सिंह जासी ई० क्ष्०-340 रेनक बाजार जालन्धर। मृखनार खास परमजीन सिंह।

(भ्रन्तरक)

2 श्री अजीत सिह पुत्र अर्जेन सिह, पूरन सिंह पुत्र अजीत सिह. वामी अस्ती वावा खेल, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3 जैसा कि ऊगर नं० 2 मे है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग मे सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ज 45 दिन की अविथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहें किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्यों का, जो उक्स अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिस हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3143 दिनांक अगस्त 1983 को रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी; यहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, जालन्धर

नारीखा: 10--!-84

गोहर:

प्रस्य आ६ टी.ए४.ए४.----

बायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

मारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर श्रायुक्त नरीक्षण श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 श्रप्रैल 1984 निर्देश सं०ए०पी०नं० 5306——यतः मुझे, जे० एल०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ्सके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य, 25,000/-रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० जैसा प्रमुस्ती में लिखा है तथा जो बृट में स्थित है (श्रौर इससे उपायद प्रमुस्ती में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन ग्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बोजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास सूरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार दूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का अवह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय नय पाया ग्या प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण मिसित में आस्तिक सुप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क्ष्र) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाक्स, नक्ष्य अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के समित्य में कमी करने या उससे वसने में स्विधा के तिहर; बीद्ध/वा
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना वाहिए वा, कियान में संज्ञित के निए;

जतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुगरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात् :-- श्रीमती परमजीत कौर पत्नी गुरश्रीत सिंह,
 11 लिंक रोड, जालन्धर
 मुख्तार खास सन्यासी चरन बखता,
 330-ए, रेलवे कालोनी, जालन्धर।

(श्रन्तरक)

 र्सजय कुमार पुक्ष सरवन कुमार गुप्ता मोहल्ला रिम्राजपुरा, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में
 अघोहस्ताक्षरी जानता है कि
 वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 विन की अविध, जो भे अविध धाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस जा सकोंगे।

स्पृथ्यक्रिकरणः --इसमें प्रयूक्त अध्यां और पर्यो का, जो जनस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

वनसंची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3273, दिनांक श्रगस्त 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-4-1984

मोहर

प्रक्य काइ टी. एन. एस. -----

आरथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थना

बारत सुरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, जालनधर

जालनधर, दिनांक 10 श्रप्रैल 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5307:—यत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. सं अभिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो बुट में स्थित है (श्रांर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्मा श्रधिकारी के कार्यालय जालन्छर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त, 1983

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके एर्यमान प्रतिफल से, एसे एर्स प्रत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गति-क्ष्म निम्नितिबत उद्देश्य से उकत अन्तरण सिचित में बास्तिकक रूप संकाधित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-मियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वर्णने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तिवाँ को, जिन्हाँ भारतीय जायकर अभिनिस्स, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के विष:

कत् अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक को, भी, जबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (†) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती परमणीत कौर पत्नी गुरप्रीत सिंह बासी: 11 लिंक रोड, जालन्धर। मार्फत मुखतार खास सन्यासी चरन वल्दता, 330 रेलवे कालोगी, जालन्धर।

(अन्तरः

 श्री सुजिन्द्र सिहं पुत्र जीवन सिंह वासी—सैन्ट्रल टाउन, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के कि कार्यवाहियां कारता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के श्राथम में प्रकाशन की सारीच से दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूर की तामील से 30 दिन की यवधि, जो भी अव बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीं व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में ि. बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी भास लिखित में किए जा सकती:

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो के अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभूत है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में हैं नया है।

नमृत्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 3274, दिनांक ग्रगस्त, 1983 को रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकासी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज जालन्धर

तारीख: 10-4--1984

मोहरू ह

प्रकप नाइ .टी.एन.एड. ------

आयकौर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन संचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयवत (निरीक्षण)

प्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 अप्रैल 1984 निदेश सं० ए० पी० नं० 5308:—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ली श्रीधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख श्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. क्रिपान में मृतिथा के किए;

नतः शम्, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के नधीन, निध्नसिवित व्यक्तियों, अवित् ए--- श्री ग्रवतार सिंह पुत्र भगवान सिंह, मुखतार श्री रामेश्वर सिंह पुत्र करम सिंह 4, माइल टाउन, जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

 श्री जसकी जसल पुत्र चानन राम वासी बुटा मण्डी, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पर्वोक्स संपक्ति के अर्थन के विष्यु कार्यवाहिया करता हुं।

जनत सपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी नविध माद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सक्यों।

स्थान्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वहीं बर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया भवा हैं।

नन्स्चि

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 307 5, दिनांक भ्रगस्त, 1983 को रिजस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एअ० गिरधर, सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जॉलम्धर

दिनां**क**: 10-4-1984

प्रकल बाहै, टी. एन. एस. -----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार-

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 श्रप्रैल 1984 निदेश मं० ए० पी० नं० 5309:— यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण स्प में विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ध्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तुरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बाँद/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वार प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :----

- श्री करतार सिंह पुत्र हरी सिंह वासी खुरला किंगरा, तहसील जालन्धर। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती रेशम कौर पत्नी सरवन् सिंह वासी गांव तथा डाकखाना चंक कला तहिः जालन्धर । व बंगा राम पुत्र गांदी राम गांव तथा डाकखाना पतारा जिला जालन्धर । (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (ब) ६ स भूचना को राजपुत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2975 दिनांक ग्रगस्त, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्रधिकारी स**हायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रजन रें**ज, जालन्धर

तारीख: 10-4-84

भोहर :

प्ररूप. आर्झ. टी. एन. एस. -----

आपकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भार 269-ए (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 10 भप्रैल 1984

निदेश सं० ए० पी० सं० 5310:—यतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पिता, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण एप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विध्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्र्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितींत्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (फ) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम को अधीन कर टोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय कायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा के लिए;

बत: बब. उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री हरीपाल सिंह पुत्र कजागर सिंह वासी: किंगरा तिहः जातन्धरं। (कोल्ड स्टोरवाला) (ग्रन्तरक)
- श्री सोम नाथ पुत्र भाग नाथ वासी ई एस-526 ग्राबाद पुरा, जालन्धर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2898,दिनांक ग्रगस्त, 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-4-84

मोहर 🥫

प्ररूप आद्य. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (३) के श्रधीन सुवनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर भागकत (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 भ्रप्रैल 1984

निंदोश सं० ए० पी० मं० 5311:---यतः मुझी, जे० एल० गिरधरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूँ), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्मा श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित कुड़ी किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त खिंच-नियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, '1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री हरीपाल सिंह पुत्र अजागर सिंह नामी किंगरा, तहि० जालन्धर।

(अन्तरक)

 अीमती बन्ती पत्नी रखा सिह, वासी पण्डोगी, तहिः फगवाङ्ग।

(सन्तरितो)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3062, दिनांक ग्रगस्त, 1983 को रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, मक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 10-4-1984

प्रभाष बाह् . टी. एन. एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 फा 43) की भारा 269-च (1) के विधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अयकार **आयुक्त (निरीक्षण)** गर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 10 श्रप्रैल 1984

निदेश स० ऐ० पी० न० 5312 --- यत मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी म० जैमा अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है 'श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रप में बिजत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता धिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिगयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदयोच्य से उक्त अन्तरण लिखित में श्रास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तर्य से हुई किसी नाय की बाबत जक्त निधन निधम की अभीन नर दोने के अन्तरक के बायिटन भी कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अमित्यों कां, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अत अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात् :--- श्री पृथिपाल सिंह पुत्र इन्त्र सिंह, वाझी किंगरा तिह शासन्था।

(यस्तरक)

अी तश्लोचन गिह पुत जगत सिह व मरिबन्द्र सिह पुत तरलोचन सिह, 411-एल माइल टाउन जालन्धर। व कुलदीप कौर पत्नी अजीत सिंह, हरनाम कौर विध्वा लख्डमन सिंह वामी ईएम-9-ए, सिवल लाईन जालन्धर।

(भन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया ऋरता हू

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा श्यक्ति जैसा कि बिलेख न० 3119 दिनाक भ्रगस्त, 1983 को रिजस्ट्री कर्ना श्रीधकारी जालन्धर न लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेज; जालन्धर

नारीख 10-4-1984 मोहर ॥ प्ररूप काई . टी. एन. एस.-----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के त्रधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 10 श्रप्रैल 1984

निदेश सं० एं० पी० सं० 5313:---प्रतः मुझे, जे० एल० गेरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित शाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण एप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्त-चिक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-पित्रक को बभीन कुए धोने के अन्तरक को शांवित्व में कभी कहने वा उक्त वचने में बृदिभा के निए; बार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण कों, मीं., उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् ८—— श्री हरदीप सिंह पुत इन्द्र सिंह वासी शेरपुर गहिः जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सरला प्रवीण बाहरी पत्नी केवल कृष्ण बाहरी, वासी 1211 मिस्तिन्या मोहल्ला जालन्धर ब श्रमण्जीत कोर पत्नी केहर सिंह, वासी टिवा तहिं०, सुलतान पुर लोधी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 3123 दिनांक अगस्त, 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक∡ आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जामन्धर

तारीख: 10-4-1984

प्रस्प आइ. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अधीम स्वना

भारत सहकार

कार्यासय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 10 अप्रैल 198

निवेश सं ए० पी० नं ० 5314: -- अतः मुझे, जै०एल । गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्त्रास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्पौर जिसकी स॰ जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (थ्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में थ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1983

को पूर्वा कित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान पृतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके पश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किथा नहीं किया गमा है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, समस विधिनियम के अभीन कर बोने के जंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के जिए; बीर/या
- (च) एसी किसी बाग या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त मधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निम्मलिखित व्यक्तियों, अधित क्रिक्त

- श्री ग्रनिल चौपड़ा, पुत्र राम चन्द्र वासी शिशु माडल स्कूल मोहल्ला खोदीश्रां न्या बाजार जालन्धर मुखतार श्राम सोहन सिंह पुत्र भुला सिंह। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हरचरन सिंह पुत्र उपकार सिंह बासी लतीफ पुरा नजदीक माडल टाउन जालन्धर व दिलबाग राज पुत्र मिलखी राम वासी महिन्दी पुर ऊचा तिहः, जालन्धर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उत्तर विभिन्निम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 32,23 दिनांक ग्रगस्त 1983 को रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

नारीच: 10-4-1984

माहेर 🕄

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. ----

नायकार मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्पना

मारत सरकार

कार्यालय, सहस्यक आयकर आयुक्त (निरीक्क) श्रजेन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 10 श्रप्रैल 1984

निर्देश स० ए० पी० स० 5315--- यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त र्राधीनयम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी में जैसा ध्रनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (धीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में ऑर पूर्ण ख्य में बिणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ती श्रीधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीचन, ध्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से इन्हें किसी आध की बाबत, उनत निपित्रम के नभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे मचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्षन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया आ वा किया जाना भाहिए था, छिपान में सविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरश मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री श्रिनिल कुमार चोपडा पृथ राम चन्द्र मार्फत शिशु माडल स्कूम, नया बाजार जालन्थर। मुख्तार ग्राम मोहन सिंह पुत्र भुला सिंह।

(अन्तरक)

2. श्री जगदील सिंह, हरजील सिंह पुत्र तरलोक सिंह, बासी लतीफ पुरा, नजदीक माङल टाउन जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन् के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दियाँ गया है।

मनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 3224. दिनांक ग्रगस्त 1983 को रजिस्ट्री कर्ला ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारा, यहायक धायकर घ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 10-4-1984 मोहरः परूप आई.टी.एन.एस. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

शारत वरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 श्रप्रैल 1984

निर्देश स० ए० पी० स० 5316:—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर.

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त मिधिनियम' कहा गया हैं) की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मन्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी म० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कोट कपुरा में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नी श्रिष्ठकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख श्रगस्त, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निव्हित में बास्तिक क्य से कि निवह नहीं कि वा मचा है:---

- (क) जुलाइण से हुइ किसी जान की नावत, अवस् विधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दानित्य में कभी कड़ने वा उच्चे द्यने में स्विधा के लिए; बेर्ट्-या
- (क) एंती किसी बाय या किसी भन या अन्य जारिसयों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर लिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा बन-कर लिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए गा, छिपाने में स्तिभा के लिए;

बतः अब, उच्नत अभिनियम की भारा 269-म की अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री सरवन कुमार पुक्त देस राज वासी न्यू गुरूद्वारा बाजार कोटकपुरा जिला फरीदकोट।

(भ्रन्तरक)

श्री धर्म पाल पुत्र सोमनाथ
 बी VII-454, न्यू गरूदारा बाजार- कोट कपुरा,
 जिला फरीदकोट।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सक्पिति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकार में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त जिभिनियम, के अभ्याय 20-क में प्रिभाविष्ठ हैं, बही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

वन्त्र्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2557 दिनांक ग्रगस्त, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ला ग्रधिकारी फरीदकोट ने सिखा है।

> जे० एल० गिलधर, मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10—4—1984

ब्रह्म नाहै. टी. एवं. एसं. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 श्रप्रैल 1984

निर्देण सं० ए० पी० न० 5317:—यतः सुझी, जे० एल० गिरधर, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- एउ. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैमा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कोट कपुरा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकास के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और संतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-कत्त निम्नीसीवत उद्देश्य से उक्त बंतरण सिमित में वास्तविक क्य हे करित नहीं किया यहा है '——

- (क) नकारण वे हुई कियी जान की बावत उपका लिकित नियम के अधीन कर दाने के असरक के दायित्व मा कामी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए कीर/का
- (व) इति विकाध वाध या विकाध धन वा अस्य वा भित्रधं को , चिन्हें भारतीय वाधकार विभिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यक्तिमियम , या धन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोगना व बन्तीरती ब्यारा प्रकट नहीं किया ग्या था वा किया वाभा वाहिए था , कियाने में स्विधा के किए;

 श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र देसराज वासो न्यू गरूद्वारा बाजार कोट कपुरा जिला फरीदकोट।

(ग्रन्तरक)

 श्री बलराज कुमार पुत्र सोम नाथ न्यू गुरूद्वारा बाजार कोट कपुरा जिला फरीदकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि भा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: -क्ष्ममें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2558 विनांक श्रगस्त 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फरीवकोट ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिखत व्यक्तियों, अर्थात :---

तारीख · 10-4-1984

मोहर.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - --

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) को अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यात्त्व, सहायक मायक र वायक (निरीक्षण) प्रजीत रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 10 श्रप्रैल 1984

निर्देश मं० ए० पी० न० 5318 — यत मुझे, जे० एल० गिरधर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 - २०. भे अधिक है

श्रौर जिसकी स० जैंसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कोट कपूरा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण घ्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्चा श्रधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रवतुबर, 1983

को पूर्वोक्स सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक इप में किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/था
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतिरिती दवारा प्रकट नहा किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, नुक्त अधिनियम की धारा 269-च की उच्छारा (1) के सभीय, निक्कितित व्यक्तियमें, नर्भात् :--- श्री बनारसी दास, रोणन लाल, सर्यन हुमार, युरिन्ड कृतार, राज हुमार पुत्र दस राज, वासी न्य् गरुढारा बाजार कोट कपुरा, जिला फरादकोट।

(मन्तरक)

2 श्री मदग लाल पृद्ध सोम नाथ वासी न्यू गुरुढारा बाजार, कोट कपुरा जिला फरीवकोट।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू

उक्त सरपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

जनस्वी

भम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 3068, दिनाक अक्तूबर 1983 को रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी फरीदकोट ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-4-1984

माहर

अरूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्भना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांत्रः 7 ग्रप्रल 1984

सं० ऐ० पी० नं० 5317.—यत , मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी मं० श्रनुसूची में लिखा है तथा जो रामपुरा-फूल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय राम-पुराफूल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निस में वास्तविक रूप से किथा गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नेलिसिस व्यक्तियों अर्थात् :—

 श्री पथन कुमार पुत्र सुमेर चन्द वामी भागप्राफ्त ।

(ग्रनस्कः)

 कर्मजोत जनक राज पुत्त सोहन लाल वासी रामपुराफुल।

(श्रनारिती)

को यह स्थना जारी करके पृथींकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जो जैसा कि त्रिलेख नं० 2218 दिनाक ग्रगस्त, 1983 को रजिस्ट्रोकर्सा ग्रधिकारी रामपुरा-फूल ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालकार

तारीख . 7-4-1984

प्रस्थ नाहु . टी .ध्न .ध्य . -----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा /सह व(1) के बचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 भ्रप्रैल, 1984

सं० ऐ० पी० नं० 5320:---यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ध्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो फिरो पुर में स्थित है (ध्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ध्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, सिनम्बर, 1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित वाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह िय्यवास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पत्त्वह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरन् से हुट्टं ज़िली अस्य की बाबतः, उनस्य वृधिनियम् के अभीत कर दने के बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसके क्षने में सुविधा के सिए; आहे./या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः सव, उपत मिनियम की धारा 269-न के बन्सरन में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 18—76 GI/84

- श्री श्रश्वनी कुमार पुत्र डा० विद्या सागर भौर भौर अनील सागर, श्रमील सागर पुत्र डा० विद्या सागर वासी बाजार लाहोरा कला फिरोजपुर, शहर (श्रस्तरक)
- 2. श्री रमेश कुमार पुत्र काली राम वासी शहरी मोहल्ला फिरोजपुर शहर।] (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूना कित स्म्युरित के अर्थन के सिद्ध कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ट्राज्यन में प्रकाशन की तारी व वें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख भी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्वय्योकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का वी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

मन्त्र्यों

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2924 दिनांक सितम्बर, 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता ध्रिधिकारी फिरोजपुर लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त निरीक्षण, म्रर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 7-4-1984

प्ररूप भाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- भ (1) के मुधीन सूचना

प्राह्य सरकार

कार्यासय, सहायक सायकर सायुक्त (मिरीक्षण) प्रार्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाँक 7 भ्रप्रैल 1984

निदश सं० ए० पी० सं० 5321:—यतः मुझ, जे० एल० गिरधर,

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रथात 'उक्त श्रिकिंग्यम' कहा गया है), की धारा 269-इस के मधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, किवका अचित बाजार मूल्य 25,003/- रहे. से मधिक हैं

मौर जिसकी सं० जैसा कि प्रानसूची यें निखा है सथा जो फिरोजपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड धनुसूची में घौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1983।

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्थ हो और मूझो यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाग की शावंत, उक्स जींपीनयज्ञ की जभीन कर दोने को अन्तरक की दायित्व में कभी करने था उससे बचने में सुविधा की सिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिया के सिद्धः

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाश् :—

- श्री श्रश्विनी कुमार पुत्र डा० विद्या सागर, श्रौर भ्रमित सागर, भ्रनील सागर, पुत डा० विद्या सागर, वासो बाजार, लोहारा वाला फिरोजपुर। (अन्तरक)
- 2. श्री लक्ष्मण दास पुत्र कमली राम वासी टाहली मुहल्ला फिरोजपुर शहर। (ग्रन्तरिती).

को यह सूचना जारी करके पृथे कित सम्पत्ति के अर्थन के सिप् कार्यवाहियां शुरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित ब्रुथ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकोंगे।

स्पध्दीक रणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और न्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3903 दिनांक सितम्बर 83 को रजिस्ट्रो कर्ता श्रधिकारो फिरोजपुर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 7-4-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

क्षर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, विनांक 7 क्षप्रैल, 1984

निदेश नः/ए० पी० न० 5322—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, (1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

भीर जिसकी स॰ जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (भीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सयिधा के लिए; आर्रि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्सतः अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जगन नाथ वेद प्रकाश चमन लाल पुत्र श्री पाली राम वासी गोबिन्द पुरा गांव नथा भटिन्डा

(अन्तरक)

(2) श्री मुलख राज, मेथ राज, देस राज, दर्शन कुमार, बाबू लाल, पवन कुमार पुत्र रामजी दास पता हरी चन्द राम स्वरूप नयी कलाथ मार्किट, भटिन्डा

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता ह्रं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त घट्यों और पर्यो का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन<u>ृ</u>सुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 2690 दिनांक अगस्त 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा ने लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, जालन्सर

तारीख: 7-4-1984

मोहर 🕄

प्रस्प बार्ड. टी. एन्. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 अप्रैल 1984

मिवेश मं०/ए० पी० न० 5323----यतः मुझे, जे० एल० गिरकर

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सुन्धित, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप में बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से काम के दूस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—-

- (क) अंतरण से हुई किसी नाग की नावत, उक्त अधिन्यिम के नधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे कचने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिती द्वारा प्रकट मही किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त मिशिनयम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, ब्रिस्निलिसित व्यक्तियों, जर्भात् :--- (1) श्री वेद प्रकाश पुत्र पाली राम बासी गोबिन्द पुरा गोद नया भटिन्डा।

(अन्तरक)

(2) श्री मुलख राज, मेघ राज, देस राज, वर्णन कुमार, बाबू लाल, पवन कुमार पुत्र रामजीवास पता हरीचन्द राम स्वरूप नयी कलाथ मार्किट, भटिन्डा।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में बन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2691 दिनांक अगस्त 83को रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी भटिन्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्छर

तारीख: 7--4--1984

मोहरू 🔞

प्ररूप अन्ते. टी. एव. एस. -----

काक्कर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत श्रास्त्रार

कार्यालय, सहायक आयंकर माम्यस (निर्धाक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, 11 अप्रैल 1984

निदेश न०/ए० पी० न० 5324---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसमा जिलत बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है सथा जो नलोईया होशयारपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिक्क, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व ने कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आप वा किसी भन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकार अधिनियम, या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गृया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविभा के लिए;

बतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) को सभीत, निम्मलिखित व्यक्तित्यों, सर्थात् ६(1) श्री अवतार सिंह
पुत्र इन्द्र सिंह
गांव आदमवाल तह० होशियारपुर मुख्तयारे-आम
जगजिन्द्र सिंह पुत्र जगीर सिंह गांव नलोईयां अव
सिवाजी नगर, लिधयाना ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जगतार देवी, रनधीर कुमार जगजीवन राम वखुसी खावाजु होशियारपुर मारफत इन्द्रजीत पटवारी वासी खवाजु होशियारपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूनां क्त सम्मत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप्ड-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिवत्यों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विवरण नं० 2520 दिनांक अगस्त 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; जालन्धर

तारीख: 11-4-1984

मोहर 🖟

प्रूक्ष आद्दे ही । एन् एस । ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अधीन सूचना

श्रारत चडुकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

णालन्धर, दिनांक 11 अप्रैल 1984

निवेश नं०/ऐ० पी० नं० 5325---यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

कायक र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिएक में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्था के लिए;

अतः अन, उत्रत अधिनियम कौ धारा 269-य के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित स्पृतित्यों, वर्धात् है——

- (1) श्री रामेश चन्द गरंग पुत्र हुकम चन्द श्रीर कमलेश रानी पत्नी रामेश चन्द गुरुंग मार्फत मैं हाकमीदी हटी सवर बजार शटिंगा ।
- (2) धमकौर सिंह पुत्र महिंद्र सिंह श्रीर तेज कौर पत्नी धमकोर सिंह गौत वकफते सिंह वाला तहिं व थाना जिला भटिन्डा

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास. लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण ्— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि जिलेख नं० 2664 दिनांक ग्रगस्त 1983 को रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सञ्जम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-4-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैल 1984

निदेशसं०/ऐ० पी० नं० 5326और 5327 यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्कर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो मटिन्डा में स्थित है और (इससे उपाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त और सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उष्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जला चाहिए था, स्थिपने में स्विधा वे सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीकृष्ण कांत भारगया पुद्र भगवान दास भारगवा, पोस्ट आफिस बाजार, भटिन्डा

(अन्तरक)

(2) श्री जगत राम पुत्र ठाकर मल, कुली चन्द पुत्र किशोरी लाल, नोहर चन्द पुत्र हंस राज मारफत जुनीयत टिम्बर स्टोर अमरीक सिंह रोड, भटिन्डा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ष्ण किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हा, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय। गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2671 दिनांक अगस्त 1983 और 2953 दिनांक सितम्बर 83 को रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-4-1984

एकप बाह्य टी. एत. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालम्घर

जालन्धर, दिनोन 11 अप्रैल, 1984

निदेश नं०/ऐ० पी० नं० 5328--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार गृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान मृतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय धाया गया प्रतिफल, निम्नलिसिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित वे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भन्तरण में हुइ किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा अमें सिह: और/सा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनों में स्विधा की लिए;

भतः सक्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

(1) श्री जगजीत सिंह छालीवाल पुत्र बलवन्त सिंह औफ ० सी० आई०, भटिन्डा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुदशंन दिवान विधवा ओम प्रकाश विवान, प्रोफेसर, एस० डी० स्कूल, भटिन्डा भटिन्डा।

'(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अयिक्त्यों प्र स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों।
- (स) ६स सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी को पाम लिसित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्सें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 2576 दिनांक अगस्त, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालब्धर

तारीख: 11-4-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैस, 1984

निदेश नं ं/ए० पी० नं० 5329-यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

ायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाबार मूल्य से कम के क्यमान ।तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास रित का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रेह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। तिफल, निम्निवित उद्योध्य से उस्त अन्तरण निवित में

भास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, खत्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजकार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त औधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्रो उजागर सिंह, भजन सिंह, चन्द्र सिंह संदुल अनीख सिंह, मेहना मोहल्ला, भटिन्डा

(अन्तरम)

(2) श्रीमती परमजीत कौर परनी लखा सिंह मारकत सब-रजिस्ट्रार, भटिन्डा

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अर्जाच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहुस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2658 विनांक अगस्त 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-4-1-87

मोहर:

प्रकथ आहाँ ही. एन्. एस. ----

मायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के सभीन सुचना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

अजंनरेंज, जालकार

जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैल 1984

निदेश नं०/एँ० पी० नं० 5330---यतः मुझे, जै० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन तारीख अगैस्त, 1983

का पृथीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का मृत्य (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों को जिन्हों भारतीय आयर अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिटी ब्वारा प्रकट नहीं किया एका जा किया बाना वाहिए बा, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उपत अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण को. मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपभार (1) को अधान, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री उजागर सिंह, भजन सिंह इन्द्र सिंह सपुत अनीख सिंह, भेहन। मुहल्ला, भटिन्डा

(अन्तरक

(2) श्री वरजिन्द्र सिंह पुत्र जंगीर सिंह डोगरा बस्ती, भटिन्डा

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के रि कार्यवाहियां करता हूं

चक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधिया . तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य स्थावित द्वारा, अधाहस्ताक्षरी पास लिखित में किए जर सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित के बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया रूप है।

मन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2659 दिनांक अगस्त, 1983 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी भटिन्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज जालन्धर

तारीखा: 11-4-1984

मोहर :

अरूप आइ. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 भ्रप्रैल 1984

निदेश नं०/ऐ,० पी० नं० 5331—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पर्सात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा श्रनुराची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रगस्त 1983

ते पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार पूर्व, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी था किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (ए957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों. अर्थात् :---

(1) श्रीमती चन्द्र कौर विधवा बिशन सिंह मानसा रोड नजदीक रोशन लाल श्राईल मिल्ज, भटिन्डा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुरचरन सिंह ग्रीर हरचरन सिंह सपुत्र हरबंस सिंह मारफत सब रिजस्ट्रार, भटिन्डा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिपबद्ध किमी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

अनुसूर्या

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख न० 2962 दिनांक भ्रगस्त 1983 को रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एत० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज जानन्धर

तारीख: 11-4-1984

मोहर 🏅

वचन बार्⁴. बी. एव. एत. - - - ----

वावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की याख 269-न (1) के संधीन सूचना

HER SERVE

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 घ्रप्रैल 1984

निदेश न०/ए० पी० न० 5332—यस , मुझे, जे० एल० गिरधर

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसर्वे इसर्वे परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्त्राम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी स० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपानक अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में बाजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1983

को पूर्णेक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया इतिकल, निम्निसिखत उद्दर्भय से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी वावत, सक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने भा उससे अचने में सुविधा के सिष्ट जीर/या
- (६) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिचित व्यक्तियों, (क्थीत ६——

- (1) श्रीमती चन्द्र कीर
 विधवा बिशन सिंह
 मानसा रोड, नजदीक रोशन लाल भ्राईल मिल्ज,
 भटिन्डा ।
- (2) श्रीमती सुरिन्द्र कुमारी पत्नी प्यारे लाल गर्मा मारफ्त सब-रजिस्ट्रार, भटिन्डा ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के वि कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस 45 दिन की अवधिया तत्संबधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वक्कीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उप अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभार्गे हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिव गया है।

भग्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 2610 दिनांक ग्रगस्त 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> (जे० एल० गिरधर) मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 11-4-1984

मोहर 🕽

अकन नाहाँ, टी. एन व एक व्यवस्थान

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुभना

पारत सरकाह

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 श्रप्रैल 1984

निवेश नं • पि॰ पी॰ नं ॰ 5333 यतः मुझे, जे ॰ एस॰ गिरधर

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके प्रचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं). की भाष 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मृक्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपावढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के अध्यक्षाय प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके क्ष्ममान प्रतिकल से, ऐसे क्ष्ममान प्रतिकल का पत्त्वह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पावा चवा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिकित में अक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसे किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

जत: जक, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को जनुसरण में, में, भक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती चन्द्र कौर विधवा विश्वन सिंह मान्सा रोड, नजदीक रोशन लाल श्राईल मिल्ज, भटिग्डा।

(भन्तरक)

(2) श्री हाकम सिंह पुत्र करतार सिंह, बलविन्द्र सिंह पुत्र हाकम सिंह मारफत सब-रजिस्ट्रार, भटिन्डा

(मन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के तिहु कार्यवाही सूक करता हुए।

उक्त तम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों चर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिलित में किए जा सकरें।

स्वच्छीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवी का, जो उक्त विधिनियम के विध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

وليجار

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 2652 दिनांक ग्रगस्त, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिन्छा ने लिखा है।

> (जे॰ एस॰ गिरधर) संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-4-1984

मोहर 🛮

प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 श्रप्रैल 1984

निवेश नं०/ए० पी० नं० 5334—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

श्रीयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उणित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संव जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय~कर अधिनिभन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् हु—

 (1) श्रीमती चन्द कौर विधवा बिशन सिंह मानसा रोड, नजदीक रोशन लाल श्राईल मिल्ज, भटिन्डा ।

(2) श्री जूहड़ सिंह पुत्र हरी सिंह, गांव कोट कटा जिला भटिन्डा

(ग्रन्तरिती)

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्हें सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए आ सकोंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 2653 दिनांक ग्रगस्त, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारो**ख**: 11—4—1984

मोहर:

प्रकार बार्ट : टी. एन. एस. -----

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के स्थीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैल 1984

निवेश नं०/ऐ० पी० नं० 5335-अयतः मुझे जे० ऐल० गिरधर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसेकी सं० जैसेकि अनुसूची में लिखा है तथा जो भन्टिडा में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 के (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का भंबह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

अतः अव, उप्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (↑) इं अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---- (1) श्रीमती चन्द्र कीर विधवा विश्वन सिंह मानसा रोड, नजदीक रोशन लाल आईल मिल्ज, भटिन्डा।

(अन्तरका)

(2) श्राः गूरतेज सिंह पुत्र गुरविशाल सिंह मारफत सब-रजिस्ट्रार, भटिन्डा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति के वर्जन के सिंध कार्यवाहिया करता हु।

चक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:--इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाक्तिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया. वया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसाकि विलेख नं० 2654 दिनांक अगस्त 1983 को रिजस्ट्रेक्का अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> (जे० एल० गिरधर) सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-4-1984

मोहर :

प्रस्य बाह्", टी. एम. एस्. ४०००००

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्क)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 11 अप्रैल 1984

निदेश नं०/ए० पी० नं० 5336-अयतः मुझे जे० एल० गिरधर

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसेकी सं० जैसे कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के क्रयकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथींक्त संपत्ति का उणित बाजार भूरूब, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पत्थह प्रतिकात से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित उत्वर्धय से उक्त जन्तरण लिखित का बारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग को बाबय, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; अद्रि∕वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर बिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था स्थिपाने में सुविधा के लिए;

वतः वन, उक्त विधितियम की धारा 269-ग के वनुसरण वी, वी, उक्त विधितियम की धारा 269-ग की उपधादा (1) की वधीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, वर्धात् :---- (1) श्रीमती चन्द्र कौर विधवा विश्वन सिंह मानता रोड, नजदीक रोशन लाल आईल मिल्ज, भटिग्डा।

(अन्तरक)

(2) श्री दर्शन सिंह पुत्री भजन सिंह मारफमे सब-रजिस्ट्रार, भटिन्डा।

(अन्तरिती)

कां यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है ज

अनुसूची

सम्पत्ति तथा ध्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2670 दिनांक अगस्त, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी भटिन्डा ने लिखा है।

> (जे० एत० गिरधर) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 11-4-1984

मोहरु 🖫

प्ररूप वार्षः टी. एन्. एव.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर,दिनांक 11 अप्रैल, 1984

निदेश नंग्रि० पी० नंग 5337--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है।

और जिसेकी सं० जैसाकि अनूसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्हा में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किली जाब की बाबत, खक्त जिथानियम के अभीत फर दोने के जन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आर्-/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, भैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निनिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---20-76 GI/84 (1) श्रोमती चन्द्र कौर विधवा बिशन सिंह मानसा रोड, नजदीय रोशन लाल आईल मिल्ज, भदिन्डा

(अन्तरकः)

(2) श्री हरबस सिंह पुत्र बचित्र सिंह मारफत सब-रजिस्ट्रार, भटिन्डा।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के बिए कार्यवाहियां शुक्र करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्णनु के संबंध में कोई भी, वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अथाहस्ताक्षरी के पास विविधत में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों आर्ट पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु, वहीं अर्थ हरेगर को उस अध्याय में दिया नुवा है।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2687 दिनांक अगस्त, 1988 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा है

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रोज जालक्ष्य ।

नाराख: 11-4-1984

मोहर :

प्ररूप नार्षे .टी. एन . एस .; ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नृधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैल, 1984

निदेश नं०/ए० पी० नं० 5338-यतः मूझे, जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा अनूसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबड अनूसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

- की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृक्षित का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए, और/वा
 - (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृविभा को निए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती चन्द्र कीर विधवा बिशन सिह् मानसा रोड, नजदीक रोशन लाल आईल मिल्ज, भटिन्डा।

(अन्तरक)

(2) श्री सोहन सिंह पुत्र बलदेश सिंह वासी अबोहर जिला फिरोजपुर

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृथांक्त सम्मृत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी जन्म स्थानत द्वारा भूभोहस्ताक्षरी के पास
 सिश्रित में किए वा सकींगे ।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया वया हैं।

मन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 2688 विनाक अगस्त 1983 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

जे० एल० **गिर**धर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

यारी**ख**: 11-4-1984

मोहर:

प्रकृष आहे . टी. एन ु एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के कभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैल 1984

निदंश न०/ऐ० पी० न० 5339—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह बिरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

भीर जिसकी स० जैमा अनुमूखी में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोशाशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

(1) श्रीमती चन्दकौर विधवा विश्वन सिंह मानसा रोड नजदीक रोशन लाल आईल मिरुज भटिन्डा

(अन्तरक)

(2) श्री प्रशोत्तम लाल पुत्र मिलखाराज मारफत सब-रजिस्ट्रार भटिन्डा

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में को दें भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 2739 दिनांक अगस्त 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्छा ने लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जासन्धर

जतः शव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जनुसरण में, में', उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उण्धारा (1) के अधीन, निम्नतिवित व्यक्तियों, जर्मात् क्र—

तारीख : 11−4−1984

मोहुदु 🛮

प्ररूप कार्ष्, टी. एम्. एस. -----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांकः 11 अप्रैल 1984

निदेश नं०/ऐ० पी० नं० 5340—यतः मझे. जे० एल० गिरधर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा गांव शिवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; बीट/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

जतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिशित स्थुक्तियों,, सर्थात् ६(1) श्री गुरदियाल सिंह पुत्र इन्द्र सिंह गांव श्रौर पोस्ट आफिस शिवा भटिन्डा

(अन्तरक)

(2) श्री पुरन सिंह ग्रीर तेजा सिंह सपुत्र दियाल सिंह गांव शिवा भटिन्डा

(अन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित. बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

मन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2558 दिनांक अगस्त 1983 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल ० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-4-1984

महिंदु 🗓

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस.,-----

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्धिक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैल 1984

निदेश नं०/ऐ० पी० नं० 5341—यतः मुझे, जै० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000′- रा. में अधिक है

भौर जिसकी सं० जैमा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दर्श से उक्त अंतरण निष्ठित में बास्तविक रूप से किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तुरक के खियल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एसे किसी बाय वा किसी धन या बन्क बारिसकाँ की जिन्हाँ भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धक कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना वाहिए था, खिमाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—— (1) श्री गेखर गरग पुत्र रामेण चन्द गरग मारफत हुक्मी दी हट्टी सदर बाजार भटिन्डा जगदीण कुमार वैग बाजार भटिन्डा

(अन्तरक)

(2) श्री धर्म सिंह
पुत्र जगीर सिंह
हस राज पुत्र ब्रम दत्त
सावित्री देवी पत्नी अगन नाथ
कचा पटियाला मारफत हुक्मी दी हट्टी
भटिन्डा

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के गर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुन।

उक्त सम्पत्ति के शर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविभ, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिचित में किए जा सकेंगे।

स्याक्षीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों की पूर्वों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

मन्त्रची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2660 धिनाक अगस्त 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> र्जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-4-1984

मोहर

प्ररूप आहे. डी. एन. एक..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैल 1984

निदेश न०/ऐ० पी० न० 5342---यतः मुझें, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास क्रूरने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों), के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित रह्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक इप से कथिया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) वै अधीन, निम्निजियित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्रीमती बलबीर कौर पत्नी अज़मेर सिंह बकील वासी सिवल लाईन भटिन्डा मुख्सयारे आम आफ गुरचरण सिंह पुक्त अजमेर सिंह

(अन्सरक)

(2) श्रीमती जगिवन्द्र पाल कौर पत्नी जोगिन्द्र सिंह गांव वागा तह० मुक्तसर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अमिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी व पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असत्तर्यो

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2684 दिनांक अगस्त 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> र्जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्द्रर

नारी**ख**ः 11~4-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एम. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 श्रप्रैल 1984

निदेश नं०/ऐ० पी० नं० 5343—यतः मुझे, जे० एल**०** गिरधर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु में अधिक है

भौर जिसकी मं० जैमा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख शगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चोहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों मर्धात् :—

(1) श्री देग्वारा सिंह पुत्र राजु सिंह मुक्तयार-श्राम, पंजाब कौर पुत्री राजु सिंह, पक्षि जुठ, भटिन्डा (2) श्रीमती माया देवी पत्नी श्रष्ठर रामः प्रकाण रानी पृती राम जी धास, रमेश कुमार पुत्र बजलाल मार्फत सब-रजिस्ट्रार, भटिन्डा श्रातमा सिंह पूर्व शरपूर सिंह, रीदायरड तहसीलदार गुरुनानकपूरा भटिन्डा । उजागर सिंह पुत्र बचन सिंह मार्फत मेमर्ज बचन मिह एंड मन्स, ज्यूलरस हस्पताल बाजार भटिन्डा। बाबू सिंह पुत्र बचन सिंह, भलिन्दर सिंह इन्द्र जीत सिंह, ऊमरिन्द्र सिंह पुत्र हरनाम सिंह चानन सिंह पूत्र बचन सिंह मार्फत बचन सिंह एंड सन्ज, सराफ हस्पताल बाजार, भटिन्डा ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्ष है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हु से 45 विस् की अविध या स्त्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की अविध, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2791 दिनांक ग्रगस्त 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिन्डा ने लिखा है।

> जै० एन० गिरध सक्षम-प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखा: 11-4-84

जोत्तर :

(ग्रन्तरक)

प्रकप नार्घः, टौ. एनः एतु. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के स्थीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)ः श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 श्रप्रैल, 1984

निदेश नं ं एि० पी० नं ० 5344—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से नधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, ग्रगस्त 1983

को पूर्वोक्स संपरित् के उचित् बाजार मूल्य से कम के इस्प्रमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिता बाजार मूल्य, उसके इस्प्रमान प्रतिफल से, एसे इस्प्रमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्धरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्धरक को बायित्य में अभी करने या उससे अचने में सुविधा को लिए; आर्/गा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अस, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

> (1) श्री मंगर सिंह पृत्व राज सिंह मृख्तयारे ग्राम ग्राफ श्री शाम कौर पत्नी राज सिंह, पित जठ, भटिन्डा।

(2) श्रीमती माया देवी पत्नी श्रष्टस्राम, प्रकाण रानी पृत्नी राम जी दास रमेण कुमार पृत्न बृज गाल गारफत सब रजिरट्राण, भित्न्छा श्रातमा सिंह पृत्न भरपूर सिंह रिटायर तहसीलदार, गरुनातक पुरा, भिटन्डा जजार सिंह पृत्न बचन सिंह, बाबू सिंह पृत्न बचन सिंह, बसविन्द्र सिंह पृत्न बचन सिंह, बसविन्द्र सिंह पृत्न बचन सिंह, चानन सिंह पृत्न बचन सिंह मारफत मैंसरज बचन सिंह मारफत मैंसरज बचन सिंह गंड मन्ज, सराफ, हस्पताल बाजार, भिटन्डा

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि उत्पर नं. 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी) जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध हैं)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यक्राहिमां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जनिश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर के स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअव्ध किसी अन्य अपित इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकोंगे।

स्पव्हीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

मन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2792 श्रगस्त 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एन० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जासन्बर

तारीख: 11-4-1984

मोहर .

(यस्तरक)

परूप बाई. सी एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक आयकार आयका (भिरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 श्रप्रैल, 1984

निदेश नं०/ऐ० पी० नं० 5345 तथा 5346——यतः मृझे, जे० एस० गिरधर

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो बगा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर 'पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बंगा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख श्रगमन 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य में कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- क्षल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिहा। में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्निलिखित व्यक्तियों अधीत :---21--76 GI/84

(1) **श**्च सतपाल पुत्र अमृतसारिया राम सर्गः जगा जिला जालकार

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर लाल खरेती राम पुत्र चौधरी राम वासी मुहल्ला कपुरा बंगा जिला जालन्धर

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति क शका के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रावार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षारी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण :—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 963 तथा 898 दिनांक प्रगस्त ⁸1983 में रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी बंगा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालस्थर

नारीख: 11-4-1984

मोहर 🗧

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सृचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 धप्रैल, 1984

निवेश सं०/ऐ०पी० नं० 5347——यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रार पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर मे रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ग्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (वा) जन्तरण से हुद्दं किसी जाम की बाबत, उपक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे जचने में, मृजिधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त जिथिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

मृतः तुनः उनत् अभिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीत निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्यात :---

(1) मैं०: कुलबीप फाईनैन्स कम्मनी प्राईवेट लिमिटेङ, जालन्धर मारफत जमीयन सिंह मैनेजिंग डाइरेक्टर

(धन्तरक)

(2) श्री रमेण चन्द्र गुप्ता पुत्र चुन्नी लाल वासी 173 लाजपत नगर जालन्धर

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्सबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्पी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नम्बर 2959 दिनांक श्रगस्त 83 में रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी गहायक ग्रायकरे ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

नारी**ख**: 11-4-1984

सोक्टर 🐇

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 11 अप्रैल 1984

निदेश स० /ऐ० सी० न० 5348—यत मुझे जे० एल० गिरधर

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थाबर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुक्त में अधिक हैं

ग्रौर जिसकी म० जैंमा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

कार प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल म, एसे पश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और बतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिचित उद्वर्षय से उक्त अतरण निचित में नास्तिक रूप से काथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुक्ती बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए, और/मा
- (व) एसी किसी जाव वा किसी भून या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे किए;

बत अब, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) कै अधीग, निम्निसिक्त व्यक्तियों, मैथीत् ः— गै० न्यू फाइनैन्स तथा क्रेडिट कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड जालन्धर द्वारा राम कुमार, बारधवान, मैनेजिंग डायरेक्टर मारफत पडिस संतपाल ग्रीर कम्पन मिलाद चौक, जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

2 श्री राजेण कुमार, अरुण कुमार पुत्र हरकृष्ण लाल 359, लाजपत नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, यो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (व) इस स्वता के राजधन में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास सिबित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्तीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जीभीनयम, के जभ्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा जो उस जभ्याय में दिया भया है।

जन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 3438 विनाक अगस्त 83 में रिजिस्ट्री करता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

र्जै० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी महायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेम रज, जालन्छर

तारी**ख** 11-4-1984 मोहर: प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

क्षामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 11 अप्रैल 1984

निदेश स० /ऐ० पी० न० 5349—यन: मुझे, जै० एक गिरधर,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे धसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

प्रौर जिसको स० जैंसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो आलन्धर में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के। पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिफल, निम्मिलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरज निकत में वास्तिबक रूप से किशत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कभी करणे वा उत्तसे वचने में सुनिधा के लिए: बार/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरी द्वारा प्रका नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान म सुविधा के लिए;

क्रम अस लक्त विधिनियम का नाग 269-५ क वन्यरण में, पैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-भ कि उपधारा (1) के सधीन, निभन निश्चित व्यक्तियमें, अर्थात — श्री दिवानं कला कृष्ण
पुत्र विवान चन्द
 246 माडल टाऊनः,
जालन्धर
मुख्तयारे आम श्रीमती सुरीन्दर पुरी
पानी हंस राजः।
 (अन्तरकः)

 श्री सुरेश कुमार पुत्र राम पाल वासी घाम मण्डी मलेरकोटला जिला सगकर।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में काई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन को तारीक से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (अ) इस भूजभा के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्ठीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नग्त्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैंसा कि विलेख नम्बर 3384 दिनांक अगस्त 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख . 11-4-1984 मोहर . प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुमता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैल 1984

निदेश स० /ऐ० पी० न० 5350---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

जायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अगस्त 1983

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उिश्वत बाजार मूल्य से काम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हे एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिशित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण संहुदं किसी बाय की वायस, उक्स जिमित्यम के जभीन कर दोने के जन्सरक के दासित्य में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः वतः, उपत विधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम् की भारा 269-त्र की उपभाष (1) के अधीमः, निम्मतिश्वित व्यक्तियों, वर्षातः :---- 1. श्री दिवान कता कृष्ण पुत्र आर० एस० दिवान चन्द 246 मोडल टाउन, जालन्धर, मुख्तयारे आम श्रीमती मुखवीर कीर पत्नी मोहनबीर सिंह।

(अन्तर्क)

श्री कार्न्तानाल
पुत्र राम पाल
वासी घास मण्डी
मलेरकोटला,
जिला सगस्य।

(अन्तरितो)

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्कित में किए जा सकरें।

स्यष्टीक रण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 3385 दिनांक अगस्त 83 में रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> र्जै० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखा: 11-4-1984

मोहर्¦ः

प्रसंप आइ. सी. एन. एस. -----

णासफर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 11 अप्रैल 1984

निर्देश सं० ऐ० पी० तं० 5351—यतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूज्य, उभक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमूह प्रतिश्चत से अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरक से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त बिधिनयम के, अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के निए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रफट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में मूर्विधा के लिए;

बत:, अब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित्:—— श्री विनोद कुमार
पुत्र गुरुदयाल बतरा
मुख्तयारे खास का अमरीक सिंह
पुत्र तैजा सिंह
मुख्यतारे आम सोहन सिंह
वासी मोहल्ला गोपाल नगर,
जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरुवीप कीर पत्नी रणबीर सिंह तथा रागुविन्त्र सिंह पुत्र मौता सिंह वासी मखसुद पुर तहसील जालन्धर ।

(अन्तरिती

को यह सूचना जादी करके पृथोंकत सम्पत्ति की अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ले 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो और अविधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ज व्यक्तिया में स किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विशेख नम्बर 3050 दिनाक अगस्त 1983 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> श्रे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-4-1984

मोहर 🛭

प्रस्प भार , टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक अध्यक्तर भागुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैल 1984

निदेश सं० ऐ० पो० नं० 5352 तथा 5353---यतः मुप्ते, जे० एल० गिरधर,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1983

को पूर्वांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिखिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उनक अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकेट नहीं किया गयन भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः गव, उत्तर गाँधनियम की धारा 269-ग के जनुसरण गों, भीं उत्तर अधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तिसयों, अधीत :--- श्रीमती श्रमरावती
 पत्नी बाक मल
 वामी एन० के०-223,
 चरणजीतपुरा,
 जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मगत राय पुत्र राम नाथ वासी एम०-208, इंडस्ट्री एरिया, जासन्धर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के जिय कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जासेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ स्कोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिय गया हैं।

अन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 3011 तथा 3239 को ग्रगस्त 83 को रजिस्ट्रकर्ना ग्रिधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज, जालन्धर

नारीख: 11-4-1984

मोहर :

प्ररूप. आई टी. एत एस ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 भ्राप्रैल 1984

निदेश सं० ∫ऐ० पी० नं० 53**5**4—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो शहकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शहकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफें, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च श्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तिराती दवारा प्रकट नहीं किए गया था या दित्या जाना चाहिए था हिएपल मा सविधा के सिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत :---

(भ्रन्तरक)

श्री राम चन्द
 पुत्र दीना नाथ
 तथा रायिन्द्र कुमार
 धरमिनद्र कुमार
 पुत्र राम चन्द
 वामी मैन बाजार,
 णहकोट
 जिला जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

भौ यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कोर्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसंची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1169 दिनांक भ्रगस्त 1983 मे रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी शहकोट ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम ग्रधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-4-1/984

मोहरु 🖁

प्रस्य बाह् . टी. एन्. एस. ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 श्रप्रैल 1984

निदेश मं० /ए० पी० नं० 5355---यत मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती शेख जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जलारण से हुन्द्र किसी बाब की बाबत, उचल अभिनियम के बभीन कर बोने के जन्तरक के धार्मित्व में कभी करने वा उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (न) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृथिधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्यरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखित क्यक्तियों, अधीन हम्मिलिखित क्यक्तियों, अधीन हम्मिलिखित क्यक्तियों, अधीन

श्री रंजीत सिंह
 पुत्र राज कुमार
 व रिपजीत सिंह,
 बासी लाडोबाली रोड,
 गली नं० 4,
 प्रीत नगर,
 जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

2 श्री कुलदीप सिंह पुत्र दर्शन सिंह ब रभेश सिंह पुत्र भगवान दास गली नं० 4, प्रीत नगर, जालन्धर।

(भन्तरिती)

का यह सूपना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तयों में से किसी स्विक्त व्वादा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए था सकींगे।

स्पक्किरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनयम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

मनुन्दी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3136 दिनांक ग्रास्त 1983 रजिस्ट्रकर्ती ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे ० एम ० गिरधर मक्षम ग्रीधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीम रेंज, जालन्धर

तारीख: 12-4-1983 4 मोहर

22-76 GT/84

प्ररूप बार्ड. टी., एन. एस.-----

आयफार अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

आर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 भ्रप्रैल 1984

निदेश सं०/ऐ० पं० नं० 5356—यतः मुझे, जै० एल० गिरधर,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रा. सं अधिक हं ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि प्रामुली में लिखा है तथा को जालन्धर (गढ़ा) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबस्न अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधि-कारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रगस्त 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमा के ब्रुच्यान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है कि मूम्में यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया पतिफल, निम्नलिखित उच्चेद्य से उच्च अन्तरण लिखित में गस्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बाबन. उपस्त अधिनियम के अभीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अपने पं सृविधा के सिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में स्विधा की सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मी, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधीत:— श्री दवेंदर सिंह मुख्तयारे खास नरेण कुमार वासी 344, कपूरथला रोड़, जालन्धर।

(श्रन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र जीत
पुत्र बशंबर सिंह
व कुलवंत गौर
पत्नी सुरेन्द्र जीत
व जसिंबद्र जीत सिंह
पुत्र बशंबर सिंह
व श्राक्षा कौर
पत्नी जसिंबन्द्र जीत सिंह
वासी रणजीन नगर.
जालंधर (गढ़ा)

(भ्रन्नरिनी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उपन सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में विया गया है।

अन्त्र्य

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3071 विनांक श्रेगस्त 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीखा: 12-4-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आहे. दी. एन. एस. -----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 12 अप्रैल 1984

निदेश नं०/ए० पी० नं० 5357—-यतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, ज़िसका उचित बाजार मृल्य 25,000∕- रुठ. से अधिक हैं

धौर जिसकी में जैसा प्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (प्रौर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख ग्रागस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिहात से अधिक है और अनरक (अंतरको) अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक ते हुई किसी बार्य की नावस, बक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की धानित्व में कमी करने वा अवसे अवने में तृत्तिभा की बिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् "--- श्री कंबर रतन जीत मिह पुत्र रिपजीत मिह बासी 135-पु० प्रीत नगर, जालन्धर खुद व मुख्तयारे ग्राम राज कुमार।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती गुरमीत कौर
पत्नी श्री प्यारा सिह
गली नं० 3,
श्रीत नगर,
लाडो वाली रोड,
जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं यही अर्थ होगा, ओं उस अध्याय में विद्या गया हैं।

मन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति द्वैभा कि विलय नं० 3422 दिनाक प्रगस्त 1983 में रिजस्ट्रकर्ता प्रिविकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम ग्रधिकारी महायक ग्रायट श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जालस्थर

तारीख: 12-4-1984

मोहर:

प्रकृप मार्च , टी., पुन , पुस . - - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन स्वना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 श्रप्रैल 1984

निवेश सं०/ऐ० पी० नं० 5370—यतः मुझे, जै० एल० गिरघर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वशात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. सं अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० जैसा धनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्ष प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख भगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित वे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे क्याने में सुविधा के लिए और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय खाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, बी, अक्त अधिनियम की भारा 269-त्र की उपधारा (1) को जधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, जधीत् १००० श्री चरनजीत सिंह चीमा पुत्र बहादुर सिंह 164 डिफेंस कालोनी, जालन्धर द्वारा मुख्यतारे भ्राम राजेन्द्र कौर

(मन्तरक)

2. श्री हरकेबल सिंह पुत्र गुरदर्शन सिंह, 164-डिफेंस कालोनी, जालन्धर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सपित्त के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृतित के अर्थन के सर्वं भी के कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वित्य व्यक्तियों में से किसी अविदित्य द्वारा;
- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकेंगी।

स्वव्यक्तिकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त जिभिनियम के अभ्याय 20-क में पहिस्तावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में वियाप समा हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3044 विनांक श्रगस्त 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्श्रर में लिखा है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, जालन्कर

नारीख: 12-4-1984

मोहर:

प्रकम नाहाँ, दी, एन, एस, -----

नायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज. जालन्धर

जानन्धर, दिनाक 12 अप्रल 1984

निदश न०/ए॰ पो० न०/5350---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्राक्ती अधिकारी के कार्यालय, जानन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अभीन तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण से हुइं किसी जाब की वाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के खिसल में कमी करने या उससे बचने में तुबिधा के सिक्; अरि/या
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, डिज्याने में सुविधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरभ में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :--- ा श्री अजीत सिंह पुत्र करतार सिंह बासी मकान न० 44, बसंत विहार, जलक्षर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मांति देवी पत्नी हरदिस सिंह वासी 29-ए, गुढ नानक नगर, जालन्धर।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के ऱाजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बचिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दा और पर्वो का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वह्नी अर्थ होगा, जो उस अध्याय कें दिया गया

जन्सूची

सपत्ति तथा व्यक्ति गसा कि विलेख म० 3165 दिनाक अगस्त 1983 में रिजिस्ट्रकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

नारीख 12-4-1984 मोह्रु≣ प्रकृष् वाही.टी.एन्.एस्.------

शायकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ(1) के सुधीम सुमना

भारत यहकार

कार्याजय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निदेश सं० /ए० पी० नं० 5359—या: मुझे, जे० एल० गिरधर,

नामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संगीता जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० गैंमा अनुसूची में लिखा है तथा जो गाजन्वर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण कर में में ग्रॉणत है), रिजस्ट्रीकर्ली अधिकारी के कार्यीलय तालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को प्योंक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाबा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण किला मन्तरण

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रवोधनार्थ अन्तिरती स्वाध प्रकट नहीं किया नवा का बा-किया जाना जाहिए था, कियाने में बृदिया को विष्

अत: उस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, स्थति .क- श्री अजीत सिंह पुत्र करतार सिंह वासी मजान नं० 44, वसंत विहार, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र पाल सिंह हरदित्त सिंह वासी 29-9, गुरु नानक नगर. जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के तिक् कार्यनाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की वनिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वधि, को भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-बृद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पन्नद्रीकरण :---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिग्रैंतवम् के बध्माय 20-क में परिशादित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में द्विका गया हैं।

मन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3284 दिनांक अगस्त 1983 मे रिजस्ट्रीहर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एत० गिरधर गक्षम अधिकारो महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोंज, जालन्धर

तारीख 12-4-1984 मोहर:

प्रथम बाह् ,दी ,प्य ,प्रह_-----

बाय्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निदेश नं०/एँ० प० नं० 5361 --- यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के जभीन सकम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का अपर है कि स्थानर सम्बद्धि, विश्वका अधिक वाचार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नायित्य. जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के अधान, गरीख अगम्त 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के अचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रविक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सं ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देशों से उद्देत अन्तरण लिखित में शस्तियक रूप सं कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मृविधा के सिए; और/बा
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

बृत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों अधित् १--- श्री उजल सिंह
 पुन्न जसा मिंह
 बासी 38--एल माडल टाउन,
 जालन्धर
 बारा रोणन सिंह।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरबचन कौर पत्नी रोशन सिंह वासी 1-ए, शहीद उद्यम सिंह नगर, जालन्धर।

(अस्तरिती)

को यह सुषता जारी करके प्योंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संवधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेचित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण:--६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना गया है।

अन्स्ची

प्रश्निति सथा व्यक्ति जैमा कि विलेख मं० 3112 दिनांक अगस्त 1983 में रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख 12-4-1984 मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस_{..}-----

आवकर अभिनियम,,1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निदेश सं०/ऐ० पी० नं० 5362—यतः मुझे, जे० एन० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती शेख जालन्धर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुभ्ने यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रथमान प्रतिफल से ऐसे ब्रथमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिकत उव्वदेय से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः जबः, उत्कतः अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियमं की भारा 269-गं की उपभारा (1) के अभीन, निम्बिलिसन व्यक्तियाँ, लब्दि :--- श्री जगदीश सिंह
पुत्र आसा सिंह
वासी बो॰ 12/12,
राणा प्रसाप बाग,
दिल्ली।

(अन्तरक)

श्रीमती गुरबचन कौर
 पत्नी रोशन सिंह
 वासी 1-ग्
 शहीद उद्यम सिंह नगर,
 जालस्थर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की सबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पट्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्नी

सम्पत्ति और व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 3111 दिनांक अगस्त 1983 में रिजिस्ट्कार्ती अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जेउ एलाव गिरधार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) आंत्ररेज जालह

नारीख: 12-4-1984

मोहर:

प्ररूप आई. टां. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गर 269-व (1) के अधीन स्वनः

भारत सरकार कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निदेश न०/ऐ० प० न० 5364----यतः मुझे, जे० एल० गिरघर

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ?69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसेका उचित बाजार मृत्य 25,000/-उ. से अधिक है

भौर जिसकी मं० जैना कि अनुसूची में दिया है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (भौर इसमें उपावद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विषय है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्जालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अगस्त 1983

- (क) अन्तरण से हुड़ें किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उपमें बचने में सुविधा के लिए: और/पा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) को उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का का किया जाना नाहिए था, किया संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 23—76 GI/84

श्री बर्ग्स सिंह
पृत्र निका सिंह
श्रीर प्रोफेमर
सानसा रोड
भटिन्डा।

(अन्तरक)

 श्रीमती कुलदीप कौर और जगदेव सिंह पुत्री श्रौर पुत्र आफ प्रताप सिंह गांव कौट माश तहसील भटिन्छा।

(अन्तरिती)

को यह गुचना जारी करके पृवास्ति सम्पत्ति के वर्षन के दिवस कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप.--

- (क) इस राज्यना के राज्यन में प्रकाशन की तारी श्र से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अप्रधि, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के शीलर पूर्विक्स का किसारों में से किसी व्यक्ति प्राप्त
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिए को भीतर उक्त व्यावर सम्मरित में हितनबूध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्माण में किए हाए सकोंगे।

स्पाक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदौं का, को उनस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वृषा है

जन्स्यो

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2476 विनांक अगस्त 1983 को रिजस्ट्रकर्ता अधिकारी भटिन्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 12-4-1984

मोहर ः

प्रकृष बाहै . टी . एन , एस , ----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के अभीत सूचना

भारत सडुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निवेश नं०/ऐ०पी० न० 5365—यतः मुर्झे, जें० एल० गिरधर

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं ध्समें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1983

(1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1983
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य,
उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्यह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित
के बास्तविक रूप से किथान नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री विकरम सिंह
 पुत अर्जैब सिंह
 गांव चक फते सिंह वाला
 तहसील बचाना।

(अन्तरक)

 श्री विश्वण सिंह उर्फ विकर सिंह गांव कुन्डल जिला फिरोजपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जार। करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुएँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 विन् के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वाय अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2497 दिनांक अगस्त 1983 की रजिस्ट्रकर्ती अधिकारी भटिन्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालखर

तारीख: 12-4-1984

मोहर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गायक अध्यक्त जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्ध्रर, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निवेश सं०/ए० पी०न० 5366—यत. मुझे, जे० एल० गिरधर

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्राक्षे परचात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को घह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो मिटिन्डा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भिटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरण से हाई किसी काम की बाबत, सकत संधिनियम के अधान दार दोर के अन्तरक के दायित्व में कार्य काल या अध्य अवने से सविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी फिसी डाय या जिसी धन था जन्य वास्तिकों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, कियाने में सुनिश्वा के निए,

कतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

 श्री बलवीर सिंह पुत्र गड़ा सिंह मुख्यिआरे आम आफ भगवंत कौर वासी बैंक आफ रोज गारडन भटिन्डा।

(अन्तरक)

2. श्री सुखजीत इन्द्र सिंह पुत्र सुखदेव सिंह गांव दुले वाला तहसल रामपुराफूल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्याँकत संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

बनत् सम्परित के नर्जन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेष्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध,, थो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण।

स्यक्तिकरण: --इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जा उस अध्याय मी दिया गया है।

बन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 2612 दिनांक अगस्त 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्क्षर

तारीख: 12-4-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सारकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 3 मई 1984

निदेश न०/ऐ० पी० न० 5386——यनः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मल्य 25,000/-रु. में अधिक ही

ग्रीर जिसकी स० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपानड अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रिजस्ट्रीकरण अधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई ते और एक यह निष्ठात करने का कारण है कि यथाएडिक सम्पत्ति को तिचन बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के दीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उप्रवेष से उन्ह अन्तरण निस्ति में पास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की याबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने में स्पिधा के लिए; और या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्क्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों अर्थात् :— श्रीगती विद्यिम बती विधवा रतन लाल वासी गली न० 1 आनंद नगर मोगा।

(अन्सरक्)

श्रीमती कमला देवी
 पत्नी हरबत लाल
 पुत्र छजू राम
 वासी मकान न० बी JX-576/49
 गली न० 1,
 आनंद नगर
 मोगा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपात ने प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4474 दिनांक अगस्त 1983 को रिजम्ट्रीकर्ती अधिकारी मोगा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकैर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 3--5--1984

मोहर

प्रस्थ आहु सी. एम. एम. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

्र_{ार}्≝ागरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 6 ग्रप्रैल 1984

निदेश सं० चन्डी०/64/83-84---ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान न० 1127 है तथा जो सैक्टर 21-बी, चण्डीगड़ में स्थित है (श्रार इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, र्राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बातार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अर्थिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व गढ़ कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्: और/या
- (वा) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीर निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री नारायण हरी सिह वासी-मकान नं० 1127, सैक्टर 21~बी, चन्डीगढ़।

(थ्रन्तरक)

 श्री दर्शन सिंह साहनी बासी-मकान नं० 1127 सेक्टर 21-बी, चन्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को वह त्यना वारी करके पृत्रों कर सम्मत्ति के जर्बन के जिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राचपत्र में प्रकाशन की तारीय से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी
 व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीए से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकींगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसची

मकान नं० 1127 सेक्टर 21-बी, चंडीगढ़ (ग्रर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी चंडीगढ़ के विलेख संख्या 615 माह ग्रगस्त 1983 के तहन दर्ज है।

> जोगिन्दर सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 6-4-1984

मोहर 🌡

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 श्रप्रैल 1984

निदेश सं० चन्डी०/57/83-84---- प्रत. मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट न० 110 है तथा जो सेक्टर 36-ग्राई, चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ मे, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908-का 16) के ग्रिधीन, तारीख श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषयों से उयह अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा को लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

सतः सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:— श्री कपूर चंद शर्मा एव
 श्री धर्म पाल
 वासी-203, सेक्टर 21-ए,
 चन्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती जसविदर कीर
 एवं श्री प्रेम राज सिह गिल
 वासीम-मकान नं० 203,
 मेक्टर 21-आई,
 चन्डीगढ।

(ग्रन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उदत रथावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- प्रमन्नं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

अनुसूची

प्लाट न० 110 जो कि सैक्टर 36-ए, चन्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जो कि रिजिन्द्रीकर्ता भ्रधिकारी चन्डीगढ़ के यिनेख सख्या 556 के तहत भ्रगस्त, 1983 में दर्ज है।

> जोगिन्दर सिंह् सक्षम प्राधिकार सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 6-4-1984

मोहर :

प्ररूप आइ'.टी.एन.एस. -------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, विनांक 9 ग्रप्रैल 1984 निदेश सं० चन्डी०/56/83-84--म्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रह. में अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1176 है तथा जो सेक्टर 34-सी, चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रगस्त 1983

को प्वोंक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रशिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की वावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के जुन्तुरक के दायित्व में कमी करने या उससे वच्नी में सुविधा के लिए; बीर/जा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्भ अन्तिरिती खुनारा प्रकट नहीं किया गदा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थित के लिए;

श्राः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थातः :--

मेजर डी० एस० घई
 पुत्र स्वर्गीय सूबेदार मेजर जी० एस० घई
 मार्फत हैडक्वार्टर इस्टर्न कमांड
 इंजीनियरी ब्रांच,
 फोर्ट विलियम,
 कलकत्ता।

(ग्रन्तरक)

 श्री जनक राज महाजन पुत्र श्री मूल राज वासी मकान नं० 165, सेक्टर 21-ए, चन्डीगढ़।

(भ्रन्तरित)

का यह स्वना कारी करक पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निष्

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब थे 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 विन कों अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाँक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकींगी।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा ही।

अनुमुची

प्लाट नं० 1176 जोकि सेक्टर 34-सी, चन्डीगढ़ में स्थित है।

(प्रर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चन्डीगढ़ के जिलेख संख्या नं० 550 माह श्रगस्त 1983 के तहन दर्ज है)

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकार सहायक भ्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9-4-1984

मोहर 🏮

प्रस्य नाइं.टी.एन्.एस्.=----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 म्रप्रैल 1984

निवेश सं० चण्डी०/58/83-84—श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- आ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मूक्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसक सं० मकान नं० 1702 है तथा जो सेक्टर 22-बी, चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रकर्ती श्रधिकार के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्द है और मुक्ते यह विद्वास करन का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल सो, एक दर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित्री (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण ते हुई कियी आन की नायत, क्यस् अधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दाधित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया शाया किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्रीमती चम्पा धवन
पत्नी श्री के० मी० धवन,
वासी एफ-45,
कालकाजी,
न्यू देहली।

(भ्रन्तरक)

 श्री सुभाष चन्द्र भल्ला पुत्र श्री जे० एन० भल्ला वासी मकान नं० 1143 सैनटर 21—बी, चन्डीगढ़। श्राजकल मकान नं० 1702, सैक्टर 22—बी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

 मिलन सेंटर प्रापर्टी डीलर मकान नं० 102, सैक्टर 22-बी, चन्डीगढ़ी।

> (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए एतबब्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से फिनी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए खा सकोंगे।

स्पब्सीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया बना ही।

जन्सूची

मकान नं० 1702 जो सेक्टर 22-बी चन्डीगढ़ में स्थित हैं,।

(ग्रथित् वह जायदाद जो रिजस्ट्रकर्ता पिधकारी चन्डीगड़ के विलेख संख्या 559 माह अगस्त 1983 के तहन दर्ज है)

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ख**: 9-4-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कामीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 9 भ्रप्रैल 1984

निदेश सं० चन्डी०/55/83-84---- ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह.

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिससा सं० प्लाट नं० 1156 है तथा जो सेक्टर 34—सी, जरुडीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रगस्त 1983

(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान
पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विद्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य,
इसके पृश्यमान प्रतिकान में, ऐसे पृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रम्तरिती (अन्तरितयों) के भीच ऐसे प्रस्तरक के लिए तय
पाया गया प्रतिकल, निश्वलिखित उद्देश्य से उन्त बन्दरण
लिखित में बास्तिक हम से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुए किसी बाय की वावत, उक्त जिथिनियम की अभीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के सिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-करं अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 24—76GI/84 (1) श्री मुनी लाल बूटा
पुत्र स्वर्गवासी श्री फेक राम
(2) श्री मगत राय गयूटा
पुत्र श्री मुनी लाल बबूटा
(3) श्रीमनी परवेश बबूटा
पत्नी श्री मंगत राय बबूटा
बासी मकान नं 622,
सेक्टर 20 ए,
चन्डीगढ़े।

(प्रन्तरक)

श्री बालफुष्ण छाबड़ा
पुत्र श्री फिराया लाल
वासी मकान नं० 1400,
सेक्टर 34-सी,
चन्डीगढ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके मृत्रॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जबिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकी।

स्यव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

वन्स्ची

प्लाट नं० 1156 जो कि सेक्टर 34-सी, में स्थित है। (ग्रार्थात् वह जायदाव जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 542 माह ग्रगस्त 1983 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लिधियाना

नारी**ख**: 9-4-1984

मोहर:

प्ररूप जाइ". टी. एन. एस. -----

मध्यकर अधिनियस, 1961 (1961 **मा 43) की** धारा 269-व (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 श्रप्रैल 1984

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-भ के अभीन सक्ष्म भाषिकारी करें, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/~ रह. से अधिक है

ग्रौर जिसक सं० फैंक्टरी इमारत नं० 266 का 3/8 भाग है तथा जो इण्डस्ट्री एरिया ए-लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इसमें उपादड ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रगम्त श्रौर सितम्बर 1983

को प्लाबत सम्मित के उधित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुक्ते यह निष्याध करणे का कारण है कि मधाप्यों कत संपरित का उधित बाजार मृत्य, उसके दरमधान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ते (अन्तरिक्तों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकत, निस्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, अवस् अधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कामी करने या उत्तस्त बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् क्र- मेसर्स झार० एन० श्रोसवाल, होजरी फैक्ट्री, सरकुलर रोड, शिवपुरी, लुधियाना। द्वारा श्री श्रोम प्रकाश पुत्र श्री दौलत राम, हिस्सेदार।

(ग्रन्तरक)

मेसर्स सुप्राण हौजरी इन्डस्ट्रीज,
 417—इन्डस्ट्रियल ऐरिया-ए,
 लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

मेसर्स जैनसन होजरी इन्डस्ट्रीज,
 266-इन्डस्ट्रियल एरिया-ए,
 लुधियाना।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्ष :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परित्राचित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्ट्री बिल्डिंग नं० 266 का 3/8 भाग जो कि इन्डस्ट्रियल ऐरिया ए० में स्थित है।

(ग्रयात् वह जायवाद जो कि रिजस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या नं० 6812, 7187, 7288 माह ग्रगस्त 1983 तथा मितम्बर 1983 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राप्तिकारी सहायक ग्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16-4-1984

मोहर 🛭

प्रकृष बार्च . ही . हम . एक . ------

भावकर श्रीभिषयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) खें सभीन सुमा

मार्ड बरमार्

कार्याजय, सञ्चायक आवकार आयुक्त (निष्टीकाण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 अप्रैल 1984

निवेश स॰ लुधियाना 80, 81, 82 और 90/83-84:---अत:, मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी स॰ आध हिस्सा फैक्टरी है तथा भी इमारत नं० 266, इन्डस्ट्रीयल ऐरीया—ए, लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन सारीख अगस्त 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की पहुं हैं और मुफें यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के मुख्यूरण को दायित्व में कमी करने या उससे अवमें में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, किन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में स्विचा के किए:

अतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थत् :— (1) मैं सर्स झार० एन० ग्रोसवाल, होजरी फैंक्टरी, सरकुलर रोड़, शिवपुरी, लुधियाना, द्वारा श्री ग्रोम प्रकाश पुल श्री बौलत राम, हिस्सेवार।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स शकेश्वर होजरी इन्डस्ट्री, श्रोसवाल रोड़, इन्डस्ट्रीयल ऐरीया--ए, लुधियाना।

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स जैनसन होजरी इन्डस्ट्रीज, 266-इन्डस्ट्रीयल एरीया-ए०, लिधयाना।

> (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को नम् सुमना चारी करके प्वाँक्त सम्मरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्तित् के वंश्वन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हरू

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित नद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोगे।

स्यक्तीकरण्ड--इतमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं अही अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है

अनु**स्**ची

आधा हिस्सा फैक्टरी इमारत न० 266 (नगर निगम न० वी०, 23.856) जोकि इन्डस्ट्री एरीया-ए० में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाव जोकि रिजस्ट्री कर्ती अधिकारी, सुधियाना के विलेख संख्या 6253, 6370, 6450 और 6642 माह अगस्स, 1983 के तहत दर्ज है)

जोगित्यर सिह मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16-4-1984.

मोहर:

प्ररूप आहुँ, टी. एम. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्माना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनोक 16 अप्रैल 1984

निदेश सं० खुधियाना/78/83-84:---अतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फैक्टरी इमारत नं० 266 है तथा उसका 1/8 भाग जोकि इन्डस्ट्री ऐरीया-ए०, लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कासी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अगस्त, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्बरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा के सिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थातः --- (1) मैससं आर० एन० भोसवाल होजरी फैक्टरी, सरकलर रोड़, शिवपुरी, लुधियाना। द्वारा श्री भोम प्रकाश, पुत्र श्री वौलत राम, हिस्सेवार।

(अन्सरक)

(2) मैसर्स जैनसन हौजरी इन्डस्ट्री, ग्रीसवाल रोड़, इन्डस्ट्री एरीया-ए०, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स जैनसन श्रीजरी इन्डस्ट्रो, श्रोसवाल रोड़, इन्डस्ट्रीयल एरीया--ए०, लुधियाना । (बह ज्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर 'सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पटकीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फैक्टरी इमारत नं० 266 का 1/8 भाग जिसका नगर निगम नं० बी० 23.856 है तथा जो इन्डस्ट्री ऐरीया-ए० में स्थित है (अर्थात् वह जायवाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सृधियाना के विलेख संख्या 6218 माह अगस्त 1983 के तहत दर्ज है)।

> जीगिन्दर सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज, लिधियाना

लारीख : 16-4-1984-

मोहर 🤃

प्रकप काइ. टी. एथु. एकः वन्यवन्यवन्य

भागकर निर्धानस्म, 1961 (1961 का 43) कीं भारत 269-म (1) के क्षीन सूचना

BISE STAIL

कार्याजय, सहायक भागकर भागकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुश्चियाना, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निदेश सं० लुधियाना/83--ए, 186/83-84:--अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह,

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्सें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ रु. से बिधक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० बी०-11/440-1 है तथा जो नौलखा गार्डन, बैजेमन रोड़, लुधियाना का आधा हिस्सा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तौरीख अगस्त 1983 सथा दिसम्बर, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरप्रमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरप्रमान प्रतिकल से, एसे दूरप्रमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निम्निलिखत उद्देश्य से उन्त बन्तरण सिचित में बास्तिबक इप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण संहुदं किसी शाव का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किए; सरि/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया भवा था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में ब्रिया के जिन्हें

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुकारण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अचीत् ह— (1) श्री भोम प्रकाश पुत्र, श्री हैंम 'राज, वासी 226', हैंबोबाल कलंग, जुधियाना।

(असरक)

(2) श्री सुभाव चन्द्र पुत्त, श्री कुन्दन लाल, वासी मकान नं० बी०-II/440-I, नौलखा गार्डन, बैजेमन रोड़, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोद :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वसीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबस्थ, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए या सकोंगे।

स्वच्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्धों और पर्वों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

आधा भाग मकान नं० $11-440/\mathrm{I}$ नौलखा गार्डन, बेंजॅमन रोड, लुधियाना ।

(अर्थात् वह जायदाव जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सुधियान के विलेख संख्या नं० 6373 माह अगस्त 83 तथा 10841 माह दिसम्बर, 1983 के महत वर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक भावकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

ता**रीख**: 17~4~1984.

मोप्टर:

प्रकृष भाइ, टी. इन. एक.-----

जायकषु जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं धारा 269-म (1) के अभीन स्पन्त

भारत सुरकार

कार्यास्य, सहायक सायकर भायकः (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 म्रप्रैल 1984

निवेश स० लुधियाना/107/83-84:---ग्रतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सकान नं० बी-20-659/4 का 1/2 भाग है तथा जो गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजस्ट्रीकर्ण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त/सितम्बर, 1983 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रथमां प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्र) जुन्तरण से हुए किसी जान की बाबत उक्त वृधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के ब्दिल्यू में कमी करने या उससे वजने में बृजिया के सिए; ब्रोट्/या
- (क) एसे किसी अब या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या बन-कर अभिनियम, या बन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया का मा बाहिए वा कियाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण को, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थोत्:—

(1) श्री विगोद कुमार पुत्र, श्री तीर्ष राम, वासी—भीली गेट, जगराऊं।

(अन्तरक)

(•2) भी श्रशोक कुमार पुक भी केसर दास, वासी----805, रंगी राम स्ट्रीट, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सृच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाजित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनु**स्**ची

मकान नं० बी-20-659/4 का 1/2 भाग जो कि गुरदेव नगर, नुधियाना में स्थित है कि 1/2 भाग (अर्थात् वह जायदाव जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 7161 माह मितम्बर, 1983 के तहत दर्ज है। तथा संख्या 7023 माह अगस्त के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधि कारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, लक्षियाना

तारी**या:** 11-4-1984.

भोहर 📜

प्ररूप बाई.टी.एन.एस ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-च (f) के अधीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 श्रप्रैल 1981

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० बी०-20/659-4 का 1/2 भाग है तथा जो गुरदेव नगर लुधियाना मे स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त/ सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से क्रिन्तु नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण ते हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त जिभिनयम के अभीन कर दोने के जन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राज कुमार कपूर पुत श्री मुकन्द लाल, वासी—फीली गेट, जगराङं।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रन् बक्षरा पत्नि श्री ग्रशोक कुमार, वासी—-805, रंगी राम स्ट्रीट, लिधयाना।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की भूविभ या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबीभ, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वार अधीहस्ताक्षरी वे पात सिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधिन्यम के अध्याय 20-क में वरिशावित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नग्स्ची

मकान नं व बी० - 20 | 659 | 4 का 1 | 2 हिस्सा जो गुरदेव नगर सुधियाना मे स्थित है। (श्रय्यात् वह जायदाद जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सुधियाना की विलेख संख्या 7159 माह सितम्बर, 1983 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्रर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 11-4-1984.

मोहर 🗄

प्ररूप नाई. टी. एन्. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के सभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर वाय्क्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनां क 11 भ्रप्नैल 1984

निदेश सं० लुधियाना/103/109/83-84:---प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

भायकर म्भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात 'उन्तं अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिल्लाका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० बी-XX-659/6 का श्राधा भाग है तथा जो गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1983 श्रीर अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण है लियत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ज्लारण ने हुई किसी आव की वाबत, जनस जिमितियम को अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जाँद/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में मृविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्रीमती राम लुभाई कपूर परिन, श्री तीर्थ राम, वासी फिली गेट, जगराऊं।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती कांता देवी परिन, श्री बंसीधर, षासी 805, रंगी राम स्ट्रीट, लुझियाना।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तु संप्रपत्ति के अर्जन के ि, ए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के हाजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकतयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव्य सम्बन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हात में किए का सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बहुरी अर्थ होगा, जो उस कृष्याय में दिया नया है।

नगतथी

मकान नं० बी-20-659/8 जो कि गुरवेब नगर लुधियाना में स्थित है उसका माधा भाग (श्रर्थात् वह आयदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 7223 के तहत माह सितम्बर, 1983 में दर्ज है तथा संख्या 7089 माह म्रगस्त, 1983 के तहत धर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

नारीख : 11-4--1984.

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

ब्रारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 श्रप्रैल 1984

निदेश सं० लुधियाना/106/83-84:--श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० बी-20-659/6 है है तथाजो गुरदेव नगर, लुधियाना का 1/4 भाग में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उिषत बाजार मृल्य, उक्षके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) अर्थर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तत अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; अड्डि/या
- (श) ऐसी किसी आयु या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किया जाना थाहिए था, जिन्माने वें सुनिया के दिन्ए;

अतः अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---25---76 GI/84 (1) श्रीमती राम नुभाई कपूर पितन. श्री तीर्थं राम, फिली गेट, जगराऊं।

(श्रन्तरक)

(2) श्री बंसीधर पुत्र श्री केसर दास, वासी 805, रंगी राम स्ट्रीट, सुधियाना।

(अन्तरिती)

का यह स्वना वारी करके वृत्रावित कम्परित के वर्जन के निव कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उत्तत संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना क्षेत्र राज्यक में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी गविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पिति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त बच्दों और पदों का, जो सम्ब बिधिनयम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया प्रवाह ।

अनुसूची

मकान नं० बी-20-659/6 जो कि गुरदेव नगर लुधियाना ,में स्थित है का 1/4 भाग (श्रयात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी लुधियाना के विलेख संख्या 7160 माह सितम्गर, 1983 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 11-4-1984.

मोहर ा

प्रस्प आई. टी. एत . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुवना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकार जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज. ल्थियाना

लिधयाना, दिनाक 11 श्रप्रैल 1984

निदेश सं० लिधयाना/104/83--84:---श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० बी-20-659/6 का 1/4 भाग है तथा जो गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्व श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वितिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख श्रगस्त, 1983

को प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्रविक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तियक रूप से किया गया है ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिपिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दावित्व में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के निष्; जौर/वा
- (च) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विनोद कुमार गुत्र, श्री तीर्थ राम, प्रामा फीली गेट, जगराऊ।

(मन्तरक)

(2) श्री वसीधर पुत्र, श्री केसर दास, 805, उगी राम स्ट्रीट, लिधयाना ।

(यन्परिती)

को यह स्वना जारी कारके पूर्वीस्त संपर्शि के अर्थन् के जिए भागवाहिया कारता हूं।

उक्त संपन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध मा सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेतित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, प्रो उक्त अधिशियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

जन्**त्**ची

मकात नं० बी-20-659/6 जो कि गुरदेव तगर लिधियाना में स्थित है का 1/4 भाग (श्रर्थात् वह जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी लिधियाना के विलेख मख्या 7090 माह श्रगरत, 1983 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजीन रेज, लुधियाना ।

तारीख: 11-1-1984. मोहर:

भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जनरेज, वृधियाना

लिधियाना, दिनाक 17 ग्रप्रैल 1984

निवेण म० निधियाना/82-ण प्रीप 191/83-84--प्रत मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० मकान न० बी-11/400-1 है तथा जो नौलखा गाईन, लृधियाना में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूचा में श्रौर पूर्ण क्ष में वर्णित है) रिजिस्ट्रीक्तां ग्रिधिकारी के कार्यालय, लिधियाना में, रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख अगस्त तथा दिसम्बर, 1983

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल में गूमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरको) और अंतरिती (अन्तरितिया) क बीच गूसे अतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निस्ति में लास्तिक क्ष्म से स्थित नहीं किया गया है :---

- (क) अस्तरण ये हाई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृविधा के लिए, और/मा
- (स) एमी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1022 का 11) या उपन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिया के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री श्रोम प्रकाश पुत्र, श्रा हेम राज, वासी मकना न० 2267, रवोबाल कला, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमर्ता कविता खुराना पन्नि, श्री सुभाष चन्द्र, बासी मकना न ० बी-21, 440-1, नीलखा गार्डन, बेजेमन रोड, त्रियाना।

(श्रन्यरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्दन्ध मो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस राज्या के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदाँ का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृत्वी

मकान न० बी-II/440/I का आधा भाग जो कि बैजेमन रोड, नौलखा गार्डन मे है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी लिधियाना के विलेख सख्या 6363 माह अगस्त, 1983 तथा 10920 माह दिसम्बर, 1983 के तहन दर्ज है।)

जोगिन्द्र मिह, सक्षम प्राधिकारी ' सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रुकंट रेज, लिधियाना ।

तारी**ख**: 17-4-84.

मोहाडु 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन मचना

(1) श्री पेरिय मुनियप्पा श्रीर श्रन्यों ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री एस० एस० नागेश श्रीर श्रन्थों।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायकत (निर्काशण)

श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 भगस्त 1984

निदेश सं० 4/अगस्त/83:--यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 /- ,रुट. से अभिक **है**

ग्रौर जिसकी मं \circ एस \circ सं \circ 4/3ए 3, 5/2 है, जो होसुर गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिरद्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय होसूर दस्तावेज सं० 2930/83 में रजिस्दोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1983

को पूर्वेक्ति संम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके धरपमान प्रतिफल से, एसे धरपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल. निम्नलिसित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबता, का भिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यासिला में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, ज्लिह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए:

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्चि

व्यावसायिक भृमि एस० सं० 4/3ए 3,5/2, हासूर गांव (दस्तावेज स॰ 2930/83)।

> भ्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी; सहायक श्रायकर श्रयक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास ।

बत:, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

तारीख: 4-4-1984.

मोहर:

प्ररूप बाई. टी. एन्. एस .-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) ग्रर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाक 3 ग्रप्रैल 1984

निदेण सं० 3/सितम्बर/83 — यतः, मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० नयी स० 23ए०, पिल्लैयार कोडल स्ट्रीट है, जो नया ट्रोन गान्धी नगर, वानियाम्बाडी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कार्यालय, वानियाम्बाड़ी दस्तावेज स० 2194/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं :——

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त ऑधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, कर्षात् हु---

- (1) श्री वी० नारायणस्वामी ग्रय्यर श्रौर श्रन्यो । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती के० जयलक्ष्मी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त संपत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

भूमि ग्रीर निर्माण नयी स० 23ए०, पिल्लैयार कोइल स्ट्रोट, नया टोन, गान्धी नगर, वानियम्बाड़ी (दस्तावेज सं० 2194/83) ।

> ग्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज–II, मद्रास ।

तारीख : 3-4-1984. मोहर : प्ररूप आई. ट्री. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज - I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 श्रप्रैल 1984

निदेश सं० 7/सितम्बर/83:—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 27, गर्वनमेंट पेन्टलान्ड हास्पिटल रोड, है जो वेलूर टौन में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, वेल्लूर—1 दस्तावेज सं० 3324/83 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1983 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दाधित्य बें कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए. बीर/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) बी०ए० फरीदा पर्वीन और अन्य

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमती एम० संकरो ग्रम्माल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके प्वाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्मस्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विद्या में किए जा मुकेंगे।

स्पष्टोकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूची

भूमि श्रौर निर्माण स० 27, गर्वामेट पेन्टलान्ड हास्पिटल रोड, बेल्लूर टौन (दस्तावेज सं० 3324/83) ।

ग्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारोख: 3-4-1984.

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भागकर मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-ध् (1) के अभीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेज-गा मद्राल

मद्राम दिनाक 2 प्रप्रैल 1984

निदेश म० 31/सिनम्बर/83---यत मझे, श्रा२० पी० पिल्लै,

कायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हं, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000∕-रा में अधिक है

स्रोर जिसकी में ० एम० से० 395 हिंबोजन ई० बाई में० 3 है. जो बैलैंन स्नान्डिपट्टी गांव सलम टीन में स्थित है (प्यार इसमें उपाबद्ध में अनुमची श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजर्ट्टी तर्ता स्निक्षितों के कार्यालय, उत्तर मद्राम-2 दस्तावेज में० 3047/83 में रिजस्ट्रीकरण स्निश्चिम, 1908 (1909 का 16) के स्निश्चीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पोत्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीत एमें अनरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उवत अंतरण निम्नित में बास्तिक हम से कथिन नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय क़ी बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने भे मिबिधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी ध्न या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती नबीसा भी श्रीर श्रन्य।

(यन्तरक)

(2) शामती ए० अलगेलू और श्रन्यो

(अन्तरिती)

कां यह स्चना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ठ-ताक्षरी के पार निष्यत में किए जा सकेये।

स्पष्टीकरण ---- इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में पिर्शाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

भूमि ग्रीर निर्माण एस० सं० 395, डिबीजन ई० वार्ड स० 3. तैन ग्रान्डिपट्टी गाव, सेलम टौन (दस्नावेज सं० 3047/83)।

श्रार० पी० पिल्लै, मक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-II; मद्राम ।

नारीख: 2-4-19884.

मोहर ≌

त्रक्ष वार्षं : ट्री. एवं. एवं.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सहकाह

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अप्रैल 1984

निदेश मं० 36/सितम्बर/83—यतः मझे, ग्रार० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसने परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रुपये हे अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एस० मं० 1/3, 27/3 है, जो वेल्लगलहट्टी गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, नामगिरिपेट्टै दस्तावेज सं० 844/83 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख मितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइं िकसी आय की बाबत , जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आर्डिया
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह^न भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिख्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती लक्ष्मीश्रौर श्रन्यों।

(श्रन्सरक)

(2) श्री सेन्कोड गौन्डर श्रीर अन्यों

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प<u>त्ति के अर्जन के लिए</u> कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

व्यावसायिक भूमि एस० सं० 1/3, 27/3, बेल्लगलहट्टी गांत्र, सेलय जिला (दस्तावेज सं० 844/83)।

ग्रार० पी० पिल्लैं, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–I^I. मद्रास ।

तारीखा: 4—4—1984.

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-J मद्रास

मद्रास दिनांक 22 मई 1984

निदेश सं 88/सितम्बर/83 यतः, मुझे, आर० पो० पित्ले आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ० टी॰ एस॰ सं ० 11, ब्लाक सं ० 17, ताच्छा नन्सूर जो रोड़ तिरुनेलबेली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूर्या में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीवकारी के कार्यालय, तिरुनेलबेली-। इस्तावेज सं ० 793/83 में रजिस्ट्रीकरण ग्रीविनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रावीन, सितम्बर, 1983

का पूर्वोक्त संपित्त के उंचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापबेंक्ति संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मां बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शांधित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए। और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, फिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा ११) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---- 26—76 GI/84

(1) श्री एस० एन० करनानिधि,

(भन्तरक)

(2) श्रा एय० संकरनारायनन चेट्टियार श्रौर ग्रन्यों । (श्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील हो 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदारा,
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंथोहस्ताक्षरी के पास निभिन्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

संसम्ब

भूमि सं ० दी ० एस० सं ० 11, ब्लाक सं ० 17, ताच्छा नल्लूर रोड, तिरुनेलबेली (दस्तावेश मं ० 793/83)।

> ग्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-!, मद्रास

तारी**ख**: 22-3-1984.

मोहर 🖇

प्रकृषं आर्थः ती एन एस . "----- "

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्याक्रय, सहायक आयकर आध्वत (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 ग्रप्रैल 1984

निर्देश सं० 90/सितम्बर/83—यत स्झे, ग्रार० पी० पिल्तै.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961,का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ह

स्रौर जिसकी सं० एम० सं० 1131, 1129, मोलिबहुन गांव, है, जो तुतूकुड़ी में स्थित हैं (ग्रौर इसमे उपाबद अनुमूर्च। में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, तुत्तूकुड़ी मेलूर दस्तावेज सं० 422 भौर 423/83 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सिक्षम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रहें श्रीत्वात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिकिन उद्वेश्य से उकन अन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया ह

- (क) बस्बर्ज से इ.इ. किसी आय की बाबत, उक्त ब्रिशिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविशा के लिए; बॉर/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर लिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्थिपाने में सिवधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन निम्निलियन व्यक्तियों अर्थात :--- (1) श्री पोन एसु महराजा श्रीर शन्यों।

(प्रत्तरक)

(2) मैंभर्भ कुमार पब्लिकेशन ट्रस्ट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करकं पर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

जबत्त सम्पृतित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथा क्य स्पिक्तयों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो अक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

व्यावसायिक भूमि एस० सं० 1131,1129, मीलविट्टन गाव, तुतुकुडी दस्तावेज सं० 422, 423/83)।

> श्रार० पी० पिल्लै, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–I, मद्रास

तारोख : 4-4-1984.

माहर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-I, मद्रास मद्रास, दिनाक 22 मार्च , 1984

नियंश मं० 91/सितम्बर/83 — यत मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उध्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 र- रा. से अधिक ही

भौर जिसकी सिंग्टी एमें० में० 4255, पोलनाथकनपेटै है, जो टुटिकोरिन टांउन में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्णक्य में प्रणित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, टुटिकोरिन II बस्तावेज मं० 1745/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मितम्बर, 1983

को पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अजिन बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुद्धं किसी आय की बाधरा, उपस्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिम्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अभिनियम की भाग 269-ग के अन्सम्म में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, रिम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:— (1) श्रीपी० कतिवेल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० पेरियसामी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सू 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क भे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सं० टी० एस० सं० 4255, पोलनायकनपेटै तुलकुडी (वस्तावेज सं० 1745/83) ।

ग्रार० पी० पिल्लै, मझन प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरोक्षण), भ्रजन रेंज-ि, मद्रास

नारीख . 22-3-1984

माह्य :

प्ररूप आइ".टी. एन. एस. ------

नायकड निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुभना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्दाशक)

अर्जन रेंज~र, मद्राग मद्रास, दिनांक 3 अप्रल 1984

निवेश सं० 99/सितम्बर/83:---यतः मुझे, आर० पी० पिल्ली,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 120, है, जो तिरुमलगिरी में स्थित है इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेन्द्रमंगलम दस्तावेज सं० 1263/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1983।

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्यू से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अकने में सृविधा के लिए; और/मा
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनका अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारो प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना काहिए भा, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, तकः अधिनियम की धारा 260-म के अन्सरण मो, मी, उसते अधिनियम की धारा 260-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्यात् :-- (1) श्रीमती सरस्वती।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पलनी अम्माल।

(अन्तिरित्र)

को यह सृषना जारी करके पूर्वांक्स सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पुर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया तथा है।

नम्स्ची

व्यावसाधिश भूमि एस० सं० 120, निष्मंगलगिरी गांव, (वस्तावेज सं० 1263/83)।

> आर० पी० पिरुलै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, मद्राल।

नारीख: 3-4-1984.

मोहर 🖫

प्ररूप नाइ टी एन एस .-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक बामकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रारा

मद्राम, दिमाक 22 गार्च 1984

निदेश मं० 103/तिलम्बर/83:---यतः मुझे, आर० पी० पिल्लं,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं ० नयी सं ० 423, हैं, जो टी ० एच० रोड, मद्रास-21 में स्थित है (और इस ने उराबस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकित अधिकारी के प्रायित्य, रायपुरम दस्तावेज सं ० 1594/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अतिरती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) वंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधितियम के अधीन कार दाने के अंतरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/मा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था फिपाने में स्विधा के लिए;

भतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के जन्भरणं तो, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भ की उपधारा ()) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रो के० पो० दामोदर चेट्टी और अन्य।
 - (अन्तरक)
- (2) श्राएम० ए० स्वामी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हु।

अक्त सपत्ति के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्यी

भृमि और निर्माण सं० 423, टी० एव० रोड़, **मंद्रा**स-21, (दस्यावेज सं० 1594/**8**3)।

> आर० पो० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्रर आयुक्त, (निर्रक्षण) अर्जन रेज-, मद्राग ।

तरी**ख** : 22-3-1984

मोहर 🛭

प्रकृप भाइ.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अनन रज-1, मझारा

मद्रास, दिनांक 29 मार्च 1984

निदेश सं० 109/सितम्बर/83:---यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयक्रर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह चिरवास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

अौर जित्रको सं० 147/1, टी० एच० रोड़, तोन्डियाटपेट है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप संवणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजयपुरम दस्तावेज सं० 1822/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, तारोख सितम्बर, 1983 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर्व प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरक के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री वी० मुख्यानस्दन ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० कुलन्दैस्वामी।

(अन्त/रतो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकाँगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त भव्यों और पदों का, भो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमिऔरनिर्माण मं० 147/1,टी०एच० रोड़, तोन्डैयाटपेट, भद्राम (दम्नावेज मं० 1822/83)।

> गारवणोव निरुत्ती, सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त; (निरोक्षण); अर्गगरेजला, मझास ।

तारीख: 29-3-1984

मोहर 🛭

प्रकथ बाई .टी. एव. एक. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल (1) के अभीन स्वना

DING THE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

मब्रास, दिनांक 29 मार्च 1984

निदेण सं० 114/मितम्बर/83.—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचाद 'उक्त विधिनियम' कहा नवा ही, की बारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित्र बाजॉर पूर्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 70, तान्डवराय ग्रामणी स्ट्रीट, तोन्डियाटपेट है, जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, रायपुरम, दस्तावेज सं० 1560/83 में भारतीय रिजर्ट्र वरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पृथांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिश्वत उद्वश्य से उक्त बन्तरण निश्वत में बास्त्विक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई कियी जाय की वाबत, उक्त अभिनियस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; ओर/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में मुनिधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भार 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिसिन व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री जीव जगहोसन।

(अस्तर 🗉)

(3) श्री जां० बास ग्रहणन ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबय्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रमृक्त शब्दों और ५थों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित -हैं, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में विद्या ग्याहै।

अमृस्ची

भूमि सं ० 70, तान्डवराय ग्रामणी स्ट्रीट, तोन्डैयाटपेट, मद्रास ~ 81, (दस्तावेज सं ० 1560/83)।

> आर० पो० पिल्ली; सक्षम प्राक्षिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त, निरोक्षण), अर्जन रेंज-ा, मद्रास ।

तारीख: 29-3-1984।

मोहर ह

प्रकप नाई. दी. एन. एस.----

आंयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के प्रधीन मूचर

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-Il, मद्रास

मद्राम, दिनांक 29 मार्च 1984

निदेश सं० 115/सितम्बर/83:--प्रतः, मुझे, आर० पी० पिस्लै,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह जिल्लाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नयी सं० 6 कम्मालम्मन कोइल स्ट्रीट है, जो मद्रास-81 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुरम दस्तावेज तं० 1560/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिरियम 1908 (1908 ला 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोवत संपित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक एप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आधि की बायत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के फिस्ए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित अधितयों, अर्थात् :--

(1) श्री जी० बाल मध्णन।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० जगदीरान ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के समध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हों, के भीतर पृथेंक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण नयो मं० 6, कम्मालम्मन कोइल स्ट्रीट, मद्रास-81, (दगावेज सं० 1560/83)।

> अ।र० पी० पिल्लै, मक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारोख 29-3-1984. मोह्रस प्ररूप बाद ही, एव. एम.-----

आयकर रूपिशीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय. महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

ध्रजन रेंज-], मद्रास

मद्राम, दिनांक 29 मार्च, 1984

निवेश सं 0 117/सितम्बर/83:—यतः मधे, श्रार०पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संवत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 174, टी० एव० रोड, है, तथाजो तोन्छैयारपेट मद्रास-81 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीवर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, रायपुरम दस्ता-वेज स० 1580 श्रीर 1583/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उब्देष्य से उक्त अन्तरण निम्नित में गम्नियक रूप से किशन नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-बहर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिथा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :---27—76 GI/84 (।) गैनर्स किंग इस्तरहीस निमित्रेष ।

(ग्रन्तरक)

(2) र्श्वा मूलचन्द महेश्वरी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सृजना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतंर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील सै 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, जो उथर जिस्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमृत्यी

भूमि सं० 174, टी० एउ० रोड, तोरुडैयारपेट मब्रास-81, (दस्तावेज सं० 1580ग्रीर 1583/83)।

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), शर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख: 29-3-1984

साहर 🛭

प्रध्य आहें. टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 मार्च 1984

निवेश सं० 129/सितम्बर/83:--यतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै.

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्तः अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु.. से **अधिक ह**ै

श्रौर जिसकी सं० 458, टीं० एच० रोड़ है, जो मद्रास-21में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, रायपुरम दस्तावेज मं ० 1658/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16), के ध्रधीन, तारीख सितम्बर, 1983

का पूर्वों क्त सम्पत्ति को उचित बाजार भूल्य से कम को सम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार गुल्य, जसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्फ (अन्तरका) बार अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एैसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोदयसे उक्त अन्तरण लिखित कें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से इंडिं किसी आयं की धावत उक्त अधिनियम को अभीन कर दोने को अन्तरक को दामित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और√या
- (च) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्ही भारतीय अाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था छिपाने में सर्विधा के सिए;

अस अव. उत्त आधिनियम की धारा 26.9-ग के अनुसरण , में , उत्तत अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

(1) श्रो बी० कन्नियप्पन ग्रौर ग्रन्य ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० सुन्दरवेल ।

(धन्सरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचनाको राजपकृ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत **व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाय**;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा, को उस अल्थाय में विया गया है।

मन्तुषी

भूमि ग्रौर निर्माण सं० 458, टी० एच० रोड्, मद्रास-21. (दस्तावेज सं० 1658/83)।

> ग्रारू पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), सर्जन रेंज-[]], मद्रास ।

तारीख: 29-3-1984

मोहर:

त्रसम्प आर्ड. टी. एन. एसं.----

आयकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुम्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 ग्रप्रैल, 1984

निवंश सं० 134/सितम्बर/83—यतः मक्षे, स्रार० पी० पिल्लै,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 1631/1 श्रौर 1626/4 है, जो पान्तियन रोड़ एहमोट, मद्रास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ स्रनूसूर्च। में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास—। दस्तावेज सं० 3108/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के िष्ण अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफान सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक €प से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत अक्त श्रीधिनियम के अधीन कट दोनें के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (व) ऐसी किसी अध्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्ता अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :--- (1) श्री बी० पट्टराज भीर भ्रन्यों।

(प्रन्तरक)

(2) श्री एस० जी० ग्रगरवाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हों।

जवत सम्पत्ति को कर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षंप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों •पर स्वना की वामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवांक्त व्यक्ति में किनी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबबृध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वही पथ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया मया है।

वनुस्ची

भूमि ग्रीर निर्माण ग्रार० एस० सं० 1631/1,1626/4, पान्तियन रोड़, एहमोट, मद्रास (दस्तावेज सं 3108/83)।

> भार० पी० पिल्ली, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), भर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 3-4-1984.

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनाक 22 मार्च, 1984

निर्वेण सं० 148/सिनम्बर/83—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीत सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/- रहे, सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 288, कीलपाक गार्डन रोड़ है, जो मद्रास-10 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूकी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पेरियमेट दस्तावेज सं० 1007/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रधीन तारीख मितम्बर, 1983

को प्रतिष्म संपत्नि के उण्णित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्मल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्मल से, एसे दृश्यमान प्रतिष्मल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पामा गया प्रतिष्मल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की नाबस, उच्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या

ज्ञ अत्र, अत्रत अधिनियम की भारा 269-ग कें, अनुसरण मों, मौं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधान (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् रू— (1) श्रीमती वीना जिम्बाल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी०सी० सेतु।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध औं कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसम्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगी।

स्पाक्तीकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

मन्स्ची

भूमि सं० 288, कॉलपाक गार्डन रोड़, यद्रास-10, (दस्सावेज स० 1007/83) ।

> श्रार० पी० पिल्लै, मक्षम् प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज, मद्रास

नारीख : 22-3-1984 मोहार . प्रकल आर्च. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-घ (1) के अधीन सम्बता

भारत सरकार

भनवां लग, महायक आयकार आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, मद्रास

मद्राम, दिनाक 29 मार्च, 1984

निदेण म० 149/सितम्बर/83 — यत मुझे, स्रार० पी० पल्लै.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 1, 17 वा एवेन्यू हारिन्गटन रोड है जो मद्रास— 31 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पेरियमेंट दस्ता-वेज सं 1008/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख सितम्बर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के तीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुवा किसी आय की वाबत, सक्त अधिनयम के अधीन कर वाने के बन्तरक के दायिश्य में कमी करने या उसमें अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रसट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग क अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन, निम्नितिषित व्यक्तियाः अर्थात् (1) श्रीटी०ए० राजाराम।

(ग्रन्तरक)

(2) श्राजार्जग्र≇गम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिनू की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

भूमि श्रार निर्माण स० 1, 17वा एवेन्यू, हारिन्गटन रोड़, महास-31 (वस्तावेज सं० 1008/83)

> श्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायूक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 29-3-1984 मोहर प्ररूप बाइ .टी.एन.एस . ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के निधीन समना

मार्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 मार्च, 1984

निदेश सं० 150/सितम्बर/83—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० 52, पे च्वयप्यास कालेज हास्टल रोड, है जो चेटपट, मद्रास—31 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेंट दस्तावेज स० 1012/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरिती की गईं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण सित्ति में बास्तिक इस से किया गईं किया गवा है हुन्य

- (क्ष) जन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में मृतिभा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भागतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपने में सविधा के लिए;

कतः जब, उक्त मिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की भारा 269-क की उपधारा (1) के जभीन, निम्मतिशिक्त क्रिक्तियों अर्थातः :--- (1) श्री एम० वेंकट गोपाल।

(श्रन्तरक)

(2) श्री श्रार० कुमार ग्रौर श्रार० वास्करन । (श्रन्तरिर्ता)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपन म प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास निस्ति में किए जा सकारों।

स्पव्हीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, को उन अध्याय में दिया गया है।

अन्मूमी

भूमि श्रौर निर्माण सं० 52, पञ्चयप्पास कालेज हास्टल रोड़, चेटपट, मद्रास-31 (दस्तावेज सं• 1012/83)।

> ग्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 22~3-1984

मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

प्रापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 मार्च 1984

निदेण सं० 155/9/83—यतः, मुझे, स्रार० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिस की सं० 5, हारिन्गटन रोड, XIII एवेन्यू है, जो चेटपट, मब्राम में स्थित हैं (ग्रौर इसमे उपाबड ग्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पेरियमेट दस्तावेज सं० 1041/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रिधीन सितम्बर 1983

को पृत्नोंक्त सम्पत्ति के रचित बाजार मृल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ह है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- कल निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निम्निलिखत में बाग्त-

- (क) अंतरण संहर्ष किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के क्षियत्व में कभी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए: गौर/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं यिया गया था विका जाना साहिए गा, स्थितिरों से मुविधा के लिए;

#त अब. उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम ती भुग १००-ए ती उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तिसमें। अर्थात् :----

- (1) मेमर्ग ईस्ट कोस्ट कन्स्ट्रकशन्म एण्ड इन्ट्स्ट्रीज (श्रन्तरक)
- (2) श्री एस० ग्रन्वरुख्नाह्

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स 'सम्प्रतिस को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की ज्वधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दा आर पद। का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण मं० 5, हारित्मटन रोड, XIII त्वेन्यू, चेटपट, मन्नास (वस्तावेज मं० 1041/83)

> ग्रार० पी० पिक्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्शन जेंश-1, महास

दिनांक : 22 मार्च 1984

साहेर :

प्ररूप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

श्चर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 भार्च 1981

निदेश मं० 156/सितम्बर/83---यत , मुझे, श्रार० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हसमें इसके परुषात 'जनत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. संगिधिक हैं घौर जिसकी सं० 5, कामा मेजर रोड, सेकन्ड लेन है, जो एघमोर, मद्राम-600008 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रन्मुची) मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट दस्तावेज स० 1043/83 मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मितम्बर 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मूल्य, उसके धरममान प्रतिफल से, एसे धरममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल मिम्नलिखित उद्योघ्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्त-विक रूप से किशत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और 'सा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिए। में सिविधा के लिए;

जत जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्षे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात '—— (1) भीगति गनमा विभीन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० अमीरन्निया धेगम

(अर्न्तारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपय सम्परित को गर्जन को सम्बन्ध में कोइ भी बाक्षेप ू---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति इवारा;
- (श) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हिल-मद्ध जिली अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्राक्षरों के पास निचित में किए जा नकांगे।

स्वयद्धीकरण:----प्रसमें प्रयूक्त शक्यों और पशंका, जो उनत अविनयम के अध्याय 20-क में परिकाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गमा है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण मं० 5, कामा मेजर रोड, सेकन्ड लेन, एध्मोर, मद्रास-600008। (दस्तावेज सं० 1043/83)

> श्रार० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी सप्तायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज, । महास

दिनांकः 22 मार्च 1984

मोहर :

प्ररूप काइं.टी.एन.एस ---------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय , महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, महाम

मद्राम, दिनांक 3 श्रप्रैल 1984

निदेश सं० 172/9/83—यत., मुझे, श्रार० पी० पिरुलै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिस की सं० टी० एस० सं० 28, ब्लाक सं० 15, हैं. जो पेरवल्लूर गांध में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सेम्बियम दस्तादेज सं० 4249/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह जिश्यस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पास गया प्रतिफल, निम्तिलिल उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण में हुर्च किसी आय की वाबत, सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में म्विधा के लिए।

अत अध, उत्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के यधीन, निम्निस्ति व्यक्तियों, अथीत् :---28--76GI/84 (1) भी पीत रंगवामन

(घन्सम्पः)

(2) श्री जी० नागबूशनम

(सन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उग मध्याय में दिया गया है।

नग्त्वी

भूमि टी० एस० सं० 28. ब्लाक सं० 15. पेरवल्ल्र गांव (दस्तायेज सं० 4249/83)

श्रार० पी० पिल्लैं सञ्जम प्राधिकारी भहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्राजैन रेंज-1, भद्रास

दिनांक : 3 अप्रैल 1984

मोहर :

धक्य बाइ टी. एन. एस. - - -

कायकार मीभिनियम, 1961 (1961 कर 43) की भारा 269-४ (1) में अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. मदास

मद्रास, दिनांक 22 मार्च 1984

निदेश सं० 187/सिनम्बर/83—यतः, मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर समातिन, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिस की सं० 4, स्ट्रिन्जर स्ट्रीट, है जो मद्राम-1 स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय. सौकारपेट दस्तावेज सं० 502, 503/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों क्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के धायित्व में कमी करने या अगरों बचने में सुविधा के लिए; बार/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1972 ने प्रा. १) या उपल अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों अर्थीत् :---

- (1) भेसर्स वी० पेष्यभाल चेट्टी एन्ड सन्स स्रोर झन्य (स्रन्तरक)
- (2) श्रीमती स्तेहलता श्रग्नवाल ग्रौर श्री भीरेन्द्र कुमार श्रग्नवाल

(अस्तरिती)

क्षों यह सुचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

बक्त सम्पत्ति से वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी स्यक्तिमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति बुधाराः
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा सभोहस्ताक्षरी के शत लिखित में किए जा सकींगे।

स्पटीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ, होगा जो उस अध्याय में विया चना हैं.॥

वनसर्ची

भूमि भीर निर्माण सं० 4, स्ट्रिन्जर स्ट्रीट, मद्रास-1 (वस्तावेज सं० 502, 503/83)

> ग्रार० गी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, 1- मद्रास

विनोक: 22 मार्च 1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस., - - -

नामकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 स्रप्रैल 1984

निदेश मं० 155/प्रक्तू बर/83—यतः, मुझे, ग्रारं० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं। के स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० प्लाट सं० 2580, है, जो नडुवाक्कटै गांव में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल दस्तावेज सं० में 251/83 रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन प्रक्तूबरं 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास काने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिगाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविस्ति उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त, बिधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ग) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निम्नसिजित व्यक्तियों, मर्थात् :--- (1) श्री के० कृष्णमृति

(ग्रन्सरक)

(2) श्री कैंप्टन बी० एन० राव ग्रौर डाक्टर सुलोचना राव

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

भूमि भौर निर्माण प्लाट सं० 2580, नहुवाक्कटे गांव, (बस्तावेज सं० 251/83)।

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुनेत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, मद्रास

दिनांक : 3 श्रप्रैल 1984

मोहर 🖫

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. - -

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां स्य, सहायक आयकर नामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 5 श्रप्रैल 1984

निदेश सं० 35/श्रगस्त/83.—यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रोर जिसकी स० टी० एस० सं० 4/2 भी, श्रीर 4/1 सी है, जो रेलवे फीटर रोड पलनी में स्थित हैं(श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मदुरै-11 दस्तावेज स० 1200/83 में रिजस्ट्रीकरण श्रीविनयम, 1908 (1908 का 16) के संघीन अगस्त 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृष्ट्रों यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) ज़न्तरण से हुई किसी जाय की बाबल, उक्त जिस्तियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (ख) एसी किसी आयु या किसी भून वा अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम ना अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुक्रुण मं, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्त्रनिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् रू— (1) श्रीमती एस० करुप्पम्माल ग्रीर अन्यों

(ग्रन्तरक)

(2) श्री डाक्टर पी रमनायगम ग्रीर ग्रन्थीं

(अन्तरित्।)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिनं की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास , लिखित में किए जा सकारी।

स्पर्व्यक्तरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्वा है।

मन्त्री

भूमि ग्रौर निर्माण टी० एस० सं० 4/2 भी, ग्रांर 4/1 सी, रेलवे भीटर रोड, पलनी (दस्तावेज सं० 1200/83)।

श्चार० पी० पिरुलैं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∎1, मद्रास

ं दिनांक : 5 श्रप्रैल 1984 मोहर :: प्ररूप आहें. टी. प्न. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक कायकर जायक (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मदास

मद्रास, दिनाक 5 भ्रप्रैल 1981

निदेण स० 119/प्रगस्त/83—यतः मुझे, धार० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रु. में अधिक हैं

श्रीर जिस की स० एस० सं० 258 है, जो कोडेक्कपल म स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यात्रय, मद्रास मेन्ट्रल दस्तावेज सं० 53 से 55/83 तक रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रगस्त 1983

कां प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गईं है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त सम्पाल का उचित्र बाजार मन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अतिरती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —-

- (क) अन्तरण म हुई फिसी श्रीय की बायत, उन्नत अधिनियम की अधीन कर दाने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) एंगी किसी साय मा किसी धन या अन्य आस्तियां का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम का धार 250-ग क अनसरण में में, एक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निग्नािसित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्रीमती मारियम्माल

(धन्तरक)

(2) श्री मास्टर मायन कुमार और अन्यो

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 😁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्यष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित है, वहीं जर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्जूची

व्यावसायिक भूमि एस० स० 258, कोडेक्कानल (दस्ताबेज म० 53 में 55/83 तक)।

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, मद्रास

ंदिनाक 5 श्रप्रैल 1984 मोहर त्ररूप बाइ । टी., एन . एस . -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, I, मद्रास मद्रास, दिनांक 5 श्रप्रैल 1984

निदेण सं० 2/सितम्बर/83—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्ले भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का व्यारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. में क्षित्र हैं

भौर जिस की सं०—है, जो विरुपाक्षीपुरम मे स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची ध्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेलूर-I दस्तावेज सं० 3325/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है जीर मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्दित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिष्ठत से विधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नृसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिवित में बास्य-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरण ते हुई किसी नाम की नामत तक नाध-निवृद्ध के ब्योन कर वाने के बन्दरक के नामित्व वो कभी करवे ना बन्दी वचने तो वृत्रिया के निवे; और या/
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य बास्तिया को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रोक्लार्थ अन्तरिती इनारा प्रकट नशीं किया गया था वा किसा जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-धं की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिलिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री डाक्टर पी० कोशी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० बंबर लाल श्रीर श्रन्यो

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सपरित के वर्जन के जिए एतद द्वारा कार्यवाही।य वरता हुं।

उचत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त एव्टॉ और पदौं का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया स्वाहित

वनस्थी

भूमि और निर्माण विश्वाक्षीपुरम (बस्तावेज स॰ 3325/83)।

ग्रार० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन-रेंज, 1, मद्रास

दिनाक 5 भ्रापैल 1984 मोहर 🛭 प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी० आर० कल०-सी० ए० 52/83 8 /एस० एल 866---यतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 61 बी है तथा जो पार्क स्ट्रीट में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सी० ए० रेंज I कल० में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-8-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिन हुए से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित में कभी करने या उससे जाने में सिविधा के लिए, और/धा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों का किसा का का का किसा का का किसा धन अन्य आस्तियों का किसा का का किसा का का किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाह्य .--

(1) रिलायेबल, कन्स्ट्रकशन को० लि०

(अन्तरक)

(2) मुपरलाइट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां ए करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

61 बी पार्क स्ट्रीट, कल० में अबस्थित मकान, जिसका नाम "नीलम" है। इसी मकान का ग्राउण्ड फ्नोर में स्पेस नं० "सी" जो 27-8-83 तारीख में क० सं० 52 के अनुसार सि० ए० रेंज दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौधुरी सजम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-। 54, रफीअहमद फिदवई रोड, कलकत्ता--16

दिनांक : 11-4-1984

मोहर :

प्ररूप थाइ. टी. एन. एस.----

(1) श्रीमनी अगराय देवी तुलयाग

(अन्तरक)

(2) श्री दयानन्द मोनी

(अन्यरिसी)

आधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाय 269-थं (1) की अधीन सुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्वी०—आर० -1/कल०— टी०आर०—237/83—84/एस० एल० 859——यतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 4 है तथा जो सुखलाल जहूरी लेन, में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कल० में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-8-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण जिल्लिन में बास्तिकक अप से अधित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण में धुर्द फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/मा
- (श) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आरिनयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए:

अतः म्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कृरू कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविध या तत्से बंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभापत होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताभारी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इतमें प्रमुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्त्रची

4 सुखलाल जहरी लेन में अवस्थित अविभक्त सम्पत्ति का 1/6 हिस्सा जो 5-8-83 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एप्युरेंस का दफ्तर में डीड नं० आई-7892 के अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-। 54, रफीअहमद किदवशई रोट, कलकता--16

दिनांक: 10-4-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नामकार मिथीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अधीन स्चना

भारत बरकार

कार्याजय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1984

निवेश सं० आई० ए० सी० ए०सी० क्यू० आर०-।/कल०/ टी० आर-259/83-8/-एस० एल-860--यतः मुझे, एस० के० जौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ष्पीर जिसकी सं० 5 है तथा जो प्रितिरिया स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबढ अनुसूची में श्रीर पूर्णक्य से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कल० में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 10-8-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृत्रे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वा से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कुद दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः अस, उक्त मधिनियम, की भारा 269-ग के मनुसरण मों, मों, उक्त मधिनियम की भारा 269-मा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मधीत् :—— 29—76GI/84 (1) श्री एस० सी० एस०

(अस्तरक)

(2) मंससं हुगराजुली (आसाम) टि० को० लि० (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोक्त राम्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जकत सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, यो उक्त अधिनियम्, के अध्याय् 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुसूची

5 नं प्रतिरिया स्ट्रीट, कल० में अवस्थित, सम्पत्ति जो 10-8-83 तारीख में डीड नं आई-8130 के अनुसार सब-रजिस्ट्रार आफ एथ्युरेंस का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--। 54, रफीअँहमद किदवई रोड, कलकता-16

विनांक: 10-4-1984

मोहर 🖺

प्रकप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सचना (1) श्री आत्मा रान, कानोरिया

(अन्तरक)

(2) फिफ्मन, एण्ड को० लि०

(अन्तरिती)

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।, फलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1984 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०-आर० आई/कल०-टी० आर०-261/83-84/एस० एल/861---यनः मुझे, एस० के० चौद्युरी,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 627 है तथा जो श्रीलंड कोर्टेन्ड्रांड 4 स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० इत्ल० में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-8-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) एगी जिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनन अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दशारा गैन्य हो जिया गरा था या किया जाना चारिए था, लियाने में सविधा के रिएए।

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269-ग हे उत्पन्नरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह स्वना जारी क्रुरके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :-~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6 गृण्ड 7 ओल्ड कोर्ट हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित सम्पत्ति जो 5-8-1983 तारीख में डीड नं आई-7932 के अनुसार एस० आर० ए० दफ्तर में रिजस्टी हुआ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊸।, 54, रफीअहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 10-4-1984

माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 11 ग्रप्रैल 1984

निदेश स० भाई० ए० सी० एक्वी०-भार०-माई/करा०/ सी० ए०-41/83-84/एस एल०-862--यत. मझे, एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रापये से अधिक है

श्रीर जिसकी म० 7/1ए है तथा जो ई एन, ब्रह्मचारी स्ट्रीट कल० में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारा के कार्यालय सी० ए० कल० में, रिजस्ट्रीकरण श्रिशित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनाक 12-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गरा। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हुए में कथित नहीं किया गया है '——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसस बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पान-का नेपिन्मक, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंत अब, उक्त मिश्तियम की धारा 269 ग के, अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स परी एण्टरप्राइजेस

(भ्रन्तरक)

(2) गोल्डेन प्रापरटीज एण्ड ट्रेडर्स लि०

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकारणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

7/1ए, ई3० एन० आह्यचारी स्ट्रीट कल० मे अवस्थित 4डी फ्लैट न (415 फ्लोर) जो मी० एन० 41 प्रनुसार सि० ए,० दफ्तर कल० मे 12-8-83 तारीख मे रिजस्ट्री हुआ।

एस० के० चीधुरी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजीन रेंज-1, 54, रफीग्रहमद किववई रोड, कलकत्ता-16

विगकि 11-4-1984

माहर .

प्रकल नाइ. दी. एन, एस्.-----

(1) परीः एण्टरप्राइजेज

(भ्रन्तरक)

मायकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मुभीन सूचना

(2) हिमांसु कुमारसेट

(ब्रन्तरिती)

मारतं सरकार

क्रायांलय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)
श्रर्जन रेज-I, कलकसा
कलकसा, विनांक 11 सप्रैस 1984

निर्देश स० म्राई० ए० सी० एक्वी० म्रार०-1/कल०-सी०ए० 42/83-84/एस० एल-863--यतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० 7/1ए, है तथा जो ई3 एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकता में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सी० ए० श्रार०-1 कलकता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 12-8-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित नाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमीन प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निम्मसिखित उद्योद से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक कृप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्यूं अध्ययन ते हुए किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय भा किसी भन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती वृतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविभा के लिए;

कतः अब . उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— को यह सूचना जारी कारके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु"।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध मां कोई भी माक्षेप:----

- (क) इसः सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वाना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिस- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी को पास लिकित मों किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५वों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

मन्सूची

7/1ए, ई3 एन.० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कल० में ग्रवस्थित प्रसैट न.० 3ए (तीसरा प्लीर) जो सी० एन० 42 श्रनुसार सि० ए० कल० दप्तर में 12-8-83 तारीख में रजिस्ट्री हुम्रा है।

> एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोधण) ग्रजंनरंज-1 54, रफीधहमद किदबई रोड, कसकत्ता-16

विनांक : 11-4-1984

महिर:

प्रकृप काइ". टर्र. एन. एस. ------

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सचना

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मतिलाल केजियाल

(1) काली दुर्गी एस्टैट एण्ड अदर्स

(भ्रन्तरिती)

भारत सहकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुन्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज-1, कलकत्ता

कलक्षा, विनाम 10 अप्रैल 1984

निवेश सं अवर्ष ए० सीट एक्यो असरा-1/कला-टी॰ ब्रार-228/83-84/एस॰ एल 852--यतः मुझे, एस० के० चौधरी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमे इसकी परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से **मधिक ह**ै

भ्रीर जिसको सं० 158 है तथा जो लेनिन, सरणी कल० स्थित है (फ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रार०ए० कल०में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनाक 12-8-83

का पुर्वाक्य संपरित के उचित बाजार मृत्य संकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपयमान प्रतिफल से, एसे रूपयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण संहर्षकिसी साय की यावश, अवस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के जिए: वॉर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11)या उक्त अधिनियम, सा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया रण का का किया नाना ने जिला था, रेख्यान भा स्विधाने मिष्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण मे, मे, उक्त अधिन्यम की धारा 269-च की उपधार्ग (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तिया अर्थात् :---

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के जर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 कि की अविधिया तत्सम्बन्धी स्थितमा पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स्र) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्शित में हितबद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

158 लेनित सरणो में भ्रवस्थित भ्राफिस रूम नं० (प्रथम तल) का 1/2 हिस्सा जो डीड न० [-820] ग्रनसार 12-8-83 तारीख मे रजिस्ट्रार श्राफ एभ्युरेंस का दफ्तर में रजिस्द्री हुन्ना ।

> एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सह।यक श्रायकर मायुक्त निरीक्षण), श्चर्जन रेज−1 54, रफीमहमद किवबई रोड कलकता-16

दिनांक : 10-4-1984

गोहर :

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ----

बाय्कर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रज्न रेंज-1, कलकता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 10 श्रप्रैल 1984

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्बी० ग्रार० ग्राई/कल०--टी० ग्रार-229/83-84/एस० एल-853--यतः, मुझे, एस० के० चोधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकतः अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुट से अधिक है

भौर जिसको सं 0 158 है तथा जो लेनिन सरणी, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भार 0 ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 12-8-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कंमी करने या उससे क्चने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी अन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनियम, 1922 (1922- का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

क्षतः अत्र , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) काली दुर्गा एस्टेंट एण्ड प्रदर्स

(भ्रन्तरभः)

(2) श्री सन्तोष कुमार केफियाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पृवेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय '20-क में परिभाषित ही वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्पी

158 लेनिन सरणी, कल० में श्रवस्थित श्राफिस रूम नं० 1.4 (प्रथम तल) का 1/2 हिस्सा जो डोड नं० I-8202 श्रनुसार 12-8-83 तारीख में रजिस्ट्री हुग्रा ।

एस० के० चौधुरी यक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 54, रफीमहमव किववई रोड कलकसा-16

विनांक : 10--4--1984

मोहर:

प्रारूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1901 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 11 प्रप्रैल 1984

निर्देश सं० ग्राईएसी०एक्यू/ग्रार-1/कल०/टीग्नार-232/ 83-84/एसएल/854--ग्रनः मुझे, एस० के० **गीधरी**,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 4 है, तथा जो सुखलाल अहुरी लेन, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपापद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय श्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5 श्रगस्त 1983 को

पृशेक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मृत्य, उपके दृश्यमान प्रतिकाल में, एप दृश्यमान प्रतिकाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिशत उद्वेषय से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ६—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/था
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिष्ण व्यक्तियों अधीर :--- 1. श्रीमती समराव देवी तुलसान।

(भन्तरक)

श्रीमती जी० डी० सोनी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

मनस्ची

4 नं मुखलाल जहुंरी लेन, कलकत्ता में श्रवस्थित श्रिषंभक्त सम्पत्ति का 1/6 हिस्सा जो छीड नं 1/6 हिस्सा ।

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) स्रर्जन रेंज्र I,

कलकत्ता-16

तारीख: 11-4,198**4**

मोहर:

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-J, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनाँक 11 अप्रैल 1984

निर्देश मं० प्रार्ड० ए० सं० एक्यू/आर०-1/कल/टीआर-233/83-84/एसएल/855—यत, मुझे, ए.प० के० चीधुरी अध्यक्तर अधिनयम, 1961-(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-वा को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 4 है, तथा जो सुखलाल जहुरी लेन, कलकला में स्थित है (धौर इससे उपाबड भ्रानुसूची में भौर पूर्ण क्य से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भ्रार० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5 श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से कथिल नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; बार/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

जत:, अब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण भी, भी, उक्त जिथिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिशित व्यक्तियों ₱ अभीत ं.—— ा श्रीमती अमराव देवी तुलसात।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमतो सुसीना देवी सोनी।

(श्रमारिती)

को यह मुखना जारी कारके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के तिथ् कार्यवर्गिहया अपना हो।

उस्त मम्परित को अर्जन के सम्भन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थानतयों में से किसी व्यक्ति स्वारा:
- (क) इस सूचना के राज्णपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हित बक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण: --इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्ची

4 सुखलाल जहुरी लेन कलकत्ता में **धवस्थित भ्रविभक्त** सम्पत्ति का 1/6 हिस्सा जो 5-8-83 तारीख मे डीड नं० I-7888 श्रनुसार भ्रार० ए०, कलकत्ता दक्तर में रजिस्ट्री हुम्रा।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज•1, कलकत्ता~16

तारीख: 11-4-1984

मोह्यु 🖫

प्ररूप बाह्र . दी , एन , एस .-----

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनाक 11 अप्रैल 1984

निर्देश स० ग्राई० ए० सी० एक्यू ग्रार०-ग्राई/कल/टीग्रार-234/83-84/एसएल-856-यन मजे, एस० के० चौध्री,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4 है तथा जो मुखलाल जहुरी लेन; कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5 श्रगस्त 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वेक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मा वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:--

- (क) क्रशायण में हुन्द किसी आप की बावेत उक्त विचिन्न नियम को अधीन यार तीने के अन्तरक से दायित्व में कामी कारने या उससे बचने में सविधा के लिये; बीर/वा
- (स) ऐसी किसी आग या किसी धन अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिया गया जा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के सिए;

1. श्रीमती ग्रमराव देवो तुलसान।

(अन्तरक)

2 श्रीमती बिमला देवी सोनी।

(ग्रन्तरिती)

को मह सुचना जारो करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

4 नं सुखलाल जहुरी लेन; कलकत्ता में ग्रवस्थित ग्रविभक्त सम्पत्ति का 1/6 हिस्सा, जो डीड नं 1-7889 ग्रनुसार 5-8-83 तारीख में रजिस्ट्री हुग्रा।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-[, कलकत्ता-16

अत अब, उवत अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 30-76GI/84

तारीख 11-4-1984 मोहर: प्ररूप बाहु . दी. एन . एव . -----

भावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थाना

भारत बहुकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेन रेंज 1 कलकत्ता-19 कलकत्ता, दिनांक 11 श्रप्रैल 1984 निर्देश मं० श्रार्ड०ए०मी० एक्यू० श्रार०-1 कल०/टीभ्रार-235/83-84/एस्श्रार्ड-857—श्रतः मुझे एस० के० चौधरी

क्षायकर अधिनियर्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से बिधक है

ग्रौर जिसकी सं० 4 है तथा जो सुखलाल जहुरी लेन कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रार० ए० कलकत्ता मे रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख 5 ग्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्मलिखित उद्देष्य से उच्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक स्प में किश्वत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण में हुइ कि शी टाय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अभीन कार वीने के अन्तरक के अधिक्य में कभी करने या नकसे वृषने में बृष्टिशः के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) की अन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, किया में स्थिभ के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण थें., मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधास (1) ही अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः :—

1. श्रीमती श्रमराव देवी तुलसान्।

('श्रन्तरक)

2. श्रीमती शंकर देवी सोनी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचन। जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पेत्स में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसुची

4 सुखलाल जहुरी लेन कलकता में प्रवस्थित प्रविभक्त सम्पत्ति का 1/6 हिस्सा जो 5-8-83 तारीख में डीड नं० 1-7890 धनुसार श्रार० ए० कलकता दफ्तर मे रजिस्ट्री हुग्रा।

> एस० कें० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, कलकत्ता

तारीख: 11-4-1984

मोहर :

प्रकप आहु . टी . एन . एस . ------

मायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-थ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह्मम्क आएकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 1,

कलकत्ता, दिनाँक 4 अप्रैल 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० एस० एक्यू० श्रार०-1/कल०/टीश्रार-236/83-84/एसएस-858—श्रतः मुझे, एस० के० जीधरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थान्तर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 4 है तथा जो सुखलाल जहुरी लेन में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भ्रार० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, सारीख 5 भ्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का शब्द प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त क्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के सिए; औड/या
- (वा) ध्रेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्त्रयां को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा मुकट नहीं किया नया था वा किया जाना थाहिए था, कियाने में संविधा के जिए:

क्रतः, क्रकः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नितिकत व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्रीमती श्रमराव देवी तुलसान।

(ग्रन्तरक)

2. श्री उषा देबी सोनी।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब इं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हिलबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहरताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकींगा।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हुआेग, जो उस अध्याय में दिया क्वा हैं।

मग्त भी

4 सुखलाल जहुरी ॣॣॣॣॣिलेन, कलकत्ता में श्रवस्थित श्रविभक्त सम्पत्ति का 1/6 हिस्सा जो 58.83 तारीख में डीड नं० 1-7891 श्रनुसार, रिजस्ट्रार श्राफ एशुरेन्स रिजस्ट्रार का दक्तर में रिजस्टर हुआ।

> एस०के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज 1, कलकत्ता-16

तारीख: 10-4-1984

माहर 🖫

प्ररूप बाह्", टी. एच . एस . -----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सचना

भारत सुरकार

कार्यास्य, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज 1.

दिनांक 11 श्रप्रैल 1984

निर्देश स० धाई० ए० एस० एक्यू० भ्रार०-1/कल०/टीभार-249/83-84/एसएल-867—म्रत. मुझे, एस० के० चौधरी

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्पास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 8 सी हैं तथा जो विश्व नाथ मांतलाल लेंन, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वाणित है). राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय एस० श्रार० ए० कलकत्ता में, राजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीखं 12 श्रगस्त 1983

को प्राेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्त यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्तूह प्रतिश्वत से अधिक का भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बाच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) वितरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के कन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमस बचन मा सुविधा के किए; बार/या
- (क) एसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियां करें, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने मा स्विथा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नसिकित व्यक्तियों, अधीन :---

1. श्री द्पिकेस दास।

(भ्रन्तरक)

2 श्री लोपामुद्रा दे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :~

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की ताराख स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यश्, अश्रांहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकी।

स्पष्टोकरणः --- इसमा प्रमुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त किर्धान्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो एस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6सी०, विश्वनाथ मितलाल लेन, कलकत्ता-12 मे श्रवस्थित सम्पत्ति जो डोड न० 1-8190 श्रनुसार 12-8-83 नारोख मे एम० श्रार० ए० कलकत्ता दफ्तर में रजिस्टर हुंश्रा।

> एस० के०,चोधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज 1, कलकत्ता

तारीख 11-4-1984 भोहर: प्रक्य मार्च<u>्टी, एन, एस,-----</u>

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीत सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 श्रप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यू० आर०-1/कल/टीआर० 270/83-84/एसएल०-868---अतः मुझे, एस० के० चौधरो भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त को धीनयम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से ब्राधिक है

श्रीर जिसकी सं० 8ए है तथा जो धोरेन धर सरपरी कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुमूचा में श्रीर पूर्ण एप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16 श्रगस्त 1983

को पूर्वोकत सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विष्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिभों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक क्ष्म सं क्षिण नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कभी करने या उससे यजने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी वन या कन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त निधिनियम, या धन-कार निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं जिया गरा भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अधील :—— 1. श्री सुधीर कुमार सील।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मिठाई लाल साउ और मीणा देवी साउ। (अन्तरिती)

का यह सूचना आ<u>री करके पूर्वोक्त</u> सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी स्थिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्विध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त बन्दों और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

नन्स्झी

8 ए० धीरेनधर सरणी कलकत्ता में श्रवस्थित सम्पत्ति जो 16-8-83 तारीख में सब रजिस्ट्रार आयकर श्रायुक्त एसोरेन्स का दक्तर में डोड नं० 1-8313 अनुसार रजिस्टर हुआ।

> एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज 1, कलकत्ता-16

नारीख: 11-4-1984

मोहर 🛭

मुरूप् बार्ड. टी.. एन.. एस्..- - a asses

नायकड अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-चं (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, कलकत्ता

कलकत्ता-19, दिनाक 22 ग्रप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बितिफल, निम्न्लिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथिन नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबता, उक्त आधिनियम के अधीम कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के प्रिंग्र; बॉर/या
- ल) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 14) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण क, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीन,

मैसर्स सिफोन कोर्ट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स सुजन विनियोग लिमिटेड।

(मन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (इ) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन को तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रवृक्त कम्बों आरि पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

28 पार्क स्ट्रीट, कलकता-27 मे श्रिप्रवस्थित श्रिमकान श्रिका छन (roof) जो को सअम श्रिप्रधिकारी (सहायक श्राय-कर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेज 1 के दक्तर में सिरियल नं∘ 46 सारीख 22-8-84 के श्रनसार रिजस्टर हुआ।

> एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण मर्जन रेज 1, कलकत्ता

मारीख: 12-4-81 माहर: प्ररूप नाहाँ, टी., एम्., एस्.,------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ₹ 69-च (1) के मुधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 11 भ्रप्रैल 1984

निर्देश सं० माई० ए० सी० ए० सी०क्यू० मार-1/कल० सी० ए०-44/83-84/एस० एल० 865-यतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० 7/1ए, है तथा जो डी० श्रार० ई० 3 एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौरपूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय सी० ए० रैंज→1 कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 12 श्रगस्त 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल सा पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से मुविधा के निए;

जत: अब, उक्ते अधिनियम की धारा 269-ग के अजूशेरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों:—-- (1) परी इटरप्राइजेज

(भ्रन्तरक)

(2) बिमल सिं सेथिया

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यम्य में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किस वा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्त्रों आहि पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

जनसूची

7/1ए, ई० 3 एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट कलकत्ता में श्रवस्थित, मकान का पांचवा फ्लोर में फ्लैट न० 5डी जो 12-8-83 तारीख में एस० एल० नं० 44 श्रनुसार सी० ए० श्रर्जन रेंज-1 वफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौधुरी; सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 1, कलकत्ता

दिनांक: 11-4-1984

मोहर 🛭

प्रक्य बाई. टी. एन. एस्.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनाक 11 ग्रप्रेल 1 984

मिर्देश स० श्राई० ए० मी० ए० सी० ए० क्यू० श्रार-1/कल० सी० ए०-43/83-84/86↓—यत मुझे, एम को चौधुरी, शायकर अधिनिथम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनिथम' कहा गया है), के धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बागार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० 7/10, है तथा जो ई० उ एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के नार्यालय मी ए रेज-1 कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधान, दिनाक 12 ग्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय को बाबत उक्त मधिन नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व मा समी करने या प्रसरो बकते में सुविधा को दियो बरि/सा
- (श) एमी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों की, रिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विस्ता भाग की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिस व्यक्तियों अर्थात् :— (1) परी एटरपाइजेज

(भ्रन्तरक)

(2) बीणा देवी सेथिया

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुएं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओंच १---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख है 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि गढ़ में समाप्त हो है हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी प्रदित द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-न्द्ध किसी क्या ज्यक्ति द्वारा अभेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

म्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अमस्चि

7/1ए ड० ई० उएन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट कलकत्ता मे स्रब स्थिस मकान का पाचवा प्लोर मे फ्लैंट न० 5ई जो सी० नं० 43 श्रनुसार 12-8-83 तारीख में सी० ए०, श्रर्जन रेज-1 का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौधुरी, सक्षम प्राधिकारी.ृ सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेज I, कलकत्ता- 1 6

दिनातः 11-4-1981 मोहरः प्रकृ नार्वे . टो . एन : एस . -------

-अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सूचकाह

कार्याचय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 प्रप्रैल 1984

निर्देश सं० 1474/ए० सी०क्यू० म्रार-3/84-85---यतः मझे, एस० के० चौधुरी,

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं 8 है तथा जो हरलाल दास लेन, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूकी में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 9 श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान !तिफल के लिए अन्तिरित की गीई है और मुभ्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण वे हुइ किसी शाव की बाबत, उक्त बाधिनिवृत के शंधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में मूजिशा के सिए; बरि/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविधा के जिए;

वतः ववः, उक्त विभिनियमं की भारा 269-ग के जनुसरण हो, में उक्त विभिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) के वभीन . निम्मसिवित व्यक्तियों, वर्भात् :----31--76 GI/84 (1) अमरेन्द्र नाथ दे

(ग्रन्सरक)

(2) श्री देवी प्रसाद घोष

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्थव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा ग्वाहै।

अगुसुकी

8 नं० हरिदास लेस, कल० में श्रव स्थित, सम्पत्ति का 1/4 हिस्सा जो डीड नं० 1-8016 श्रनुसार एस० ग्रार० ए० कलकशा दफ्तर में 9-8-1983 तारीख में रिजस्ट्री हुश्रा।

एस० के० चौधुरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16

दिनांक: 12--4--1984

मोहर :

प्रकल नाहर ही. एन्. एवं.---

शायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत अनुवा

भारत परुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 11 घप्रैल, 1984

निर्देश सं० 1473/ए० सी० क्यू० भार-III/84-85---यंतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 67/43 है तथा जो ष्ट्रान्ड रोड़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के धिन, विनांक 2 धगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अचने से सर्विधा के सिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी नाथ वा किसी धन या अन्य आस्तिवों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना शाहिए था क्रियाने के स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमतीं रामपति देवी श्रीर श्रन्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमलता जुफा एवं घ्रन्य

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृत्रोंक्स संपृत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपरित के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप 🖫 ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वर्वाध या तत्सम्बन्धी स्पिचतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्वाध, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्पिचत्यों में से किसी स्पिचत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़- विविद्य में किए जा सकेंगे।

स्थाकीकरणः—इतमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित् द्रा. बृही कर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गर्यी

नगुसूची

67/43 ष्ट्रान्ड रोड़ पर जमीन 2-8-83 तारीख पर रजिस्ट्री हुमा।

> एस० के० चौधुरी, -संसम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रार्जन रेंज III, कलकत्ता-16

विनांक: 11-4-1984

मोहर:

प्रकल भारील टील एक्ट एक ,------

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भाग 269-म (1) के भृथीन सुम्रा

भारत चरुकारु

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 3, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 11 ग्रंग्रैल 1984

निर्देश सं० 1472/ए० सी० क्यू० म्रार-III/84-85-यतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

आयकर मृश्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाकार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 6, है तथा जो जुबली पार्क कलकत्ता में स्थित है (भौरे इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-करण भिषितियम, 1908 (1908 का 16) के भिष्ठीन, दिनांक 6 भगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा बबा प्रतिफल, निश्निविद्य उच्चेक्च से उक्क अन्तरण किश्वित में बास्तरिक रूप से किश्त नहीं किया गवा है है—

- (क), अन्तरूप से दूर्व किसी बाब और बाबत, बक्त वीधित्युस के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कर्ड था उद्दर्श बच्चे में शूबिया के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी पन वा अन्य आस्थियों का, विन्हें भारतीय जाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में सूबिधा के सिद्ध;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक स्थितमों अर्थात ः—

(1) श्री अमल कुमार मुखजा

(भन्तरक)

(2) ग्रीन जुबली एपार्टमेंट हार्जीसग को-आपरेटिव सोसाइटी लि०

(मन्तरिती)

च्छे मृह सूचना पाडी करके पूर्वोक्त संस्थित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के हाजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 बिन की अविध, को भी सविध या में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (च) इत् सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितमक्थ फिसी जन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास् सिरिचत में किए वा सकरें।

स्वस्थीकरणः -- इसमें प्रयूष्ण खुक्यों कौर प्रशे का, ओ सकत अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्र्यी

6, जुबली पार्क पर श्रवस्थित सम्पत्ति 6-8-83 तारीख में रजिस्ट्री हुन्ना।

> एस० के० चौधुरी, सक्षम प्राधिकारी; सहायक घायकर भायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज III; कलकत्ता-16

दिनांक: 11-4-1984

मोहरू ∎

प्रक्ष नार्ष्य टी । एत् । एक,-------

बायकर अधितिव्य, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के नवीन स्वना

भारत बरकाट

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 3. कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 11 श्रप्रैल,1984

निर्देश सं० 1471/ए० सी० क्यु० ग्रार-3/84-85---यतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्तृ कि धिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-अर के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिस, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,,000/- ऱ्ट. से **मधिक ह**ै

श्रीर जिसकी सं० 52/1 है तथा जो हाजरा रोड़ कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्दीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 4 श्रगस्त

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रविकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उपित् वाकार मुरुष, उसके करवमान प्रतिकल् से ऐसे क्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एेसे बन्तरण के शिए सम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति ने नास्तिनक रूप से केमित महीं किया गया है है---

- (क) शुन्तपुरू वे हुई किसी नाय की नायत, उपर बर्धिनियम के मुधीन कर दोने के नन्तरक के बाबित्य में कभी करने या उससे अचने में स्विधः के किए: भौर/वा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय नायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में इतिया के लिए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण कें, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री गोविन्द चन्द्र भाष्ट्रशी

(ग्रन्तरक)

(2) सैसर्स मिटको कर्मीशियल को० (प्रा०) लि० (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, संपत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

बक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षप :---

- (क) इस स्वाम के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 4.5 विनुकी व्यविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबीभ, जो भी जन्भि बाद में समाप्त होती हो, के भीत<u>र</u> पूर्वेक्ट म्यन्तियों में से किसी भ्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपून में प्रकाशन की तारीक है 45 विन के भौतूर उक्त स्थाव्य सम्परित में हित्रबंद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सक³गे।

स्पच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, यो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाचित हीं, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में विमा गया 🗗।

मन्स्ची

52/1 हाजरा रोड़ पर जमीन 4-8-1983 तारीख में रजिस्दी हमा।

> एस० के० चौधुरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16

विनांक: 11-4-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाई 🕁 दी. एस. एस. ------

जासकर स्थिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सचना

भारत तरकार

कार्यासम, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिक) श्रर्जन रेंज 3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 ग्रप्रैस 1984

निर्देश सं० 1470/ए० सी० क्यू० ग्रार—111/84-85—यत: मुझे, एस० के० चौधुरी,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के स्थीन सक्त्म प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2/7 तथा जो शरत बोस रोड कल कता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्याबय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण धिकिनम, 1908 (1908 का 16) के धिन, दिनांक 28 श्रगस्त 1983

कौ पूर्वों कर सम्परित के उचित बाबार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है, बीर मुक्ते यह विक्वाल करने का कारण है कि युवापूर्वों कर संपरित का उचित बाबार मृत्य, उसके क्सान प्रतिकल से एसे क्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिवात से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) बीर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पासा गया प्रतिकल, निम्नृतिविद्य अबुविस्य से उक्त अन्तरण निवित के बास्तीवक क्ष्य से कवित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरुष ने हुई किसी बाब कर्ते बाबत उनत निध-रिष्टुक के बचीन कर दोने के बन्तरुक के दासित्य में कभी कर्ता वा उससे वचने में सुविधा के सिए; बीए/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनयम्, 1922 (1922 का 11) या स्थल विधिनयम् या पंगकार वृत्तिप्रमा, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वृत्तिरिती ब्वास प्रकट वहीं किया ग्या था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

बतः क्या, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, क्योत् ः— (1) श्री ध्रशोक कुमार जैन

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स सिंगभी इटरनेशनल

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी करव्हे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बुविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवार;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त कर्कों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हाँ, वहीं वृधि होगा जो उस अध्याय में विया वहां हाँ।

जन्म होती

2/7 गरत बोस रोड़ पर फ्लेट 28-8-83 तारीख में रजिस्ट्री हुम्रा माई० ए० सी०, एक्यूजेशन रेंज III में रजिस्ट्री हुम्रा।

> एस० के० भौधुरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज III, कलकत्ता-16

दिनांक: 11-4-1984

मोहरू 🗈

वस्य नार्वः, ठी., एत्., एस.,- - -----

नायकर निध्नियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-[I], कलकत्ता-16

कलकता,-16 विनाक 11 ग्रप्रैल 1984 निर्देश स० 1469/अर्जन रेंज-III/84-85--यतः, मुझे, एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क ने नधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से विधिक हैं

तथा जो 2/7 णरत बोस रोड, कलकत्ता मे स्थित है (भ्रौर इससे उपाधक अनुसूची मे भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता भिधिकारी के कार्यालय कलकत्ता मे रिजिस्ट्रीकरण भिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 22 श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के बह्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके बह्यमान प्रतिफल से, ऐसे बह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तिक रूप से किंगत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी जाय की बाबत, ज़क्त जीधीनयम को अभीन कर दोने के जन्तरक की वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसे किसी जाय या किसी भन या जन्य जारिसवाँ को जिन्हों भाइतीय जायकर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभनियम, या भन-कर जीभनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के सियां:

नतः नव, उक्त निधिनियम की धारा 269-व के ननुसरण में, में, उक्त निधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के नधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, नधित् ह— (1) वसुन्धरा प्रापराइटर्स (प्रा०) लि० । (ग्रन्तरक)

(2) होपस मैन्फीक्चरिंग को० (प्रा०) लि० । (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पृत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कांद्रें भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से क्किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हित्बब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अधोइस्ताक्षरी के .पास सिक्ति में किए जा सकेंगे !

स्मध्दीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सम्बद्धें भीर पत्तों का, जो उन्ह जिभीनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

यमसर्थें

2/7 शरत बोस रोड़ पर प्लाट रिजस्ट्री हुआ आई० ए० सी० एक्फीजेशन रेंज्डा∐ में।

> एस० के० **जीधरी**, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

विनाक: 11-4-1984

मोहर ह

प्रकप गाइ , दी एन . एस _-----

वावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-व (1) वे वधीन व्यवा

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज कलकता कलकत्ता, दिनांक 11 श्रप्रैल 1984 निर्देश सं० 1468 (श्रर्जन श्रार०-III/84-85---यतः मुझे, एस० के० चोधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो 217 शरत बोस रोड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है)। रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यांलय कलकता मै रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 1-8-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के सिए त्य पाना गया प्रति-कत निम्मतिष्ठ उद्देश से समत जन्तरण निवित में बास्तिक स्व से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) अभ्यारण वे हुइ हिन्दी भाव की नामत उनत निर्मानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्वी करूने वा उत्तरे वचने वे जुनिया के निर्दा विर्ा
- (च) एंडी किसी जान या किसी धन या जन्य जास्तियों जी, जिन्हें भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के हवोधनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अतः, उक्त विधितियमं की धारा 269-ग के अनुसरण वै, मैं, उक्त अधितियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिंखत व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) श्री भ्रशोक कुसार जैन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मेसर्स जूट टेक्सटाईल कारपोरेशन (ग्रन्तरिती)

स्त्रे यह श्रुपना बारी करके पूर्वां वतु सम्पत्ति के मुर्वन् के तिह कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिव की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगाड़ा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्य किसी अन्य व्यक्ति इवारा मधोहस्ताक्षरी के पास मिचित में किए जा सकते।

स्वच्छीकरण:----इसमें प्रयुक्त कर्वा बीर पूर्वों का, को डक्ब अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया ही।

मग्त्ची

प्लाट नं० 4 जो 2/7 शरत बोस रोड पर भवस्थिति 1-8-83 तारीख में रजिस्ट्री हुन्ना।

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 54, रफी ग्रहमव किंदवाई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 11-4-84

मोहर:

- अ**रूप् बार्च**ुटी तुर्म् ∞ **एस्**,-------

नायकर निध्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायका (निरीक्षक) प्रार्जन रेंज, कलकत्ता

फलकत्ता, दिनांक 11 श्रप्रैल 1984

निर्देश सं 1467/एफ अगर शार | 84-85--- यत:, मुझे एस के वौधुरी,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 41/1ए, 31/1सी है तथा जो जाउतला रोड, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध भनूसूची में ग्रौर पूणरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 6-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई जिसी भाव की वाबत, उनत जिसीनुम्म के जभीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के सिए; बहि/बा
- (क) एसी किसी शय वा किसी थन या बस्य आस्तियों की, विनहीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती, व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, कियाने में सुविधा की सिए;

ज्तुः अव, उक्त न्धिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) दे जधीन, निस्तिवित व्यक्तिवों, अधित् ः— (1) श्री उरियेन्ट इन्बेस्टमेट प्रा० लि०

(भन्तरक)

(2) श्री सिव चन्त्र डावरिवाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कदला हैं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिसित में किए जा सकारो।

स्यष्टीकरण :---इसमें प्रधुक्त शक्यों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

41/1ए एवं 41/1सी जाउतलारोड पर, जमीन 6-8-83 तारीख में रजिस्ट्री हुमा।

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी (सहायक झायकर आयुक्त निरीक्षण) मर्जन रेंज 54 रफोम्नहमद किंदबाई रोड, लक्कता-16

तारीख: 11-4-1984

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस . ------

आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रामेन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 ग्रप्रेल 1984

निर्देश सं० 1466/ ग्रर्जन रेंज-III/84-85—यतः मुझे एस० के० चौधुरी,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 2/7 है तथा जो शरत बोस रोड कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनूमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकर्रा ग्रिधकार के प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 22-8-83

को पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी काय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जः चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) फें अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात

32—27 GI/84

(1) श्री अशोक कुमार जैन

(अन्तरक)

(2) श्री मैसर्स ई० एस० बी० आई० ट्रांसमिशन (গ্ৰা০) লি০।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों क्रिस सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संपत्ति में हितवदेश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त कब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुस्ची

2/7 शरत बोस रोड पर श्रबस्थित पलाट नं० 1 22-8-84 तारीख पर रजिस्ट्री हुग्रा।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 54, रफी श्रहमद किदवाई रोड, कलकसा-16

तारीख: 9-4-84

मोहर :

प्रकृष बाह्य हो है । एक प्रवृत्त -----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-थ (1) के अधीन सचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 ग्रप्रैल 1984

निर्देश सं० 1465/ग्रर्जन रेंज $II^{I}/84-85$ — यतः मुझे, एस० के० चौध्री,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० 2/7 है तथा जो गरत गोस रोड, कलकता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबंद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री तो अधिकारी के कार्यालय कलकता, में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनिकुम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 22-8-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बस्वत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के कस्तरक के शायत्व में कामी करने मा उसने क्वने में सृचिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित क्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री श्रशोक कुमार जैन

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स ई॰ एस॰ बी॰ ग्राई॰ ट्रान्सिमशन (प्रा॰)

(भ्रन्तिरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति को अर्जन 🤏 कि। कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप 🖛

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख . 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प, सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (६) इस स्वना के राजपश में प्रकाशन की तारी का 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिता बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताका क पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पच्छीकरण्: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उस अधिनियम के अध्याय 20-क में परि भाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्यार में दिया गया हैं।

अनुसूची

2/7 भारत बोस रोड पर प्रवस्थित पर्लैट नं० 2, 22-8-83 तारीख पर रजिस्ट्री हुमा।

> एस० के बौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 9-4-1984

मोहर:

प्रकप् बाव् . टो. एन. एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज।111, कलकत्ता

कलकभाइदिनाक 11 भ्रप्रैल 1984

निर्वेश सं० 1464/ग्रर्जन रेंज III/84-85—यत, मुजे, एस० के० चौधुरी,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी स० 14, है तथा जो सेलिमपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इसमें उपायद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 13-8-83

को प्वाँक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मृत्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मृत्य, इसके दिश्यमान प्रतिफल को एंसे दृश्यमान प्रतिफल को एंसे हिंगीति की अपिक है और अन्तरक (अतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया भितिफल, निम्नलिखित अद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अबने में सुविधा के लिए; बॉर/मा
- (ण) एसी किसी बाय या फिसी धन या अस्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269 ग को अभूसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के बभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) मालबिका कोग्रपारेटिय हाउसिंग सोसाईटी लि०

(भ्रन्तरक)

(2) सरप्राइज ट्रेडस लि०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्क संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी ध्यतित्यां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाचीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनतः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ¹, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया। इं।

अनुसूची

14, सेलिमपुर रोड पर जमान 13-8 83 तारीख में रजिस्ट्रं। हुआ।

ाम० के० चौधुरी
भक्षम प्राधिकारी
महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-III,
54. रफीअहमद किदबाई रोड,
कलकता-16

तारीख: 11-4-84

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एम. एस. -----

कायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के वधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरक्षिण) भूजेंन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 11 भ्राप्रैल 1984

निर्देण स० 1463/श्रजंद रेंज 1II/84-85--यत मुझे, एस० के० चौध्री,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनयम' कहा गया है), की धारण 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी स० 12 है तथा जो मेलिमपुर रोइ, कलकत्ता मे स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, तलकत्ता मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 रा 16) के ग्रिधीन तारीख 13-8-83

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशेक्ति सम्पत्ति का उाचित बाजार स्म्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरको) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुप्रिधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म स्विधा के निए;

बतः वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ,——

- (1) मालविका कोग्रापरेटिय हार्जासग सोसाइटी लि० (श्रन्तरक)
- (2) स्वदेशी प्रजेगटस, लि०

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ए⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया इ⁸।

सरसंची

14, सेलिमपुर रोड पर जमीन 13-8-83 तारीख मे रिजस्ट्री हुन्ना ।

> ण्स० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहाय व ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-III 54, रफी श्रहमद किदवाई रोड, कलकसा-16

तारीख 11-4-1984 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.,------

माय हर अधिनियम 1961 (1961 का 43)की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II', कलकना

कलकत्ता, दिनांक 11 श्रप्रैल 1984

निर्देश सं० 1462/ग्रर्जन रेंज $\mathbf{H}^{\dagger}/84-85$ —यतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वान् 'उकन अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रुपये से यधिक है श्रीर जिसकी सं 13 है तथा जो सेलिमपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उगाबढ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वाह है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 13-8-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के कृथ्यनान स्तिष्ठत के निए अन्तरित हो एई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वश्यमान प्रतिकल है और अन्तरक (अन्तरका) प्रारं अन्तरितों (अन्तरितयों) के बोब ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिबित उद्देश्य में उसन प्रत्या निजित्त ने बास्तविक अप से किंवित अक्षी किया गया है!—

- (क) अन्तरण से हुर्इ िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसे जिसे प्राप्त था किसी प्रत्या भन्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्मा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम का धारा १६९-व की उपकरर (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, जर्भात् :--

- (1) मालक्षिका कोम्रापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लि० (अन्तरक)
- (2) श्री चिन्तरन्जन हाउसिंग को० (प्रा०) लि० (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 48 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहरूताकारी के पास सिवित में किये जा मकेंगे।

क्यक्योकरण !---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पतों का, जो उपत प्रक्षित नियम के क्षव्याय 20-क में परिभाषित है, वही स्थय होता, जो उन प्रशाद में दिशा तना है ।

नमृत्यो

14, सेलिमपुर रोख पर जमीन 13-8-83 तारीख में रिजस्ट्री हुमा ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II^I, 54, रफी ग्रहमद किंदबई रोड, कलकता-16

तारीख : 11-4-1984

ोहरः

प्रारूप जाई.टी.एन्.एसं.,-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल 1984

निर्देश सं० 1461/श्रर्जन रेज-III/84-85---यत: मुझे, एस० के० घौधुरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 14 है तथा जो मेलिमपुर रोड कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबह अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 13-8-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्दोष्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं, किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, अवस अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने माउनमें वजने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) एंसी किसी जाय था किसी भन या जन्य जास्तिजों को बिन्ही भगरतीय आयकार जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना काहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;
- अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन गिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) श्री मालविका को-भ्रोपेरिटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०। (अन्तरक)
- (2) गेलर्ड कर्माशयल कं० लि० ।

(भ्रन्तरिती)

 व्या वह स्थान वारी करके प्वा कित सम्पृतित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन हे सम्बन्ध में कोई भी आधिए :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरणः--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसंची

14. सेलिमपुर रोड पर जमीन तारीख 13-8-83 की रेजिस्ट्री हुन्ना।

> गुस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-III, 54, रफी घ्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख . 11-4-1984 मोहर प्रकप भार्दी, टी. एन. एवं 🖟

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सृष्ना प्रारत् सरकार

कार्यांत्रय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-।।।, कलकत्ता कल हत्ता,दिनांक 10 अप्रल, 1984

निर्वेश[नं • 1460/एत्र्यू • रेंज—रारि/\$4—85:——यतः मुझे, एस० के • चौधुरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ---- है तथा जो 14, सीलमपुर रोड़, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणित् है), रजिस्ट्री कर्ता लिधिनारी के कार्यालय, बलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 अगस्त, 1983

को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्देश्य ते सकत बन्तरण निवित्त में बास्तिवक रूप ने कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण ते हुई किसी शाय की वावत, उक्तः विधिवनंत्र के वर्षीनं कर दोने की बुन्तरक खें वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विक्तु खुर्/वा
- (क) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) चुं अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्धात्—ः

- (1) मालविका कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लि० (अन्तरक)
- (2) भन्डारी एवं एसोपा (ई०) प्रा० लि०। '(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्क सम्पत्ति से वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाहोद्:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यंक्तियों दर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि को भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविश्व व्यक्तियों मं स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपिता में हितबङ्ग किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास चिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उभत्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

जन्सूची

14; सीलमपुर रोड़ पर जमीन रिजस्ट्री हुआ, 13-8-83 तारीख में।

> एम**० के० चौधुरी,** स**क्षम प्राधिकारी,** महायः आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरें ज--।।।,कलक**ला**ः 16

तारीख: 10-4-1984

मोहर 🗅

प्रकृप, बाइं. टी. एन. एस. ----

नायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकाडु

कार्यातय, सहाधक बायकर बायुक्त (निर्मिक)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

इतहता, दिनां है 10 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० 1459/एक्यू० रेंज 1 II/84-85:---यत: मुझे, एस० के० चौधुरी,

कायकर कीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उषित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं 14 है तथा जो सीलमपुर रोड़ कल के सियत है (और इससे उपाबज अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-8-83

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा प्रतिफल निम्नतिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिस्ति में बास्तिस्क रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण से हुद किसी बाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) बती किसी जाय या किसी धन या कत्य क्रास्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के सिए;

कतः अव उन्नत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमें, वर्षात् :—

- (1) श्री मालबिका कोआपरेटिय हाउक्तिंग सोसाईटी लिल । (अन्तरका)
- (2) प्रिक्स इन्डिया लिए।

(अन्तरिसी)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ब्रुप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्वव्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अन<u>ुस</u>्कृ

14, सीलमपुर रोड़ पर अमीत 13-8-83 तारीख में रिजस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौधुरी, सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त, (निर्दक्षण), अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 10-4-1984.

मोहर 🖫

प्ररूप आइ⁴.टी.एन.एसं. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल, 1984

निर्देण सं० 1458/एक्यू० रेंज⊶III/84—85:---यतः मुझो, एस०के०चौध्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर समिति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 14 है तथा जो सीलमपुर रोड़ कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-8-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मालबिका को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० (अन्तरक)
- (2) एवरग्रीन कमिश्रयल को० लि०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपहित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों, और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जे उस उध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

14, मीलमपुर रोड पर जमीन 13→8--83 नारीख पर रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौधुरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, 54, रफी अहमद किदवई रोड़, कलकत्ता-16

नारीख: 10--4--1984.

मोहरः

33-76 GI/84

प्ररूप नाइ. टी. एम. एस. -----

नायकर निभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के नभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भावका (निरीक्षण) अर्जनरेज—III.कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रल 1984

निर्देश सं ० 1457/एक्यू० रेज-III/84-85:---यत: मुझे, एस० के० चौधुरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी स० ————है तथा जो 14 मीलमपुर रोड़ करकता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, क्लक्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-8-1983

को पूर्वांकत सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करले का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कार्र/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः व्यव, उक्तः विधिनियम की धारा 269-ग के वनसरण

कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1)

के अधीन, निम्बरियक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मानीबका कोआवरेटिय हाउसिंग सोसाएटी लि०। (अन्तरक)

(2) के ० डी ० कर्माणयल को ० लि०।

(अन्तरिनी)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वौरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

सन्स्वी

14, सीलमपुर रोड पर जमीन रिजस्ट्री हुआ, 13-8-83 वर्गारी**ल** में ।

एस० के० चौधुरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)__ अर्जन रेज-III, 54, रफी अहमद किटहई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 10-4-1984

मोहर:

प्रकथ मार्च टी. एन . एस . 🕶 🗝 🗝 🗝

नायक र जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालय. तहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मक्लकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रेस 1984

निर्देण सं० 1456/एक्यू० रेंज ।।।/84-85:---यतः मुझे, एस० के० चौध्री,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. में अधिक है

अंदिजिनकी सं० पर्नैटनं० 2, है तथा डो 5, लोअर गार्डन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 7-8-1984

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एरेंगे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चेश्य में उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य नास्तियों की जिन्हों भारतीय नायकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर निधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मिरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) दिलीप कुमार सेन और जयन्ती सेन

(अन्तरक)

(2) आर० के० दासानी, के० जी० दासानी, रफीक दासानी।

(अन्धरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोज में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्यो का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

ननुस्ची

फ्लैट नं ० 2/ जो 5, भोम्रार रहन स्ट्रीट में अवस्थित सम्पत्ति आई० ए० ए०, एस०/एकुई जे० रेंज ।।। मे । 7-8-83 तारीख में रजिस्ट्री हुआ । क्रमणः नं० 76 मनुसार ।

> एस० के० चिधिरी, सक्षम प्राधिकारी. सपायज आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज III, कलकत्ता

तारीख: 10~4-1984.

मोहर:

प्रकृष बाह् .टी .एन . एक . -----

नाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 10 अप्रैल 1984

निर्देश स० 1455/एक्यू० रेज-IIII/84-85---यत. मुझे, एस० के० चौधरी.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परनास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं है तथा जो 5/2 रासे ल स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण स्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकला में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-8-83 को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विथा के लिए;

भतः समः उक्त मधिनियम की भारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अभितः :--- (1) श्री सुकोमल घोष।

(अन्तरक)

(2) श्रीके० सदागोपान ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्तर सम्परित में अर्जन के सम्बन्ध में आहे भी बाओप् !--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति (दारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- सब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5/2, राखेल स्ट्रीट पर श्रवाधित रजिस्ट्र हुआ 14-8-1984 तारीख में श्राई० ए० एस०, एकई जमीन रेज।

> एस० कें० कौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-III, कलकत्ता

विनांक : 19-4-1984

मोहर 🛭

प्रकल काईं्टी_एन .एस :: -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज $-\Pi I_{,\,\,\, {
m frac}}$

कलकत्ता, दिनांक 10 श्रप्रैल, 1984

निर्देश सं० 1454/एक्यू० रेज- /84--85:—यतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारूण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 14 है तथा जो, सीलमपुर रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण सिचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उत्कत अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) मालजिका कीभापरैटिब हाउसिंग सीसाईटी लि०। (श्रन्तरक)
- (2) लोगास मारके नायडू लास लि० (भ्रन्तरिती)

कतो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकीन।

स्पच्छीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

शन्स्ची

14, सीलमपुर रोड़ पर जमीन रिजस्ट्री **हु**ग्रा 13-8-83 तारीख में।

> ए०स के० चौधुरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज –III, कलकता

सारी**व** : 10−4−1984.

मोहर 🖫

प्रकप ब्राइ े टी ु एन ु एक ुनननन्द्रनन्द्र

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -111, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 म्राप्रैल, 1984

निर्देश सं० 1453/एक्यू० रेज-III/84-85:---यतः मझे, एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 14, है तथा जो सेलिमपुर रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 13-8-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान अतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विथा के लिए;

(1) मालबिका को-आपरेटिंग हाउसिंग लि० । (ग्रन्तरक)

(2) सिलवार लाईन इनवेस्टमेट लि॰ । (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना कि तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य स्थावत ब्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

14, मेलिमपुर रोड़ पर जमीन रजिस्ट्री हूहुआ 13-8-83 सारीख में।

> ग्रार० के० चौधुरी, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—111, कलकत्ता 16

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, विमनिविद्धा व्यक्तियों, अधीत् मान

तारीख . 10-4-1984

मोहर 🥫

प्रकप बाइ . टी. एन. एस्.-----

आथकर अभिनियम, 19€1 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-,111 कलकत्ता-16

कलकत्ता- 16, दिनाक 10 श्रप्रैल 1984

निर्देश स० 1452/ग्रर्जन रेंज-III/84-85--यत मुझे, एस० के० चौधरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० है तथा जो 14, सेलमपुर रोइ, फलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13-8-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरिता की गई है और मुक्ते यह विश्वस्स करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित साजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के धन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या जससे अधने में सृविधा के लिए, और/या
- (का) एैसी किसी बाय ग रिन्सी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना काहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

कतः सव, उक्त विधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, वर्धात :---

(1) मालबिका कोग्रापरेटिक हाउसिंग लि०

(भ्रन्तरक)

(2) लिडो कम्शियल को० लि०

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्पाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

मन्स्ची

14. सेलमपुर रोड पर जमीन 13-8-83 तारीख में रजिस्ट्री हुद्या।

> एस० के० **चौधुरी** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंग्र—III, कलकता-16

नाशिख 10-1-84 मोहर:

दक्ष वार्ष<u>ः</u> टी_ः एष*ः* **एष**ः-----

नायकार श्रीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में नुभीन सुचनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकसा, दिनांक 10 अप्रैल, 1984

निर्देश सं ० 1451/एक्यू० रेंज-IJJ/84-85:---यतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है तथा जो 14, सीलमपुर, रोड़,

स्नार जिसका स० 14 ह तथा जा 14, सालमपुर, राइ, कलकत्ता में स्थित है (स्नीर इससे उपाबब अनुसूची में स्नीर पूर्ण, से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण स्नधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्नधीन तारीख 13-8-83

को पूर्वेक्ति सम्मिर्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के देश्यमान प्रतिक्ति के लिए अन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिक्ति सं, एसे देश्यमान प्रतिक्ति का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति कत निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निस्ति में अन्तर-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (व) श्रेसी किसी आय् या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः लब , उक्त अधिनिवम की धारा 269-ग के, अन्सरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखिए व्यक्तियों , अर्थात् :—-

- (1) मालबिका को--ग्रापरेटिव हाउसिंग लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) भिजिनोन्ड ट्रेडर्स एवं काईनेन्सियल लि० । (झन्तरिती)

ना यह नुषमा बाड़ी करके । पृत्रा क्त सम्पत्ति के वर्षन के हिनए कार्यवाहियां शुरू अरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः ⊣

- (क) इस् स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इक् सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी में पास लिकित में किए का सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

अन्स्ची

14. सोलमपुर रोड़ पर जमीन 13-8-83 तारीख में रजिस्ट्री हुझा।

एस० के० चौधुरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज—III, कलकत्ता-16

तारी**ख**: 10-4-84.

मोहर :

प्ररूप नार्ड. टी. एस. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक्र आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 धार्त्रैल 1984

निर्देश सं० 1450/एम्यू० रेंज-III/84-85-यतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो 301 एवं 303 प्रिन्स श्रानवार साह रोड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख

को पूर्वेक्त संपित के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह मितिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में मुविधा के लिए; और/या
- (स) एलि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित्ती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविक्तत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) रातुल श्री कृष्ण नगर्जी एवं रमजिता यकवर्ती ।

(प्रस्परकः)

(2) श्रीमनी श्रनिता खाडेलवाल ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए आ सकेंगे।

स्थालटीकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

301 **और** 303 नं० प्रिन्स धानवार साह रोड़ पर जमीन 22—8—83 तारीख पर रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० घौधुरी, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर आयुक्त, (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

नारीख: 10-4-1984.

मोहर:

34---76GI/84

रक्ष व २ व दी विस विस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, दिनाक 10^8 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० 1449/ग्रजैन रेंज-III/84-85—यत मुझे, एस० के० चौध्री,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० है तथा जो 301 स्रीर 303 नं० प्रिन्स स्रानवार साह रोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारों के कार्यालय, में, रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचा में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के किसी आय का किसी भाग माने कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उपत यधिनियम की भाग 260-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्मिनियत व्यक्तियो, अर्थात —

- (1) रातुल कृष्ण बनर्जी एवं रेजिता चक्रबर्ती । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कृष्णा कानोडिया।

(ग्रन्तिगती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे:

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

301 ग्रौर 303 में प्रिन्स ग्रानवार साह रोड पर ग्रवस्थित सम्पत्ति 22-8-83 तारीख में रजिस्टी हुग्रा ।

> एस० के० चौधरो सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

दिनांक: 10-4-1984

मोहर :

प्रक्स आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(घ) (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, दिनांक 10 श्रप्रैल 1984

निर्वेश सं० 1448/भ्रर्जन० रेज-UI/84-85--यतः मुझे, एस० के० चौध्री,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो 301 ग्रौर 303 नं० प्रिन्स ग्रानवार साह रोड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सी, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की वाबत, उक्त विभिनियम के बधीन कर वोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाय था किसी धन या अन्य आरितयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्∴—

- (1) श्री रातुल कृष्ण बनर्जी एवं रंजिता चक्रवर्ती । (भ्रन्तरक)
- (2) श्रो पवन कुमार कानोडीया। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रजेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसुची

301 भ्रौर 303 नं० प्रिन्स भ्रानवार साह रोड पर स्थित सम्पत्ति रजिस्ट्री हुमा 22-8-83 तारीख में।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 10-4-1984.

मोहार 🤋

प्ररूप आइ.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 10 ग्रप्रैल 1984

निर्देश सं० 1447/श्रर्जन रेज—III/84—85——यसः, मुझे, एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक हैं

श्रीर जिस की सं० है तथा जो 301 श्रीर 303 प्रिन्म श्रानवार साह रोड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें की पूर्विक्त सम्पर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीब एसे प्रन्तरफ के लिए इब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्त- विक धन से कवित नहीं किया यवा है:—

- (स) अन्तरण न हुई किन्दी पाव की बावत व्यवत ्थित-निवम के प्रवीन करदेने के अन्तरक के वावित्व में कमी करने या कक्षमें वर्षने में सुविद्या के किन्दु और/बा
 - (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को वधीन, निम्निविचित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) श्री रातुल कृष्ण बनर्जी श्रीर रंजिता चक्रवर्ती । (श्रन्तरक)
- (2) श्री सुधीर कुमार सातनालीवाला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यैक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्ष व्यक्तियों में से किसी स्थित दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-नद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थव्टीक रण: — इसमें श्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्यी

301 और 303 प्रिन्स भानवार साह रोड में श्रवस्थित सम्पत्ति रिजस्ट्री हुआ 22-8→83 तारीख में।

> एस० के० चौधुरी, गक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेज-III कलकत्ता-16

तारीख 10-4-84 भोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1984

निर्वेश सं ० 1446 एक्यू ० रेज-111/84-85:-यत: मुझे, एस० के० चौधरीं,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से आधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जो 301 और 303 प्रिन्स आनवार माह रोड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. क्लकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वीक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति स्का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिमित उत्देश्य राँ उक्त सन्तरण निमित में वास्तविक रूप में कवित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उत्कत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए: और/या
- (च) एेसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह^र भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

 लतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण मं, मं, उन्नत अधिनियम की वारा 269-घ की उएशारा (1) कं अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) श्री रातन कृष्ण बनर्जी एवं रजिता चक्रवर्ती। (अन्तरक)
- (2) श्री अलोक सतन।लिबाला ।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़' भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हासे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गगा है।

अनुसूची

301 और 308 प्रिन्स आनवार साह रोड़ में अवस्थित सम्पत्ति रजिस्द्री हुआ 22-8-83 लारीख में।

> एस० के० चोधुरी, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-111, कलकसा ।

तारीय : 10-4-1984.

मोहरः

प्ररूप् आहे.टी.एन.एस. - - --

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्मालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1984

निर्देश स०/1445 एक्यु० रेंज-III/84-85:-यतः मुक्षे. एस० के० चौधुरीः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो 301 और 393
प्रिन्स आनवार साह रोड़, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के करमान । प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मृत्य , उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के शीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल , निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निकित के वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से इन्हाँ किसी जाव की दावत, उक्त जिमियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधम् के सिए; जॉर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ➡ अधीन, शिम्मलिखित व्यावितयों, अर्थात :---- (1) श्री रातुल कृष्ण बनर्जी एवं रंजिता चक्रवर्ती ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अनीता खान्डेलघाल ।

(अन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूकी

301 और 308 प्रिन्स आनवार साह रोड़ पर अबस्थित सम्पत्ति 22-8-83 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० **घौ**धुरी, मक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-III, कल**क**ता।

तारीख : 10-4-1984. मोहर . प्ररूप माई. टी. एन. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकसा कलकत्ता, दिनाक 10 अप्रैल 1984

निर्देश सं० 1444-एक्यू० रेंज III/84-85:-अतः मुझे, एस० के० चौध्राः,

आयकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो 301 और 303 त्रिन्स आनवार साह रोड़ में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूणे रूप से व्यणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकार के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्राकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाबित्व में कमी फरने वा उससे बचने में सृविधा अ लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन यो अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उंक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा किया जाना भाहिए था, छिपान में सृविधा के बिका:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की थारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रारातुल कृष्ण बनर्जी एवं रंजिता चक्रवर्ती ।
 - (अन्तरकः)
- (2) श्रामती गीता देवा कानोडिता ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

भग्सूची

301 और 303 प्रिन्स आनवार साह रोड पर अवस्थित सम्पत्ति रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौधुरी, सक्षम प्राधिकारा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेप्र—III, कलकला

नाराखा: 10-4-1984.

मोहर:

प्ररूप बार्ड, टी, एन, एस. -----

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सचना भारत सरकार

कार्यालय, गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 10 अप्रैल 1984

निर्वेश सं० 1443 एक्यु० रेंज-JII/84-85:-यतः मुक्की, एस० के० चौध्रिः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. में अधिक है

और जिसकी संव है तथा जो 301 और 303 प्रिन्स आनवार साह रोड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूर्चा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य के कभी करने या उससे क्यने में मृजिधा के लिए: और/मा

> (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाण चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः असः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1)

क्षे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

(1) श्रां रातुल कृष्ण ननर्जी एवं रंजिला चक्रवर्ती।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती गाता देवी कानोडिया ।

(अन्य रिता)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिस्यों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

301 और 302 प्रिन्स आनवार माह रोड़ पर अवस्थित सम्पत्ति 22-8-88 तारोख में रिजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० चीबुरी, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अनेन रोंग-॥।, कलकता ।

नारीखाः 10-4-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बार्च, टी. एन .एस . -----

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० 1442/एक्यू० रेंज-III/84-85:--यतः मुझे. एस० के. चौधुरी,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य $2\sqrt{2}$,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० है तथा जो 301 और 303 त्रिन्स आनवारज्ञाह रोड़ में स्थित है (घीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में मौर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को ख्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास अपने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे उद्यमान प्रतिफल के पंदेह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्योक्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, डक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- [क] एसी किसी बाय या किसी भन या बन्ध जास्तियों करें, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जरूतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविभा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---- 35—76 GI/84

- (1) श्री रांसुल कृष्ण बनर्जी एवं रंजिता चक्रवर्ती । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सावित्री देवी सातनालियाला । (अन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वाचन सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पाभ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ रूपेन के उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

301 ग्रीर 303 नं० प्रिन्स आनवार शाह रोड पर अवस्थित सम्पत्ति 22-8-83 तारीख में रिजस्ट्री हुआ :

> एस० के० **चौघुरी** सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर घायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता ।

तारीख: 10-4-1984.

मोहुर ध

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० 1441/एक्यू० र ज-111/84-85:—यत. मझे, एस० के० चौधुरी,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 301 एवं 303है तथा जो त्रिन्स आनवार साह रोड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनसूची में श्रीर पूर्ण का से विणत है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता से, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,1908 (1908 का 16). के अधीन तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोर्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उपस अभिनियम के अभीन कर दोने के जंतरण के वाबित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और/वा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया शा या किया जाना चाहिए था, श्रिपान में मृदिधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सर्भ म, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:~

- (1) श्री रातुल कृष्ण बनर्जी एवं रंजिता चक्रवर्ती । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती भगवती प्रसाद कानोडिया । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम् के सिष् कार्यवाहिया करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

301 और 303 नं शिन्स आनवार साह रोड़ पर अवस्थित सम्पत्ति 22-8-83 तारीख में रिजस्टी हुआ।

> एस० के० चौचुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

ारीख: 10-4--1984.

भोहर:

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस. - - -

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1984

निर्देश सं० 1440/ए यू० रेंज-III/84-85:--यतः मृझे एस० के० चौध्रुरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं०है तथा जो 47 साउथ ढेंगरा रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपागढ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फलकत्ता ,में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख.....

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियत के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूर्विधा के लिए;

चत: अस, उकत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्यों म, निम्निसित व्यक्तियों, अधित् :--- (1) श्री मान देवी संत्री।

(अन्तरक)

(1) 1. लिन जू० ली, । 2. लिउं शि० शियांग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील सें 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा मकंग।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

47, साउथ टेंगरा में अब स्थित सम्पत्ति 12-8-83 तारीखं में रिजस्ट्री हुआ डीड नं० 1/8216 अनुसार ।

> एस० के० चौधुरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-III, कलकत्ता।

तारीख 10-4-1984. मोहर व

वस्य अर्थे ही श्या प्राप्त

बायुकर निभागियम, 1961 (1961 का 43) है। भारा 269-स (1) के नभीन सचना

भारत स्रंकार

कार्यासय, सहायक भारकार नायुक्त, (निर्धाना)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल, 1984

निर्वेश सं० 1439/ए यू० रेंज-III/84-85:--यतः मुझे, एस० के० चौध्री,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें परकात् 'उन्त निधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 7 ए०, है तथा जो 116, डा० मेघनाथ साहा सरणी, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान द्रितफर के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल म, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :~

- (क) बन्तरण वेह्द किसी थाय की बावड, डक्ट बीधीनवन के बधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उससे न्यने में बीवधा के बिद्द बीट/वा
- (च) एंसी किसी बाब वा किसी वन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अवकर विधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

मरः वय, उन्त विधिनयन की भाष 269-म के बनुसरक में, में उन्त विधिनयम की भारा 269-म की उपधारा (1) के विधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, जर्थात् :---- (1) श्रीमती मन्जुश्री गुह ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रशान्त कुमार भौमिक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृत्राक्ति सम्पृत्ति के श्रवंत के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

जनत् सुरुपत्ति को वर्षन को सरुवन्ध् में कोई भी बाक्षपे अ⊸

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की जब्धिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बस्थ किसी जन्म व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्वाकरणः ---इसमें प्रयुक्त कथ्यां और पदों का, को उक्छ अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा है।

मन्द्रची

प्लाट नं० 7ए, 116 डा॰ मेघनाथ साहा सरणी में अवस्थित सम्पत्ति 10-8-83 तारीख में रजिस्ट्री हुआ। ऋमांक 63 बी॰, अनुसार आई॰ ए॰ एस॰ एक्युसीशन रेंज-III में ।

> ्रस० के० चौधुरी, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कसकत्ता।

सारीख: 10-4-1984.

मोहर:

प्रकण कार्ष, टी. एन. एस ;-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।।।, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 11 अर्प्रैल, 1984

निर्देश सं० 1438/एक्यू० रेज-111/84-85:--यतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निभिन्यम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्थाति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से विधिक हैं

धीर जिसकी सं० है तथा जो मौजा-वैष्यवघाटा यावबप्र, कलकत्ता-84 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-8-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिकात से कृषिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उत्वरेश से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नंतरण से हुई किसी बाय की बाबल, उनक वीपिन्यम के बधीन कर बोने के बंदारुक के बाबित्व में कभी करने या उन्हों बचने में सुविधा के सिए; बॉर/सा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खे सिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) डे अधीन, पिम्नलिखित स्पक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री सुणील कुमार वास।

(अन्तरक)

(2) श्री शंकरानन्द चकवर्ती ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं!।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृज्या

जमीन वैष्यवचाटा में अवस्थित डीड नं० 4317 कलकत्ता मे तारीख 19-3-83 को रजिस्ट्री हुआ ।

एस० के० चौधुरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-111, 54, रफी श्रहमद किंदबई रोड़ कलकत्ता-16

सारी**ख**: 11-4-84

मोहर 🥫

प्रकल नाहर्, दी. १५, एव.....

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (तिरुक्षिण)

अर्जन रेंज-।।।, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 11 अप्रैल 1984 है

निर्वेश सं० 1437/एक्यू० रेंज~।।।/84-85:---यतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

बायकर मिर्भियम. 1961 (1961 का 43) (विसे इतमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से मधिक है

भीर जिसकी सं है तथा जो 55, एजरा स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन.

तारीख 25-8-83

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के भीच एमें जन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिक कव निम्मिणित उद्वोध्य से उक्त जन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया यथा है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिन्यिम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः वन, उन्त विधिनयम, की धारा 269-म के बन्तरण व, में. अन्त विधिनयम की धारा 269-म की जनभारा (1) व वधीन निम्नतिचित व्यक्तियों, वर्णाहरू--- (1) श्री नरसिंग सहाय मधन गोपाल इंजीनियर्स (प्रा०) लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री राकेश गप्ता

(अन्तरिती)

(3) जोगेश ग्प्ता

(बह ब्यक्ति, अधीभीग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🚈

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीब से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृतांकल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिक्ति में किए का सकीने।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्तों और पवां का, वो छक्त जीवित्यम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा प्रवाह ।

नन्स्यी

55, एजरा स्ट्रीट पर सम्पत्ति कलकत्ता में 25-8-83 तारीख डीड नं 11/55 पी० के ब्रनुसार रिजस्ट्री हुखा ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्रांधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)। अर्जनरेंज ।।।, 54, रफी घहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 11-4-84.

महिर:

प्ररूप भार . टी., एन., एत.,-----

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।।।, कलकसा

कलकत्ता, विनांक 11 अप्रल 1984

निर्देश सं० 1436/ एक्य० रंज ।।।/84-85:—यतः मुझे, एस० के० चौधरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रू. से विधिक हैं

मौर जिसकी सं० है तथा जो 76/2 ए और 76/2 बी विधान सारणी कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-8-83

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्शि का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण ते हुइ किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एमें किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं दिखा गया भा या किया जाना चाहिए था, छिट्नने में जिल्ला के लिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनूतरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के जधीन, निम्निसिनिन व्यक्तियों. अर्थात् :--- (1) श्री मनोज कुंभार मित्र।

(अन्सरक)

(2) गड डे एस्टेट (प्रा०) लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्यत में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिरण:----- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

जमीन 76/2ए धौर 76/2बी० में अवस्थित 2-8-83 तारीख को श्रीड नं० ।/7772 के अनुसार रिजस्ट्री हुआ।

> एस० के० भौधुरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-।।।, कनकत्ता-16

तारीख: 11-4-1984.

मोहर 🙎

प्रकृष् बाह् . टी., एन., एस्.,------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-न (१) के अधीन सुन्ता

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 10 अप्रैल 1984

सि० आर० 62/38978/83-84-यतः मुझे, मंजु काधवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० के.इति बिलेज, वर्त्तुर होबलि बेंगलर दक्षिण तालूक में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर दक्षिण तालूक में रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से काम के स्प्यमान तिफल के लिए अग्वरित की वर्ष है जौर मुझे यह विस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बत्ति का स्वित्त बाजाय मूल्य, उसके स्प्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) जीर बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा वया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुर्द्ध किसी जाम की बाबत उक्त भीध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के धामित्य में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए जरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जम्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में हिथा के लिए;

अतः कथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-गंकी अनुसरण की, की, इक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— श्रीमती गीता मालिनी अलियास गीता भट्ट यारि, 2440, II मैन रोइ, जयानगर, बेंगलूर-11

(अन्तरक)

श्री एम० एस० नागेन्द्रा,
 एम० एस० दत्तालेय,
 सं० 125-ए,
 10 मैन रोड़,
 I ब्लाक,
 जयानगर,
 बेंगलुर-11

(अन्तरिती)

को यह सूचना चार्री करके पूर्वोंक्त सम्प्रित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकोंगे।

स्पव्यक्रीकरणः — इसमें प्रमुक्त सब्दों और पृदी का, वो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2750/83-84 ता० अगस्त, 83) सम्पत्ति जो कि कोडित िलेज, वर्त्तूर होबलि, बेंगलूर दक्षिण तालूक, में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 10-4-1984

मोहर 🔅

प्ररूप मार्च, दी, एन, एस.=------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलुर, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आर०/62/39003/83-84-यतः मुझे मंज् माधवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाक् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस०नं० 311-ए 306-ए2 और आर० एस० नं० 229-ए और 234-ए2 है, तथा जो कदि विलेज, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची) में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 के (1908) 1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-8-1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके एरयमान प्रतिफाल से, एसे एरैयमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के भीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण ते हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे सचने में सविधा के लिए; जीर/या
- (स) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य ऑस्तियों को जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली खवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में सविधा के लिए।

में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३---

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण 36-76 GI/84

- 1. मेजर गोपाला कृष्ण कन्डिंगे, 14-2, सेंट जानस रोड़, एमइजी आफिस म्बाटर्स, बेंगसूर-43
 - (2) श्री राजाराम सन्डिगे,
 - (3) मिसिस प्रेमलता एस० राव,
 - (4) मिसिस सुमलत्ता वि० भट,
 - (5) मिसिस के॰ सरोजिनी, कदि रोड़ मगलूर-3

(अन्तरक)

2. डाक्टर जयाप्रकाश कंन्डिगे, होम और ए० क्लिनिक, 15 179, कदि, मंगलूर-3

(अन्तरिती)

को यह स्वाना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 विन की भविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयबुध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्यक्तिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगर जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 470 83-84 ता० 10-8-83)

सम्पत्ति है जिसका आर० एस० नं० 229⊸त० और 234-ए2 और टि० एस० नं० 311-ए और 306-ए2 जो कद्रि विलेज, मंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

तारीख: 6-4-1984

मोहर:

प्ररूप बाह्र . टी. एन . एस न = - - --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर बेंगलुर, दिनांक 31 मार्च 1989

नोटिस नं० 39045/83-84-यतः मुझे, मंजू माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

बौर जिसकी सं० 94 (पुराना सं० 5/6) है, तथा जो कोलम रोड़, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विगत है), रिजस्ट्री कर्ती अधिकारी के कार्यालय, णिवाजी नगर में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की यावता, उक्त जिमित्सम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सिविभा के लिए जीड़/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए?

मतः मस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के मुधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री ए० पद्मनाभा नाईडू, 39, स्टीफेंस रोड़, बेगलूर•5

(अन्तरक)

खानचन्द के० किरपलानी,
 नं० 60, वीलर रोड़,
 कास,
 बेंगलूर-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया श्रुष्ठ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जनसंची

दस्तावेज सं० 1389/83-84, प्तारीख 31-8-83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 49 (पुराना सं० 5/6) जो कोलल रोड बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलुर

सारीख: 31-8-1989

मोहर 🛭

प्ररूप आहे, टी., एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

बेंगलूर, दिनांक 9 अप्रैल 1984

सि॰ आर॰ 62/41694/83-84-यतः मुझे, मंजु माधवन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)₁, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 269, 268/2, 268/1 और 267 है तथा जो विल्गून्डा विलेज, विराजपेट तालूक में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विराजपेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-8-83

को पूर्वोक्स संप्रत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫

श्रीमती नाजुमुक्तीसा बेगम,
 (2) मुजीब अहमद,
जमील अहमद,
जिक्या सुलनाना,
तसनीम सुलताना,
और अहमदि सुलमीना,
नं० 47, माडेल हाउस,
करुनापुरा,
लगकर मोहल्ला,
मैसूर-7।

(अन्तरक)

 श्री पी० पी० कुन्ही मयान, गोनिकोपल टाउन, विराजपेट तालूक, कोडरा डिस्टिक्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पट्टित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तितमें पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निख्त में किए जा सकरी।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 286/83-84 ता० 8-8-83) सम्पत्ति है जिसका सर्वे नं० 269, 268/2, 268/1 और 267, जो बिनुगुन्डा विलेज, विराजपेट तालक, कोडग डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगसूर

तारीख: 9-4-1984

मोहर 🕄

प्रक्ष् आर्ड.टी. एन . एस . ------

भागकर अधिनियम, 1951 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सहकार

कार्यांसय, तृष्ट्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 3 अप्रैल 1984

नोटिस नठ० 41195/83→84—यतः मुझे, मंजु माधवन, कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/~ रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 16 है तथा जो पाटिर टाउन ले आऊट, डिवीजन नं० 48, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-8-1983

को पूर्वोक्रत सम्मित के उपित काजार मृत्य से का के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्रत सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह, प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बंतरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे क्चने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को सिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कुं अधीन, निम्निसिवत व्यक्तियों, वर्षात् ह— श्रीमती शकुन्झला बाई, नं० 16, पाटरि टाउन, लेआउट, बेंगलूर 560046।

(अन्तरक)

श्री एस० बाबु,
नं० 7, 1 फ्लोर,
कोदन्ड राम नगर,
एन० पी० स्ट्रीट,
बेंगलूर 560001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तल्संबंधी अप्रक्रियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा., अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये था सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण :---हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

(वस्तावेज सं० 1398/83-84, ता० 3-4-1984) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 16 जो पाटरी टाउन लेआउट, बेंगलूर में स्थित है।

> र्मजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 3-4-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के न्यीन नुचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेगलूर

बेगलूर, विनांक 6 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आरे० 6 2/39001/83-84--यत. मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961-(1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टि० एस० नं० 185-1, आर० एस० सं० 603-1, वार्ड मंगलूर है, तथा जो कसबा बाजार विलेज, 13 मार्केट वार्ड, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रिजर्ट्रीवरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-8-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से, एसे खर्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसित्तत उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत र उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या जन्म आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ क्-तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया पया भा मा किया जाना जाहिए भा, कियाने में स्विभा के तिहः;

नतः वय, कन्त विधिनियम की धारा 269-न के अनुसर्थ को, वो उपत विधिनियम की धारा 259-म की स्पनादा (११) के वधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अर्थात् ह—-

- (1) मिसस एम० लोलक्यी, बाईफ ऑफ लेट श्री के० गीनप्पा, रिजाइडिंग एट टिवन हाउस, पांडेश्वर न्यू रोड, मंगलूर।
 - (2) मिसस एम॰ विनिता वाईक ऑफ श्री एन॰ मृनु सुवरण, रिजाईडिंग एट नं॰ 81

नारायणप्पा ब्लाकः,
नियर रिवन्द्रानाथः,
टैगोर नगर,
बेगलूर,
माइनर चिरुष्ट्रन शरन
और शरान्या, के गारिडयन।

- (3) मिसस एम० सुधा सुवरण,
 वाइफ आफ श्री एन० रंन्जन सुवरण,
 रिजाईडिंग एट 122,
 एच० ए० जि० राजामान्नार सलै,
 के० के० नगर,
 मद्रास।
- (4)श्री एम० पित्रता कुमार, सन आफ भिसेस एम० लोलाक्सी, रिसाईडिंग एट ट्विन हाउस, पान्डेक्वर न्यू रोक्क, मंगलूर।
- (5) श्री एम० जीवन कुमार सन आफ मिसेस एम० लोलाकिश. रिमाईडिंग एट ट्विन हाउस, पन्डेश्वर न्यू रोड, मगलूर।
- (6) श्री एम० हरीन कुमार,
 मन आफ मिसे एम० लोलाकणि
 रिसाईडिंग एट एम 80,
 हाउमिंग बोर्ड कालोनी,
 आलटो बेटिम,
 बारडेंज,
 गोवा।
- (7) श्री एम० रजन कुमार, सन आफ लेट एम० हीरकिश, रिसाईडिंग एट मुदिगोरि, चिक्कमगलूर डिस्ट्रिक्ट।
- (8) श्री एम० प्रकीन कुमार, सन आफ मिसेम एम० हीराकाण, रिसाईडिंग एट कोमबेटु, पुत्तूर:।
- (9) मिसेस एम० सुमना कमलानक्षा,
 वाइफ आफ श्री एम० कमलाकक्षा,
 रिसाईडिंग एट मालपे,
 उडुपि तालुक,
 माइनर चिरुष्ट्रन दिव्या
 श्रीर दीप्ती के गाडियन
- (10) एम० हमनिति,
 वाइफ आफ श्री के० रिवनात,
 रिसाईडिंग एट पाडेश्वर, क्रास रोड,
 मंगलूर,
 माइनर पुत्री एम० नीना के गाडियन।

(11) मिसेस एम० प्रतिबा,
वाइफ आफ श्री सुरेश कुमार,
रिसाइडिंग एट फ्लट नं० 25ए,
नियर शिवािकपा,
राजीव नगरं,
दोमबिविल (वैस्ट)
थाना डिस्ट्रिक्ट, महाराष्ट्रा,
माइनर पुत्री सुप्रिया के गार्डियन।

(12) मिसेस एम० किरन,
वाइफ आफ श्री पथा पूजारी,
रिसाईडिंग एट पाम्डेश्वर कास रोड़,
मंगलूर,
अनवार्ने भाइल्ड,
(इन डटेरो)।

(13) मिसेस एम० रोशिनि, बाइफ आफ श्री विपिन सुवर्ना, रिसाइडिंग एट 1-71, अन्नानगर ईस्ट, मद्वास।

(14) भिसेस एम० विद्या, भिसेस एम० हेमनति के पुत्नि, रिसाईडिंग एट पानडेश्वर रोड़, मंगलूर।

(15) डाक्टर एम० राजेंद्रा वनगेरा, सन आफ मिसेस सुन्दारि बाई, रिसैंडिंग एट पडाविनंगिडिं, मंगलूर-8।

(16) श्री एन० नवीन बन्गेरा,
मिसेस सुन्दारि बाई के० पुत्त,
रिसैंडिंग एट पान्डेश्वर कास रोड़,
मंगलूर,
आफ होम नम्बर्स, 2, 3, 6 से 9, 11 और
13 आर रेप्रेसेंटेड बाई अटार्नी नं० 16
(अन्तरक)

 (1) श्री आर० एन० डिसोजा, सन आफ भी० पासकल डिसोजा, रिसैंडिंग एट गोसालिन्ड विल्ला, अत्तावर, मंगलूर।

(2) श्री एच० आर० डिसीजा, सन आफ श्री पासकल डिसीजा, रिसीडिंग एट गेसालिंड निस्ला, असावर, मंगलुर।

(3) श्री जेरोम रोचे, सन आफ श्री अलेक्स रोचे, रिसैंडिंग एट काससिया चर्च कम्पाउंड, मोरणन गेट, मंगलूर। (4) श्री के० सन्काप्पा, सन आफ लेट श्री त का मौलि, एट वलेनसिया, गोरिगुड्डा, मंगलूर।

(5) श्रीमती जे० सुमति, श्री के० सन्काप्पा के पुति, एट वलेनसिया; गोरिगुङ्का, मंगलूर।

(θ) श्री रागवेन्द्रा कामत,
 श्री वामन कामत के पुत्र,
 रिसैंडिंग एट वामन विल्ला,
 मन्तागुड्डा,
 मंगलूर।

(7) श्री जै॰ दयानंदा, श्री ओवय्या के पुत्र, रिसैडिंग एट मोरगन गेट, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन कें भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए का सकेंगे।

अनसची

(दस्तावेज सं० 492/83-84 ता० 11-8-83) सम्पत्ति है जिसका सं० टि० एस० नं० 185-1, आर० एस० नं० 603-1, उसका नापना 567 स्क्वेयर मीटर्स, जो कसवा बाजार विलेज,13 मार्केट वार्ड, मंगलूर में स्थित है।

> मंजु साधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयु**क्**त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंग*कर*

तारी**ख**: 6—4—1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 11 अप्रैल 1984 निर्देश सं० सि० आर० 62/38986/83-84--यतः मुझे,

मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृष्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 13 है सथा जो IV कास हेच० सिद्धाय्या रोड़, बंगलूर-27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वसवनगुंडि मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, बर्णात्—

> श्री एम'० अब्दुल रहीम, नेशनल स्काप टेडर्स,¹ नं० 84, VII कास, डब्स्यू० बी०, बंगलूर-27।

> > (अन्तरकः)

 मेसर्स एलेक्ट्रो केमिकल मेटल फिनिशस, नं० 2, कास, हेच० सिद्धाय्या रोड़, क्रमलूर-27, उसका प्रतिनिधिः श्री एम० के० गिरि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्षमत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाओप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे 4

स्पन्धीकरण ६—६समें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1534/83-84 तारीख 28-8-83) सम्पत्ति है जिसका सं० 13, जो IV क्रास, हेच० सिद्धाय्या रोड़, बंगलूर-27 में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीखा: 11-4-84

मोहर:

प्ररूप आहै. टी. एन. एस.-----शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, चिनांक 6 अप्रैल 1984

निर्देश सं नोटिस नं० 744 — यतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आरं० एस० नं० 108/3 है तथा जो जिनराल ग्राम, हुक्केरी तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुकेकरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-8-83 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मुल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का

पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आथ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री श्यामसुन्दर रामचन्द्र कुलकर्णी,
जी० पी० होस्डर आफ
श्री सुरेश रामचन्द्र कुलकर्णी,
निवासी पामकनमरडी तालुक हुक्केरी,
जिला बेलगीव।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री राम शिवलिंग कोटावली
 - (2) श्री अपण्ना णिवलिंग कोटावली
 - (3) श्री इरपण्ना बालप्पा चौगले निवासी पामकनमडी तालुक हुक्केरी, जिला बेलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

. अम्सूची

(दस्तावेज सं० 544 ता० 22-8-1983) रोनकी जमीन जिसका आर० एस० नं० हैं/ 108/3, जमीन जिनराल ग्राम, हुक्केरी तालुक में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर

नारीख: 6-4-1984

मोहर 🗈

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निर्देश सं० नोटिस नं० 745—यतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन, बायकार विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रंत. से अधिक है

और जिसकी सं० 163/20बी, है तथा जो देंशपांडे नगर, हुबली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-8-1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या िक्स भाषा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

> डाक्टर सतीश उपेन्द्र बालिगा, घर नं० 330, फास्ट फ्लोर ज्योति निलयः फास्ट स्टेज, इंबीरा नगर, बेंगलोर।

> > (अन्तरक)

2. श्रीमती गायती

परती श्री असंत रं, म्यानेजीस पार्टेनर श्री अक्षता फॅनान्स कारपोरेशन ,देशपाड नगर, हबली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की नारीस मं 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यायः;
- (ख) इस सूमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाम निखित में किए जा मुकेगें।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1216, ना० 23-8-1983) मंपत्ति जिसका सी० टी० एाम नं० है 163/20-बी (पार्ट) संपत्ति बालीगा क्षांस, देशपाडे नगर हुबली में स्थिन है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 6-4-1984

मोहर:

प्ररूप आहरे टी. एन एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृष्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 11 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सि० आर० 62/39008/83-84—यतः मुसे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है 37—7601184

और जिसको सं 19 है तथा जा एडवर्ड रोट सिविल स्टेशन, बेंगजूर म स्थित है (और इसगे उपानद अनसुची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, शिवाजा नगर में र्राजस्दोत्तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-8-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति के जिल्ला हाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रांतफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरित्तियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पावा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण निषित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ः---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आग को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसा बन या अन्य शास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. ि ताल म मिवधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिकत व्यक्तियों, अधित् :---

श्री एस० एम० दुगार,
 नं० 9, एलीफेंट गेट स्ट्रीट,

जार्ज टाउनः

मनास ।

(अन्तरक)

2. डगमाधेवी दुगार,

नं० 19, एडवर्ड रोड़,

र्बेगलूर ।

(अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्रहियां करता हां।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राज्यत में प्रकाशन की नारी से 45 दिम को अवधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर स्थानं की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितककृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गवा है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1121/83-84 ता० 3-8-83)

1/2 भाग भि सम्पत्ति है जिसका सं० 19, जो एडवर्ड रोड़, सिविय स्टेशन, नेगलूर में स्थित है।

मंजु माधयन मक्षम प्राधिकारी सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख: 11-4-1984

मोहर:

प्ररूप आर्हा. टी. एन. एस. ------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक अध्यक्तर आयुक्त (निरक्षिण) ग्राजेन रेंग, III, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 श्रप्रैल 1984 निर्वेश सं० 5 ग्राई/III/2784/83-84—ग्रान: मुझे, ग्रा० लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 45 है तथा जो चौथा माला, मनाली बिल्डिंग मालाड, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है के श्रिधीन, तारीख 1-8-83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथस्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा को लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उण्धारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमों, अर्थात् .--

- 1. मैं मनासी कारपीरेशन
- (यन्तरक)

2. श्री संजय मुक्की

(ग्रन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियो आ सकारी।

श्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा., जो उस अध्याय में दिय गुवा हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए-45, मनाली बिल्डिंग ,प्लाट नं० 48.49, 59 बलनाइ गांब, मालाइ बम्बई।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्राई० III/1125/83-84 श्रीर ओ, सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1-8-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्र० लहिरी सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, बस्बर्द

दिनांक 9-4~1984 .

मोहर :

प्र<mark>रूप भार्षः टी. एस</mark>. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अजंन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनाकः 11 अप्रैल 1984

निर्वेश सं० 5 मर्ड/ |2642/83-84-307: मुझे, अ० लहीरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 4, नवगीता को० आप- सो० सेंट एन्थोनी रोड, चेम्बूर, बम्बई में स्थित है। और इसमें उपाबद्ध अनुसूर्या में ऑर पूणं रूप में विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री किया है, के अधीन, नारीख 17-8-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितां (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया पथा प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अंतरण लिखित वे बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त विधितमम के वधीन कर बीने के बंतरक के वाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी गाम मा किसी धन या जन्म शास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः नव, उक्त निर्मानयम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को नधीम, निम्मसिश्चित व्यक्तिमों, जर्मात् :--- (1) श्री एस० नारायनन

(अन्तरक)

2. श्री वी० एस० मनी

(अन्तरिती)

को यह तुचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनसः संपरितः के मर्चन के सम्बन्ध में कोई भी मार्शव:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच हैं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त निधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गंजा है।

यगुणुची

फ्लैट नं० डी० 4 नावधा को० आप० सोसायटी ,सेंट एनथोनी रोड़ चेम्बूर, बम्बई।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई० III/1153/ 17-8-83 और जो सक्षम प्राधिकरी बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० तहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, **बाम्ब**ई

तारी**व**: 11-4-1984

मोहर ३

प्ररूप् वार्दः टी. एन्: एतः -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, बम्बई
बम्बई, दिनांक 12 ग्रप्रैल 1984
निदेश सं० ग्रई-II/37ईई/5510/83-84---ग्रतः, मुझे,
एस० एच० ग्रब्बास ग्राबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० शाप नं० 4, ग्राउंड फ्लोर, इन "ट्वीन टावर्स", प्लाट 8-ए-8बी, सर्वे नं० 41 (पार्ट) ग्रौर विलेज ग्रोशिवरा, फोर बंगलोज, ग्राफ जे० पी० रोड, वरसोवा, ग्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-8-1983

को पूर्वीक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्दृश्य से उक्त अंतरण लिखित म वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो.कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 'का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पकाजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान भा स्विधा के लिए;

अतः जबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नितिषित व्यक्तियों, अधीत् —

- 1. मै० इंदरजित प्रोपर्टीज प्रायवेट लिमिटेड
 - (ग्रन्तरक)
- 2. मैसर्स सनी इन्टरप्राइसेस

(ग्रन्तरित)

को यह सूचना बारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

शाप नं० 4, प्राउंड पलोर, इन "ट्वीन टावर्स", प्लांट 8-v-8-बी, सर्वे नं० 41 (पार्ट) एट विलेज वोशिक्रा, फोर बंगलोज, ग्राफ जे० पी० रोड़, वरसोवा, ग्रंधेरी (पश्चिम बम्बई में स्थित है। ग्रानुसूची जैसा कि सं० ग्रई II-/37ईई/5510/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० युक्तास स्राबिदी सक्षम प्रीधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज–II, बम्बई

तारीख: 12-4-1984

मोहर:

प्रकाष बाह्र . डो. एन. एस. -----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकार बायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, बम्बई

्वम्बई, दिनांक 12 श्रप्रैल 1984

निदंश स० श्रर्थ-2/37र्धर्थ/5511—श्रतः, मुझे, एस० 30 श्रद्धांस श्राविदी,

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें जे पश्चात जिस्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 9-इ के अभीन सक्षम प्राधिफारी की, यह विश्वास करने का ए है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य ,000/-रु. में अधिक ही

ार जिसको स० शाप नं० 17, है तथा तल मजला टीवन वर्स, श्रोशोवाडा 4 बंग्लो अंधेरी में स्थित है (श्रीर इससे गावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका रारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में जिस्द्री है, तारीख 19-8-1983

पूर्वेक्ति सम्पत्ति कं उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान फल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास ते का कारण है कि सथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उजित बाजार य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती न्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिन्ति, निम्नितिवित उद्वोद्य से उक्त कत्तरण कि वित में बास्तिक से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण मं हुई किसी जाय की बाबत, अक्त विभिनियम के विभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में बृदिभा के सिए;

अस . अब . उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , में , क्ष्मत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन , अम्मिनियम किया किया किया है—

1. मैं० इन्द्रजोत प्रोपर्टीस प्रा० लि०

(भ्रन्तरक)

2. श्री पो० वी० प्रभू

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वायः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्धांकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. श्रो उक्त गीधनियम् के अध्याय 20-क में गिरभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

ममुसुची

शाप नं० 17 तल मंजला, टीवन टावर्स बनने वाला बिल्डिंग प्लाट नं० 8-ए, ब. सर्वे नं० 41, श्रोशीवास 4 बंग्लो श्रंधेरी बंबई।

प्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्राई/II/37ईई/5511/83-84 प्रौर जो बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 19-8-1983 को रजिस्टर्ट किया गया है।

एस० एच० भ्रब्बास भ्राबिदी सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I^I, बम्बई

ता**रोख**: 12-4-1984

माहर 🔞

प्रकृष बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰ ' ' ' '

बायकार अधितिस्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ध्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-11, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 भ्रप्रैल 1984

निदेश सं० श्रई—II/37ईई/5363/83-84—-श्रतः, मझे, एस० एच० श्रव्यास श्राविदो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं वुकान नं 15, वेनक्षेर, तलमाला, प्लाट नं 9/9ए, एस नं 41, चार बंगला बसौबा, श्रंधेरी (पिचम), वम्बई-400 058 में स्थित है (श्राँर इससे उपाबक्क अनुसूची में श्रोंर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम श्रिधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीखं 6-8-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इच्यमान प्रतिफल से एसे इक्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्ति,रितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखत उद्घरिय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- ंक) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निवम के अभीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विस्; बीद/वा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना वाहिए था, कियाने में सविधा के किया;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० रविराज कन्स्ट्रक्शन्स

2. श्री किरण के० जुनेजा

(भ्रन्ति

(ग्रन्त

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति व। अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :--

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि,
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताका पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ अधिनियम के अध्याय 20-क में पि **हैं, वहीं अर्थ हो**गा, ओ उस अध्याय में गया **हैं।**

वनसूत्री

दुकान नं ० 15 बेनझेर, तलमाला, प्लाट नं ० १/१ए, नं ० 41, चार बंगला, बसोवा, श्रंधेरी (पश्चिम) ब 400 058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋं सं० अई-2/37ईई/53 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा हि 6-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० ग्रज्यास मा सक्षम प्राधि सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरी ग्रर्जन रेंज-2)

तारीख: 12-4-1984

मोहर:

त्ररूप शाइ ै. टी. एन. एसं.------

यक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--2, बम्बई बम्बई,विनांक 12 अप्रैन, 1984

निदेश सं अाई०-II/37 ईई०/5319/83-84--अतः, एस० एच० अख्यास अधिर्धः,

जर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा -स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 000/- रह. से अधिक है

'जिसकी सं० फ्लंट नं० 53, पांचवीं मंजिल, आफ बिल्डिंग एज रोकाडिया निकेतन, सी० टी० एस० नं० 141-बी नं० 50, हिस्सा नं० 3एफ० आफ मौजे मोगरा, पारसी यत रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित हैं इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 9 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय गरीख 2 अगस्त, 1983 को रजिस्ट्री है

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्थयमान स के लिए अन्तरिती की गईं है और मुभे यह विश्वास का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार उसके स्थ्यमान प्रतिफल, से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंत-(अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित ।स्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) स्थीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं ० रोकाडिया इन्टरप्राइजेज ।

(अन्तप्स)

(2) श्रोप्रदीप कुमार मंगलदास तालमानिया और श्री रश्मी प्रदीप कुमार तालसानिया। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.--इसमें प्रयंवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुस्ची

फ्लैट नं० 53, पांचवीं मंजिल आफ बिल्डिंग नोन एज रोकाडिया निकेतन, सी० टी० एस० नं० 141-बी, एस० नं० 50, हिस्सा नं० 3 एफ आफ मौजे मोगरा, पारसी पंचायत रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई० 2/37 ईई/5319/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 अगस्त, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, यम्बई

तारीख: 12-6-1984

मोहर 🦠

प्रक्रम बाह्य टी. एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 अर्प्रैल, 1984

निदेश सं० अई०-2/37 ईई०/5317/83-84--अत:, मुझे, एस० एच० अध्यास अबिदी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात 'उषत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीज सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 52, राक्षिड्या निकेतन, पारसी पंचायत रोड, अन्धेरी, बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध *अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार--नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा कख के अधीन, सक्षमप्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में 12 अप्रैल, 1984 को रजिस्टी हैं

को पूर्वोंकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्बंदिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त दायिस्य में कभी करने था उससे अचने में सुविधा के लिए; जारू/या
- (ब) एसी किसी आय था किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उक्त विभिनियम, की भारा 269-ग के बन्सरण भो, मी, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीत्:—— (1) नै > राकाद्विया इन्टरप्राइजेज।

(अस्ति(र.क्

(2) श्री सुरेश भाई सम्पत ।

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के नि कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब 45 दिन के भीतर उक्स स्थाबर सम्परित में हितक किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्र निवित में किए जा सकोंगें।

स्यव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदों का, जो उ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभारि है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दि मया है।

अनुसची

पर्लंडि नं० 52, पांचवां माला, रोकाडिया निकेतन, सी टी० एस० नं० 141 व मं० नं० 50, मौजी मोगरा, पाप्स पंतायत, अन्धेरी, बम्बई।

अनुभूची जैसा कि कम स० अर्ड०-2/37 ईई०/5317 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में दिलाए 1 अगस्त, 1983 को रिजिस्टई किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिर्द **सक्षम** प्राधिकारी **सहायक आयक**र आयुक्त (निर्रःक्षण) अर्जन रेंज⊶2, बम्ब्र्स्

तारीख : 12-4-1984

मोहर :

प्ररूप आहाँ ती एन एस - ----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अभीन सम्बना

भारत मरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--2, वस्वर्ष बस्बर्ष, दिनांक 12 अप्रैल 1984 निदेशसं० आई--2/37 ईई०/5410/83--84---अन मुझे, एस० एच० अख्याम आबिर्दा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहल)त् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मस्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैट सं० 2 तीसरी मंजिल, प्रभु दयाल कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी तिमिटेड, एस० नित्यानन्द मार्ग,
अन्धेरी (पूर्व), बस्बई- 400093 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्यामे विज्ञत है), रितिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धीरा 269 केख के अधीन
पक्षम प्राधिकारी, बस्बई के वार्यालय में दिनाक 13 अगस्त,
1983 को रिजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्बोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति भा विश्वा के स्थापन नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्य की बाबत, उक्स अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बॉर/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

बत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निकालिखिल स्पिक्तयों, अधिन:---38 --76GI|84 (1) श्री अल् स्मानिक भीमण और श्रीसती पूर्णिमा अत्राण मोमण ।

(अन्तरका)

(2) श्रीमता मित्रता विट्ठल दामले और श्री रघुनाथ महादेव दामले ।

(अन्तरियो)

3 श्रान्यक

(बह व्यक्ति, जिसके आभिग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना आरी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त मम्पिस के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

फ्लैट नं ।। तिस्मरी मंजिल, प्रभु दयाल को०-आप-रेटिव हार्जीसग में(साइटी लिमिटेइ, एस० तिस्यानन्द मार्ग, अन्धेरी (प्वी), तम्बई-400093 में स्थित है।

अनुसूची: जैसा कि कम मं० आई०-2/37 ईई०/5440/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13 अगस्त, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

एम० एच० अब्बाम आबिदी
समक्ष प्राधिकारः
महायक आयकः आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2. ब्रम्बर्ध

तारीख . 12-4-1984 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रप्रैल, 1981

निदेश स० म्राई०-4/37 ईई०/2777/83-84--म्रत. मुझे, म्र० लहीरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी म० 55, 5वा माला, निद्धि स्रपार्टमेट, न० 1, लिबटी बाग, मालाड, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप रो विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में नारीख 16 स्रगस्त, 1983 को रिजस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियो (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या

था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अवः, उतः अधिनयम की धारा 269-ग के अनमरण में, मैं उत्ता श्रीतिशम की शारा 269-घ की उपधारा (1) के जबी जिल्ला कि जिल्ला की समित -- (1) श्री जी० प्रार० सखरानी ।

(अनरक)

(2) श्री एम० पी० गर्मा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया मया है।

अन्सची

फ्लैंट न० 55, 5वा मात्रा निन्नि ग्रयार्टमेंट नं० I, लिवर्टी वाग, मालाड, वस्वई।

> ग्र० लहिरी राक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 12-4-1984 मोहर श्रुक्ष गाई, दी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 स्रप्रेल, 1984

निवेण सं० ग्राई०/3/2510/83-84—ग्रतः मुझे, ग्र० लहीरी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात 'उभव अधिनियम' कहा पया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित, जिसका उचित नाजार मूस्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, चीथा माला, दामोदर पोस्ट एस० बी० एस० रोड, घाटकोपर, बम्बई में स्थित है (ऑर इससे उपाबद्ध ,अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन, बम्बई में स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री किया गया है रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, बम्बई में तारीख 1 श्रगरत, 1983

को प्रांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य म कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विज्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति को उचित गाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में यास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संशुद्धं किसी आय की कावत, उक्त बर्गिपिया से स्थीन कर दोने के अन्तरक के शादित्व में कमी करने या उससे व्यने में हुमिथा के किए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के विश्व;

जतः अब, उजत विभिनिषम की भारा 269-ग के जनुसूरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित्रित व्यक्तियों, वर्षात् E— (1) मै० पाम्ल इन्टरप्राइजंज ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती जफरी बगम जाहीर हुसैन । (अन्तरिती)

को यह स्थाना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं!

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वयि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अकोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण :-- इसमाँ प्रयास्त शब्दों और पदा का, जो उक्त विभिन्नम, के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका नवा हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 3, ग भाग, चींथा माला, दामोदर पार्क, धाटकोपर, बम्बई ।

> ग्र० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख : 11-4-1984

मोहर 🛭

प्रकार कार्य . टी . एस . इस

बायकर निर्मित्सन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अभीन सूचना

सारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 श्रप्रैल, 1981

मुझे, एच० एस० ग्रब्बास आबिर्दा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चाद 'उल्ला शिभिनियस' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 21, रोकड़िया निकतन दूसरा माला पारसी पंचायत रोड, अन्धेरी बम्बई में स्थित है (और जिसकी इससे उपायड़ प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं ग्रीर जिसकी जिसका करारनामा श्रायकर श्रविनियम 1961 की धारा 269 की धाराक ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में तारीख 1 ग्रगम्न, 1984 को रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का, जिम्मिलिया उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिए व नाम्य विक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुव्दं किसी आय की बाबत उक्त बर्ध-नियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायिला में कमी करने या उससे बचने में सुविधर के लिए और/या
- (ब) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य नास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मिन्दिक के लिए:

नहः सदः, उक्त विधिनियम की भारा 269-६ के बनहरू मा, मी छा। विधिनियम की भारा 269-घ की उपधारी (1) क नधीन, निर्वतिकार व्यक्तियाँ संधात् ...- (1) मै० रोकडिया इन्टरप्राइजेज।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रश्नीमती मनीलाल णाह्।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परिस के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हंा।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजधन भी प्रकाशन की तारों से थ 45 विन की अवधि या तत्त्वकाशी व्यक्तिया पर मुखना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य स्थाब्त द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पाग निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थे होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 21, दूसरा माला, राकड़िया निकेतन, सी० टी० एस० नं० 141 व मौजी माग्राका घर नं० 3फ, पारसी पंचायत रोड, ग्रन्धेरी, बम्बई-69।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम मं० श्राई०/2/37 ईई०/53—4/ 83—84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, अम्बई में दिनांक 1 श्रमस्त, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एग० एच० श्रवाय श्राबिटो सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, ब म्बर्फ

तारीख 12-4-1984 **मोह**र . प्रारुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जनरोज-4, वम्बर्ट

बम्बई, दिनार 11 अप्रैल 1984

निवंश सं० आई०-4/437ईई/1536/83-84 ---अत. भन्ने, विजय रजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अबीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 /- रा. में प्रीधिक है

स्रीर जिसकी स० प्लैंट न० 105, हरी श्रोम अपार्टमेटस, बी-3, बिल्डिंग, एस० व्ही० रोड, बोरीवली (पिष्चप), बम्बई-400092 में स्थित हैं (और इसमें उपावड़ अनसूची में श्रोंप पूर्ण कप में विणित हैं) श्रोप जिसका क्रारनामा आयक्य अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्टी हैं, तारीख 5-8-83

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफाल के लिए अन्तरिय की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असक दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, या धन-(1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्याजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के बनसरण य में उन्तर पिर्धानग्रम की धारा 269-घ का उन्तरमण (1) क उभीम, फिलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् .--- (1) श्रा लालत नवनितलाल गौलवाला श्रौर, श्रीमनो चब्रिका ललित गौलवाला ।

(अन्तरक)

(2) श्री किराट चन्द्रकात धूव ग्रीर,श्री विरेन्द्र चन्द्रकात धूव।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति कं अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया। में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण: ---इसमे प्रयुक्त झब्दों और पदौं का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ज्या है।

अनुस्ची

फ्लैट नं० 105, हरी श्रोम अपार्टमेंटस, बी-3, बिल्डिंग एस० व्ही० रांड, बोरीवली (पश्चिम), वम्बई-400092 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/1536/83-84 स्पीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5 अगस्त, 1984 को रजिस्टर्ड कियाँ गया है।

> विजय रजन, गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

मारीत . 12-4-1984. मोहर : प्ररूप बाइ टी. एन. एसं.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निदेण सं० अई-/37ईई (491/83-84) अतः मझें, विजय रंगन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्टात् 'जक्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 2-बी/202, पारस नगर, शंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-400067 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1983

का पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिफ है और अंतरक (अंतरकों) और अतिरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कन, किन्तिविद्धाः उद्देष्य स उक्त अन्तरण निश्वित में बास्त-विक कृप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस के सधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बाँड/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 1१) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ, अन्तिरिती बुनारा अकड नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था जियाने में सृतिथा के शिष्टु

जत. जब, उन्त निषितियम की भारा 269-ए के अनुसरण मे, मैं, उन्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधील, निम्कलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती जे० सी० सुतार,श्री सी० ए० सुतार और,श्री एस० ए० मिस्स्री।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती एच० एस० गेठ, श्री डी० एस० गेठ श्रीर, ग्रीर जे० एस० गेठ।

(अन्सरिती)

को यह सूच्ना जारी करके पर्वात्रत सम्पर्शत के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उस्त सम्परित से अर्जन के यम्बन्ध में कांक्र भी गाक्षप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जबिभ या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की जबिभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्वारा;
- (स) इस न्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गमा

भन्सूची

्रूपलैट इतं० 2-बी/202. पारस नगर, शंकर लेन, कांदिबली (पश्चिम), बम्बई-400067 में स्थित है। अनसूची जैसा कि ऋसें सं०. अई-4/491/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई क्षारा दिनांक 1-8-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर **आयुक्त (निरीक्षण),** अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-4-1984.

मोहर 🏻

प्रक्रमः आर्थः दी. एनः एवः -----

भायभर मिथिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निर्वेश सं० अर्ड-3/37ईई/2506/83-84:--अत: मझे, ए० लाहिरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का॰ 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2.कंजूर को० आप० हा० सो० लि० कांजूर ग्रीर भांडप बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है), जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व मों अमी करन या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिधा के लिए;

अत. अभ, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं. उक्त जीधीनयम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के जधीम, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मार्डन बिल्डसं ।

(अन्तर्क)

(2) शीके प्रमुक्ति विमा

(असरियी)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीकन मम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्ट्रताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्योकरणः --- इसमें प्रयुवत श्रव्यों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमृत्यी

फ्लैट नं० 2, कांजूर को० आप० सोसाइटी बनने वाली कांजूर मार्ग भांडप बम्बई ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई 3/37 ईई/1205/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लाहिरी पत्तन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

तारीख: 12-4-1984

गोहर :

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रे ज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 अप्रैल, 1984

निदेश स० अई-III/37 ईई/2469/83-84-अन: मुझे, अ० लहिरी,

अगयकर अधिनियम, 1361 (1951 का 43' (जिमे उनम इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की पाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूहर 25,000/- रुक्त से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 406, वैकुंठ लिटल मालबार हिल, सिंधी सोसाइटी बम्बई-7, में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय मे रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1983

का पुरावत राम्पित के उचित्र बाजार मूल्य स वाम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापर्वोपन सम्पत्ति का उचित वाशार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबन, उन्न अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाायत्व म कमी बारन ना उन्न नदा कर कि

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .— (1) त्री पोन पता तोलाराम।

(সন্দেশ)

(2) श्रीवी० एन० भट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवर्गह्या करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर्ग क शास कार्यका मार्गिंग गार्थिका ।

स्यष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैट न॰ 406, वैकुंठ सिधी सोसग्इटी लिटल मालबार हिल बम्बई-7

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई III/37 ईई/1208/83-84 स्नौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-8-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अ० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज--3, वम्बई ।

दिनांक : 12-4-1984.

मोहर

अक्य बाह्र .टी .एन .एस . -----

भायक कि कि भिष्म , 1961 (1961 को 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन मुचना

मारक त्रकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, धिनांक 12 अप्रैल, 1984

निर्देश मं० अर्छ/III/254/2541/84-84-अत मुझे, अ०लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्धास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक-है

श्रीर जिसकी सं० 6, गोकुल गोवनपाडा रोड़ है तथा जो मूलूड बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनसूची में श्रीर पूर्ण कृप से वर्णित है (श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है, के अधीन, नारीख़ 8-8-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाँया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दें। के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अपधारा (1) के अधील, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ु—
39.—76GI|84

(1) मै॰ पटेल कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री शेट्टी मोनपा।

(अन्तरिती)

कां यह सचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के गणन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अर्थाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन को अन्धि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थनिसयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्षं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितब द्र्भं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है। यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया

अनुसूची

फ्लैंट नं० 6, कीगूल, गीवन पाडा रोड़, मूलूंड (पूर्व) बम्बर्ड।

अनुसूर्यो जसा कि - क० स० अर्द्ध[III] 1161/83-84 ग्रीर जो बम्बई के संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में विनाक 8-8-1983 को रजिस्टर्ड हुआ है।

> अ० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-3, बम्बर्ड ।

तारीख: 12-4-1984

महिर ३

प्ररूप गाइ. टी. एत. एस. -----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत चुरकार

कार्यालय, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 अप्रैल, 1984

निर्वेश सं० अई/III/2489/83-84-अत: मुझे, अ॰ लहीरी,

जायकर जिमिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपहित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 1, अल्पना रश्मी को-म्राप० हा० सो० लि० मेहर रोड है तथा जो मेहल टाकीम के सामने, मूलूंड बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है, के अधीन, नारीख 6 अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिबक इप से किथत नहीं किया नया है:----

- कि। जन्तरण से हुई किसी नाय की कावत उन्त जीध-पियम के जभीन कर बोने की सन्तरक की दामित्व में कभी करने या उससे यथन में स्विभा के लिए और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) है प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सिविधा के लिए:

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिचित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स (1) श्रीएम० बी० संका।

(अन्तरक)

(2) श्री के० ए० मनसटे श्रीर भीरज ए० मनसटे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तांगील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकोंगे

स्माव्यक्तिरण :----इसमें प्रयुक्त गव्दों और पर्दों का, जो शक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होंगा जो अस्याय में दिया गया है

अनसची

फ्लैट नं० 1, अल्पना रक्षी को- आप० हा० सो० लि० मेहर रोड़ मुहल टाकीस के सामने मूल्ड बम्बई।

अनुसूची जैसा किं ऋ० सं० अई/III/1163/83-84 श्रौर जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 6-8-83 को रजिस्ट**डं** किया गया है।

> अ० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर अम्पुन्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई।

तारीखा: 12-4-1 984

मोहर:

प्ररूप आहं. टी. एनं. एस.-----

1 श्री ग्रार० जी सेंदूलकर

(ग्रन्तरक)

2. श्री के० एच० मेहसा

(अन्तरिती)

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, III बम्बर्ध

बम्बई, दिनाक 12 ग्राप्रैल, 1984

मं० ए ई/III/2492/83-84 — ग्रंत मुक्षे ग्रं लहीरी, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० धार० पी० रोड है तथा जो खण्ड 5 बम्बई में स्थित है (श्रार इसम, उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है के अधीन बम्बई, नारीख 6-8-1983

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्मान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, एसे ख्र्यमान प्रितिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण स हुई किसी जाय की शावल उक्त जीध-नियम के अभीन्क कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपान में सविधा के किए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, संधात ;---- को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पट्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसूची

फ्लैट न० 3, शिवम न प्लाट म्रार० पी० कास रोड मलड बम्बई।

म्रातुमूची जैसा कि ऋ० सं० ए $\mathbf{t}/II/1159/83~84$ श्रीर बम्ब \mathbf{t} के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 6-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

भ्र लहीरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, 3 बम्बई।

तारीख 12-4-1984 • मोडर ७ प्रका मार्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायकः आयकः आयक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-३, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 ग्राप्रैल 1984

म० ग्राई-4/37ईई/2544/83-81—-ग्रत मु 3 , ग्र० लहीरी.

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पण्टि; जिसका उचित वाजार सन्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैंट न० 202, मनुरा एस० 16, हिस्सा नं० 6, मी० टी० एस० नं० 12, गवाणपाडा रोड, मुलुड (पूर्व), बम्बई—81 में स्थित है (ग्रीर इमने उपाबद्ध ग्रनुसूची ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्राय कर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 8-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रंथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ्य पागा ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च रूप से उद्युत अन्तरण के सिद्ध से अस्तरण से सिद्ध सिद्ध से सिद्ध सिद्ध से सिद्य सिद्ध से सिद्

- (क) अतरण से हुई किसी अप की बाबत, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- .ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती ह्वारा प्रकट नहीं किसा गया धां या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- पटेल कार्पोरेशन।

(भ्रन्तरक)

 श्री मुकेश जेठा लाल मोमया श्रीर मुशिला जेठालाल मोमया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वीक्त सम्परितः के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुजुरी

फ्लैंट नं० 202 मतुरा एस०, 16, हिस्सा नं० 6, सी० टी० एस० न० 12, गवाणवाडा रोड, मुल्ड (पूर्व), बम्बर्ड-81 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई/111/37 ईई/1178 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1983 को रजिस्टडं किया गया है।

> श्र० लहीरी, सक्ष प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 3, बम्बई

दिनाक : 12-4-1984

भोहर:

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सम्बना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 9 ग्रप्रैल 1981।

निर्देश स० ग्रर्ड/111/2583/83-84--ग्रत मुटे ग्र० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्त्रा उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० ब्लाक नं० 13, है तथा जो जयन्ती को० प्राप० सोसायटी लि० ग्र बिल्डिंग, ग्रार० बी० महता रोड, घाटकोपर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाब्छ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण हप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है, तारीख 16-8-1983

को प्यांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य स उक्त अन्तरण निशित से बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है '---

- (क) जनसरण से हुई किसी जान की बाब्त, उक्त जिथितियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए, और/या
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जत जब उक्त जिथिनियम की धारा 269-य के जन्मरण में, में, उनत जिथिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मभीन, निम्निलिस व्यक्तियों, जर्भात् । —— 1 श्री एम० बी० मेटी।

(ग्रन्तरक)

2 श्री जे० पी० शाह

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् क लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवक्ष किसी जन्य व्यक्ति व्याग्र अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—-इसम प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तुची

जयन्ती को० ग्राप० हाउसिंग मोसाइटी, ग्र बिहिन्डग, ब्लाक नं० 13, ग्रार० बी० मेहना रोड, घाटकोपर बम्बई। श्रनुसूची जैसा कि क्रम स० ग्रई111/37 ईई/1108/ ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 16-8-83 को रजिस्टई किया गया है।

श्र० लहीं री, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 3; बस्बई

विनोक: 9--4--1984

मोहर.

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यौलय, सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, II, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 मार्च 1984

सं० म्रई-2/37 र्हर्ग/3232/83-84'--अतः मुझे एस० एच० म्रजास अबिदी

स्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० गोष्ठाऊन नं० 41 है तथा जो हरी मार्केट, प्रथा रास्ता, बम्बई 400052 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसकी करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 8-8-1983

को पूर्वीक्त संपर्ति के उच्ति बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण भं, में, उक्त अधिनियम की चार्य 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री गिरधारी लाल रेबावन्द मूलचन्दानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मुन्दर मेंघराज स्नाहजा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंभी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य स्थाक्त क्वारा अधाहस्ताक्षरी के मास विवित में किए जा सकाने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ु</u>स्ची

गोडाऊन नं 41, जो, हरी मार्केट, 4था रास्ता, बम्बई-400052 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० फैं० ग्राई-2/37ईई/3232/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० ग्रव्बास, अबिवी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 2, बम्बर्ध।

तारीख: 30-3-1984

मोहर:

प्ररूप आइ . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 11 भ्रप्रैल 1984

निर्देश सं० 5 भ्र० ई०/3/2736-83-84---श्रतः मुझे, श्र० नहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिमका उचित बाजार मृन्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 19, 4था माला, साइ बाबा मार्वे रोड है तथा जो मालाइ बंबई में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूषी में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 का धारा 269 क, ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है, दिनांक 1 श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एरेर किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रशांजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

सत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नित्सित व्यक्तियों, अधिक ने---

(1) श्री श्ररुण कुमार एसोसिएटस

(श्रन्तरक)

(2) श्री जेबब्बर फर्नाडीस

(श्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन को निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्की

साइ बाबा पार्क, प्रशीश बिल्डोंग, फ्लैट नं० 19, 4था माला, मिठ चौकी, मार्बे रोड मालाड बंबई ।

अनुसूची जैसा कि कम० सं० अ०ई० 3/1135/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्न० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज 3, बम्बई

दिनांक: 11-4-1984

मोहर 🔢

प्ररूपः वाद्दः टी. एन. एस्. - - - -

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सम्बन्ध

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्वत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 श्रप्रैल 1984

निर्देण सं० श्र० ई०-4/37 ई० ई०/2693/83-84—श्रतः मुझे, श्र० लहीरो,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- सः से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैट नं० 15. 2रा माला, स्वामी नारायण दर्शन है तथा जो डा० डी० पी० रोड़ मूलूड बंबई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण ध्य से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय मे रजिस्ट्री है, दिनांक 29 श्रगस्त 1983

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के खन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (भ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में म्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री जमनाराम को० श्राप० हा० सोसाइटी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० के० शाह और ग्रन्य

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्मरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्माक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्ची

पलैंट नं० 15, स्वामी नारायण वर्णन की० पी० रोड मूल्ंक बंबई।

- ग्रमुस्द्री जैसा कि कर सं ग्राठ ई०/III/1171/83-84 श्रीर जो बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 29-8-83 को रजिस्टर्ड हुन्ना है।

ग्र० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज 3, बम्बई

दिनांक: 12-4-1984

मोहर 🖫

प्रार**ाप कार्य**ः ती एत[्] एस_{्ननसम्बद्धननन}

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज []], बम्बई

बम्बई, विनांक 12 श्रप्रैल 1984

निर्देश सं० 5 ए० प्रार०/।।।/2456/83-84--प्रतः मुझे. श्र० लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. मे अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० 14 3रा माला, पंचशील बिल्डिंग है तथा जो मुलंड बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर भ्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई के अधीन, दिनांक 1 भ्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित गाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन अहर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

अत: अब:, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क् अधीन, निकालिजित व्य**न्तियाँ, अर्थात्** ।—

40---76GI|84

(1) भी एम० आर॰ दनना

(यन्सरक)

(2) श्रीबी० एच० गाह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां घरः करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपय में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपंतित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकरी।

स्यब्दीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुस्यो

पलैट नं ० 14, 3रा माला, वंचर्याल बिह्धींग, पांच रसता मुल्ंड सम्बर्ध।.

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्र० ई०/।।।/1162/83-84 श्रीर जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 1--8-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> भ्र० लहोरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), भ्रजीन रेंज III, बम्बई

दिमांक : 12-4-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा २६९-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 3, बम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 12 मप्रैल 1984

निर्देश सं० ए०ग्रार०-4/37 ई०ई०/2830/83-84--ग्रनः मुझे, ग्र० लहिरी,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० एस० नं० 07, हिस्सा नं० 1, सी० टी० एस० नं० 154 मालवंगी, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित हैं (भीर इसमें उपाबद्ध ग्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रीर निसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, दिनांक 26 श्रगस्त 1983

की प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए हम माया गया प्रतिक्क कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्बित में वास्त्रिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई िकसी जाय की बाक्षत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के प्राणित्व में कामी वरने या उसमे बचने में मृतिधा के लिए और/या
- (ल) एसी किसी आग्न या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हों भारतीय ज्ञान-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा ने लिए.

लतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण च⊤, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीत, निम्नटिखित व्यक्तिक्यमें अधीत :

- (1) 1. श्री रोमन जोनेफ मंडिन
 - 2. श्रीमती श्रनी इनस मेंडिस श्रीर
 - 3 श्री पास्कल डेविड मेडिस

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स भार० पटेल बिल्डर्स

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरकों (वह व्यक्ति, जिसके श्रिथभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

*उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उकत अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्त्र्यी

एस० नं० 07, हिस्सा नं० 1, सी० टी० एस० नं० 154, मालवणो, मालाङ (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ए० श्राप्त III/37 ई० ई०/1183/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 26-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ग्र० लहिरा, सक्षम प्राधिकारा, सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेंज 3, बम्बई

दिनांक 2-4-1984

माहर:

प्ररूप बार्ड. ही. एन. एस. -----

(1) श्रो किशोरचन्द एंड कं०

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीनरेन्द्र कुमार जैन

(ग्रन्तरिती)

जायकर जीभीनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के जभीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रप्रैल 1984

निर्देश सं० ए० प्रार०/37 ई० ई०/2552/83-84--- प्रतः मुझे, प्र० लहीरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 36, 6था माला ठाकुर नगर मूलूंड बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्रो है, दिनांक 12 ग्रगस्त 1983।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गईं है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वादेय से उक्त अन्तरण बिलित में बास्तरिक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी नाय की बाबत, उन्तर बीभीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), क अधीन, जिम्मिलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- कां यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

पर्लंट नं० 36, 6था माला, प्लाट नं० 2 झौर 3 ठाकूर नगर, मूलूंड़ बम्बई।

श्रनसूची जैसा कि कि सं० अ० ई०/III/2552/83-84 श्रीर जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में दिनांक 12-8-1983 को रजिस्टकं किया गया है।

श्र० लहोरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज 3, बम्बई

विनांक: 12-4-1984

मोहर :

प्रकम् भार्दः टी. एन्. एस्. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

बारुव सरकार

क्रायांसव, सह्ययक जायकर आयुक्त (तिर्देशका) श्रर्जन रेंज 3, वस्वई

वम्बई, दिनांक 12 श्रप्रैल 1984

निर्देश सं० ग्र० ई०-4/37 ई० ई०/2543/83-84—श्रतः मसे, श्र० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रुठ. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं ० फ्लैंट नं ० 303 मयुरा एस० 16, हिस्सा नं ० 6, सी० टी० एस० नं ० 12, गवाणपाडा रोड़, मूलूंड (पूर्व), वस्वई में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बस्वई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 8 श्रगस्त 1983

को पूर्विक्त सम्मित् के उिचत भाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) श्रम्युत्त सं हुई किसी जात की शावत, प्रकत श्रक्षितियम के सम्रोत कर देते के सम्बद्ध के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; सरि/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए।

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) पटेल कार्पेरिशन

(ग्रम्तरक)

(2) श्रीमती ग्रार० मिनाक्षो ग्रौर श्री ग्रार० वरदराजन (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हित-भव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकने।

स्पक्कीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क़ में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अव्याद में दिया गया है।

तन्त्र

मथुरा फ्लैट नं० 303, एस० 16, हिस्सा नं० 6, सी० टी० एस० नं० 12, गवाणपाडा रोड, मूलूंड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

भनसूची जैसा कि कि० सं० भ० ई० $\mathbb{R}[1/37]$ ई० ई०/1176/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

भ्र० लहिरों, सक्षम प्राधिकारों, सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण), भ्रजन रेंज 3, बम्यई

दिनांक : 12-4-1984

मोहर:

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

भाषकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सत्तना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 4, वस्बई

बम्बई, दिनांक 25 ग्रप्रैल 1984

निर्देश स ० श्र० ई०-4/37 ई० ई०/2930/83-84—-श्रतः मुझे, विजय रंजन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने वा कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार गन्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी फ्लैंट नं० 28, 2री मजिल, रोहन श्रपार्टमटस्, नव गाग, मंडपेश्वर रोक्ट, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 22 श्रगम्न 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्यिक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्निजीकन उक्षेय में क्ष्मन क्लप्त विकित में बास्तिक क्ष्म कर्मित नहीं किया नगा है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन अह दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा और एक अरैंट/का
- (श) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय पाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनिषय की धारा 269-ग क अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीर, भिम्निजियिस व्यक्तियों, अधित :— (1) मेसर्चा अमूर्ति वांस्ट्रक्शन

(ग्रन्तरक)

(2) र्श्वामती कमल बसत ग्रहेर ग्रीर श्री बसत मरलीधर ग्रहर

(ग्रन्सर्रार्श)

को बहु तुचना बारी करके पूर्वीयत सम्पतिस के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्चन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्थव्योकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्सी

फ्नैट न ० 28, 2री मजिल, रोहन श्रपार्टमेंटम्, नय गाव, मडपेण्यर राड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि कि० स० ग्र० ई०-4/2930/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 22-8-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

विजय रजन, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजीन रेज 4, बम्बई

दिनाक: 25-2-1984

भोहर :

त्रुक्त बाही दी. एत. एस. ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 श्रप्रैल 1984

निर्वेश सं० ग्र० ई०-4/37 ई० ई०/2929/83-84--श्रतः मुझे, विजय रंजन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 38, 3री मंजिल, रेवेन्यू बिलैंज तालूका बोरोवली, बम्बई में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में बर्णित हैं), श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारो, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, दिनांक 22 श्रगस्त 1983

को प्रवासित संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेशित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकत उद्वेश्यों से उन्त अन्तरण लिकित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण सं हुई जिली बाव की बावत, उक्त विधिनियम के सभीन कर दोने के जन्तरक के समिरल् में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सौर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्व आस्तिवाँ की जिन्हें भारतीय शाय-कर सिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

नतः जब उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कीं अधीन, निम्निलिखित स्थितिसों, कर्यात् हुरूल (1) मेसर्स तिमूर्ति कन्स्ट्रक्शन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भानूदास एस० वाघ ग्रौर श्रीमती उज्वल भानदास वाघ

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वास अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थान्द्रीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही क्षे होगा जो उस अध्याय में दिया गुना हैं।

अनुस्ची

फ्लैट नं० 38, 3री मंजिल, रेवेन्यू क्हिलंज, मंडपेण्वर, तालुका बोरीवली, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० य० ई०-4/2929/83-84 बौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 25-1-1984

भोहर :

प्रभाग । एन एस .----

बावकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की ५ स २६९ व (1) के अधीन स्चना

ब्रार्थ बंद्रसाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 अप्रैल 1984

निर्देश स० 5 अई/।।।/2484/83-84--अत मुझे, अ० लहीरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से **अधिक हैं**

और जिसकी सं० ब्लाक न० 3. प्लाट न० 168, है तथा जो नीलकंठ जयोत, पहला माला, गरोदया नगर घाटकोपर, बम्बई मे स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है, दिनाक 1 अगस्त 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाण्वींक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी क्रने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा ।।) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उबत अधिनियम की धारा 269- इ की उपधारा (1) के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों, बर्यात :--

(1) श्रीं पी० के० शाह

(अन्तरक)

(2) श्री एम ० मी ० शेठ

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्म ची

ब्नाक न० 3, नोलकंठ जयोत, पहला माला, गरोदया नगर, घाटकोपर, बंबई ।

अनुसूची जैंसा कि क० सं० अ ई/111/37 ई० ई०/1121 ओर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-4-1984

मोहर :

श्रह्म आई. टो. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीत सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>श्रायकार आयुक्त (निरोक्षण)</mark> अर्जन रेंज-3, वस्थर्ड

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1984

निर्देश सं० अ० ६०-III/37 ६० ६०/2595/83--84-- अत: मुझे, ए० लाहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल को अधीन मध्यम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० चांदिनी को-आप० हाउसिंग सोसाइटी निमिटेड, 353/22, आर० बी० मेहता मार्ग, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-400 077 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्की में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 16 अगस्त 1983

को पृषेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिक्रिती इ्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था, छिपाने में सूर्विणा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अधीन:---- (1) श्रोमती सीपादेवी भंगाल वाहफ झाँफ प्रकाशचंद भंगात

(अन्तरका)

(2) और योगेश हमनलाल शहा

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संस्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृजारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

चांदिनी को-आपरेटिक्ट हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 353/22, आर० बो० भेहता गार्ग, घाटकीपर (पूर्व), यम्बई-400 077 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ई०-III37 ई० ई०/1100/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 16-8-1983 की रजिस्टई किया गया है।

ए० लाहिरी, सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. बस्बई

दिनोंक : 9 · 1~1984

माहर:

प्रका बाद . ही , एन . एक . ------

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के नधीन मुख्या

भारत् वरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनाक 12 अप्रैल 1984

निर्देश सं० अ० ई०/4/37 ई०ई०/2694/83 -84---अन मुझे, अ० लहीरी,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- च के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लंट न० 20 अथा संजला, जीवदया लेन घाट-कोपर बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपावड़ अनुसूर्व, में और पूर्ण रूप में विजित हैं),और जिसका करारनामा आयल्य अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधि-कारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 29 अगस्त 1983।

को पूर्वोधत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य म कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापुर्वोचत सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का पंडह प्रतिशत से मधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया बतिफन, जिम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित जे बालतीय कम से कथित नहीं दिया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यियल में कभी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (ध) एसी किसी जार या किसी धन या अन्य कासिएयों को, फिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थो. क्रियाने में स्थितिया के लिए;

जतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, जिस्तीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

41 -- 76GI|84

(1) गुरक्षीप क्लिडर्स

(अन्तरक)

(2) बी० बी० दारंगल

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कीड़ भी आक्षप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा,
- (झ) इस सूचना के राजपत्र सा प्रकाशन की नारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखिन में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा योजभाषिक है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया वदा है।

सनसंची

फ्लैट न० 20 म्था मजला, जीवदया लेन घाटकोपर बम्बई अनुसूची जैसा कि अ० ई०/ /1166/83-84 और बम्बई के सक्षम प्राधिकार। के कार्यातय में दिनाक 29-8-83 की एजिस्टई किया गया है

अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नापकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

विनोक . 12~4-1984 मोहर

प्ररूप बार्ड. टरे. एन. एस.-----

सायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निर्देश सं० अ० ई०-4/37 ई० ई०/2859/83-84---अतः मुझे, अ० लहीरी,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित शाला गल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० गली नं० 117, पहला माला, उद्योग नगर, एस० बी० रोड गोरेगांव बम्बई-62 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में र्राजस्ट्री है, दिनाक 17 अगस्त 1983

को पूर्वकित सपित्म के उचित बाजार मेल्य में कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हुँ और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण हुँ कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके त्र्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हुँ और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया हुँ

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उपकल अधिनियम के अधीन कार दीन क अन्ता क दायित्व मो कामी कारतेया उसने बचन मा लीलिया के लिए; और/धा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों कर जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १५०० (1922 की 11) या उकत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) व अयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) फसलह डेबलर्यस

(अन्तरक)

(2) माथुर फैमली द्रस्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्योक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु

उक्त सपिल को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय स 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबन्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम चिक्ति में किए जा सकींगे।

स्वष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिजा गया है।

अन्सची

गला तंत्र 117 पहला माला, उद्योग तगर, एस० बी० रोड गोरेगांव बम्बई ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० म० अ० ई० III/37 ई० ई०/1198/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-83 को रिजस्टई किया गया है।

> अ० लहिरी, मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-३, बम्बई

तारीख: 12-4-1984

माहर :

प्रकव आह टी, एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 289-व (1) 5 ग्रिशीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1984

निर्देश स० 5 अ० ६०/IIJ/37 ई० ६०/2738/83--84---अत: मुझे, अ० लहीगी,

श्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्न श्रिष्ठितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- ६० से श्रीष्ठक है

और जिसको सं० फ्लैंट न० 28, सर्वे० नं० 26, है तथा जो वलानो गांव, मालाड बंबई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री किया है, दिनांक 1 अगस्त 1983।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यभान प्रतिफल का पंद्रह प्रिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के दीच एसे बातरण के जिन् तय पाया गया प्रति-फल, भिम्निलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण संहुई िक सी आय की बाबत, उच्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिथा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिए;

अतः अबः उवत अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण बे, में, उकत अधिनियमं की धारा 269-च की उप-धारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः-- (1) मेसर्स मेहना ब्लिईस

(अन्तरक)

(2) श्री व श्रीमती बी० वीजयन० उननी नायर (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुः

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को पाधि या तरसम्बन्धी क्विसार पर भूजना की गामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि साद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्टियों में किसी क्विति श्रीता हो.
- (ख) इस पूजना ह राजपत्र म क्लाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनजब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रक्षोहम्ताक्षरी क पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त यिविविव के यह पा १०-क में प्यरिक्षाणित है, बही गर्होगा, जो रायहवाय में दिया गंगा है।

अनुसुची

फ्लैट नं० 28, सर्त्रे नं० 26, बलानी गांव, मालाइ बंबई। अनुमूची जैमा कि ऋ० सं० अ० ई० III/1136/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांस 1-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ॰ लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायम आयमर आयुक्त (निरीक्षअ), अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांफ: 11~4-1984

मोहरः

प्रकप नाध्र टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन संबन

भारत सरकार

धार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 अप्रैल 1984

निर्वेश सं० 5 अ०ई०/111/2734/83--84--अत. मुझे, अ० लप्टीरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क में अधिक है

और जिनक सं० फ्लैट स० 101 है तथा जो पहला माला राजेन्द्र मालाड विहार मार्वे रोड, मालाड बम्बई मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है),और जिसका करार-नामा आयक्तर अधिनियम 1961 का धारा 269 क. ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजिस्ट्री किया है, दिनांक 1 अगस्त 1983

का पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान व्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य सके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृहू प्रशिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नाम्तिविक रूप से किथन नहीं किया गया है ——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के वर्धान कार दने के अंतरक के दायिस्त्र में कभी कारने या उसस बचन में मुनिधा के लिए, औं /या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियां की जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण माँ, माँ, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभाग (1) के बधीन, निम्निलिसित व्यक्तिसंग्रें. जर्भात् :--- (1) मेसर्स बिल्डसं

(अन्तरक)

(2) श्री जे० जी० कामदार

(अन्तर्रारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कायवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षप ---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस स्चान के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपतारधातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास विख्या मा किए जा सकार।

स्थासको सम्बाह्य के स्थापन के अध्यास 20-व में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होग का उस अध्यास में दिया गमा है।

मनस्पी

फ्लैंट नं 101, पहला भाला, राजेन्द्र बिहार मलाङ भावें रोड़, भलाड बम्बई ।

अनुसूची जैमा की कि० सं० अ०ई० 111/1134/83-84 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-8-1983 को रजिस्टर्ड निया गया है।

> अ० ल**ही** री, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिमांक: 11-4-1984

मोहर:

प्रकृष बार्ड, टी. एन. एस.-----

बावकर अभिनित्तम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन चुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निर्देश सं० अ० ६०-4/37 ६० ६०/1454/83-84--अत:

मुझे, विजय रंजन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० जी-16, है तथा जो 4थी मंजिल, माईबाबा धाम. आफ एम० व्हि० रोड, बोरीवली (पिष्यम), बम्बई-92 है स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 17 अगस्त 1983

को पूर्वोक्ष्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया इतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निचित्त पे वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) व्यक्तरण ते हुई किसी आप की बायत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, किही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जम्मा चाहिए था, डिपान में ब्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात क्य (1) मेसर्स अरुण इंटरनेशनल

(अन्तरकः)

(2) श्री निवृत्ति कृष्णा लोखंडे और श्रीमती वैशाली निवर्ति लोखंडे

(अन्तरिती)

(3) विकेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्सि के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म स्थिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, जो उभस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होणा जो उस अध्याय में विया गया ही। सवा ही।

अनुसूची

फ्लैट नं ० जी-16, 4थी मंजिल, साईबाबा धाम, आफ एस० वी० रोड़, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-400 082 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अ० ई०-4/1454/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1.7-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 4, यम्बई

दिनांक: 6-4-1984

प्ररूप जाई. टी. एन. एस. -----

भासकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-4द्र बस्बई अम्बई, दिनोक 12 भ्रप्रैल 1984

निदेश सं० भ्राई०-4/37ईई/2664/83-84---भ्रतः मझे, ग्र० लहिरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं० फ्लैट न० 62, किस्टॉल-1, प्लाट नं० 357-ए, सिधी सोसायटी, चेंम्बूर, बम्बई-71 में स्थित है ग्राँर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्राँर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 27-8-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्स जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दासिस्य में कजी कारने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, स्थिपने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) अक्षेत्रन, निम्निजित व्यक्तियों. अर्थात् क्र—- (1) सुनील कन्स्ट्रमशन कम्पनी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमती पुष्पाबाई विरूमल तलरेजा ग्रौर श्री महेश विरूमल तलरेजा

(भ्रन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति र) का मह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रमुक्त कंक्यों और पदां का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगराची

फ्लैट नं ० 62, क्रिस्टाल-1, प्लाट नं ० 357-ए, सिंधी सोसाय-टी, चेंम्बूर, बम्बई-71 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रर्ड-111/37ईई/1182/83-84श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-1983को रजिस्टर्ड किया गया है ।

श्र० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–III, बम्बई

दिनांक : 12-4-1984

मोहर 🖫

प्रकृप कार्यः टि. एवं . ----- ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-व (1) व शारीन मुचना

भारत मणकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ष बम्बर्इ, दिनांक 12 श्रप्रैल 1984

निवेश सं० ग्रई-4/37ईई/2749/83-84—-श्रतः मझे, ग्र० लिहरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्त्रीर जिसको सं ० फ्लैट तं ० १, हिर्तांन शिपिंग सेंटर, 117, एम० ह्वि० रोड, गोरेगांव (पिष्चम), बम्बई-62 में स्थित है, ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण खप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 12-8-1983,

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दंश्य से उक्त अन्तरण निकास में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों कर्त, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, व्यिपाने में मृतिथा के लिए;

बतः वर्षः, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के बन्सरण में, में उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलियित व्यक्तियों, अर्थात्:---- (1) श्रो किशनलाल एम० मिस्त्रो ग्रौर श्रीमती सुखोबेन के० मिस्त्री

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमेशचन्द्र सी० मेहता श्रीर श्रीमती इंदुबेन सी० मेहता

(भ्रन्तरिती)

(3) सेल्फ (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोड भी अक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिश की अविधि, को भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वं) इस स्वना के राजपत्र में त्रकाशम की तारीय वं 45 विन् के भौतर उक्त स्थानर सम्मरित में हितनव्भ किसी बन्ध व्यक्ति ब्वारा जवाहस्ताक्षरी के एउट लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पन्धिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, था उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गवा हैं।

नन्स्ची

फ्लैंट नं० 9, हिरनान शिपिंग सेंटर, 117, एस० ह्वी० रोड, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि क सं० धर्म-III/37 हर्ष्ट/1185/83- 84 श्रीर ज़ो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12--8--1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

श्र० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~∐, बम्बई

दिनांक : 12-4-1984

प्ररूप: बाई: दी: एन: एस: -----

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, **सहायक आयक**र आयक्त (मिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—III; बम्बई

बम्बई, दिनांकक 4 श्रप्रैल 1984

निवेश सं० ग्रई-**ा**ड/37ईई/2512/83-84 ग्रतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का छारण है कि उधायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं प्रलैट नं सी । 13, सी । टी । एस । नम्बर्स 5651, 5656, 5659 स्रोर 5660 स्राफ विलेज कोले कल्याण, कालिना, बम्बई – 400029 में स्थित हैं 'स्रोर इससे उपाबद सनुसूची में स्रोर पूर्णरूप से विणत हैं), स्रोर जिसका करारनामा स्रायकर स्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। दिनांक 6–8–1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उक्करेय से उक्त अन्तरण निकात में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम किया धनकर अधिनियम किया धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को बधीतः, निम्निकित व्यक्तियों, कथितः :--- (1) मेसर्स गोल्डन कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(अन्तरक)

(2) श्री विनसेंट सिक्बेरा

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

जक्त संपत्ति को वर्णन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लैट नं० सी/13, सी० टी० एस० नम्बर्स 5651, 5656, 5659 घीर 5660 भाफ विश्वेज कोबे कल्याण, कालिना, बम्बई—400029 में स्थित हैं।

ग्रनसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-11 🗓 / 37ईई / 1084 / 83 -- 84 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 06-- 8-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-डींं, कम्बई

दिनांक : 4-4-1984

माहर:

भारत सरकार

कार्थाभय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशिक्)

ग्रर्जन रेंज-III, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 श्रप्रैल 1984

निदेश सं० श्रई/III/2551/83-84--श्रत-: मुझे, श्र० लहीरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज्ञन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2 शिवम श्रार० पी० कास रोड, है तथा जो मलुंड बस्वई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंड श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है, दिनांक 12-8-1983, को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीधीनयम के जधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए: और/या
- (स) एंमी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहा किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-थ के अनुभरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधार (1) के लधीन. निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——

42 -- 76GI 84

(1) श्रीमती णिलपा मधकर वारंग

(मन्तरक)

(2) श्री ग्रार० वी० हेगराज

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना औ राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा भधाष्ठस्ताक्षरी के गाम निविद्य में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

शिवम व प्लैतट नं० 2 श्रार० पी० कास रोड, मुलुंड बम्बई श्रनुसूची जैसा कि क० सं० सई/III/1160/83-84 श्रीर जो बम्बई के मक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में दिनांक 12-8-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

म्र० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर च्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जेत रेंज–3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1984

मोहर 🚁

म्कप बाह' ्टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-III, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1984

निदेश स० अई/111/2534/83-84—-श्रत. मुझे, श्र० लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 1, गरोदया नगर, नूपूर को० श्रार० सो० प्लाट नं० 185 है सथा जो घाटकोपर बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है, दिनांक 1-8-83

के पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीव एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क का , जिम्निलिखत उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ते हुई जिल्ली बाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दर्धीयरच में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (ब) एसी किसी जाय या किसी भन या बन्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती एम० ए० उमरानी

(श्रन्सरक)

(2) श्री एन० जे० दानी

(अन्तरिती)

का यह सचना जारी करके पर्नोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेद:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्चान की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित स्थितयों यें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात लिख्त में किए आ सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसुची

फ्लैट नं० 1, गरोदया नगर नूपूर को० ग्राप० सोसायटी, प्लाट न० 185, घाटकोपर, बम्बई ।

अनुसूची जैसा कि कर संव अई-।।।/1117/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-8-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्च० लहीरो सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर प्रायु**क्त** (निरीक्षण) अर्जनरेज⊸3. बम्बई

दिनांक : 11-4-1984

प्रकप नाइं. टी. एन्. एस. - - - -

(1) श्रोमती एम० शांता

(ग्रन्तरक)

बायकर बिभिनियस,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना (2) श्रोमती बी० बी० बांका

(श्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 12 श्रप्रैल 1984

निदेश सं० ग्रई-4/37ईई/2847/83-84--अतः मुझे, ग्र० लहीरी,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 81/83, जय कृष्ण को श्राप० सोसाइटी भांगूर नगर, गोरेगांव, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्णस्प से विणित है), /ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 17-8-83

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया ग्या प्रतिफल, निम्निसित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण कि सिवित में वास्तियक रूप से जिथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतुरण से हुई किसी बाय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी अधिकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विधि भाव में समाप्त होती हैं। के भीतर पूर्वेक्त स्विन्तमों में से किसी स्थित द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकीं।

स्पटिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

जय कृष्ण सुदामा, को० श्राप० सोसाइटो लि०, भांगूर नगर गोरेगांव, बम्बई ।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई 111/37ईई/1197/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्चर्य लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बार्ड, टी. एन्. एस. - -- -

नायकर मिश्नियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-111, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 श्रप्रैल 1984

निर्देश सं० श्राई-11/37 ईई/2635/83-84---यतः मुझे, ए० लार्टिः,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से बिधक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, स्राशा बिल्डिंग इन घाटकोपर, स्राशा बिन्दु को० स्राप्त हार्जीसग मोमायटो, है तथा जें। गारोडिया नगर, घाटकोपर, बम्बई-400 077 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्ननमूचो में भौर पूर्ण रूप से विणत है), स्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है दिनांक 16-8~1983,

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान अतिफल से एसे दृश्यमान अतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिकित उद्देश्य से उच्क अन्तरण लिकित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) कन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; बौर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया आना चाहिए आ, खिपाने में सृतिभा के लिए;

सतः सब. उक्त विधिनियम की भारा 269-न की अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्रो पो० राजगोपालन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमती प्रेमा ग्रानन्द ग्रलमेड

(भ्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी कारके पृत्रोंक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हों।

तकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्स में हित-बस्भ किसी बन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पार सिसित में किए जा भकों।

स्पद्धीकरणः——इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिय गया है।

वन्स्ची

फ्लैट नं 10, ग्रामा बिल्डिंग इन घाटकोपर, भ्रामा बिंदु को भ्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, गरोडिया नगर, घाटकोपर, बम्बई-400 077 में स्थित र ।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-Ш/37ईई/1096/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनांक: 9-4-1984

मोद्वर 😃

पुरुषु बाद् ं टी. एन्. एत् . २००० सम्बद्धान्य

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

प्राप्त सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 श्रप्रैल 1984

निदेश सं० 5 भई/111/2453/83-84--श्रतः मुझे, श्र० लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० मर्वे नं० 11, हिम्सा नं० 3, शेंड नं० ए-2 घाटकोपर किलेल विलेज घाटकोपर बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्णरूप में बणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है, दनांक 1-8-83.

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक कर से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बामित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निष्ट: और/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भून या अन्य आस्तियों सरे, जिन्हों भारतीय जाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया जमा भा या किया जाना चाहिए था छिपाने ये तिमा के लिए;

मतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्थास् :--- (1) किसेंट इंजीनियसं

(ग्रन्तरक)

(2) मे० वास्त्रे एण्ड ब्राउदर्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बादी कार्क पृश्निकः सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मर्वे नं ० 11, हिस्सा सं ० 3, श्रोड नं ० ए—2, घाटकोपर किरोल रोड, घाटकोपर अम्बई

मनुसूची जैसा कि कि सं० भ्रई 111/37ईई/1119 स्पीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-83 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

ग्न० लहीरी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-4-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 भ्रप्रैल 1984

निदेश सं० ग्रई-3/37ईई/2753/83-84--- ग्रत मुझे, ग्र० लहीरी,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० पजैट न० ब $\sqrt{15}$, है तथा जो जीशा माला, श्रिंवाबन, मार्वे- रोड, बलनाइ, मालाइ, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्द्री है, दिनाक 12-8-83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै० एयरशइन बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री व श्रीमती लेकतनंन सिखपा बासवा रामचन्द्र (भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पृत्रक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ;--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण ?---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित ही, यही अर्थ होना जो उसा अध्याय मी विया गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं० ब/15. चौथा माला, श्रिदावन, मार्वे रोई, मालाङ, बस्बर्ध ।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई—111/37ईई/1187/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-8-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

स्र० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज−॥। बम्बई

विनांक : 12-4-1984

प्रकपः नार्षः, टी. एन. एसः, -----

बायकर बिधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुपना

भारत सुरकार

कार्यालय, गहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रप्रैल 1984

मुझ, ग्रद्भ लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 6. तल मंजला गोवर्धन नगर, श्र--ब विल्डिंग, मुलंड बम्बई में स्थित है (ग्रॉर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क. ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 8-8-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और मंतरिती (मंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नसिसिस उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में मुबिधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ।---

(1) पै० जनेरी इण्टरप्राइसेज

(प्रान्तरक)

(2) वर्षा को० ग्राप० मोसायटी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गुमा 🐉 🖰

न्त्र्वी

शाप नं० 6, गोवर्धन नगर, बिल्डिंग नं० घ्रा० ब०, तल मंजला मलंड वम्बर्ड।

> श्र० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायका (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनांक : 12-4-1984

प्रस्य कार्षः, टी. एन. एग.-----

नाथकर निभ्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सुभना

(1) श्री डी॰ एस० कंदाल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० बी० पदेल

(मन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3. अम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 12 श्रप्रैण 1984

निदेश सं० श्रई-3/37ईई/2793/83-84--श्रतः मुझे, भा० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० रकमनी निवास विजय वन बिल्डिंग, मुभाष लेन, यफ्तरी रोड, मालाड बम्बई में स्थिन है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन/श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रीधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 16-8-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विद्रवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त निर्मानम्म के अभीत कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उत्तर्ध बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सविधा के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन मिन्निलिश्वित व्यक्तियों, ज्याति :---

का यह सूचना कारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्बन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हा।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 4.5 दिन की व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

विजय भवन रुकमनी निवास, सुभाष लेन, दक्तरी रोड, मालाड, बम्बई ।

म्रानुसूची जैसा कि कर मंर्थ म्यई-III/1184/83-84 मौर जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 16-8-83 को रजिस्टर्ड हुम्रा ।

> श्र० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज⊶3, बम्बई

दिनांक: 12-4-84

प्रकप बाह्येल सील एक ह एक हमानवारण

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) भूजेन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निदेश सं० ए० ध्रार०-2/37ईई/5402/83-84-ध्रतः मुझै, एस० एच० ध्रव्यास प्रविदी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ५ण्डिस्ट्रियल शेंड नं० 244, शिव-शिक्त इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, मरोल विलेज, श्राफ श्रंधेरी-कुर्ला रोड़, श्रंधेरी, बम्बई-400059 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णेरूप से विणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधि-कारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1983,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क). अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ह) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 43 —76GI[84

(1) मेसर्स शिव-शक्ति बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स देव इंजीनियरिंग कम्पनी

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्धध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिट मों किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

इण्डस्ट्रियल णेड नं० 244, शित-शक्ति इण्डस्ट्रियल इस्टेट, मरोल विलेज, श्राफ शंधेरी-कुर्ला रोड, श्रंधेरी वस्वई-400059 में स्थित है ।

अनुसूची जैंसा कि ४० सं० ग्राई-II/37 ईई 5402/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1983 को रजिस्टर्ड काय गया है।

एस० एघ० भ्रब्बास भ्रबिदीं सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 12-4-1984

प्रकल बाह्र . टी : एन . एस . -----

बावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालयः, राष्ट्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 भ्राप्रैल 1984

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/3269/83-84—ग्रतः मुक्षे, एस० एच० श्रुब्बास श्रविदी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है)., की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित् वाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कमरा मं० 23, किंग्ज कार्नर को० ध्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सितलादेवी टेंग्ल रोड, माहिम, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड ध्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है)) ध्रौर जिसका करारनामा ध्रायकर ध्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन संक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 10-8-1983,

को प्वाँक्त सम्परित के उचित वाजार भूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार जून्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती बी० शंकृतला जगदीश ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरीचन्द्र मोगरे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वा अवस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भूगा है।

मन्त्रची

कमरा नं० 23, जो, किंग्ज कार्नर को प्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेश, सितलादेवी टेंपल रोड, माहिम, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० ग्रई-2 / 37 ईई/3269/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० भ्रव्यास म्रबिदी 'सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 12-4-1984

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकत्त आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-II, अम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रप्रैल 1984

निदेण सं० माई 2/37ईई/5439—मात: मुझे, एस० एच० भव्वास भविदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी फ्लैंट नं० 102 पहला माला, पुष्पेष्यवर, गेरे पंजाब को० ग्राप० हा०सोमायटी लि० महाकाली अंधेरी बम्बई में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुभूची में ग्रौर पूर्ण हप से विणत हैं), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 1–8-83,

को पूर्वेविस सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्सरित को गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेवित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रविफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्सरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अस्रण के सिए तब पाया मया प्रतिफल, मिम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अंतरण मिकित में वास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जंतरण ते कृदं किसी जाव की वाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाब या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

(1) प्रेसिडेंट कंस्ट्रक्शन कम्पती

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० ग्रार० कंकारे

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सुरम्हित के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अमिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र स्वना की तामील से 30 दिन की वर्वाध, वो भी नविश्व को समाप्त होती हो, कं भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास जिवत में किए वा दकीं वे।

रचव्दीकरणः --- इसमें प्रमुक्त काव्यों और पदों का, वो उक्त विध-निवस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा नवा है।

अनुसूची

क्लैट नं० 102 पहला माला, पृष्पेश्वर, 140 घोरे पंजाब, को० श्राप० सो० लि० महाकाली श्रंधेरी बम्बई ।

भ्रमुस्ची जैसा कि कि के सं० श्रई/II/37ईई/5439/83-84 श्रीर जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 1-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० म्रब्बास म्रबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, बम्बई

अतः क्षत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सुधीन,, निम्नलि**खित व्यक्तियों, अर्थात्**ः—

^{दि}नांक : 12-4-1984

मीहर 🔞

प्ररूप नाइं. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई यम्बई, दिनांक 12 श्रप्रैल 1984

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/5401/83-84--- ग्रतः मुझे, एस० एच० ग्रञ्जास ग्रजिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् : 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं ्रिष्डस्ट्रियल शेष्ठ नं 264, शिव-शिक्त इण्डस्ट्रियल इन्टेट, मरोल विलेज, श्राफ ग्रंघेरी-कुर्ला रोड, ग्रंघेरी, बम्बई-400059 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अन्मूची में श्रौर पूर्णस्प से वर्णित है), श्रौर जिमका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 259 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (फ) अंतरण से हुई किसी आय की माबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर वाने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) मेसर्स शिव-शक्ति बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स एक्सेलेण्ट प्रिटर्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में वियो जा सकती।

स्पर्धाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पदा है।

अग्स्ची

इण्डस्ट्रियल शेंड नं० 264, शिव-शिक्त इण्डस्ट्रियल इस्टेट, मरोल विलेज श्रीफ अंधेरी-कुर्ला रोड, अंधेरी, बम्बई-400059 में स्थित है ।

श्रनुस्ची जैसा कि कि सं श्रई-II/37 श्री श्री /5401/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० भ्रब्बास अविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनोंक : 12-4-1984

माहर ह

प्रकर नार्दं . टी . एत् . एस . ------

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरुकार

कार्यातयः, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनाक 12 अप्रैल 1984

निर्वेश सं० अई०-2/37ईई/3264/83-84—अत. मझे स० एच० अब्बास आबिदी

ाकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 19-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का एण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूक्य 7,000/- रा. से अधिक है

ौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 601, 65ी मंजिल, मंगल ज्योत, नाट नं० 286, सी० टी० एम० न० 485, जह कास लेन, लेपानों, बम्बई-400057 में स्थित है (क्रौर इससे उपायड़ नसूची में क्रौर पूर्ण रूप में विणित है) क्रौर जिसका करारामा आयकर अथिनियम 1961 की यारा 269 क, ख के अभिन तारीखा। अगस्त 1983

े पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहियमान फल के लिए अन्तरित की गई है और मफ्ने यह विश्वास करने कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य . . रहियमान प्रतिफल का पन्झह तिश्वास करने का प्रतिफल का पन्झह तिश्वास के अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती निर्माण के लिए तय पाया गया निर्माल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में स्तीवक क्य से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबतः, उचल जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- 1. मैसर्स महेण एन्टर प्राइसेस।

(अन्तरक)

2. डाक्टर अनिल आर० भाटिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्प्रीत्त के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूर्णना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया

मन्स्यी

पलैट नं० 601, जो, 6ठी मंजिल, "मंगल ज्योत", प्लाट नं० 286, सीं० टीं० एम० नं० 485 जुहू कास लेन, विलेपालें, अम्बई-400057 में स्थित है। अनमूची जैसा की कि० सं० अई०-2/37ईई/3264/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-4-1984

मोहर ।

प्र**रूप . आह**ै. टी_{.?} एन . एस्. - - - - -

बामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सुचना

भारत सक्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निर्देश सं० अई-II/37ईई/5492/83-84--अत: मुझे एस०एच० अब्बास अबिवी

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० रेसिडेंटियल फ्लैट बेअरींग एफ० पी० नं० 211 आफ टी० पी० एस० 4, माहिम एट 34, डी० एल० वैद्य रोड, दादर (पिष्चम), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 18 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मूल्य सं कम के उर्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बौच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरणुसंहुद्दं किसी आयुकी वायतः, उक्त अधिनियमके अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उद्देश विकास के द्वीवधा के सिए; अदि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्सं अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अन्तरण में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ाः— 1. मैसर्स शहा एण्ड देसाई बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री यु० जे० धोकशी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिय गया है।

नगृत्वी

रेसिडेंटियल फ्लैंट बेअरींग एफ० पी० नं० 211 आफ टी०पी०एस० 4, माहिम एट 34, डी० एल० वैद्य रोड, दादर (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-II/37ईई/5492/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एस०एच० अब्बास अबिवी सक्षम प्राधिकारी-सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, बम्बई

तारीख: 12-4-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहें.टी एन एस .. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर जायुक्त (निर्देक्षण) अर्जन रेंज II, बम्बई

धम्बई, दिनांक 4 अप्रैल 1984

निर्देश सं० अई-।।/37ईई/3380/83-84--अतः मुझे एस० एच० अब्बास अबिदी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 602-ए है तथा जो 6ठी मंजिल कल्पना अपार्टमेंटस, णेलीं, राजन रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 1 सितम्बर 1983

के पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ६—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सिवधा के लिए;

जतः अब, उच्त अभिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारों 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, निम्नीसिचित व्यक्तितों, अर्थात् ः - - 1. मैसरी नवभारत डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन।

(अंतरक)

 कुमारी रचना अशोक चावला श्रौर कुमार गौरव अ० चावला।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पर्योक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुई।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स् 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मदिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास तिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 602-ए, जो कल्पना अपार्टमेंट, प्लाट नं० 1290, मेर्ली राजन ऋतिज, बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है। अनुसूची जैसा की फ़० सं० अई-2/37ईई/3380/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है:

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई

तारीख: 4-4-1984

रक्ष मार्च स्रीत स्थत स्थान

नामकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नुभीन सुमना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज , बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1984

निर्देश गं० अई०-1/37ईई/798/83-84---अत:, मुझे आर० के० वकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं पलैट नं 15, 2री मंजिल, पीटर भारसेल बिल्डिंग, प्लाट नं 941 और 941-ए, प्रभादेनी बम्बई-400025 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूनी में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर आधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

दिनांक 12 अगस्त 1983

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और बन्तरक (बंतरकों) बीर बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कांचत नहीं किया क्या है

- (क) अन्तरण से हुवाँ किसी नाम की नावत उक्त निध-निष्म के न्धीन कर पंत्र के जन्तरक के दायित्य में क्षामी करने या उत्तसे बचने में समिधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य वास्तियों करो, जिन्हें भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, सैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्निक व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स कांक्षीहोग जिल्डमी।

(अन्तरक

2. श्री मिलिंद लक्ष्मीकांन पाटील।

(अन्तरिती

को यह सूचना बारी करके पृवांकत सम्परित के वर्षन के कि कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन की बर्बाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चन की तामील से 30 दिन की बर्बाध, जो भी अविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूधना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अथाहत्साक्षरी पास लिखित में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सतस्यी

फ्लेंट नं० 15, 2 री मंजित, पीटर मारगेल बिल्डिंग, प्लाट नं० 941 और 941-ए, प्रभादेती, बम्बई-400025 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी क० सं० अई-1/37ईई/768/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-8-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, बम्बई

तारीख: 9-4-198**4**

प्रस्प बाह' हो. एन एवं .----

नायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालय.. सहायक कायकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज [, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1984 निर्देश सं० अई-1/37ईई/833/83-84—अत: मझे, आर० के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० डी/4, 4थी मंजिल, गुलबहार को ब्रिजाप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड बरॅक रोड़, मेट्रो सिनेमा के पीछे धोबीतलाब, बम्बई 400020 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रस्जिट्री है दिनांक 20 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (*) अन्तरण से हुई िकसी अाय की बाबत, उक्त बीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मृतिधा के लिए; और/था
- (का) ऐमी किसी नाय या किसी धन या करण कारिन्यों को, जिन्हों भारतीय आयकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्दर्ग निधिनयम, या धनकर निधिनयम, या धनकर निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानं में सिविधा के लिए;

अतः अदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्मरण में,, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के लगीत निम्निचित व्यक्तियों, अर्थान

- भी नेणवड़ाय गेल्ला गौन भी रौलवस्मम के पेहरा।
 (अन्तरक)
- श्री वकुल एम० व्यास श्रौर श्रीमती मुमिता बी० व्याम । (अन्तरिती)
- 3. अन्तरको।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वन। आरी करके प्राॅवन सम्पत्ति को अर्जन की लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्यष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

पलेट नं ० डी ० / ४, ४थी.मजिल, गुलबहार की-,श्राप ० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बरॅक रोड, मेट्रो सिनेमा के पीछे धोबी तालाब, वम्बई-400020 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई-1/871/83-84 ग्रौर ज़ो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा दिनांक 20-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, बम्बई

नारीख: 11-4-1984

मोहर :

44-76GI/84

५रूप आई. टो. एन. एस.-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

फार्यालय, गहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जज रेंज I, बम्बई

बम्बर्र, दिना ह 11 अप्रैल 1984

निर्देश सं० अर्ड-I/3 7ईई/766/83-81--अत, मुझे, आर**०** के० बकाया,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गथा है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि रक्षावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- त. से अधिक है

और जिसको सं० पनैट नं० 13, बी ग, है तथा जो 2री मंजिल, पृथ्म कुछ को-आन० हाउपिंग सो नायटी लिमिटेड प्लाट नं० 50 गायन (पिष्चंम), बम्बई-400022 में स्थित है (और इसमें उपाब इ अनुसूची में भीर पूर्ण स्प से बिणत है),और जिमका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अओन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के सायलिय में रजिस्ट्री है तारीख 30 अगस्त 1983

कां पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वाबस, उक्क अधिनियम के अधीन-कर दोने के अक्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एए किया शय पा किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्हलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् .—→ ा श्रामनी 🙄 । वंती जेठानंद स्वालानी ।

(अन्तरक्)

2. श्री अजित रसिसलाल संध्यो।

(अन्तरिती)

को यह सुषका आरी करके प्वॉक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाद्यि दृष्ट करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्पना के राजधन में अकाशन की तारीय में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवि तयों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बनद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किगी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास विस्तित में अन्य किए जा सकोगं।

स्पष्तीकरणः--इसमें प्रयुक्त कव्यो और पवां का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

फ्लैंट नं० 13 बार्भिंग, 2री मंजिल, न्यू पुष्प कुंज को जार० हा उर्निंग सी गयटेंग लिभिटेड, प्राट नं० 50. सायन (पश्चिम), बम्बई-400022 में स्थित है।

अनुमूचो जैता को कर सं अई-1/37ईई/702/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारी दिनांक 30-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ज्ञार के विकास सक्षम प्राधि हारी सहाय हे आयहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, बस्बई

तारीख: 11-4-1984

मोहर 🤋

प्ररूप बाइ[‡]. टी. एव. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरिक्षण सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज 🏿 , ब्रम्बई

वन्त्रई, दिनां र 9 अप्रैल 1984

निर्देश सं० अई-I/37ईई/843/83-84--अतः मुझे आर० के० वकाया,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का गरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

अोर जिसकी सं० प्रिमायसेस नं० 41, है तथा जो 4थी मंजिल, रोमनभावन, 227, नरोमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचो में और पूर्ण रूप सेविणत है),और जिसका करारनामा आयजर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अओन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ही है तारीख 25 अगस्त 1983

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान ।तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का दिह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया एमा ।तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ।स्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्से अखने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा एहिए था छिपाने में सर्विभ। के लिए;

वर्त: वस, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के. में. उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात्:—

- 1. मैसर्स मोहन एण्ड कंपनी (एक्सपोर्ट)।
 - (अन्तरक)
- 2. मैसर्स मोडियन मेटल रिफायनर्स।

(अन्तरिती)

3. मैं॰ भोजिसन मेटल रिफायनर्स। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्प्रत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

अधित प्रिमायसेस नं० 41, 4थी मंजिल, नरीमन भवन, 227 नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई-I/37ईई/825/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1983 को रिजस्टई किया गया है।

आर० के० वनाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंर्ज I, बम्बई

तारीख 9-4-1984 मोहर ६

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 23rd April 1984

No. A 11016/184-Admy.III—The President is pleased to appoint Shri D. Sivarajan, Section Officer of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the office of the Union Public Service Commission with effect from 12-3-84 to 11-4-84 or until further orders, whichever is earlier.

Shri D. Sivarajan shall draw Special Pay @ Rs. 75|- p. m. in terms of Deptt. of Personnel & Administrative Reforms O.M. No. 12¹1|74-CS I dated 11-12-75.

M. P. JAIN

(Under Secretary (Admn.) Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Dolhi-3, the 28th April 1984

No. A-11|4|84.—Shri K. S. Prabhu, Superintendent Central Excise, Bombay is hereby appointed as Chief Enforcement Officer on deputation basis in the Bombay Zonal Office-I of this Directorate with effect from 13-1-84 (F.N.).

D. C. MANDAL Special Director

CENTRAL FORENSIC SCIENCF LAB. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110003, the 7th May 1984

No. 1-15/84-CFSL/3408.—The President is pleased to appoint Shri V. S. Bisaria, Senior Scientific Officer Gr. II (Chemistry Divn.) to officiate as Senior Scientific Officer Gr. 1 (Chemistry Divn.) on ad-hoc basis in Central Forensic Science Laboratory/C.B.I. with effect from 25-4-1984 (FN) for a period of 6 month or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. 1-15/84-CFSL/3410.—The President is pleased to appoint Shri M. K. Jain, Senior Scientific Officer Gr. II (Documents Division) to officiate as Senior Scientific Officer Gr. I. (Documents Divn.) on ad-hoc basis in Central Forensic Science Laboratory/C.B.I., with effect from 25-4-1984 (FN) for a period of 6 months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

R. S. NAGPAL

Administrative Officer (F) C.B.J.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 30th April 1984

No. O.II-230|69-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Shri G. L. Sharma of the CRPF to the rank of Commandant Selection Grade in a temporary capacity till further orders.

- 2. He took over charge of the post on the forenoon of 3-4-84.
- No. P. VII-7/72-Estt-I.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Bandyopadhyav on promotion as Deputy Inspector General of Police, in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.
- 2. On his appointment as DIGP, Shri A. K. Bandyepadhyav handed over charge of the post of Addl. DIGP (Commandant) GC CRPF Avadi on the afternoon of 19-4-84 and assumed

charge of the post of DIGP CRPF Chandigarh (Punjab) on the same day and time.

The 2nd May 1984

No. O-11-1774/83-Estt.—The Director General, CRPF., is pleased to appoint Dr. Surender Kumar Parimal as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the fortnoon of the 29th February, 1984 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

Y. N. SAXENA Deputy Director (Es.t.)

DEPARTMENT OF PFRSONNEL & A R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 2nd May 1984

No. S-20₁65-Ad.V.—In continuation of notification of even number dated 16,9.83, the President is pleased to appoint Shri S. C. Angrish to officiate as Additional Legal Adviser in C.B.I. on ad-hoc basis for a further period from 1-3-84 to 31-5-84 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The 5th May 1984

No. A|19036|14|75|AD.V.—On attaining the age of superannuation, services of Shri R. S. Shukla, Dy. Supdt. of police on deputation to Central Bureau of Investigation from Madhya Pradesh Police, were placed at the disposal of Govt. of Madhya Pradesh with effect from 30th April. 1984 (afternoon).

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E)

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 15th April 1984

No. E-32015(3)|8|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri S. L. Prashad, on promotion as Dy. Commandant with effect from the forenoon of 2nd April, 1984 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is cather.

The 19th April 1984

No. E-32015(2)|5|84-Pers.—President is pleased to appoint shri B. Sarkar, on promotion as Commandant CISF Unit RSP Rourkela with effect from the forenoon of 3rd April 1984 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months of till such time regular appointments are made, whichever is earlier,

No. E-32015(2)|13|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri N.-C. Sengupta, on promotion as Commandant CISF Unit COWO Dhanbad with effect from the forenour of 2nd April 1984 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appointments are made. whichever is earlier.

No. E-32015(2)|17|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri P. P. Mitra on promotion as Commandant CISF Unit BCCL Jharia with effect from the forenoun of 4th April 1984 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(2)|14|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri M. A. Jabbar, on promotion as Commandant CISF Unit Nalco Angul with effect from the forenoon of 2-4-84 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six month or till such time regular appointments are made, whichever is earlier

The 21st April 1984

No. E-28013[1]83-GA.II.—On retirement on attuning the age of superamulation. Shi Gurcharan Singh, relinquished charge of Section Officer, CISF HQrs., New Delhi w.c.i. the afternoon of 31st March 1984.

The 23rd April 1984

No. E-32015(2)|2 84-Pers.—President is pleased to appoint Shri M. S. Bose on promotion as Commandant with effect from the forenoon of 29th March 1984 on purely ad-noc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

S. ANANDARAM Director General CISF

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 30th April 1984

No. 98/CA. I/67-81—The Additional Deputy Comptroller and Auditor Genreal (Commercial) has been pleased to appoint the following Section Officer (Commercial) of the office mentioned in column 3 below and who is on deputation on foreign service to the organisation mentioned in column 4 below to officiate as Audit Officer (Commercial) under the 'NEXT BELOW RULE' with effect from the the date mentioned incolumn below until further orders:—

1	Sl No.	Name of Section Officer (Comml)	Office to which belongs.		Office where work	tation Date of promotion as Audit Officer (Commercial).	
ment Corp., Shantinagar, Hyderabad. R. P. LAKSHMANA RAO Asstt. Comptr. & Auditor General (Commercial) OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, JAMMU & KASHMIR AUDIT OFFICE SRINAGAR THE 1984 Consequent up in their permanent transfer form the office of the Accountant General, Jammu and Kashmir, Audit Office of the Accountant General, Jammu	1	2	3			4	5
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, JAMMU & KASHMIR AUDIT OFFICE SRINAGAR THE J984 Convequent up in their permanent transfer form the office of the Accountant General, Jammu and Kashmir to the office of the Accountant General, Jammu and Kashmir, Audit Office has a pointed the following Section Officers as Assistant Audit Officers (Group-B Gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30.749.35-880-EB-40-1040 in an officiating capacity with effect from 1-3-1984. Sl. Name No. 1 2 2 15 Bhatat Bushan 3 Gh. Haysan Qazi (on deputation to Smill Industries Service Institute, Srinagar.) 4 Makhata Lal Dhat Service Institute, Srinagar.) 4 Makhata Lal Kaul –II 5 Pran Nath Tutu 6 Dwarika Nath Rawal 7 K. D. Basnotra Assit. Comptr. & Auditor General (Commercial) 1 2 9	1.	Sh. J.V. Rajsekhar	MAB & Ex-Officio DC	A, Ranch	ment Corp., Shantinagar,	ryDevelop-	31-12-1983 F. N.
& KASHMIR AUDIT OFFICE SRINAGAR THE 1984 Consequent up on their permanent transfer form the office of the Accountant General, Jammu and Kashmir to the office of the Accountant General, Jammu and Kashmir, Audit Office has appointed the following Section Officers as Assistant Audit Officers (Group-B. Gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30.749-35-880-EB-40-1040 in an officiating capacity with effect from 1-3-1984. Si. Name No. 1 2 S/Shri 1. Makhan Lal Dhai 2. Mohd. Amin Bhat 3. Gh. Hassan Qazi (on deputation to Small Industries Service Institute, Srinagar.) (on deputation to Small Industries Service Institute, Srinagar.) 4. Makhan Lal Kaul — II 5. Pran Nath Tutu 6. Dwarika Nath Rawal 7. K. D. Basnotra (on deputation to Sanskit Vidya Peth, Jammu.) 1. Cliffice h S. Lee 9. Gh. Qadir Kumar. 10. Omkar Nath Kaul. 11. Paramjit Singà Dutto. 12. Bari Nath Ball. 13. Brij Nath Ball. 14. O.P. Salgotra. 15. Palkar Nath Kaul. 16. Triloki Nath Kotha. 17. Ali Mohd, Hamdani. 18. Girdari Lal Sus. 19. Mohi Lal Bhat. 10. Paramjit Singà Dutto. 12. Bari Nath Saul. 13. Brij Nath Ball. 14. O.P. Salgotra. 15. Palkar Nath Kaul. 16. Triloki Nath Kaul. 17. Ali Mohd, Hamdani. 18. Girdari Lal Sus. 19. Mohi Lal Bhat. 10. On deputation to Small Industries 10. Pram Nath Tutu 11. Paramjut Nath Raul. 12. Bahat Bushan 12. Bhat at Bushan 13. Ghulam Mohd. Bhat 24. Autar Krishen Machama. 25. Autar Krishen Machama. 26. Rattan Lal Tickoo. 27. Assa Singh Panda. 28. Wuldeep Raj Sharm (on deputation to Salal Hydro Electric Project, Reasi.)							r. & Auditor General
SRINAGAR THE 1984 Conveyuent up in their permanent transfer form the office of the Accountant General, Jammu and Kashmir to the office of the Accountant General, Jammu and Kashmir, Audit Office The Accountant General, Jammu & Kashmir, Audit Office The Accountant General, Jammu & Kashmir, Audit Office In a speciment of the following Section Officers as Assistant Audit Office In a speciment of the following Section Officers as Assistant Audit Office In a speciment of the following Section Officers as Assistant Audit Officers (Group-B. Gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30.749-35-880-EB-49-1040 in an officiating capacity with effect from 1-3-1984. SI. Name No. 12 Badri Nath Kaul. 33. Ghadri Lal Sus. 14 O.P. Salgotra. 15 Pushkar Nath Kaul. 36 Girdari Lal Sus. 17 Ali Mohd. Hamdani. 38 Girdari Lal Sus. 39 Moti Lal Mattoo 20 Moti Lal Mattoo 21 Moti Lal Bhat. 30 Ghulam Mohd. Bhat 22 Bhat at Bushan 23 Ghulam Mohd. Bhat 24 Autar Krishen Aima. 25 Autar Krishen Machama. 26 Rattan Lal Tickoo. 27 Assa Singh Panda. 28 Mohan Lal Zutshi. 29 Kuldeep Raj Sharm 1. 30 Roshan Lal Sharma (on deputation to Salal Hydro Electric Project, Reasi.)	OF		·	1	2		-
Convequent up in their permanent transfer form the office of the Accountant General, Jammu and Kashmir to the Office of the Accountant General, Jammu and Kashmir, Audit Office The Accountant General, Jammu and Kashmir, Audit Office his appointed the following Section Officers as Assistant Audit Officers (Group-B. Gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30,749-35-880-EB-40-1040 in an officiating capacity with effect from 1-3-1984. SI. Name No. SI. Name No. 1 2 S/Shri 1. Makhan Lal Dhai 2. Mohd. Amin Bhat 3. Gh. Hassan Qazi 4. Makhan Lal Maul—II 5. Pran Nath Tutu 6. Dwarika Nath Rawal 7. K. D. Basnotra (on deputation to Sanskiit Vidya Path, Jammu.) Audit Vidya Path, Jammu.) 10. Omkar Nath Kaul. 11. Paramjit Singh Dutta. 12. Badri Nath Kaul. 12. Badri Nath Kaul. 13. Brij Nath Balt. 14. O.P. Salgotra. 15. Pushkar Nath Kaul. 16. Or. Salgotra. 16. Girdari Lal Sus. 17. Ali Mohd. Hamdani. 18. Girdari Lal Sus. 19. Makhan Lal Qasba. 20. Moti Lal Bhat. 21. Moti Lal Bhat. 22. Bhatat Bushan 23. Ghulam Mohd. Bhat 24. Autar Krishen Aima. 25. Autar Krishen Aima. 26. Rattan Lal Tickoo. 27. Assa Singh Panda. 28. Mohan Lal Zutshi. 29. Kuldeep Raj Sharm i. 30. Roshan Lal Sharma 31. Gon deputation to Salal Hydro Electric Project, Reasi.)		• •		0	Gh. Oadin Karrana		
office of the Accountant General, Jammu and Kashmir to the office of the Accountant General, Jammu and Kashmir, Audit Office The Accountant General, Jammu and Kashmir, Audit J. Badri Nath Kaul. 12. Badri Nath Kaul. 13. Brij Nath Balt. 14. O.P. Salgotra. 15. Pushkar Nath Kaul. 16. Triloki Nath Kotha. 17. Ali Mohd, Hamdani. 18. Girdari Lal Sus. 19. Makhan Lal Qasba. 20. Moti Lal Mattoo 21. Moti Lal Mattoo 22. Moti Lal Bhat. 23. Ghulam Mohd, Bhat 24. Autar Krishen Aima. 25. Bhatat Bushan 26. Ghulam Mohd, Bhat 27. Assa Singh Panda. 28. Mohan Lal Zutshi. 29. Kuldeep Raj Sharm 1. 20. Mot deputation to Salal Hydro Electric Project, Ressi.)		Consument up in their parmaner	nt transfer form the				
office of the Accountant General, Jammu and Kashmir, Audit Office—The Accountant General, Jammu & Kashmir, Audit Office his appointed the following Section Officers as Assistant Audit Officers (Group-B. Gazetted) in the pay scale of Rs. 650- 30.749.35-880-EB-40-1040 in an officiating capacity with effect from 1-3-1984. SI. Name No. 19. Makhan Lal Qasba. No. 20. Moti Lal Mattoo 11. Makhan Lal Dhai 2 Mohd, Amin Bhat 3. Gh. Hassan Qazi (on deputation to Small Industries Service Institute, Srinagar.) Service Institute, Srinagar.) Makhan Lal Zutshi. Pran Nath Tutu Makhan Lal Zutshi. Pran Nath Rawal Medical Mattor (on deputation to Sanskit Vidya Peth, Jammu.) No. Sanskit Vidya Peth, Jammu.)	offi :						
Office The Accountant General, Jammu & Kashmir, Audit Office his appointed the following Section Officers as Assistant Audit Officers (Group-B. Gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30.749.35-880-EB-40-1040 in an officiating capacity with effect 16. Triloki Nath Kotha. SI. Name 18. Girdari Lal Sus. No. 19. Makhan Lal Qasba. No. 19. Moth Lal Mattoo 21. Moti Lal Bhat. (on deputation to Small Industries Service Institute. Srinagar.) Gon deputation to Small Industries Service Institute. Srinagar.) 4. Makhan Lal Kaul—II 5. Pran Nath Tutu 6. Dwarika Nath Rawal 7. K. D. Basnotra (on deputation to Sanskiit Vidya Peth, Jammu.) Shint I all Matton 21. Citikan I Site Institute Project, Reasi.)							
Office his appointed the following Section Officers as Assistant Audit Officers (Group-B. Gazetted) in the pay scale of Rs. 650- 30.749.35-880-EB-40-1040 in an officiating capacity with effect from 1-3-1984. SI. Name No. 1	Offic	z-The Accountant General, Januar	ıu & Kashmir, Audıt				
Audit Officers (Group-B. Gazetted) in the pay scale of Rs. 650- 30.749.35-880-EB-40-1040 in an officiating capacity with effect from 1-3-1984. SI. Name No. 12	Offic	e has appointed the following Section	n Officers as Assistant		•		
17. Ali Mohd, Hamdani. 18. Girdari Lal Sus. 19. Makhan Lal Qasba. 20. Moti Lal Mattoo 21. Moti Lal Bhat. (on deputation to Syshri 1. Makhan Lal Dhai 2. Mohd, Amin Bhat 2. Makhan Lal Dhai 2. Makhan Lal Dhai 2. Makhan Bhat 2	Audi	it Officers (Group-B. Gazetted) in the	pay scale of Rs. 650-	15.	Pushkar Nath Kaul.		
Sl. Name 18. Girdari Lal Sus. 19. Makhan Lal Qasba. 20. Moti Lal Mattoo 21. Moti Lal Bhat. (on deputation to Dy. Director, SIB, Srinagar) 18. Girdari Lal Sus. 19. Makhan Lal Qasba. 20. Moti Lal Mattoo 21. Moti Lal Bhat. (on deputation to Dy. Director, SIB, Srinagar) 22. Bhatat Bushan 23. Ghulam Mohd. Bhat 24. Autar Krishen Aima. 25. Autar Krishen Aima. 25. Autar Krishen Machama. 26. Rattan Lal Tickoo. 27. Assa Singh Panda. 28. Mohan Lal Zutshi. 29. Kuldeep Raj Sharm	30-74	49-35-880-EB-40-1040 in an officiatir	ng capacity with effect	16.	Triloki Nath Kotha.		
No. 19. Makhan Lal Qasba. 20. Moti Lal Mattoo 21. Moti Lal Bhat. S/Shri 1. Makhan Lal Dhai 2. Mohd, Amin Bhat 3. Gh. Hassan Qazi (on deputation to Small Industries Service Institute, Srinagar.) 4. Makhan Lal Kaul -II 5. Pran Nath Tutu 6. Dwarika Nath Rawal 7. K. D. Basnotra 19. Makhan Lal Qasba. 20. Moti Lal Mattoo 21. Moti Lal Bhat. (on deputation to Dy. Director, SIB, Srinagar) 22. Bhat at Bushan 23. Ghulam Mohd, Bhat 24. Autar Krishen Aima. 25. Autar Krishen Machama. 26. Rattan Lal Tickoo. 27. Assa Singh Panda. 30. Roshan Lal Zutshi. 30. Roshan Lal Sharma (on deputation to Salal Hydro Electric Project, Reasi.)	from	1-3-1984.					
No. 19. Makhan Lal Qasba. 20. Moti Lal Mattoo 21. Moti Lal Bhat. S/Shri 1. Makhan Lal Dhat 2. Mohd, Amin Bhat 3. Gh. Hassan Qazi (on deputation to Small Industries Service Institute, Srinagar.) 4. Makhan Lal Kaul—II 5. Pran Nath Tutu 6. Dwarika Nath Rawal 7. K. D. Basnotra (on deputation to Sanskiit Vidya Peth, Jamnu.) 19. Makhan Lal Qasba. 20. Moti Lal Mattoo 21. Moti Lal Mattoo 22. Bhat at Bushan 23. Ghulam Mohd, Bhat 24. Autar Krishen Aima. 25. Rattan Lal Tickoo. 27. Assa Singh Panda. 30. Roshan Lal Zutshi. 30. Roshan Lal Sharma (on deputation to Salal Hydro Electric Project, Reasi.)	SL.	Name					
20. Moti Lal Mattoo 21. Moti Lal Bhat. S/Shri 1. Makhan Lal Dhai 2. Mohd, Amin Bhat 3. Gh. Hassan Qazi (on deputation to Small Industries Service Institute, Srinagar.) 4. Makhan Lal Kaul—II 5. Pran Nath Tutu 6. Dwarika Nath Rawal 7. K. D. Basnotra (on deputation to Sanskit Vidya Peth, Jammu.) 20. Moti Lal Mattoo 21. Moti Lal Mattoo Dy. Director, SIB, Srinagar.) 22. Bhatat Bushan 23. Ghulam Mohd, Bhat 24. Autar Krishen Aima. 25. Autar Krishen Machama. 26. Rattan Lal Tickoo. 27. Assa Singh Panda. 28. Mohan Lal Zutshi. 29. Kuldeep Raj Sharm. 30. Roshan Lal Sharma (on deputation to Salal Hydro Electric Project, Reasi.)							
S/Shri Makhan Lal Dhai Mohd, Amin Bhat (on deputation to Small Industries Service Institute, Srinagar.) Makhan Lal Kaul—II Pran Nath Tutu Dy. Director, SIB, Srinagar) 22. Bhat at Bushan 23. Ghulam Mohd, Bhat 24. Autar Krishen Aima. 25. Autar Krishen Machama. 26. Rattan Lal Tickoo. 27. Assa Singh Panda. 28. Mohan Lal Zutshi. 29. Kuldeep Raj Sharm (30. Roshan Lal Sharma (on deputation to Sanskit Vidya Peth, Jammu.)							
1. Makhan Lal Dhai 2. Mohd, Amin Bhat 3. Gh. Hassan Qazi (on deputation to Small Industries Service Institute, Srinagar.) 4. Makhan Lai Kaul – II 5. Pran Nath Tutu 6. Dwarika Nath Rawal 7. K. D. Basnotra (on deputation to Sanskit Vidya Peth, Jammu.) Srinagar) 22. Bhat at Bushan 23. Ghulam Mohd, Bhat 24. Autar Krishen Aima. 25. Autar Krishen Machama. 26. Rattan Lal Tickoo. 27. Assa Singh Panda. 28. Mohan Lal Zutshi. 29. Kuldeep Raj Sharm (on deputation to Sanskit Vidya Peth, Jammu.)		·		21.	Moti Lal Bhat.		
2. Mohd, Amin Bhat 2. Mohd, Amin Bhat 3. Gh. Hassan Qazi (on deputation to Small Industries Service Institute, Srinagar.) 4. Makhan Lai Kaul—II 5. Pran Nath Tutu 6. Dwarika Nath Rawal 7. K. D. Basnotra (on deputation to Sanskit Vidya Peth, Jammu.) 22. Bhatat Bushan 23. Ghulam Mohd, Bhat 24. Autar Krishen Aima. 25. Autar Krishen Machama. 26. Rattan Lal Tickoo. 27. Assa Singh Panda. 28. Mohan Lal Zutshi. 29. Kuldeep Raj Sharm. 30. Roshan Lal Sharma (on deputation to Salal Hydro Electric Project, Reasi.)							
3. Gh. Hassan Qazi (on deputation to Small Industries Service Institute, Srinagar.) 4. Makhan Lai Kaul –II 5. Pran Nath Tutu 6. Dwarika Nath Rawal 7. K. D. Basnotra (on deputation to Sanskit Vidya Peth, Jammu.) 23. Ghulam Mohd, Bhat 24. Autar Krishen Aima. 25. Autar Krishen Machama. 26. Rattan Lal Tickoo. 27. Assa Singh Panda. 28. Mohan Lal Zutshi. 29. Kuldeep Raj Sharm. 30. Roshan Lal Sharma (on deputation to Salal Hydro Electric Project, Reasi.)		****					Stinagar)
(on deputation to Small Industries Service Institute, Srinagar.) 4. Makhan Lai Kaul – II 5. Pran Nath Tutu 6. Dwarika Nath Rawal 7. K. D. Basnotra (on deputation to Sanskit Vidya Peth, Jammu.) 24. Autar Krishen Aima. 25. Autar Krishen Aima. 26. Rattan Lal Tickoo. 27. Assa Singh Panda. 28. Mohan Lal Zutshi. 29. Kuldeep Raj Sharm (on deputation to Sanskit Vidya Peth, Jammu.)							
Small Industries Service Institute, Srinagar.) 4. Makhan Lai Kaul – II 5. Pran Nath Tutu 6. Dwarika Nath Rawal 7. K. D. Basnotra (on deputation to Sanskit Vidya Peth, Jammu.) 25. Autar Krishen Machama. 26. Rattan Lal Tickoo. 27. Assa Singh Panda. 28. Mohan Lal Zutshi. 29. Kuldeep Raj Sharm. 30. Roshan Lal Sharma (on deputation to Salal Hydro Electric Project, Reasi.)	٥.	GR. Hassaii Qazi	(on deputation to				
Service Institute, Srinagar.) 26. Rattan Lal Tickoo. 27. Assa Singh Panda. 28. Mohan Lal Zutshi. 29. Kuldeep Raj Sharm. 30. Roshan Lal Sharma (on deputation to Sanskit Vidya Peth, Jammu.)			Small Industries			-0	
4. Makhan Lai Kaul —II 5. Pran Nath Tutu 6. Dwarika Nath Rawal 7. K. D. Basnotra (on deputation to Sanskit Vidya Peth, Jammu.) 27. Assa Singh Panda. 28. Mohan Lal Zutshi. 29. Kuldeep Raj Sharm. 30. Roshan Lai Sharma (on deputation to Salai Hydro Electric Project, Reasi.)			Service Institute,			nu.	
4. Makhan Lai Kaul — II 5. Pran Nath Tutu 6. Dwarika Nath Rawal 7. K. D. Basnotra (on deputation to Sanskit Vidya Peth, Jammu.) 28. Mohan Lai Zutshi. 29. Kuldeep Raj Sharm. 30. Roshan Lai Sharma (on deputation to Salai Hydro Electric Project, Reasi.)			Srinagar.)	•	• •		
5. Pran Nath Tulu 6. Dwarika Nath Rawal 7. K. D. Basnotra (on deputation to Sanskit Vidya Peth, Jammu.) 29. Kuldeep Raj Sharm (on deputation to Salal Hydro Electric Project, Reasi.)	4,						
6. Dwarika Nath Rawai 7. K. D. Basnotra (on deputation to Sanskit Vidya Peth, Jammu.) 30. Roshan Lal Sharma (on deputation to Salal Hydro Electric Project, Reasi.)	5.						
7. K. D. Basnotra (on deputation to Salal Hydro Electric Sanskit Vidya Peth, Jammu.) Salal Hydro Electric Project, Reasi.)	6.				_		(on deputation to
Jammu.)	7.	K. D. Basnotra	Sanskiit Vidya Peth,		THE PERSON NAMED IN COLUMN TO THE PERSON NAMED IN		Salal Hydro Electric
	8.	Makhan Lil Kaul	janumu.)	31.	Shiban Ji Sultan		•

1	2		1 2
32.	Tej Narain Vaishnavi	— 	75. Bushan Lal Tickoo.
33.	Rajindar Raina.		76. Ashok Kumar Saproo.
34.	Shiban Lal Chaku.		77. Ashok Kumar Chirvi.
35.	Mohd. Ashraf.		78. Roshan Lal Khosa.
36,	Brij Nath Kaul.		79. Bushan Lal Handoo.
37.	Shamboo Nath Raina	(on deputation to	80. Authar Krishen Bhim.
		Salai Hydro Ele-	81. Mehraj-Ud-din.
		ctric Project,	82. Ashok Kumar Ganjoo
		Reasi.)	83. Vijay Kumar Chaloo.
_	Abdul Rohman Dar.		84. Autar Krishen Ganzoo. 85. Shamboo Nath Seru.
	Manohar Nath Khai		86. Gh. Nabi Pampori.
40.	Chaman Lal Raina	(on deputation to	87. Raj Kumar Sharma.
		A. G. Gujarat,	88. Ghulam Hassan Kitab.
		Alimedabadi	89. Gh. Mohd. Bazaz.
41.	Pushkar Nath Gurkha	(on deputation to	90. Bushan Lal Pandita.
		Salal Hydro Electric	91. Vir Autar Kaul.
		Project, Reasi.)	9t. Vii Autai Kaut.
	Abdul Rashid Patloo Raghvansh Kumar Gupta		Tapir inter-se-seniority will be fixed separately.
	Khub Chand Sharma	(on deputation to	·
		Dul Hasti Project,	S. K. SAHNI
		Kishtwar.)	Dy. Account General(A)
45.	Suraj Narian Bhan	(on deputation to	·
		Delhi Development	OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, (AUDIT)-L
46.	Pyeray Lal Handoo	Authority)	Bangalore, the 1st March 1984
	Maharaj Krishen Kaul.		
48.	Hirday Nath Raina.	(on deputation to	No. Admn.I(Audit)-I/A3/83-84.—The Accountant General (Audit)-I is pleased to promote the following Section Offi-
40	Makan Siank Samuel	1. T.B. Leh.)	cers (Audit) to officiate as Assistant Audit Officer with
	Mohan Singh Samyal.		effect from 1-3-1984 until further orders without prejudice
50.			to the claims of their seniors, if any.
	Roop Krishen Naram.		Sl. No. Name
	Omkir Nath Langoo. Krishen Lal Kachroo.		·
	Suresh Chander Divedi	(on deputation 10	Shri/Smt./Kum.
J. T.	Satesit Offware Breat	(Betwa River Board	1. G. Raghtivendracharya
		Jhansi (UP)	2. R. Venkatanurayanan
55.	Predimen Krishen Jailkhani.	(on deputation to	3. Noor Ahmed Pasha 4. G. M. Shaikh
	Trouble ter sites believed.	Hqrs, IGBSF,	5. S. Narasimhan (1)
		Jammu.)	6. G. C. Shiyarama Sharma
56.	S.K. Gapta.		7. K. Srinivasan
	Kulwant Singh.		8. M. Narasimha Muthy (2) 9. M. Vasudevan
	Vijay Kumar Daur,		10. A. Shanmugham
			11. D. Thirugnanam
60.	Shanti Lal		12. V. N. Sangam
-	K.D. Vadheria	(on deputation to	13. K. R. Parthasarathy 14. L. Ramamurthy
	21,21,111	Director of Audit	15. P. V. Mirii
		CR,s New Dolhi.)	16. H. S. Chandrasekhara Sastry 17. K. V. Ponnuswamy
		CR, S New Demi.)	
	Nath Ji Kaul.		18. S. Ranganathan 19. A. Ramasubramonia lyer
63.	Th. Onkar Singh.		20. J. Lakshminarasimha Rao
64	Om Prakash Kaul.		21. T. S. Ramaswamy Iyengar
55.	, ,		22. T. S. Subramanyam 23. K. V. Lakshminarayana
	Hira Lal Dhar.		24. C. V. Gopalakrishna
57.	Shibin Lil Tickoo.		25. R. Sampathu
-	Bushan Lal Dhar.		26. H. Suryanarayana
	Pran Nath Kaul.		27. N. Krishnaswamy 28. S. B. Nagaraja Rao
	Mrs. Brij Kishori Nakhase.		29. P. Nagaraja Rao
	Ashok Kumar Kaul.		30. H. C. Narayana
72.	Maharaj Krishen Dhar.		31. K. S. Rajagopalan (2)
73.	Om Prakash Sharma	(on deputation to	32. H. K. Nagataja 33. T. A. Ramakrishna Sastry
· ~ •	our clauser nintille		34. R. Devadasan
			35. R. Srinivasan (3)
		Electric Project,	36. V. Gopinath
		Dan. i \	27 & Wankitochul. Tran
74	Ratian Lal Dhar.	Reasi.)	37. S. Venkitachala Iyer 38. M. R. Ganaputhy Rao

40	A K P Unni	125	B Shiyaswami Rao
41	P Pandurangi Rao	126	V L Surayanarayana Rao
42	K T Kunhi Kannan Nambi u	127	k R Santhinam
	G B Hampiholi	128	k Gopinuthan
44	V 1 Seethalam	129	B V Shivaji Rao
45	S R Krishna Iyeng u	130	D Venkataramani
46	K Sunivasachari	131	k S Govinda Rao
47	K V Sithapathi	132	G V Bhat
48		133	C Ganesha
		134	U Suresh Rao
49		135	k R Narasımha Murthy
50	S U Deshpande	136	A T V Seshadri
51	H N Umapathy	137	A B Kale
52	G P Venkatesan	138	G G Biradat
53	N Raghu Rama R ddy	139	P Balan
54	M S Vedantha		
55	K Dhanasekharan	$\frac{140}{141}$	R Rujagopalan
56	V Nuayana Swanu		Y S Venkataramu
57	S N Anantha Ram in	142	M Sagheer Ahmed
58	H P Aithal	143	k S Gopalakrishnan
59	R S Venkataramana	144	K S Viswanathan
60	E John Philipose	145	D N Annarah
61	K M Sicenivasa Bhatta	146	M Singaravelu
62	M C Appanni	147	K Raghavendia Rao
63	M R Prasad	148	N S Nagarajan
64	B Subramanayam (2)	149	C T Chandrasekaran
65	K Narayana Swamy	150	R Nagarajan (2)
66	M S Sridham Murthi	151	K T Krishn'i Swamy
67	T S Krishnan	152	S Sethuraian
68	K Sudhendia	153	Venkatesh Murthy
69	H H Krishna Murthy	154	H R Gopala Iyengar
70	R S Devapui	155	K Venugopalan
71	S Natuajan	156	H R Nagaraja Rao
72	C R Sethurno	157	S Maraiah
73	K Padmanabhan	158	M R Sarnobat
74	M Jayaraman	159	Siddiah
75	B S Venkatu amaniah	160	L Pidmanabh
76	N Somasundara Rao	161	C K Murthy
77	Subravenkanna Naik (S. V. Naik)	162	Muralidhar Kulkarni
78	T A Rajagopalan	163	M K Gopinath Rao
79	A Usha Kumati	164	S R Narasimha Murthy
80	S Sethu Bu	165	T N Swaminathan
81	S Rajan	166	A V Kotı
82	P M Amentharaman	167	K Chandrasekara Shetty
83	R Raghavendra Rao	168	C K Narasimha Murthy
84	M K Sathyunarayana	169	S Radhakrishna
85	C K Narayanan	170	M B Suralikal
86	V V Thuwengada Mudali ir	171	V A Ismail
87	A Nagaranan	172	V K Cherian
88	k S Sripathy	173	G V Jagannathan
89	N S Varadarar	174	B B Ponnaopa
90	D Kantharar	175	N Ramakrishna (2)
91	K Padamunabhan Potti	176	Syed Abdul Hameed
92	T Rajamohan Rao	177	R Thyagara ₁
93	M S Sathyanarayana Rao	178	V V Palmurkai
94	M B Mohan	179	Viswimatha Sastiv
95	K Hayagieeva Puranik	180	S Narasimha Murthy
96	K I Nagaiaia Rao	181	M R Rangapath
97	S Guiuraja Rio	182	R V Narayana Sharma
98	G Kaghavendra Chetty	183	
99	M Narasimba Muithy (3)	194	D R Supad
100	D N C Petkai	185	R Kushna Rao
101	H S Ramachandin	186	В Т Гтарти
102	T K Raghupathi	187	P K Radakushnan
103	D H Ranga Rao	188	R Nar iyanan
104	N Subramaniam (1)	189	V K Balan
105		190	G J Survanarayana
106	T R Gurmaja Rho	191	G R Krishnamurthy (2)
107	S G Nagarajaiah	192	
108	J Lecla Ramial	193	S K Deshpande
109	S R Sunivasa Murthy	194	
110	R Veerappa	195	T J Hegde
111	R V Satyanarayana		Y V Sundraraj
112	T R Suresh Chandra	197	
113		198	R Sildhara
114		100	P Varadarai
	H G Nagarajan		K S Suresh
116	R Ananthanadamanabha	201	
117	Sivithia Balakushua		V Narayana Rao
118	Khaleeliu Rehman Khan		N S Prokash
119		204	D S Shahapui
120	M Sathyanai ayana	205	Charles Lewis
121	B G Nagai iji		K Naravan in (2)
122	k Ci Naga ita	207	
123	S Nagariu	208	
124	S Girijashankar		N Subramanian (3)
144	2 ZHHUMMEN	-47	(* MOTHUMAN 141

210. T. S. Shiyappa
211. A. N. Ramadurg
212. P. Mallikariuruppa
213. B. Viswas
214. M. N. Mohan
215. N. Subramanappa
216. A. Suresh Kumai
217. M. K. Puttana
218. V. S. Maligi
219. G. Anantha Padmanabha Rao
220. V. Ganesh Babu
221, A. G. Kulkarni 222, A. M. Badrinath
223, M. Muthuswamy
224. T. S. Lakshmikanthan
225. V. N. Nagaraja Rao
226. D. Raghavan
227. Y. Lakshmaiah
228. P. G. Srinivasan
229. M. Srinivasa
230. S. Sreedhara Murthy
231. S. N. Mohite
232. K. Y. Nagaraju
233. H. N. Nagaraja
234. T. S. Ramachandrachar.
The following Costing Officers (Audit) who are an do
The following Section Officers (Audit) who are on de-
outation or Foreign Service are promoted as Assistant Audit
Officers or proforma basis under "Next Below Rule" from
1-3-1984 when their juniors were allowed promotion as
Assistant Audit Officers. Any claim for drawal of pay in

Pi the scale of applicable to the post of Assistant Audit Officer during their continuance with the outside department or foreign employer will be subject to the acceptance of the same by the authorities of outside department/foreign employer.

- V. S. Viswanathan
 R. Nagaraja Sharma
 B. N. Madhava Rao
 T. S. Krishna Rao
 M. C. Sridhara Murthy

- 6. G. V. Nagaraia 7. K. P. Madhayan Rac 8. M. Srikantatai Urs 9. M. R. Puttanarasimhaiah 10. S. Ragarathinam S. Ragarathinam
 S. B. Madihalli
 S. P. Desheande
 K. S. Srinivusa Murthy
 K. S. Raghunandan
 K. S. Dwaiakanath
 M. R. Subbaraaya
 K. S. Balakrishnan
 K. Parthasarathy
- K. S. Balakrishnan
 K. Parthasarathy
 Niyaz Ahmed Ghouri
 P. T. Dater
 H. Seshagiri
 D. N. Venkateshaiah
 B. N. Murthy
- 24. P. P. Ganapthy 25. K. Senshagiri
- 25. K. Senshagiri 26. T. V. S. Parthasarathy 27. M. T. Pfahalada
- 27. M. T. Pranalada
 28. S. Venugopal
 29. K. Shankuranarayanan
 30. T. Suryanarayana Sastry
 31. B. Nagaraju
 32. M. Rama Rao
 33. Shankaranarayana Rao

- 34. R. Perumal35. M. Sitaram36. D. V. Seshadri
- 37. V. Nagaraju 38. M. P. Nanjunda Swamy 39. H. V. Viswanathu
- 40. S. Bolasubramanyam 41. R. Venkataraman
- 42. M. P. Padmanabha Rao 43. P. Kunhi Krishnan 44. C. Subba Rao (3)

Sd]- U. SANKAR Dv. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL RAILWAY,

Bombay V.T., the 3rd May 1984

No. Au/Admn/Misc.(CON/--The under montioned Selection Grade Section Officers (Audit)/Section Officers (Audit) of this office are promoted as AuditOfficer/Asstt. Capacity w.e.f. the date mentioned against each:

r. No	Name & Designa	tion					Promoted as	Promoted w.e.f.	
1	2			 			3	4	
1,	Shri S. N. Modak, S.G.	9 O			,	,	Audit Officer	2-12-1983	
2.	P. R. Paranjape						A99t. Audit Officer	01-03-1984	
3.	,, A. S. Rao	*1					Do.	01-03-1984	
4.	Smt, A.R. Iyer	**					Do.	01-03-1984	
5.	Shri A.B. Pansare	17	-				Do.	01-03-1984	
6.	GS. Shukla	,,					Do.	01-03-1984	
7.	H. J. Bhojwani	S.O.	(A)				Do. —	01-03-1984	
8.	., S.A. Agarwal	**					Do.	01-03-1984	
9,	S.R. Karandikar	,,					Ðо,	01-03-9184	
10.	, S.R. Nigote	11					Do.	01-03-1984	
11.	" G.M. Joshi	••					Do.	01-03-1984	
12.	, A.V. Krishnan	,,			,		Do.	01-03-1984	
13.	A.K. Mahajan	,,					Do.	01-03-1984	
14.	" S.S. Varde						Do.	01-03-1984	
15.	"S.S. Vaidya"			٠			Do.	10-03-1984	
16.	" S.S. Kulkarni	17		,			Do.	01-03-1984	
17.	K.P. Singh	,,					Do.	01-03-1984	
18.	, S.K. Varma	**					Do,	01-03-1984	
19.	D V Vancor	,,					Do.	01-03-1984	
20.	D C Dal	**					Do.	01-03-1984	
20. 21.	H.D. Sharma	,,					Do.	01-03-1984	

		Vame & Designation							Promoted As	Promoted w.e.f.
1			±						3	4
22.	Shri	Mohd, Shafi	5O, (A)	,			- <u>-</u> -		Asst. Audit Officer	01-03-1984
23.		N.C. Agnihotri	,,						Do.	01-03-1984
24.	.,	G.C. Rai	,,						Do.	10-03-1984
25.	•••	M P. Motghare	,,						Do.	01-03-1985
26.	17	K.T. Khilnani	12						Do.	01-03-1984
27.	,,	T.M. Seetharaman"							Do.	10-03-1984
28.	17	R.S. Chavan	,,						Do.	01-03-1984
29.	••	P. Talreja	•,''						Do.	01-03-1984
30.		A.C. Saraph		-				,	Do.	01-03-1984
31.	**	K.R. Pillai	"	•	•				Do.	10-03-1984
32.	**	S.P. Dhmeja	**	•	·	·			Do.	01-03-1984
33.	• • •	R.D. Keswani	"	•		Ċ		_	Do.	10-03-1984
33. 34.	**	R.B. Teware	,,	•	•	•			Do.	05-03-1984
35.	**	R.N. Tiwari	,,	•	•	•	·		Do.	01-03-1984
36.	"	F.J. Aga	**	•	•	•	ì		Do.	01-03-1984
	,,	-	**	•	•	•	•		Do.	01-03-1984
37.	**	K.V. Baburajan R. Anantharaman	**	•	•	•	•	•	Do.	10-03 - 198 ⁴
38.	"	Nisar Ahmed	11	•	•	•	•	•	Do.	10-03-1984
39.	**	,	41	•	•	•	•	•	Do.	01-03-198
40.	29	V.A. Gari .	**	•	•	•	•	•	Do.	01-03-198
41. 42.	77	P.C. Jain D.B. Pakhide	**	٠		•		:	Do.	01-03-1984
	**	A. D. Ohamolican	**	•	•				Do.	01-03-1984
43.	"	P. Mohandas	11	•	٠	•			Do.	01-03-1984
44.	**	D.D. Defe-	••	•	•	•	•		Do.	01-03-1984
45.	**	O.N. Pandi	**	•	•	•			Do.	01-03-1984
46.	**	K.P. Shetty	**	•	•	•		-	Do.	01-03-1984
47.	**	V.S. Gupta	**	•	•	•		_	Do.	01-03-1984
48.	**	A. Radhakrishna	",		•	•	•	_	Do.	12-03-198
49.	**	b V Dalai	11	•	•	•	-		Do.	22-03-198
50.	**	R.K. Bajaj S.M. Lawate	**		•	•	•	_	Do.	11-04-198
51.	**		**	•	•	•	•	-	Do.	01-03-198
52.	17		13	•	•	•	•		Do.	01-03-198
53.	**	R.K. Sharma	**	•	•	•	•	•	Do.	01-03-1984
54. 55.	77	A.G. Lukhery K.V. Venugopalan	**	•	•	•	•	•	Do.	01-03-198

S. SUNDARARAJAN Director of Audit.

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 29th April 1984

No. 23|G|84.—On attaining the age of Superannuation (58 years) Shri Joginder Singh, offg. Assistant Works Manager (Subst. & Permanent Foreman) retired from service with effect from 31st March, 1983 (AN).

The 27tth April 1984

No. 24|G|84.—The President is pleased to re-employ Shri G D. Bhalla retired General Manager Heavy Vehicle Factory, Avadi, Madras in the Indian Ordnance Factories Service in the grade of Additional Director General Ordnance Factories for the period from 1-3-1981 to 15-3-1981 AN with a view to regularise administrative|financial actions taken by him during the aforesaid period of his unauthorised overstaval in service beyond the normal date of his retirement on attaining the age of superannuation w.c.f. 28-2-1981|AN by superessing his correct date of birth i.e. 12-2-1923.

V. K. MEHTA Director Estt.

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 28th April 1984.

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6|1370|81-ADMN(G)|3548.—On attaining the age of superannuation, Shri Amit Kumar Mukherjee, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of the 31st January, 1984.

M. L. JAYANT

Dy. Chief Controller of Imports and Exports

For Chief Controller of Import & Export

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi-110001, the 4th May 1984

No. A-17011|121|77-A6.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Ganguly Assistant Director of Inspection (Met.) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Metallurgical Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection (Met.) (Grade II of Indian Inspection Service Group 'A' Metallurgical Branch) on purely ad-hoc basis with effect from the forenoon of 21st March 1981 for a

period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

- 2. The ad-hoc appointment of Shri S. K. Ganguly will not bestow on him any right or claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.
- 3. Shri S. K. Ganguly relinquished charge of the post of Assistant Director of Inspection (Metallurgical) on the forenoon of the 21st March, 1984 and assumed charge of the office of Deputy Director of Inspection (Metallurgical) on the forenoon of the 21st March, 1984 at Romkela under Director of Inspection (Met.), Jameshedpur.

S. L. KAPOOR
Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 28th April 1984

No. A. 19011(181)|76-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri R. S. Lihipande permanent Junior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines has been promoted to the post of Senior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 30th March 1984.

The 30th April 1984

No. A 19011(50)|70-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri M. L. Singhal Regional Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Superintending Minnig Geologist in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 12-4-1984, after his reversion on the afternoon of 12-4-1984 from Mangenese Ore India Ltd. where he was on deputation as Chief Geologist w.e.f. 30-6-82 (AN).

No. A. 19012(178) 83-Estt.A.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, Shri Churamaninal, Junior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines has been promoted to the post of Senior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from 3rd April, 1984 (afternoon).

No. A. 19012(178) 83-Fistt. A.—Onthe recommendations of the Union Public Service Commission. Shri Ravindra Raghunath Shende, Senior Technical Assistant (Chem.) Geological Survey of India. Poona is appointed to the Post of Assistant Chemist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3rd April

A. R. KASHAV

Sr. Admn. Officer for Contr. Genl. Indian Bureau of Mines.

Nagpur, the 2nd May 1984

No. A-19011(352)|84-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri K. N. Ralode. Senior Technical Assistant (Mining), on the recommendation of the Union Public Service Commission to the post of Assistant Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 31-3-1984.

The 4th May 1984

No. A-19011(298) 83-Estt.A.PP.—On his retirement after attaining the age of superannuation Shri A. R. Kashav, Senior Administrative Officer is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of

30-4-1984 and accordingly his name has been struck off the strength of establishment of this department.

P. P. WADHI Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines.

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 30th April 1984

No. 2971B|A-32013(AO)|82|19A.—Shri Gupteswar Singh, Superintendent; Geological Survey of India has been appointed by the Director General, GSI on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35--EB-810-EB-35-880-40-1000-PB-40-1200|- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 13-3-84 until further orders.

The 1st May 1984

No. 2999B|A-19012(3-JPS)|83-19B.—Sri Jugdish Prasad Sharma, Assistant Chemist, GSI, has made ocer charge in GSI with effect from the afternoon of 18-7-1983, for joining the post of Chemist in Oll & Natural Gas Commission.

The 7th May 1984

No. 3118B|A-19012(3-PKR)|84-19B.—Shri Piadip Kumar Roy, Sr. Tech, Asstt. (Chemical), GSI, has been appointed on promotion to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI, on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200|- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 28th March, 1984, until further orders.

No. 3128B|A-19012(3-SSB)|84-19B.—Shri Surjn Sankar Bose, Sr. Tech. Asstt (Chemical), GSI has been appointed on promotion to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI, on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 24th March, 1984, until further orders.

No 3138B|A-19012(3-AKS)|83-19B.—Dr. Ashok Kumar Solanki has been appointed to the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India by the Director General. GSI, on pay according to rules or minimum of the scale of nav of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of 3-3-1984, until further orders.

A. KUSHART Director (Personnel)

Calcutta, the 1st May 1984

No. 3010B|A-19012(BT)|84-19A.—Shri Benjamin Topno, Senior Technical Assistant (DO), Geological Survey of India has been appointed as Artist on promotion by the Director General, Geological Survey of India in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 7th April, 1984, until further orders

A. KUSHARI Director (Personnel) for Director General

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 1st May 1984

No. C-6063|594.—Shri Kharnk Singh, Technical Assistant (Man Reproduction) Sel. Gd. is appointed to officiate as Assistant Manager. Map Reproduction (GCS Group 'B' post)

in Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35, 810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 30th March, 1984 on ad-hoc basis and posted to No. 101 (HLO) Printing Group (M. P. Dte.), Dehra Dun,

The 2nd May 1984

No. E1-6065 698-Map Curator.—Shri Naiottam Sharma, Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Map Curator, (G.C.S. Group 'B') on transfer on deputation in Eastern Circle Office, Survey of India, Calcutta in the scale of pay of Rs. 550-25-750-EB-30-900, with effect from the forenoon of 30th March, 1984, until further orders.

G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 1st May 1984

No. F. 8-9/83-Estt.—Consequent on the voluntary retirement from Government service of Shii Tarlochan Singh, Administrative Officer, Shri A. K. Sharma. Superintendent, is appointed to officiate as Administrative Officer (Group 'B'-Gazetted) on purely ad-hoc basis with effect from the forenoon of 1st May 1984, until fuurther orders. The ad-hoc appointment will not confer any right or claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority ad for eligibility for promotion to next higher grade.

R. K. PERTI Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 27th April 1981

No. 10|4|83-S. III|IV.—The Director General, All India Radio hereby appoints Miss Uma Bhattacharya as Assistant Engineer at All India Radio Calcutta in a temporary capacity with effect from 30-3-1984 (FN) till further orders.

The 1st May 1984

Corrigendum

No. 10|46|77-S. 111|1V.—Consequent upon acceptance of the request of Shri V. K. Chitnis, Assistant Engineer Doordarshan Kendra Bombay, the date of acceptance of the voluntary retirement from the service may be read as 1-12-1983 (F.N.) instead of 30-11-1983 (AN).

MARKS E. ELIAS
Deputy Director of Administration (E)
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 30th April 1984

No. A-32014|2|81(JIP)|Admn.I|M(F&S).—The Director General of Health Services was pleased to appoint Shri P. S. Srinivasan to the Post of Administrative Officer at the Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education & Research, Pondicherry, with effect from forenoon of 10th January, 1983, on deputation basis and until further orders.

Consequent on his appointment as Chief Administrative Officer at Safdarjung Hospital, New Delhi Shri P. S. Srinivasan relinquished charge of the post of Administrative Officer at Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education & Research, Pondicherry, with effect from the afternoon of 16th March, 1984.

P. N. TIIAKUR Deputy Director Administration (C&B)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 3rd May 1984

No. R-201|Estt.II|1671.—Shri Elampilavil Ramakrishnan relinquished charge of the post of Private Secretary to Director, BARC on 30th September 1983 A.N.

R. L. BATRA Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 10th April 1984

No. NAPP|Adm|11(6)|84-S|3045,—Project Director, Narota Atomic Power Project, hereby appoints Shit A. S. Gulawane, a permanent Lower Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel officer on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the Narota Atomic Power Project with effect from the forenoon of 5-3-1984 to 7-4-1984 vice Shrt N. K. Sharma, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

No. NAPP|Adm|11(1)|84|S|3046.—Project Director, Naroia Atomic Power Project hereby appoints Shri Om Ptakash, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of 13-2-1984 vice Shri S. C. Bansal, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

R. K. BALI

Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 23rd April 1983

MEMORANDUM

Ref. No. NFC|PA.IV|MTP|3800|186.—In terms of para 1 (a) of his offer of appointment letter No. PAR|0702|2057 dated 2-5-1981, the services of Shri P. Bala Ram, T[A, EC No. 3800, MTP, NFC are terminated forthwith and he shall be entitled to claim pay plus allowances for the period of notice at the same rates at which he was drawing them im mediately before the termination of his srevices.

He is required to surrender bus pass, security budge, Family Identity Card and any other Government material issued to him to the Manager, MTP, NFC immediately.

G. G. KULKARNI Manager, P&A

Shii P. Bala Ram H. No. 4-90 Ghatkesar R. R. District

Hyderabad-500762, the 28th April 1984

No. PAR|0704|983.—Further to this office notification No. PAR|0704|664 dated 13-3-1984, the appointment of Sri C. R. Prabhakaran, Asstt. Accountant, as Assistant Accounts Office in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on ad-hoc basis is extended upto 22-5-1984 or until fuurther orders, whichever is earlier.

The 30th April 1984

No. PAR[0704]994.—Dy. Chief Executive (A), NFC, appoints Shri N. Bharathan, Asstt. Accountant, to officiate as Asstt. Accounts Officer, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-9660 on ad-hoc basis from 23-4-1984 to 9-6-1984 or until turther orders, whichever is earlier.

G. G. KULKARNI

Manager, Personnel & Admn.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 28th April 1984

No. A-32014|2|83-EC(.).—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Mam Chand, Communication Assistant working at Aero. Comm. Station, Varanasi to

the grade of Assistant Communication Officer on regular basis with effect from 25th Jan., 1984 (F.N.) and until further orders and to post him at Aero. Comm. Station, Varanasi.

O. P. AGGARWAL Assistant Director of Administration

New Dolhi, the 26th April 1984

No. A-32014/4/83-EC (.)—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on ad-hoc basis in the pay scale of Rs.650—1200-for a period of six months w.c.f. the date of their taking over charge the higher post or till the post is filled on a regular basis which ever is earlier and to post them to the stations indicated against each.

SI No.	Name			 	 		Present Stn. of posting	Station to which posted	Date of tall over charge	-
1		2	_	 			3	4	5	
S/S	Shri			 	 	 				
1.	T.S. Tharmaraj						Trichy	Bellary	14-4-1984	(FN)
2.	S.K. Upadhyay			.1			Calcutta	Calcutta	30-12-1983	(FN)
3.	H.V. Israni						Kud	Trivandrum	13-2-1984	(FN)
4.	G.M. Mathew					•	Trivandrum	Trivandrum	28-12-1983	(FN)
5.	M.C. Gupta						Jodhpur	Palam, Delhi	6-2-1984	(FN)
6.	K.R. Narasimha	n					Madras	Madras	28-11-1983	(FN)

O. P. AGGARWAL

Assistant Director of Administration for Director General of Civil Aviation

COLLECTORAJE OF CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSIOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 26th April 1984

No. 5[84 -- Shi S. N. Sharma, lately posted as Assistant Collector of Central Excise, Delhi on transfer to the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi vide Ministry of Finance, Department of Revenue's Order No. 23[84 dated 30-1-1984 issued vide letter F. No. A-22012[10]94-Ad,II assumed charge of the post of Assistant Director in the forenoon of 16-4-1984.

A. C. SALDANHA Director of Inspection

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 3rd May 1984

No. 2-SH(4)[83.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri B. K. Bhowmick, Engineer & Ship Surveyor in the Mercantile Marine Department, Visakhapatnam in a temporary capacity with effect from 31-10-1983 (F.N.) until further orders.

No. 2-SII(6) 83.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Ajoy Chatterjee in the Mercantile Marine Department, Calcuttá in a temporary capacity with effect from 31st October 1983 (F.N.) unitl lurther orders.

P. GHOSH Dy. Director General of Shipping

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 3rd May 1984

No. A-19012/1015/82-Estt.V—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. C. Bandyopadhyay,

Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director (Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period upto 31st August 1984 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 30th Nov. 1982.

D. KRISHNA

Under Secy. Central Water Commission

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies 1ct, 1956 and of Lindos Financiers & Chit Fund Company Private Limited

Jullundur City, the 24th April 1984

No. G|STAT|560|3019|608,—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Findos Financiers & Chit Fund Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

B. M. JAIN

Registrar of Companies, Punjab, H. P. & Chandigath

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Prabhat Savings and Finance Company Private Limited

Patna, the 30th April 1984

No. (111)-560/268.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

the name of the Prabhat Savings and Finance Company Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mis. Toofan Credit and Finance Company Private Limited

Patna, the 30th April 1984

No. (\$145)-560|271.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Toofan Credit and Finance Company Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Guide Saving and Finance Company Private Limited

Patna, the 30th April 1984

No. (1163)-560|274.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Guide Saving and Finance Company Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies 1ct, 1956 and of lamalpur Credit and Investment Company Private Limited

Patna, the 4th May 1981

No. (1077)560|329.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Jamalpur Credit and Investment Company Private Limited has this day struck off and the said company is dissolved.

A. W. ANSAR1 Registrar of Companies, Bihar, Patna.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Madan & Co. (Paper) Private Limited

Calcutta, the 2nd May 1984

No. 19215|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Madan & Co. (Paper) Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of

Bani Malancha Private Limited

Calcutta the 2nd May 1984

No. 24305|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bani Malancha Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies 4ct, 1956 and of Hindusthan Timber Industries Private Limited

Calcutta, the 2nd May 1984

No. 24776[560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Hindusthan Timber Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1936 and of Hira Marketing Private Limited

Calcutta, the 2nd May 1984

No. 26926|560(3).—Notice is nereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Hira Marketing Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Chatterjee Health Service Private Limited

Calcutta, the 2nd May 1984

No. 28329[500(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Chatterjee Health Services Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be srtuck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Commercial Polymech Private Limited

Calcutta, the 2nd May 1984

No. 28333|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Commercial Polymech Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sumesh Private Limited

Calcutta, the 2nd May 1984

No. 30137|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sumesh Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. R. W. SATYANARAYANA Asstt. Registrar of Companies, West Bengal

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ms. Bilwas Private Limited

Madras-600 006, the 30th April 1984

No. DN|5719|560(3)|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Bilwas Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of Ms. Balu Fabrics Private Limited

Madras-600 006, the 30th April 1984

No. DN|6609|560(3)|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the names of M|s Balu Fabrics Private I imited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companie's Act, 1956 and of M|s. Polygran Industries Private Limited

Madras-600 006, the 4th May 1984

No. DN|7982|560(3)|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Polygran Industries Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd. |- ILLEGIBLE Addl. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras

In the matter of the Companies Act, 1 of 1956 and

In the matter of Panchsheel Shipping Limited

Calcutta, the 9th May 1984

No. L|30753|H-D|2067.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 1st February 1984 and the Official Liquidator|Court Liquidator, High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

Sd|- ILLEGIBLE
Addl. Registrar of Companies
West Bengal, Calcutta

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX Lucknow, the 30th April 1984

INCOME-TAX DEPARTMENT

Estt.|Notification|C.No.22(A)|65-IV.—Shri Shambhoo Nath Saxena, ITO (Gr. B) posted as Income-tax officer, D Ward

Lucknow Circle, Lucknow has since been retired in the afternoon of 31st January 1984 due to age of superannuation.

Shri Sushil Kumar ITO (Gr. B) posted as Tax Recovery Officer, Moradabad has since been retired in the afternoon of of 31st January 1984 due to age of superannuation.

Shri K. G. Srivastava, ITO (Gr. B) posted as ITO B-Ward, Faizabad has since been retired in the afternoon of 31st January 1984 due to age of superannuation.

Shri Vinod Kumar Rai, Income-Tax Inspector of Allahabad Charge has been promoted to officiate as Income-Tax Officer (Cr. B) in the particular of Rs. 650-30-740-35-810-FB-10-1000 FB-10-1200. On promotion he joined as Public Relation Officer, office of the Commissioner of Income-Tax, Allahabad in the forenoon of 9th March 1984.

Shri Kushal Pal Singh, Income-Tax Inspector of Lucknow Charge has been promoted to officiate as Income-Tax Officer (Gr. B) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.fflOn his promotion on he joined as Income-Tax Officer (CIB), Office of the Commissioner of Income-Tax, Lucknow in the forenoon of 9th March 1984.

Shri Mukesh Chand Bauri, Income-Tax Inspector of Lucknow Charge has been promoted to officiate as Income-Tax Officer (Gr. B) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200. On his promotion he joined as Additional Assistant Director in the Regional Training Institute Lucknow in the afternoon of 30-3-1984.

Shri Hari Om Prakash Saxena, Income-Tax Inspector of Lucknow, Charge has been promoted to officiate as Income-Tax Officer (Gr. B) in the pay scale of Rs. 650.30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he joined as Tax Recovery Officer, Moradabad in the forenoon of 11-4-1984.

DHARNI DHAR Commissioner of Income-Tax Lucknow

PART III-SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 12th April 84

Ref. No. RejlIAC (Acq.) 2383,—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. 64 situated at Jaipun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prabhu Dayal Soo Shri Kishan Chand Roo 427 Gali No. 3, Raja Park, Jaipur.

(Transferor)

12001

(2) Shri Laxmi Narayan So Shri Rikki Ram, 188, Frontier Colony Adarsh Nagar, Jaipur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 64 situated at Frontier Colony Adaish Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar vide Registration No. 1814 dated 10-8-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 12-4-84

Seal :

FORM ITNS----

(1) Shri Surendra Kumur Bahal 606 Adaish Nagar Jaipur.

(Hanrferot

(2) Smt. Sunita Jam, Wo Shri S. K. Jam 5 Civil Lines, Kilyan Kunj, Japun

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGF JAIPUR

laipur, the 12th April 84

Ref No. Rej|IAC (Acq)|2382.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1-B 17 situated at Jaipun

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalpur on 5-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used hereiv as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1B, 17 Civil I mes, Kalyan Kunj situated in Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2025 dated 5 8-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Acquisition Range Jaipur

Date: 12-4-84

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **JAIPUR**

Jaipur, the 12th April 84

Ref No. Rej|IAC (Acq.)|2381.—Whereas, I, OHAN SINGH, ing the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the movable constitution in the constitution of the const roperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/id bearing

lot No. 4 situated at Jaipur

and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred

nder the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office f the Registering Officer at

cirur on 25-8-1983

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid xceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of lansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-46-76GI|84

(1) Mls Saket Enterprises through Partner Sunil Kumar Kedia sio Shri Om Prakash Kedia, 25 Jawaharlal Nehru Marg, Jaipur.

A COLUMN TO THE COLUMN TWO CO

(2) Shri Altaf Husstain, Sirrajuddin, Jakir Hussain, Gulab-Nabi & Mohammed Rafia So Abdul Rangrej, Ramgarh, District-Sikar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Show 100m situated in Plot No. 4, Sansar Chandra Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur, vide Registration No. 1969 dated 26-8-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax) Acquisition Range, Jaipur

Date: 12-4-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shii Kashmii Lal Sio Shii Kuram Chand Arora Hanumangarh Town

(finnsferor)

(2) Smt. Prasanni Devi Wio Shir Amarnath Gupta Plot No. 32 Sector No. 3 Mandi Hanamingath Town

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

QFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACOUISITION RANGE

JAIPUR

Jaipur, the 12th April 84

Ref No Rej/IAC (Acq) 2380 —Whereas, I MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,0001- and bearing

No Plot No 32 situated at Hanumangarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the ovice of the Registering Officer at Hanumangarh on 31 8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

TXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given a that Chapter

THE SCHEDULE

Half portion of Plot No 32, Sector No 3 situated in Handi angarh Town and more fully described in the rale dead registered by Sub Registrar Handingarh vide Registration No 1731 dated 31-8 83

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Japun

Date 12-4 84 Seal:

Atora, Ro Hanumangarh Town.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 12th April 84

Ref. No. Replace (Acq.),2379 -Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have icason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0001 and bearing

No. Plot No. 32 situated at Hammangarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hanumangath on 31-8-1983

for an apparent consideration which is less than the tail market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Kashmiri Lal So Shri Karam Chand

(Transferer)

(2) Smt Syo Devi Wjo Shii Hem Rai Gupta Plot No. 32 Sector No. 3, Mandi Hanumang uh (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of Plot No. 32, situated in Sector No. 3, Mandi Hanumangarh and more fully described the sale deed registered by Sub-Registrar, Hanumangarh vide Registration No. 1732 dated 31-8-83.

> MOHAN SINGII Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaiout

Date . 12-4-84

10K 1115-----

- (1) Shri Raj Kumar S'o Shii Icja Ram Hanumongarh
- (2) Shii Satish Kumar So Shii Mot in I il Hanum i (Transfere

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

JAIPUR

Jaiput the 12th April 84

Ret No Re, 110 (10q) 2378 - Mbere is, 1, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov able property, having a fair market value exceeding Rs 25000 and bearing

No Pior No 215 situated at Hanumaria i

(and more fully described in the Schoule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1998 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hanumargath on 20 8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have ret an in ble that the trian ket the of the property is to the said exceeds the apparent consideration therefore by more said exceeds the apparent consideration therefore by more said exceeds the apparent consideration that there and that than titteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :-

- (a) facilitating the reduction or evaluon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which live not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957),

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby mitrite proceedings for the acquisition of the aforesaid project by the issue of this reace under sub section (1) of Section 169D of the said Act, to the following ing persons, namely .--

Objections, A any, to the acquisition of the said prope may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this not in the Officical Gazette or a period of 30 days fro the service of notice on the respective perso whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said imme able property, vithin 43 dy for the date of t publication of this notice in the Official Gazette.

I API ANATION - The terms and expressions used herein are d fined in Chapter XXA of the se Act, shall have the same meaning as giv in that Chapter

THE SCHEDUJE

Poin not Plot No 219 situated in Ward No 6 Hanuma on the first ted to the subject to Hanunangarh vide Registration No 1/1 a : c.1 20 8 1933

> MOHAN SINGE Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Japa

D 10 12 4 84 Scal

(1) Shii Raj Kumai Sio Shii Teja Ram Hanumangarh Town.

(Transferor)

NOT CE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rita Ram Wio Shii Satisheh uid Klo Hanumangaih.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAINGE JAIPUR

Jaipui, the 12th April 84

RUE NO. Replace (Acq) 2377 .- Whereas, 1, MOHAN SINGH,

being the Competen. Authority under Section 269B of the Incorpe-tax Act, 1761 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding k., 15 000]- and learn, No No House No. 219 situated at Hanumangath

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer ac

П изитапрата од 19-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aformaid property, and I have reason to beneze that the fair market value of the property as aforesaid the 1 per cent of such apparent consideration and that the the apparent consideration therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the particular has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EVITANTION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, sha'l have the same meaning as given in that Chapter.

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (4) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the rurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Pertion of House N v 219, Ward No. 6 situated in Hanumangath and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar Hanumangarh vide Registration No. 1691 dated 19-8-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting As islant Commissioner of Income tax Acquismon Range Jaipur

Now, therefore in juriagn e of Section 2090 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2000 fine said Act, to the following persons namely:-

Date: 12-4-84 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(1) Dr. Shri Prahlad Singh Slo Thokur Shii Shei Singh Rio 29, Gangwal Park,

(2) Sint, Usha Sharma Wo Dr. M. L. Sharma E-35, Shashtri Nagar, Jaiput

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

ACQUISITION RANGE **JAIPUR**

Jaipur, the 12th April 84

Ref No. Rej IAC (Acq.) 2376.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sauf Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing

No Plot No A-2 situated at Japur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamur on 29-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or 'he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of Malays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. A-2, Narain Singh Ka Chauraha, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrat lapur vide Registration No. 2019 dated 29-8-83.

> MOJIAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-4-84

Scal:

(1) Shrimati Chand Bhandan Wjo Shti Mahesh Bhandari, Tripolia, Iodhpur.

(Fransferor)

(2) Shi C. K. Vasu Slo Kumaram Vasu, New Power House Road, Jodhpur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Laipur, the 12th April 1984

Ref. No. Rei,IAC (Acq.)[2375].-Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 163 situated at Jodhpin

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 1-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sold Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Carette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPTANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 163 situated in Laymi Nagar, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registral Jodhpur vide Registration No. 766 2254 dated 1-8-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaiput

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 12-4-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE **JAIPUR**

Jaipur, the 12th April 84

Ref. No. Rei IAC (Acg.) 2374 - Whereas, I.

MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market vlaue exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 20 situated at Jodhpur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 4-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shii Eanwar Lal Slo Shri Ghesu Lal (Transferor) Brahmin, 129, Polo, (Ind JoJhpur.

(2) Shi Purshottam Slo Shri Chuhad Mal ji & Davita Bai Y. o Ashok Lumar, Sindhi of Ratanada, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPI (NATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 20 situated in Zmim Villas, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar Jedhpur vide Registration No. 765 2309 dated 4-8-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 12-4-84

(1) Shri Govindram So Damodar Das Ghopsani Road, Housing Board, Jodhpur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Dashrath Chand Singhvi Soo Shii Milap Chand Singvi Sardarpura, 437, I-C Road, Jodhpur (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

ACQUISITION RANGE JAIPUR

> (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Jaipur, the 12th April 1984

(b) by any other person interested in the said immov-

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Ref No. Rej|IAC (Acq.)|2373.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000l- and bearing

No. Plot No. 161 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

> EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Jodhpur on 16-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arilly from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 161, Section 7, situated in Masuria, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, odhpur vde Registration No. 197/2406 dated 16-8-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-47---76GI|84

Date: 12-4-84

- (1) Shri Dharam Chand So Abheyraj Oswal, Jagdamba Bhawan, Chouasteni Road, Jodhour. (Trausferor)
- (2) Dr. Sudesh Chand Mehta Slo Shri Vallabh Chand Mehta, Shahpura, Sunaron Ka Bas, Jodhpur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immov-

ble property within 45 days from the date of the

are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given

publication of this notice in the Official Gazette.

45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 12th April 1984

Ref No. Rej IAC (Acq.) | 2372.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000 |- and bearing Piot No. 2 situated at Jodhbur has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhbur on 19-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as

in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 2, Masuria Section 7 situated in Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar Jodhpur vide Registration No. 182|2423 dated 19-8-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-4-84

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 12th April 84

Ref No. Rej|IAC (Acq.)|2371.—Whereas, I. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot in Section 7 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 19-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Seeth a 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue or this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mahaveer Mehta So Shri Nemi Chand Jain, Mohanpura, Jodhpur. (Transferor)
- (2) Shri Nenu Ram Slo Asha Ram Choudhary, Railway Bunglow No. 33, Jodhpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated in Section 7, New Power House, Masuria Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 209|2450 dated 19-8-83

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-lax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 12-4-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Manoher Vangani So Harchand Rai Kanahiya Lal So Chandi Ram, 10th B. Road, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Smt. Barsa Wo Shri Manoher Vangani, 10th B. Road, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaiput, the 12th April 84

Ref No. Rej|IAC (Acq.)|2370.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 12 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 1-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective sons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 12 situated in Sector F, Section-4, Shashtri Nagar, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 199|2257 dated 1-8-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-4-84

(1) Shri Laxman Kundo Mal Goplani, Outside Jalori Gate, Jodhpur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Chandra Rekha Gupta Wo Shri A. P. Gupta, C-66, Shashtri Nagar, Jodhpur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 12th April 84

Ref No. Rej]IAC (Acq.)|2369.--Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000; and hearing

Rs. 25,000; and bearing
No. Plot No. 2A PWD Colony situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 30-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2-A, P.W.D. Colony, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 266|2585 dated 30-8-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incime-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 12-4-84

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATE CIRCLE, JAIPUR,

Jaipur, the 12th April 1984

Ref. No.: Rej|JAC(Acq.)|2368.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot near Minerva Cinema situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 1-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 S|Shri Laxmi Narayan Urf Bhom Raj, Near Minerva Cinema, Jodhpur, Manak Chopra, Surendra Kumar, Manish Kumar C|o Gangan News Paper, Jodhpur.

(Transferor)

(2) S|Shri Prem Chand S|o Shri Mool Chand, Shri Ugam Raj S|o Shri Mool Chand, Shrl Uttam Chand, Chordia S|o Shri Rikhab Rai Chordia R|o Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated near Minerva Cinema, Sojati Gate, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 771|2243 dated 1-8-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-4-1984

Scal:

FORM LT.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Nirja Patel Wlo Ramavtar 37/4, Jawahar Nagar, Jaipur.

(2) Shri Lokesh Kumar Mathur S|o Shri Mithan Lal Mathur R|o 29, Patrakar Colony, Tilak Nagar, Jaipur. (Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATE CIRCLE, JAIPUR,

Jaipur, the 12th April 1984

Ref. No. Rej|IAC(Acq.)|2367 —Whereas, I. MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 14 Ka 2 situated at Jaipur

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 19908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 2-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 14 Ka 2 situated in I.al Kothi Yojna, Jyoti Nagar, Jaipur and more fully described in the Sale deed registered by Sub Registrar, Jaipur vide registration No. 1977 dated 29-8-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jaipur

Date: 12-4-1984

FORM I.T N.S -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 12th April 1984

Ref. No. Rej[IAC(Acq.) 2366.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
Plot in Kanota Bagh situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Jaipur on 29-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M|s. Kanot_d Enterprises Through Mohan Singh Kanota Bagh, Narain Niwas, Narain Singh Rcol, Jaipur.

(Transferor)

(2) Thakur Sher Singh So Late Shri Moti Singh, 29, Gangwal Park, Jaipur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot in Kanota Bagh, Narain Singh Ka Chauraha, Jaipur and more fully described in the registered sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 1990 dated 29-8-1983.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-4-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATE CIRCLE, JAIPUR,

Jaipur, the 12th April 1984

Ref. No Rej][AC(Acq.)|2365. -Whereas, I, MOHAN SINGH,

peing the Competent Authority under Section 269B of the noome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/mid bearing No.

Plot in Narain Niwas situated at Jamur

and more fully described in the Schedule annexed hereto' has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 29-8-1983

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as atoresaid xceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the pusideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notic under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
48—76GI|84

(1) M's. Kanota Enterprises Through Mohan Singh Narain Niwas, Kanota Bagh, Narain Singh Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Thakur Sher Singh Slo Shri Moti Singh, 29, Gangwal Park, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable peroperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated in Narain Niwas, Kanota Bagh, Narain Singh Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 1991 dated 29-8-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Lainur

Date: 12-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Col. Inderjeet Singh Slo Shri Pyara Singh, Rlo D-366, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ganesh kumar Rana Soo Shri Chand Behari Lal Rana, Rana Bhawan, Gopalji Ka Rusta, Jaipur.

Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATE CIRCLE, JAIPUR,

Jaipur, the 12th April 1984

Ref. No. Rej|AC(Acq.)|2364.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. C-1 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 26-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication if this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No C-1, situated on Jai Singh Highway, Bani Park, Jaipur and more fully described in the Sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 1961 dated 26-8-1983.

THE SCHEDULE

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-4-1984

==:=

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATE CIRCLE, JAIPUR,

Jaipur, the 12th April 1984

Ref. No. ReilIAC (Acq.) 2363.—Whereus, I. MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

Shop No. A-8 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 19-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the cansideration euch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prahlad Kumat Slo Shri Rameshwarlalii Power of Attorney by Shri Manek Chand Bhagchand Slo Shii Gulabchand Rlo Kesai Bhawan, Station Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Murari Agarwal S|o Shri Tarachand, Shop No. A-8, Third Floor, New Grain Mandi, Chandpole Bazar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1₁2 Southern Portion on third floor on Shop No. A-8 situated in New Grain Mandi, Chandpole Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registral Jaipur vide Registration No. 1888 dated 19-8-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jaipur

Date: 12-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATE CIRCLE, TAIPUR,

Jaipur, the 12th April 1984

Ref. No. Rej[IAC(Acq.)]2362,-Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shop No. A-8 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 19-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitint proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Shri Prahlad ·Kumar So Shii Rameshwarlalji, Powei of Attorney by Shri Manak Chand Bhagchand Slo Shij Gulabchand Rlo Shop No. A-8, Third Floor, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shii Suresh Kumar Agarwal Slo Shri Tara Chand Rlo Shop No. A., Third Floor, New Grain Mandi, Chandpole Bazar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which have a period express latest whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

1/2 Southern Portion on third floor on Shop No. A-8 situated in New Grain Mandi, Chandpole Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar Jaipur vide Registration No. 1889 dated 19-8-1983.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 12-4-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATE CIRCLE, JASPUR,

Jaipur, the 12th April 1984

Ref. No. Rej[IAC(Acq.)|2361.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shop No. A-8 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 19-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prahlad Kumar Slo Shri Rameshwarlali Power of Attorney by Shri Manak Chand Bhagchand Slo Shri Gulabchand, Rlo Kesar Bhawan, Station Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Sanjay Kanwar Wlo Shri Rameshwarlal Shop No. A-8, Third Floor, New Grain Mandi, Chandpole Bazar, Jajpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 No, rthern Portion on third floor on Shop No. A-8 situated in New Grain Mandi, Chandpole Bazar, aipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar Jaipur vide Registration No. 1890 dated 19-8-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jaipur

Date: 12-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATE CIRCLE, JAIPUR,

Jaipur, the 12th April 1984

Ref. No. Rej|IAC(Acq.)|2360.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that 'the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Shop No. A-8 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 19-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely;—

(1) Shri Prahlad Kumar Slo Shri Rameshwarlalji Power of Attorney by Shu Manak Chand Bhagchand Slo Shri Gulabchand Rlo Kesur Bhawan, Station Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Ramavtar S|o Shri Rameshwatlal, R|o 1448, Barah GangoreKa Rasta, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sad Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Northern Portion on third floor on Shop No. 4 A-8 situated in New Grain Mandi, Chandpole, Bozar, Jaipur and more fully described in the sale registered by the Sub-Registrar Jaipur vide Registration No. 1891 dated 19-8-1983.

MOHAAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jainu

Date: 12-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Jebunnisa Begum.

(Transferor)

(2) Sanjai Gandhi Nirbal Jan Avas Nirman Jan Seva Samiti Ltd., Lucknow, Through Secretary, Shri Abdul Muttalib.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 28th March 1984

G.I.R. No. S-306 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Khasro Nos. 111, 112, 115, 117, 133, 134|1, 110 and 144 situated at Mauza-Naubasti, Khurd, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 12-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Khasra Nos. 111, 112, 115, 117, 133, 134|1, 110 and 114, mensuring 10 Bighas 11 Eiswas 17 Biswansi, situated at Mauza-Naubasti, Khurd, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5109, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
Lucknow

Date : 28-3-1984

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Pradeep Kumar

(Transferor)

(2) Saket Grih Nirman Sahkari Samiti Ltd., Waranasi Through Shri Ambika Prasad Singh,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRATH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 7th April 1984

•G.1.R. No. S-307|Acq.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

Arajayat Nos. 313 and 314 situated at Tulsipur Pargana-Dehat Amanat, Varansi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 10-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half of land Arajayat o. 313, measuring one acre and Arajayat No. 314, measuring 17 decimals, totalling, 1.17 acres, half of which is 583 decimals, situated at Tulsipur. Parama-Dehat Amanat, Varansi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form, 37G No. 14114, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 10-8-1983.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date :17-4-1984 Seal: FORM ITNS -- --

(1) Sardar Wali Khan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Modi Rubber Ltd. In the name of MODIXEROX Ltd., Modipuram, Meerut, Through Bhumi Prabandhak Adhikari. Shri Purshottam Swaroop.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, I UCKNOW

Lucknow, the 2nd April, 19984

G.I.R. No, M-177 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Land situated at Village-Durgu Nangla, Tehsil Sadar, Distt. Rampur Ltd., Pali Road Pali Naka Bandra. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampur on 12-8-1983 for an annexet consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person imterested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Bighas 3 Biswas and 15 Biswansis situated at Village-Durgu Nangla. Tehsil-Sadar, Distt. Rampur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1858, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar. Rampur on 128-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely:—

Date: 2-1-1984

Seal:

49-76GI|84

TAN 201, 1961 (63 OF 1971)

GOVERNM. NI OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-LAX.

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTII MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 2nd Apr. 1991

hel. No. GI.R. No. M-176 Acq -Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the manovable property having a fur market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No Land situated at Village-Duigu Nangla, Ielisil-Sadar,

Distt Rampur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (6 of 1908) in the office of the Registering Officei at Rampur on 11-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of the unions arising from the reaster
- (b) facilitating the concealment or my income or any meneys or other assets which have not been in which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ordina and the transferee for (11 of 1922) or the s t. . . the We have 1957 (21 of 1954).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in the proceedings to the accommitton of the offices and the time tent of the the time to section (1) of Secret 269D of the court der to the rollowing neisone ramely . -

ಮ್ಮ ಬಂದಿ ಬ್ಲಿಯ ಮೂಲ್ ಮಾರ್ಡ್ ಮಾರ್ಡ ಮಾರ್ಡ್ ಮಾರ್ಡ್ ಮಾರ್ಡ್ ಮಾರ್ಡ್ ಮಾರ್ಡ್ ಮಾರ್ಡ್ ಮಾರ್ಡ್ ಮಾರ್ಡ್ ಮಾರ್ಡ ಮಾರ್ಡ್ ಮಾರ್ಡ ಮಾರ್ (1) Shir Abdul Rashid Khan

(Transferoi)

123 Mod. Rubber Limited In the name of Modixerox Itd., Modiputate Meerut Inrough Bhami Prabandhak Adhikari, Shri Puishettam Swaroop.

(Transferee)

(3) Vendee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and measuring I Bigha, 12 Biswa and 5 Biswansi, situated at Village Dorgu Nangla, Tehsil-Sadar, Disti. Rampur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No 1851, which have duly been to tercol to the office of the Sub-Registrar Rampur, on 11 1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Arstt Commissioner of Income-tax Acquisition Rance Lucknow

Date . 2 4-1984 Seal ·

agent industrialistics and antiferrorman for the first and property of the contract of the con

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLE OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Ducknow, the 2nd April 1981

Ref. No. G.I.R. No. M-175 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the competent authority under Section 269 D of the Income-Tax Act, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. Land situated at Village-Durgu Nangla, Tehsil-Sadar, Dist., Rampur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1905 116 of 1908) in the office of the Registering Officer at r. Rampur on 11-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more than lattern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ter Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Rafiq Ahmad
 - 2. Shri Abdul Rashid
 - 3. Shri 'Jamil Ahmad

(Transferor)

(2) Med. Rubber Limited
In the name of Modieres Ltd., Modiputam Meerut
Through Bhumi Prabandhak Adhikari,
Shri Parshottam Swaroop.

(Transferee)

(3) Vendee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha, 10 Biswa and 10 Biswansi situated at Village-Durgu Nangla, Tehsil-Sadar, Distt. Rampur, and alt that description of the property which is mentioned in the sale deed and from 37G No. 1850, which have duly been tegistered in the office of the Sub-Registrar, Rampur, on 11-8-1983,

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date · 2-4-1984

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 2nd April 1984

Rei. No. G.I.R. No. M[174]Acq.—Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 18 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Land situated at Village-Durgu Nangla, Tehsil-Sadar, Distt. Rampur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Rampur on 9-8-1983

for an apparent consideration and which is less than the fai. market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been touly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri Munne

2. Shri Bagar Ali

3. Shri Safdar Ali Through their Mother and Attorney,

Smt. Rahisan.

(Transferor)

(2) Modi Rubbei Limited in the name of Midweror 1 td., Modipuram, Mcerut Through Bhumi Piabandhak Adhikati, Shri Purshottam Swaroop.

(Transferee)

(3) Vendee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULL

Land measuring 4 Bighas 8 Biswa situated at Village-Durgu Nangla Tehsil-Sadar, Distt. Rampur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and from 370 No. 1832, which have duly been registered in the office of the Sub-Position Romann and Co. 1992 office of the Sub-Registrar, Rampur, on 9-8-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Lucknow

Date: 2-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57. RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 2nd April 1984

Ref. No. G.I.R. No. M-173 Acq.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Land situated at Village-Durgu Nangla, Tehsil-Sadar.

Distt. Rampur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer -

at Rampur on 9-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for can't transfer is agreed to between the parties has not been truly tated in the cond instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Masrur Ali

(Transferor)

- (2) Modi Rubbei Limited In the name of Midixeroi Ltd., Modipuram, Meetut Ihrough Bhumi Prabandhak Adhikari. Shri Purshottam Swaroop.
- (3) Vendee

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 Bighas, 3 Biswas and 10 Biswansis situated at Village-Durgu Nangla, Tehsil-Sadar, Distt. Rampur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1831 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Rampur, on 9-8-1983,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range Lucknow

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-4-1984

FORM ITNS----

(1) 1. Shri Lokai 2. Shri Asarfi Lal 3. Shri Ganeshi

(Transferor)

(2) The Rajasthan Fabricators Staff Sahkarı Avas Samiti Ltd., Nishatganj, Lucknow,

Though President, Shu Sughir Ahmad.

(Transferee)

(3) Sellers

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 30th March 1984

Ref. No. G.I.R. No. R-217 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Arazi Khasra No. 261 situated at Mauza-Khurram

Nagar, Tehsil and District-Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow on 8-8-1983

for an apparent consideration which is less than the faur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said et, shall have the same meaning as given n that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Bhumidhari Khasra No. 261, measuring 8848 sq. ft. tuated at Mauza-Khurram Nagar, Pergana, Tehsil and situated at Mauza-Khurram Nagar, Pergana, District-Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9467, which have duly been registered in the office or the Sub-Registrar, Lucknow, on 8-8-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecitng Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Lucknow

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 30-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 30th March 1984

Ref. No. G.I.R. No. R-218 Acq.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Arazi Khasra No. 263 situated at Mauza-Khurram Nagar, Takail & District Ludragu.

Tehsil & District-Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 8-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under sup-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri Tara

2. Shri Raghu Nath

3. Shri Nomi Lal

(Transferor)

(2) The Rajasthan Febricators Staff Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow. Through Fresident, Shri Saghir Ahmad.

(Transferee)

(3) Sellers

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Bhumidhari Khasra No. 263, measuring 8304 sq. ft. situated at Mauza-Khurram Nagar, Pargana, Fehsil and District-Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9468, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 8-8-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 30-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(i) Chri Sunil Kumar

(Transferor)
(2) Saket Grih Nirman Sahkari Samiti Ltd., Varanasi
Through Secretary,
Shri Ambika Prasad Singh,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 7th April 1984

Ref. No. G.I.R. No. S-308 Acq.—Whereas, I, A PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Arajayat No. 313 situated at Tulsipur, Pargana-Dehat

Amanat, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Varanasi on 10-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arajayat No. 313, measuring 0.83 decimals and Arajayat No. 314, measuring 0.33 decimals totalling at 1.16 decimals, half of which i.e. 58 decimals situated at Tulsi, r. Pargana-Dehat Amanat. Varanasi, and all that description of the projective which is mentioned in the sale deed and form 376 No. 14415, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 10-8-1983

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-4-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref No. RAC. No. 37|84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tay Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000'- and bearing

No. House situated at Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

50-76GI 84

 $oxed{eta}_{oxed{c}} = oxed{eta}_{oxed{c}} = oxed{c}_{oxed{c}} = oxed{c}_{oxed{c}_{oxed{c}} = oxed{c}_{oxed{c}} = oxed{c}_{oxed{c}} = oxe$ (1) Smt. K. Nagamma and Smt. N. Shyamala

Rlo. Chikkadpally, Hyderabad.

(2) Shri M. Narsing Rao, S|o, Nagaiahm H. No. 1-8-115|2, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the suid property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I MPI ANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing H. No. 1-8-115/2, Chikkadpally, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No 4200[83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commis wher of Income tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 6-4-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Hi-Line Builders Pvt. Ltd., 1-1-714/C-4, Gandhinagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) The State Bank of India Staff Co-op. Credit Society Ltd., State Bank Local Office, Bank Street, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC No. 38/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Agt, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat situated at Barkatpura, Hyderabad

of transfer with the object of:-

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein & are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 4 on III floor in H. No. 3-4-495, Baraktpura, Hyderabad admeasuring 1123 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 536 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date: 6-4-1984

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC No. 39/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

at Hyderabad on August, 1983

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-rax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Sagar Construction, 1-2-524, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Rasila Ramniklal Coel, Wlo. Ramniklal Odhvji Goel, Ashok Market, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204 in IInd floor of Sagar Apartments, 1-2-524, Domalguda, Hyderabad admeasuring 970 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4183|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A P)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref No RAC No 40|84 85.--Whereas, I, M JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 - and bearing

No Portion situated at Himayathnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 M|s. Guru Co-operative Housing Society Ltd, 4-1-916, Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Dilip Kumar, Ashok Kumar and Ashwini Kumar, M/G. Shri Kanthilal, 3 6-128, Humayathnagai, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No 3-6-128, Himayathnagar, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide document No 4148|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A P)

Date 6-4-1984 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 41|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat situated at Himayathnagar, Hyderabad has been transferred under the Registration Act. 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for the consideration of the consideration and that the consideration for the consideration of sideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mis. S. J. B. Builders, 3-6-10, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M|s. Vijaya Tobacco, by partners Shri Y. S. N. Prasad and Others. Third floor of M|s. Anasuya Commercial Complex, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in Mis. Anasuya Commercial Complex, 3-6-10 Opp: to Liberty theatre, Himayathnagar, Hyderabad (third floor flat) admeasuring 5859 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4400|83.

> M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Jersons, namely :-

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s, Purushotham Das Ranchoddas & Sons, Rep. by Naiendra Madan Lal, Gulzar House, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Sri Mohammed, Slo Abbas Sheriff Sri Abdul Khader, Slo Solab Ali Khan, and Sri Makkanlal Jaswal, Slo Kishen Prasad, 11-6-187, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC No. 42|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R₃, 25,000/-and bearing No.

Land situated at Umabagh, Nampally, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on August 1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Soction 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 573.2 sq. yds. situated at Uma bagh, Nampally, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4360, 4362, and 4361[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

RAC- No. 43|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Kucha Fathe Sultan Lane Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

(1) Sti P. S. Naidu Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Şri G. Saibaba, Sjo U. Sreerama Rao, 5-8-51, Kucha Fathe Sultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Kucha Fathe Sultan, Nampally, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide documut No. 4509183.

M JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Da'e : 6 + 1984 Seal :

FORM TINS

(1) Sri Shankar Reddy and Others, Moosarambagh, Hyderabad.

(Transferor

(2) M/s. Shalivuhana Building (P) Ltd., Rep. by Sri B. Janardhan, M.D., 5-9-85, Shalivahana House, Chapel Road, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

RAC. No. 44/84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Land situated at Moosarambagh, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 1076 sq. vds. situated at Moosarambagh, Hyd registered by the S.R.O.. Hyedatabd vide document No. 5216 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acqusition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. G. Anasuya, 1-1-189|1 to 5, Niveknagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Nicela Bai and Others, 14-11-388, Chowrah Jensi, Hyderabad

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
HYDER \BAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

RAC. No. 45/84-85. -Where is 1, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the neome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/and bearing No.

House situated at Chikkadpally, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

House property No. 1-1-283|C situaed at Chikkadpally, Hyderabad registered by the S.R.O., Chikkadpally vide docu-

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissiones of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the arquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
1—76GI84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said finmovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date : 6-4-198! Seal :

ment No. 591/83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Mis, Jagieevan Interprises, through its partner Sri G. S. Vasu 1-2-593/52, Domalguda, Hyd. (Transferor)

(2) Smt. Pabbara ju Sarojini, wlo Dr. P. Rama Rao, Flat No. 5, 1st floor, 1-2-593/52, Domaiguda, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONFR OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

RAC. No. 46184-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Flat situated at Domalguda Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat 5 of 1st floor at Domalguda, Hyderabad admeasuring 700 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5171]83.

M. JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income_ton
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

RAC. No. 47|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat situated at Domalguda Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed Registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1983

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Jagjeevan Enterprises, through its partner Sri G. S. Wasu, 1-2-593|52, Domalguda, Hyderabad.
- (2) Master Jai Sridhai, S₁o R, Ramaswami, Flat No. 7, 1-2-593|52, Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereir as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7 in 1-2-593|52, Domalguda, Hyderabad admeasuring 700 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5172|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assttt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

(1) Sri J. Satyanarayana, Soo Ramaiah, 2-2-1137 6 3, Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Ganga Bhavani, Wo P. Satyapal Reddy, 2-2-1137_[6]B, New Nallakunta, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. 48|84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at New Nalla Kunta Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chikkadpally on August, 19983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at New Nallakunta, Hyderabad registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 605|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

RAC. No. 49|84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Himayathnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on August 1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Ms. Guru Cooperative Housing Society Ltd. 4-1-916, Tilak Road, Hyderabad.
- (Transferor) (2) Sri Mahender, Narender, Vijay and Rajender, sons of Madanlal, 22-5-1991, Pattalwadi, Lane, Gulzar House, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in thes Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 3-6-128, situated at Himayathnagar, Hyd. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4256 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqusition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 21|84-85.—Whereas, M. JEGAN. MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding No. Flat situated at Narayanaguda, Hyderabad. Rs. 25,000- and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on 8|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Vinayaka Enterprises, Rep. by Sri M. Vinayak, 3-4-536, Barkatpura, Hyderabad.

 (Transferor)
- (2) Mrs. Farah, Gulbash, wo Abdul Hameed and Others, Ro 305, Air Bus Apartments, Himayathnagar, Hyderabad.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305-C in IIIrd floor of Air Bus Apartments situated at Narayanaguda, Hyderabad admeasuring 1006 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 565|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mls, Feroz Builders, Kareemabad Colony, Chirag-ali-lane, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Dowlath Khan, Flat No. 12, Karimabad Colony, Chirag-ali-lane, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 22|84-85.--Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat situated at Chirag-ali-lane Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on 8|83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5 in Chirag-ali-lane, Hyderabad admeasuring 360 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5016[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-4-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Nandanam Construction Co., Rep. by Sri P. Shivkuma Reddy, 5-8-42, Fatchsultan Lane Nampally, Hyderabad.

(Fransferor)

(2) Sri K. Nagi Reddy, Clo Regional Engineering College, Warrangal, A.P.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 23/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Flat situated at Fatehsultan Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on Aug., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flet No. 1004/91 10th floor at Fatchsultan Lane, Hyderabad admeasuring 1060 sft., registered by the SRO. Hyderabad vide document No. 5178/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 24|84-85.—Whereas, I M. IEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 41, Gangabhai Building, F. P. No. 927 of T.P.S.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on Aug, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

52---76GI|84

- (1) M/s. Nandanam Constructions Co., by Shivkumat Reddy, 5547 White Hawan Troy, Michigan.
 (11ansfe101)
- (2) Smt. S. Punyavathi Reddy, wo Dr. Jagan Mohan Reddy, 5547 White Hawan Troy, Michigan, U.S.A. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat o. C-501|57, 5th floor of Nandanam Construction Co. Nampally Hyderabad admeasuring 1200 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5179|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Hyderbad

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 25|84-85.—Whereas, I, M. JFGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have tenson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000' and bearing

No. Flat situated at Nampully Hyderabad

cand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Nandanam Construction Co., Rep. by Sri SShiva Kumar Reddy. 5-8-42, I atchsultan I ane, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt, S. Vijayalaxmi wlo S. Narasimhulu, 5-8-567|1, Chrag-ali-lane, Hyderabad,

(Transferent

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-304|46, 3rd floor, Fathsultan Lane, Nampally, Hyderabad admeasuring 1000 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5175|83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4 1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Nataraj Builders, 3-5-796, King Kothi Road, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri Pravin K. Dedhia, s|o Sri Khimjim, r|o 3-5-1091|10, Neeladari, First Floot, Venkateswara Colony, Natayanaguda,

(Transferee)

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P), the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 26|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at King Kothi Rd, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 in Ind floor of Mahaveer Apartments, King Kothi, Hyderabad admeasuring 950 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4164|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDI RABAD (A. P.) Hyderabad (A. P.), the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 27/84-85.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Flat situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M. Nundanam Construction Co., Rep. by Sri P. Shivkumar Reddy, 5-8-42, Fathesultan Lanc, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. Seshu Nagi Reddy dlo K. Nagi Reddy Staff Quarters, R. E. College, Warrangal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104|4 in ground floor of Fathe Sulthan Hyderabad admeasuring 1104 sft., registered by the SR.O., Hyderabed vide document No. 5176|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: -

Date . 6-4-1984 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Meridian Construction Co., 5-8-612, Abids, Hyderabad.

(Transferor)

 (2) Smt. Sangeetha Bhagwandas woo Bhagwandas Dayal,
 807, Minar Apartments,
 Deccan Towers,
 Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 28|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Lake Hill Rd, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 at Meridian Apartments, at Lake Hill Road, Hyderabad admeasuring 1460 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4549[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-4-1984

Soal:

FORM ITNS----

 Ms. Nandanam Construction Co., Rep. by Sri P. Shrva Kumar Reddy, 5-8-42, Fathesultan Lane, Hyderabad.

(Transferee)

(2) Sri Hurahal Punjabi slo Seeromal Punjabi, 15-5-227|16, Afzalganj, Hydorabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 29-84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat situated at Nampally Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPRESSIONS:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-403 51, IVth floor of Nandanam Apartments, Fathesultan Lane, Nampally, Hyderabad admeasuring 1000 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5174 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-4-1984

NOTICI UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDLRABAD (AP)

Hyderabad the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 30|84.85—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax. Act., 1961. (43 of 1961). Thereinafter referred to as the 'said Act.) have reason to believe that the immovable property, having a fail market value exceeding Rs. 25,000| and bearing. No. I lat situated at Nampally Hyderabad (and more fully described in the Schedul immexed hereto) has been transferred as per dued represent under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcand exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1977 (27 of 1957)

 M|s Nandanam Construction Co Rep by Sti P Shiva Kumar Reddy, 5-8-42, Fathesultan Lane Hyderabad

(Transferor)

(2) S11 Harichand Menderetta, s|o Molchand Menderetta, 5-8-50|2, Fathesultan Lunc, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dath of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 402|50 IVth floor of Nandanam Construction Co Enthesultan Lane, Nampally Hyderibad admeasuring 1200 sft, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No 5177|83

M JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A P)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely, —

Dute 6-4-1984 Seal •

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M[s. Sagar Constructions, 1-2-524, Domalgada, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Savitha Chandrakant Kapasi, w/o Sri Chandra Kant Shivlal Kapasi, 15-2232/A, Gyan Bagh, Shah Inayat Cunj, Hyderabad.

(Transferee) -

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 31|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority made Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat situated at Domalguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or ≥ period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203 in IInd floor of Sagar Apautments, Domalguda, Hyderabad admeasuring 1000 sft.. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4180/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6 1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 32,84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat situated at Domalguda Hyderabad as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
53—76G184

(1) M.s. Sagar Constructions, 1-2-524. Domateuda Hyderabad

(Transferor)

(2) Smt. Sunita M. Mohammed, w/o, Dr. M. D. Mohammed, 1-2-3/A, Domalguda, Hyderabid,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.'

THE SCHEDULE

Flat No. 207, II floor of Sagar Apartments, Domalguda, Hyderabad admeasuring 1000 sft. registered by the SRO Hyderabad side document No 4178183.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 6-4-1984

FORM ITNS -- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)
Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 33/84-85.—Whereas I, M. JFGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000||- and bearing

No. Garage situated at Nompally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unusfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Nandanam Constructions Co., Ref. by St. P. Shiv Kumer Reddy, 5-8-42, Fathesultan Lane, Hyderabad.

(2) Sri S. Narasimbulu s|o Balanarasauh, 5-8-42, Fathesultan Lane, Hyderabad. (Transferor)

(Transferee.

Objectious, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Garrage No. G-2, G-f, 5-8-42, Fathesultan Lane, Hyderabad admaesuring 200 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5173[83].

M. IFGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 34|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Chiragali Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

of the Competent Authority

Hyderabad on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mls. Feroze Builders, Keeramabad Colony, Chirag-ali-lane, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Miss. Yasmin M₁C. father Sadruddin, Karimabad Colony, Chingalilane, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEBULE

Flat No. Shop No. 3. Chirag-ali-lane, Hyderabad admeasuring 194 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5042[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 35|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable respective heavily a fair market value associate Be 25,000/ property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shop situmed at Chicag ali-lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such to using a percent to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meams of any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: (1) Mis Feroze Builders. Kareemabad Colony, Chirag-ali-lane. Hyderabad.

(Iransferor)

(2) Mr. Sadruddin, Market Road, Mahaboobnagar Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expressions:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. Shop No. 1 in Chirag-ali-lane, Hyderabad admeasuring 219 sft., registered by the S. R.O., Hyderabad vide document No. 5036 83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date , 6-4-1984 Seal .

(1) Mis. Srinivasa Builders (P) Ltd., 6-3-1187, Begumpet Hyderabad

(Transferor)

(2) M|s Bakelite Hylam Ltd., 7-2-1669, Somajiguda Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 36/84-85.—Whereas I, M. JI GAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aci, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Flat situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vallabhnagai on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the forerad property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid records the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION:--The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 801, Simivas Towers "A", 6-3-1187, Begumpet, Hyderabad admeasuring 1350 sft., registered by the S.R.O., Vallabhnagai vide document No 2687/83

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Date : 6-4-1984 Scal :

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. 50|83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule anneed hereto), as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vallabhnagar on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mls. Stinivasa Buildets 6-3-1187, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M|s. Bakelite Hylam Ltd. H. No. 7-2-1669, Sanathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPRESSIONS:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301 in Srinivasa Towers "A", 6-3-1187, Begumpet, Hyderabad admeasuring 1600 sft., registered by the S.R.O., Vallabhnagar, vide document No. 2688/83.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 51/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inltate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Srinivasa Builders (P) Ltd. H. No. 6-3-1187, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Zamruthjan Begum Flat No. 708, Srinivasa Towers "A" Begumpet. Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if tany, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 708 in Srinivasa Towers "A", Bebumpet, Hyderabad admeasuring 1600 sft.. registered by the SR.O. Vallabhagar vide document No. 2554/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge
Hyderabad (A.P.).

Date: 6-4-1984

(1) Mis. Srinivasa Builder (P) Ltd. Hyderallul

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. B. Laxmi Devi H. No. 6-3-533, Somaiiguda. Hyderakad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 52|84-85.-Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar on August, 1983

vanaonnagar on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as correct to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 in Srinivasa Towers "A". Begumpet. Hyderabad admeasuring 1600 sft., registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide doctment No. 2705[83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-4-1984

Seal ·

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 53|84-85.—Whereas, f. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[-and bearing No.

Flat situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908.(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

54--76GI|84

(1) M's. Stinivasa Builders (P) Ltd. H. No. 6-3-1187, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. C. Sarada Devi and 3 Others H. No. 6-2-953, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gozette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 407 in Srinivasa Towers "A" admeasuring 1700 sft., situated at Begumpet. Hyderabad registred by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 2553|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 54|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House situated at Banjara Hills, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. R. Saraswathi
Wlo Sri Satyanurayana Rain
H. No. 6-3-345|1,
Road No. 1,
Baniara Hills,
Hyderabud.

(Transferor)

(2) Sri Sudhir Rajan Sen Gupta H. No. 6-3-569[1]7, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 6-3-345[1]1. Road No. 1, Banjara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4621[83].

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 6-44984

(1) Sri Babu Bhai Shah H. No. 1-10-72|10, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Shanta Devi Wlo Sri Satyunarayana H. No. 6-3-1219|2, Begumpet, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 55/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fall market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

House situated at Umanagar Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sentember 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6-3-1219|2, Umanagar, Begumpet, Hyderabad admeasuring 1800 sft., plinth area and 400 sq. yds. of land area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 9|83.

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Krishnasagar & Associates 6-3-902/5. Somajiguda, Hyderabad.

(2) Smit. Chadla Koteswaramma Wo C. Narasimha Reddy 3-4-489.

Barktapura. Hyderabad-500 027. (Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 56|84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exception Be 25000). property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Yousufguda, vderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property bearing No. 8-3-169|113|111A, Dattatreya Co-op. Housing Colony, Yousufguda, Hyderabad registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 2444|83.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-4-1984

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri S. . Aggarwal 6-3-883|3, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 57|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 190&8 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 8|83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sri B. Lakshmikanth Reddy 3-5-140, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 1196 sq. yds. situated at Baniara Hills, Hyderabad rægistered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4162|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A. P.)

Date: 6-4-1984

Scal:

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Rcf. No. RAC. No. 58|84-85.—Whereas. I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land & House Kodur (V), situated at Cuddapah Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pullampet on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri V. Omkarappa and Smt. V. Neelamma 25th Ward, Ballary (Post) and Town.

Transferor(s)

(2) Sri Y. S. Vivekananda Reddy and Others Omkarappa Building, Koduru (Post) Village, Cuddapah Dt.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property called Omkarappa Buildings situated at Kodur village, Pullampet Talak, Cuddapah dt., registered by the S.R.O., Pullampet, vide document No., 783|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A. P.)

Date: 6-4-1984

FORM TINS-----

(1) Mls. Sunil Constructions (P) Ltd. Rep. by Si B. S. Kista Reddy, Road No. 4, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Abdul Rahiman Chida 6-3-1188, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 59/84-85 —Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No.

Flat situated at Banjara Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Khairatabad on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104 in Sarita Apartments, Road No. 4, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 1285 sft., registered by the S.R.O., Khanutabad vide document No. 2485 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the associated property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 60|84-85.—Whereas, l. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House situated at Azampura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Azampura on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

11) Sri Mohd, Azizuddin Rlo 16-7-334, Malakoet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Ahmed through G.P.A. Rabia Begum, 22-1-369, Sultanpura, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 16-7-334 situated at Azampura, Hyderabad registered by the S.R.O., Azampura vide document No. 2592 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 6-4-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 61184-85.—Whereas. I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

I and situated at Ameerpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Hyderabad on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

55---76GI|84

(1) Sri-Y. Laxmana Rao Mis Vijaya Towers, NCH Read, Amcerpet, Uvdetabad,

(Transferors)

(2) Smt. A. Raja Mani Wo Ramachandran NARSAPUR Village, Madak.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of Land situated at Ameerpet, Hyderabad admeasuring 1022 sq.yds, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4410183.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderab.d (A.P.)

Date: 6-4-1984

Scal:

(1) Mrs. Khairunnisa Sulaiman & Others Wo Haji Sulalman Omer 521, K. K. Nagar, Madurak Tamilnadu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (4 P)

(2) Mr. Ghulam Hyder & Others GPA Gulam Ahmed 8-2-542|4 A, Road No. 7, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Hyderabad, the 7th April 1984

Ref. No. RAC. No. 62|84-85 - Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Srinagar Colony, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPI ANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHIDULE

House property bearing No. 8-3-1053, Srmagar Colony, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4344/83,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax. Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-4-1984

FORM ITNS----

 Smt. T. Nanamma and others, r.o. Bollaram Village, Narsapur Tq., Medak Dt.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, Hyderabad (A. P.)

Hyderabad, the 7th April 1984

Ref. No. RAC. No. 63,84-85—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Bollaram Madak Dt.,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Narsapur on August, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s. A. V. S. Containers Pvt., Ltd., Rep. by its Managing Director Sri A. V. S. Raju S/o. Narayana Raju, 8-2-214/54/2, West Srinivasanagar Colony, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 24 acres 20 guntas situated at Bollaram (V) Narsapur Tq., Medak Dt., registered by the S. R. O., Narsapur vide document Nos. 1964, 1860, 1861, 1868, 1869, 1872, 1873, 1874|83. (vide 8 separate sale deeds)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date: 7-4-1984

(1) Sri Mohd. Ibrahim. Slo Late Mohd.. Ismail 1/0. H. No. 16-3-991/1, Malakpet, Hyderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Mohd, Mazharul Hasan Rahat and others R.o. 18-7-606, Laldarwaza, Hyderabad.

Tabau. (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, Hyderabad (A. P.)

Hyaderabad (A. P.) the 7th April 1984

Ref. No RAC. No 64/84-85— Whereus, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No.

House situated at Malakpet Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Hyderabad on 8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property (Portion) bearing No. 16-3-991'l situated at Malakpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4472|83.

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date 7-4-1984

FORM I.T.N.S -

 Ms Sund Constructions & Promoters, Rep. by B. S. Krishana Reddy, 10-2-289/25, Sanathnagai, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Sadhu Renuka Rao, Wlo. S. Purushotham Rao 3-4 750, Narayanaguda, Hyderabad (Fransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (AP)

Hyadeinbad (A P) the 7th April 1984

Ref No RAC No. 65/84-85—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing

No Flat situated at Banjara Hills Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 8-83

Registering Officer at Hyderabad on 8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the puties his not been truly stated in the said instrument of tansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following pursues, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

t lat situated at Sunita Apaitments, Road No. 4, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 1790 sft, registered by the S R O, Hyderabad vide document No 5035[83]

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Hyderabad (AP)

Date 7 4-1984 Seal:

 Sri Anantlal Karnani, So. Late Bajranglal Karnani, Siddiamber Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF UNDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE, Hyderabad (A. P.)

Hyaderabad (A. P.) the 7th April 1984

Ref. No. RAC. No. 66 84-85—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

M. JEJAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Salarjung Colony, Hyd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Sri Syed Afroz Ahmed (Minor) per guardian Smt. Syeda Refiq Fatima, H. No. 9-4-86[173, Salarjung Colony, Retibowli, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 9-4-86|173, Salarjung Colony, Hyderabad registered by the S R. O., Hyderabad vide document No. 4497|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A. P.,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 7-4-1984

Seal ·

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.) the 7th April 1984

Ref. No. RAC. No. 67/84-85-- Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Hydernagar (V) R. R. Dt.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.R. Dt., on 8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this ntice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri T. Krishna and others, 1-1-526|5, Gandhinagar, and Ajay Raj Naidu, 1-8-702|89-1, Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. The Ekalavya Co.-Op. Housing Society Ltd., Rep. by Sri S. V. Subba Rao, 1-1-310, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this netice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5 acres situated at Hyderabad village. R-R. Dt., registered by the S. R. O., R. R. Dt., vide document No. 5858, 6605|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
Hyderabad (A. P.)

Date: 7-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th April 1981

Ref. No. RAC. No. 68|84-85—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Shasuligutta Mahaboobnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Office at Mahaboobnagar on 8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri P. Channa Reddy, R.o. Shasuligutta, Mahaboobnacar

(liansterce)

(2) Sti B. Pandu Rangaiah, and B. Ramulu, R o Soddaleundu, Mehaboobnagai

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Land admeasuring 1379 sft., 1400 sft., 1385 sft., at Shasulagutta Mahaboobnagar registered by the S. R. O. Mahaboobnagar vide document No 1889[83, 1864[83, 1861] 83183

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A P)

Date: 7-4-1984

FORM TINS

(1) Sri Mohd. Yousufuddin & others, Slo Mohd. Shafuddin H. No. 5-60. Narring village, R.R. Dt. (Transferors)

(2) Sri Chittaiah, Sjo. Kotaiah, and others, 7-1,2911, Begumpet, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th April 1984

Ref. No. RAC. No. 69|84-85—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Lands situated at Narsingi (V) R. R. Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Office at R. R. Dt., on 8-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands situated at Naisingi village, Rajendranager Tqlick, R.R. Dt., admeasuring 18-09 guntas registered by the S.R.O., R, R. Dt., vide document No. 6084 83,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

56--76 GI'84

Date: 7-4-1984

(1) Sri Mohd. Yousuflddin & 7 others, R.o. 5-60, Narsingi, R.R. Dt.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri K. Ranjit Kumar & 4 others, Road No. 13, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th April 1984

Ref. No. 70/84-85-- Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000¹ and bearing No.

) and situated at Narsingi R.R. Dt.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at R.R. Dt., on 8-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ni respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 16-31 guntas situated at Narsingi, R.R. Dt., registered by the S.R.O., R.R. Dt., vide document No. 6083|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Juspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Hyderabad (A. P.)

Date: 7-4-1984

Scal :

- (1) Jabbar Real Estate, 54, Nallagutta, Secunderabad.
 (Transferor)
- (2) Sri Gulam Mohd, Yousuf Farooqi, 5-6-669, Nampally, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th April 1984

Ref. No. RAC. No. 71/84-85— Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat situated at Begumpet Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Office at Vallabhnagar on 8-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ten

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 14 in Ground floor of 1-11-252|1, Begumpet, Hyderabad admeasuring 945 sft., registered by the S.R.O., Vallabhnagar, Hyderabad vide document No. 2367|83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-4-1984

(1) Fashions Builders, 10-2-124, West Marredpally Secunderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> (2) Mrs. L. S. Purushotham, 10-2-267. Nehrunagai West Marredpally, Secundenabad.

(Transfiee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th April 1984

Ret. No. RAC. No. 72|84-85—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at West Mariedpally,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Marredpally on Aug. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPPANATION: The terms and expressions used herem as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat admeasuring 980 sit, situated at 10-2-124, West Marredpally, Secunderabad registered by the S.R.O. Marredpally vide document No 1523 83

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ranges L.
Hyderabad (A P)

Date 7-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th April 1984

Ref. No. RAC. No. 73|84-85-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat situated at Masab Tank, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Hyderabad on 10-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

(1) Ms. Ajuntha Builders, H. No. 10-5-3[A]1, Masab Tank, Hyderabad.

(Transferor)

(2) S₁₁ A. R. V. Prasad Rao, Flat No. "D"|2nd floor, "Ajantha Apartments" M, 10-5-3-|A|10, Masab l'ank, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D₁2nd floor "Ajantha Apartment" 10-5-3₁A₁10. Masab Tank, Hyderabad admeasuring 1120 sft., registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 5440'83

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A P.)

Date 7-4 1984 Seal ;

(1) M/s. Rupa Builders, 6-1-131/132, Padmaraongar, Secunderabad.

Secunderabad. (Transferor)

(2) Shri G. Vinod Kumar, and others, 4-4-197, Lala Temple Street, Secunderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th April 1984

Ref. No. RAC. No. 74|84-85—whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

cottage No. 2 situated at Padmaraonagar Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Secunderabad on August 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cottage No. 2 in 6-1-131|132, Padmaraonagar, Secunderabad registered by the S.R.O. Secunderabad vide document No. 344|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 7-4 1984 Seaf ::

SOUTH FOR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (A. P.)

Hyderabad the 7th April 1984

Ref. No. RAC. No. 75/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat situated at Karan Apartments, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 9183

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Úma Karan & Tej Karan, Jayanthi Palace, 1-10-179 to 206, Begumpet, Hyderabad. (Transferor)
- Smt. N. Sastry, Wio H. A. S. Sastry, Flat No. 11, Karan Apartments, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 in Karan Apartments, Hyderabad admeasuring 1000 sft., registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 2116'83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date: 7-4-1984.

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (A. P.)

Hyderabad, the 7th April 1984

Ref. No. RAC. No. 76[84-85.—Wheeras, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 5 situated at Begumpet, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arbung from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mls. Umalaran Tejkaran 6.2-547, Baojara Hills, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Smt. Bumala Stivastava, Flat No. 5, 1-10-206, Begumpet, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, ir any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 in Karan Apartments, Begumpet, Secunderabad admeasuring 900 sft. registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 2117'83.

M. JEGAN MOHAN
Compotent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date: 7-4-1984.

Scal:

(1) M[s. Kabra Complex, Ranigunj, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 7th April 1984

Ref. No. RAC. No. 77|84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. office room situated at Kabra Complex Secundera-

bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) Sri Narayanadas V. Bhojwani, Office Room No. 210, Kabra Complex, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Room No. 210 in Kabra Complex, Secunderabad admeasuring 400 sft., registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 347 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A. P.)

Date: 7-4-1984.

Seal:

57---76GI|84

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 7th April 1984

Ref. No. RAC. No. 78|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. Land situated at Sadar Bazar, Bolaram (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on August 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri U. Shankar & Others, 1-78, Sadar Bazar, Secundorabad.

(Transferor)

(2) Sri Malani Co-Operative Housing Society Ltd., Secunderabad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Sadar Bazar, Bolaram, Secunderabad admeasuring 40 guntas registered by the S.R.O., Marredpally vide document No. 1414|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date: 7-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri N. Sreenivas, Ro Kavadiguda, Secunderabad.

(Tiansferor)

(2) M/s. Sobhana Co-Operative Housing Society Ltd., 9-2-605, Regimental Bazar, Secunderabad.

(Trunsferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 7th April 1984

Ref. No. RAC. No. 79|84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. &25.0001- and

Rs. &25,000|- and bearing No. Land situated at Marredpally Secunderabad (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on August 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and situated at Marredpally, Secunderabad registered by the S.R.O., Marredpally vide document No. 1554 and 1576|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-4-1984.

(1) Sri J. R. Rumeshji, 3-18-86, Secundrabad.

(Transferors)

(2) M|s. The Nandanavana Co-Op. Housing Society, 5-1-22, R. P. Road, Secundrabad.

(Transferces)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 7th April 1984

Ref. No. RAC. No. 80|84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and heaving No. Land situated at Tirumelghery Secundrahad

bearing No. Land situated at Tirumalghery Secundrabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on August 83 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Tirumalghery, Secunderabad registered by the S. R. O., Marredpally, vide document No. 1513 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A. P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-4-1984.

Scal:

(1) Sri Jamshed B. Moos and Sri Mani J. Moos, 1-8-156 to 160, Penderghast Road, Secundrabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kiran C. Mody, and 2 others, 90, Zeera, Secundrabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 7th April 1984

Ref. No. RAC. No. 81]84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to no the 'said Act' have reason to believe that the mamuvable property, having a fair market value exceeding Rs. 15,000|- and

bearing No. House situated at P. G. Road, Secundarabd. (und more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 16 (of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar on August 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 1-8-156 to 160, Penderghast Road, Sec'bad registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 2122|83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-4-1984.

(1) M|s. Srinivasa Builders (P) Ltd., 1-2-593|4|A, Ramachandra Mission Road, Hyderabad.

(Transferor) (2) Kum. T. Chamundeswari, Flat No. 206, "Srinivasa Towers A", Begumpet, Hyderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 7th April 1984

Ref. No. RAC. No. 82|84-85.-Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and

bearing No. Flat situated at Begumpet Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered

under the Regstration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propety as afoesaid exceeds the appaent consideration theefor by more than consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :---

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206 in Srinivasa Towers "A", Begumpet, Hyderabad admeasuring 1700 sft. registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 3044|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 7-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. P. Radha W|o P. Bhaskar Reddy, Flat No. 405, "Srinivasa Towers "A",

1-2-593 4 A, Ramachandia Mission, Road,

(1) M/s. Srinivasa Bulleds (P) Ltd.,

Hyderabad.

(Transferor)

Begumpet, Hyderabad.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 7th April 1984

Ref. No. RAC. No. 83|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Flat situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the ofllowing persons, namely:-

THE SCHEDULE

Flat No. 405, in Srinivasa Towers "A" 6-3-1187, Begumpet, Hyderabad admeasuring 1600 sft., registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 3143|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 7-4-1984.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 'NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th April 1984

Ref. No. A.P. No. | 5297.—Whereas, I, J. L. GTRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. as per schedule situated at Shekhu Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred Malout

under the registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at Malout on August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not beeen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Maya Devi Wdo Gobind Lal and Ranjit Lal So Sh. Sant Lal, Ward No. 7, Malout.

(Transferor)

- (2) Shri Sohan Lal Chawla So Jawala Singh,
- Ro Shikhu Mandi, Malout.
 (3) as S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective jersons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/2 Shop situate in Sheikhu Mandi, Malout and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1184 of August, 1983 of the Registering Authority, Malout.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecitng Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

Date : 10-4-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 10th April 1984

Ref. No. AP. No 5298.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. $25,00\theta$ /- and

bearing No. as per schedule situated at V. Boot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering

Officer at Jalandhar on August, 1983.

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

58-76GI 84

(1) Smt Manja Ham Wio and Karanjit Son, and Summit Kau daughter of Sh Dhamanjit Singh So Hardit Singh Rio V. Bakhewal, Disit. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Dr. Raj Kumai So Pt. Nanta Ram R o V. Marchowal Distt. Gurdaspur.

(Transferee)

(3) as S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the bublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 10 Mls situated in V. Boot and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3192 of August, 83 of the Registering Authority, Jalandhar

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-4-1984, Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

JALANDHAR

Jalandhar, the 10th April 1984

Ref. No. A.P. No |5299 —Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 [43 of 1961] (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing As per Schedule situated at V. Boot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering. Officer at Lalandhar on August 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1947);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Manjit Kaur Wo & Kiranjit Singh Son & Sumanjit Kaur daughter of Dhamanjit Singh Ro V. Bakhewal Teh. Batala Distt. Gurdaspur (Transferor)
- (2) Malkiat Singh Slo D. Singh Ro V. Chiti Jch. Jalandhaj.

(Transferce)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the preparety)
- (4) any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land aren 10 Mls. situated in V. Boot and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3507 of August, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspeciting Assit. Commissioner of Income-tux
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 10-4-1984.

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th April 1984

Ref. No. AP. No. 5300—Whereas I, I. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and beating as per Schedule situated at V. Boot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering. Officer at Jalandhar on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Shri Malkiat Singh 9/0
 Shri Chanan Singh, 1/0 V. Jandu Singha,
 Teh. Jalandhai,
 General Attorney of Kewal Singhs
 Pakhar Singh,
 V. Boot, Teh. Jalandhar.

(fransferor)

 Shri Prem Kumar s/o Dhanpat Rai r/o V. Killa, P.O. Naru Nangal, Distt. Hoshiarpur. Distt, Hoshiarpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 15 Mis. situated in V. Boot, Teh.Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed. No. 3441 of August. 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Jalandhar

Date: 10-4-1984

Scul:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandbar, the 10th April 1984

Ref No. A.P. No. 5301.—Whereas I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing No.

As per Schedule situated at V. Khuila (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registerial Office of Useritha (and Act).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

() Shri Hari Chand s/o Ram Lal, 1/o Basti Guzan, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shir Sucha Singh so Shir Harbhajan Singh and Harbhajan Kaur Wyo Sohan Singh r/o V. Gandowalt Feh, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person intorested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property land 18 Mls, situated m V. Khurla and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3228 of August, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

THE SCHEDULE

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
lospecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act to the following person—namely:

Date: 10-4-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, TALANDHAR

Jalandhar, the 10th April 1984

Ref. No. A.P. No./5302.—Whereas 1, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

as per senedule situated at V. Boot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandham on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, c⁻ the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ()1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shii Haipartap Singh Gill s/o Shii Partap Singh, r/o 168/4, Central Town, Jalandhar Mul.htiar-ai-am of Toginder Singh, Jasbir Singh, Amardip Singh, ss/o Haipartap Singh.

(Transferor)

(2) Mrs. Veen Dublish w/o Satinder Kuthar s/o Shri Parma Nand, 185 Lajpat Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. A-61 & 62 and E-3 & 4 (10 Mls.) situated in Boot and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3103 of August, 83 of the Registering Authority, Jalandhai.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-4-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONLR OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhai, the 10th April 1984

Ref. No AP. No./5303.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000]- and bearing No. as per schedule situated at V.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under registration. Act, 1908 (16 of 1906) in the Office of the Registering Officer at Julandhar on August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(1) Shii Harpartap Gill s/o Shit Partap Singh ro 168/4, Central Town, Jalandhar, Mukhtiar-ai-Am of Joginder Singh, lasbir Singh Amardip Singh.

(Transferor)

- (2) Shii Saunder Kumai Dublish s/o Parma Nand Dublish. r/o 185, I ajpat Nagar, falandhai.
- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deflued in Chapter XXA of the said Act, shall have the samt meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property House No. A-57 to 60 and Q-6-7 situated in V. Boot and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3102 of August, 83 of the Registering Authority Talandhar.

> J. L. GIRDHAF Competent Authority Inscetting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandha

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-4-1984

Seal.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th April 1984

Ref. No. A.P. No. /5304.—Wherens I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. as per schedule

situated at V. Boot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ialandhar on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value o fitte property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- (1) Shii Balwant Singh s/o
 Shri Kishan Singh r/o
 EQ-340, Rainak Bazar,
 Jalandhar
 Special attorney Paramut Singh self &
 Mukhtiar-ai-am of Narmeler Kaur self and
 Haripal Singh & G.A of Dilsher Singh &
 Rayinder Kaur.
- (Transferor)
 (2) Shir Harjit Sjugh & Harjinder Singh ssio
 Shri Gurbax Singh,
 [o FQ-342, Raianak Bazar,
 Julandhar.

-Timnsferee)

(3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(Transferc)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 3 K's, situated in V. Boot and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3145 of August, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Inlandhar

Date: 10-4-1984

FORM ITN9---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th April 1984

Ref. No. A.P. No./5305.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing as per Schedule

situated at V. Boot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

11) Shri Balwant Singh 5,0 thri Hishan Singh, 1/0 EQ 340, Rainak Euzat, Jalandhar Special attorney of Paramint Singh.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Singh s/o Shri Arjan Singh and Putan Singh s/o Ajit Singh, r/o Basti Bawa Khel, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 2 Kls situated in V. Boot and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3143 of August, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th April 1984

Ref. No. A.P. No./5306,--.-Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing as per Schedule
situated at V. Boot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
have been troopformed under againting to the schedule annexed hereto).

has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Jalandhar in August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons, namely :--

59- -76GI 84

(1) Shrimati Paramjit w/o Surger Alamin w/b Gurorret Singh 11-Link. Road, Jalandhar through Spl. attorney Sanyası Charan Bakhta, 330-A, Riy. Colony, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Sunjay Kumar s|o Shri Sarwan Kumar Gupta, r/o Mohalla Riazpura. Jalandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 10 Mls, situated in V. Boot and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3273 of August, 83 of the Registering Authority, Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDILAR

Jalandhar, the 10th April 1984

Ref No AP. No /5307.--Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing as per schedule situated at V. Boot (and more fully described in the schedulc annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the the apparent consideration property as aforesaid exceeds therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the associated property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D o the said Act, to the followmy persons, namely:--

- (1) Shrimati Parampi Kaur w/o Gurprit Singh, r/o 11-I ink Road, Jalandhar, through Spl. Attorney Samusi Chainn Bakhta, 330, Rly, Colony, Jalandhai.
- (Transferor) (2) Shri Sujinder Singh s, o Jiwan Singh,

r/o Central Town, Islandhar.

(Transfer

(3) As S No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person laterested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULI

Property area 10 Mis situited in V. Boot and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3274 of August, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J I. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Pange, Jalandi ff

Date: 10-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 10th April 1984

Ref. No. A.P. No./5308.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair Rs. 25,000 - and bearing market value exceeding as per Schedule

situated at V. Kingra
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar in August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propetry as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has been truly stated in the said intrument transfer with the object of :&

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been by which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Avtar Singh 5/0 Bhagwan Singh Mukhtiar Sh. Rameshwer Singh So Karam Singh, 4-Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Jaski Jasel s/o Chanan Ram, r/o Buta Mandi, Jalandhar.

(Transferec)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 25 Mis. situated in V. Kingia and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3075 of August, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of thi snotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-4-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Julandhar, the 10th April 1984

Rel. No. AP. No./5309,-Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing as per Schedule

situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1905) in the Office of

the Registering Officer at Jalandhar on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kartar Singh s/o Hari Singh r/o Khurla Kingra, Teh. Jalandhar, through G.A. Jagat Singh,

(Transferor))

(2) Shiimati Resham Kaur w/o Sarwan Singh, r/o V. & P.O. Chak Kalan, Teh. Jalandhar, and Baga Ram so Shadi Ram, V. & P.O. Patara, Distt. Jalandhar,

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, INPLANATION: shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 26 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2975 or August. 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Date 10 4-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th April 1984

Ref. No. A.P. No./5310.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/as per Schedule

and bearing situated at V. Kingra

under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Haripal Singh s/o s/o Ujagar Singh, r/o V. Kingra, Tch. lalandhar (Cold storage wale)

(Transferor)

(2) Shii Som Nath s/o Blag Nath, r/o ES-526 Abadpura, Jalandhai,

(Transferec)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property land I kls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2898 of August, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecitng Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th April 1984

Ref. No. A.P. No./5311.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/as per Schedule and bearing No.

situated at V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Haripal Singh s/o
Sh. Ujagar Singh,
r/o V. Kingra,
Teh. Jalandhar (Cold storage wale).

(Transferor)

 Shrimati Banti w.o Rakha Singh r/o V. Pandori, Tehsil Phagwara.

(Transferce)

- (3) As S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land i Kl. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3062 of August, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 40/4/1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5312.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at

V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shri Pirthi Pal Singh slo Inder Singh, V. Kingra

(Transferor)

(2) Shri Tarlochan Singh s₁o Jagat Singh and Sarvinder Singh s₁o Tarlochan Singh, 411-L, Model Town, Jalandhar and Kuldip Kaur w o Ajit Singh and Harnam Kaur wd₁o Lachhman Singh, ES-9A, Civil Lines, Jalandhar.

(Transferor)

(3) As S No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given it that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 4 kl. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed. No. 3119 of August, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

I. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Italian than

Date: 10-4-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 10th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5313.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule at Kingra (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar in August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) Shri Hardip Singh glo Inder Singh rlo V. Sher Pur Feb Jalandbar.

(2) Shimati Sarla Parveen Bahri wo Kewal Krishan Bahri 1,0 1211, Mistrian Mohalla, Jalandhar and Amar Jeet Kaur wo Kehar Singh V. Tiba Teh. Sultanpur Lodhr,

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 2 Kls, situated in V. Kingta and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3123 of August, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar,

> I. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-4-84 Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 10th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5314.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

os per schedule situated at V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

the Registering Officer at Jalandhar on August, 1983

and/cal

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

60-76GI/84

- (1) Anili Chopra so Ram Chander ro Shishu Model School, Mohalla Khodian, Naya Bazar, Jalandhar Mukhtiai-Am of Sohan Singh so Bhulla Singh. (Transferor)
- (2) Shi Harcharan Singh so Upkar Singh ro V. Latif Pura near Model Town, Jalandhar and Dilbagh Rai So Milkhi Ram, 10 Mahdi Pur Uchha, Teh. Jalandhar.

(Transferec)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 10 Mls. situ to l in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3223 of August, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Jalandhar

Date: 10-4-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5315.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at Jalandhar in August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shi Anil Kumar Chopra Soo Ram Chander Co Shishu Model School, Naya Bazar, Jalandhar Mukhtiar-ai-am of Sohan Singh S|o Bhulla Singh.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Singh, Harjit Singh Solo Tailok Singh Rlo Latispura near Model Lowa, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1 K-01 M-150 S. ft. situated in V Kingia and persons mentioned in the registered sale deed No. 3224 of August, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 10-4-84 Seal:

(Transferee)

FORM ITNS----

(1) Shri Sarwan Kumar S|o Des Raj R|o New-Gurdwara Bazar, Kotkapura Distt. Faridkot. (Transferor)

New Gurdwara Bazar, Kotkapura Distt. Faridkot.

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(2) Shri Dharam Pal So Som Nath, BVII-454,

(4) Any other person interested in the property

(3) As S. No. 2 above.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhai, the 10th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5316.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

as per Schedule situated at Kotkapura (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

Office of the Registering

Officer at Faridkot in August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1 3rd share shops situated at Gurdwara Bazar, Kotkapura and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2557 of August, 1983 of the Registering Authority, Faridkot.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

nersons, namely :--

Date: 10-4-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5317.—Whereas, I, J. L. GlRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. as per Schedule situated at Kotkpuid

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot in August 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Surinder Kumar S|o Des Raj R|o New Gurdwara Bazar, Kotkapura Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shi Balraj Kumar Slo Som Nath Rlo New Gurdwara Bazar, Kotpapura Distt. Faridkot. (Transferee)

(3) As S, No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the solid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1 3rd shops situated in Gurdwara Bazar, Kotkapura and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2558 of August 1983 of the Registering Authority, Faridkot

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Ente: 10-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 10th April 1984

Ref. No. A.P. 5318,—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule, situated at Kotkapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (of of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on Dec. 1983.

Faridkot on Dec. 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Benarsi Dass, Roshan Lal, Sarwan Kumar, Surinder Kumar, Raj Kumar Soo Des Raj Ro New Gurdwara Bazar, Kotkapura Distt. Faridkot. (Transferor)

5, 1906)

- (2) Shri Madan Lal sio Som Nath Rio New Gurdwara Bazar, Kotkapura Distt, Faridkot. (Transferee)
- (3) as S. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any Other Person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be intersted in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1|21d Shops situated in Gurdwara Bazar, Kotka pura and persons as mentioned in the registered sale deed No 3068 of Oct., 1983 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income--tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-4-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THF INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhai, the 7th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5319.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Rampura Phul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (of of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rampura Phul on Aug. 1983

for an apparent consideration which is fess than the fair market value of the aforesaid property and L have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (ii) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—

(1) Pawan Kumar S|o Kaur Chand R|o Rampura Phul.

(Transferor

(2) Shii Karamjit, Janak Raj Slo Sohan I al Rlo Rampuia Phul

(Transferee,

- (3) as S. No. 2 above (Person in occupation of the property
- (4) Any Other Person interested in the property.

 (Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2218 of August, 1983 of the Registering Authority Rampura Phul,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-4-1984 Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 7th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5320.—Whereas, I, I. L. GIRDHAR,

peing the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding s. 25,000|- and bearing No.

No. as per schedule, situated at Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (of of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ferozepur on Sept., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- Shri Ashwani Kumai Soo Dr. Vidya Sagar and Anect; Sagar, Amecta Sagar Doo Dr. Vidya Sagar Roo Bazar Loharan Wala, Ferozepur City.
 (Transferor)
- (2) Shri Ramesh Kumar Soo Kali Ram Roo Tahli Mohalla, Ferozepur City.

(Transferce)

(3) as S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any Other Person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be intersted in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3924 of Sept. 1983 of the Registering Authority, Ferozepur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date :7-4-1984 Seal :

 Shri Ashwani Kumar Slo Dr. Vidya Sagar, and Ameeta Sagar, Aneeta Sagar Dlo Dr. Vidya Sagar R₁o Bazar Loharan Walo, Ferozepur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Lachhman Dass So Kali Ram Ro Fahli Mohalla, ferozepur City.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(4) Any Other Person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Jalandhar, the 7th April 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gnzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. A.P. No. 5321.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Incomptax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. as per schedule, situated at Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (of of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ferozepur on Sept. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

n and
tween FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transferor; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3903 of Sept. 1983 of the Registering Authority Ferozepur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Artit Commissioner of Income-taxAcquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-4-1984 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5322,—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on Aug., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any lacome or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Jagan Nath Ved Parkash, Chaman Lal Slo Shri Pali Rom Rlo Gobind Pura Village Now Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Mulkh Raj, Megh Raj, Des Raj, Darshan Kumar, Babu Lal, Pawan Kumar SS o Ramji Dass Clo Hari Chand Ram Sarup, New Cloth Market, Bhatinda.

Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any Other Person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of he publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2690 of August, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—61—76GI|84

Date: 7-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5323.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule, situated at Bhatinda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officerat Bhatinda on Aug. 1983

at Bhat nd₄ on Aug., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-trax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ved Parkash S|o Pali Ram R o Gobind Pura Village Now Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Mulkh Raj, Megh Raj, Des Raj, Darshan Kumar, Babu Lal, Pawan Kumai SS/o Ramji Dass Clo Hari Chand Sarup, New Cloth Market, Bhatinda,

(Transferee)

(3) As per 5. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any Other Person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XMA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 2691 of August, 1983 of the Registering Authority, Bhatindii.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-4 1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No. 15324.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. as per Schedule situated at Nalayaan Hoshianpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Office at Hoshiarpui in August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shi Avtar Singh Soo Inder Singh Vill. Adamwal Feb. Hoshiarpur Mukhtiare-am foginder Singh Soo Jangir Singh V. Naloyian, Now Shivaji Nagar, Ludhiana.

(fransferor)

- (2) Shronati Jagtai Devi, Randhir Kumar, Sh. Jagjivan Ram, Bassi Khawaju, Hoshiarpui 'Cjo Inderjit, Patwari, Bassi Khawaju, Hoshiarpui.
- (3) As per St. No. 2 above (Transferec)
- (Person in occupation of the property)

 (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereins as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property and persons as mentioned in the Registration de deed No. 2520 of August, 1983 of the Registering Authority. Hoshiarpur.

THE SCHEDULE

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No.]5325.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. as per Schedule situated at Bhatinda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Bhatinda in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ramesh Chand Garg Slo Hukam Chand and Kamlesh Wlo Ramesh Chand Garg Clo Mls Hakami Di Hatti, Sadar Balzar, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Chamkaur Singh S|o Mohinder Singh, and Taj Kaur W|o Chamkaur Singh Vill. Chak Fateh Singh Wala Teh, Nathana Distt. Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sales deed No. 2464 of August, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No. | 5326&5327,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per Schedule situated at Bhatinda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Bhatinda in August & September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Krishan Kant Bhargava So Bhagwan Data Bhargava, Post Office Bazar, Bhatinda.

(2) 1. Shri Jagat Ram S|o Thakar Mal
2. Duni Chand S|o Kishori Lal,
3. Nohar Chand S|o Hans Raj
C|o Union Timber Store, Amrik Singh Road,
Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2671 of August, 1983 and 2953 of Sept. 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No|5328.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Bhatinda in August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagjit Singh Dhaliwal S/o Balwant Singh, F.C.I., Bhatinda.

(Transferor)

(Transferee)

- (2) Shrimati Sudrashan Diwan Wdo Om Prakash Diwan, Professor, S. D. School, Bhatinda.
- (3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Accesshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2756 of August, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5329.—Whereas, I. J. L.GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. as per Schedule

situated at Bhatinda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Bhatinda on August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be diaclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ujaggar Singh, Bhajan Singh, Inder Singh So Anokh Singh, Mehna Mohalla, Bhatinda, (Transferor)
- (2) Shrimati Paramjit Kaur Wlo Lakha Singh Clo Sub-Registrar, Bhatinda. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 2s are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Sale deed No. 2658 of August, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar.

Date: 11-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5330.-Whereas, I. J. L.GIRDHAR,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. as per Schedule situated at Bhatinda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Bhatinda on August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :---

- (1) Ujaggar Singh, Bhalan Singh, Inder Singh Sslo Anokh Singh, Mehna Mohalla Bhatinda.
- (Transferor) (2) Shri Barjinder Singh So Jangir Singh Dogar Basti, Faridkot.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2659 of August. 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-4-1984. Seal .

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5331.—Whereas, I, I L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shumati Chand Kaur Wdo Bishan Singh, Mansa Road, Near Roshan Lal Oil Mills, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Gurcharan Singh & Harcharan Singh Sslo Harnek Singh Co S R, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2462 of August. 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ialandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
62—76GI[84]

Date: 11-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Re. No. A.P. No. 533.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more ully described in the Schedule annexed hereto) has bee ntranserred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shrimati Chand Kaur Wdo Bishan Singh, Mansa Road, Near Roshan Lal Oil Mills, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Sunrinder Kumari, Wo Piare Lal Sharma Clo S. R., Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Cr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as simuntioned in the Registering Sale Deed No. 2610 of August, 1983 of the Registering Authority, Bhattada.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range.

Date: 11-4-1984.

Sept :

SALTA MEGT

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. **JALANDHAR**

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5333.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more ully described in the schedule annexed hereto) has been transerred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office at Bhatinda in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the sad! Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shrimati Chand Kaur Wdo Bishan Singh, Mansa Road, Near Roshan Lal Oil Mills, Bhatinda.

(2) Shri Hakam Singh S|o. Kartar Singh, Balwinder Singh S|o. Hakam Singh C|o. Sub-Registrar, Bhatinda

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property) rested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2652 of August, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5334.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No, as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Chand Kaur Wdo Bishan Singh, Mansa Road, Near Roshan Lal Oil Mills, Bhatinda
- (Transferor)
 (2) Shri Ghoohar Singh So. Hari Singh Vill. Kot Fatta,
 Distt. Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Sale Deed No 2653 of August, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR.
Competent Authority
Inspecting Assistant Continuous of Income-tax
uisition Range,
Jalandhar

Date: 11-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5335.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Bhatinda on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Chand Kaur Wdlo Bishan Singh, Mansa Road, Near Roshan Lal Oil Mills, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Gurtej Singh So. Gurdial Singh Co. Sub-Registrar, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Cr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2654 of August, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Islandhar

Date: 11-4-1984.

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No. 6336.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has bee ntranscreed

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

the office of the Registering Officer at

Bhatinda on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Chand Kaur Wdo Bishan Singh, Mansa Road, Near Roshan Lal Oil Mills, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Singh S|o. Bhajan Singh C|o. Sub-Registrar, Bhatinda

(Transferce)

(3) As per Cr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2670 of August, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 11-4-1984,

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5337.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No as per schedule, situated at BHATINDA

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Aug. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Chand Kaur Wd|o Bishan Singh. Mansa Road, near Roashan Lal Oil Mills, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Harbans Singh Soo Bachittar Singh Coo Sub-Registrar, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2687 of August, 83 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5338.-Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. as per schedule, situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on Aug. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Chand Kaur Wdlo Bishan Singh Mansa Road, near Roshan Lal Oil Mills, Bhatinda. ('Transferor)
- (2) Mohan Singh Slo Baldev Singh R/o Abohar, Distt. Ferozepur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
- (Person in occupation of the property).

 (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be

interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the ateresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2688 of August 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-4-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5339.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/-and bearing No.

as per schedule, situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Bhatinda on Aug. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—63—76GI[84]

- (1) Chand Kaur Wdo Bishan Singh. Mansa Road, near Roshan Lat Oil Mills, Bhatuda. (Transferor)
- (2) Parshotam Lal S|o Mulkh Raj. C|o Sub-Registrar, Bhatinda,

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2739 of August, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assisstant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-4-1984

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5340.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule, situated at Bhatinda Vill.

Sivian

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Bhatinda on Aug, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Gurdal Singh So Inder Singh
 V. & P.O. Sivian (Bhatinda).

(Transferor

(2) Pooran Singh & Teja Singh Sslo Dial Singh Vill, Sivian, Bhatinda.

(Transferee

(3) As per St. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as tre defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2558 of August, 1983 of the Registering Authority Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisite:

aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5341.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Act. 25,000/- and bearing

bearing No. as per schedule situated at Bhatinda (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1960 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on August, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shekhar Garg S|o Ramesh Chand Garg, C|o Hukmi Di Hatti, Sadar Bazar, Bhatinda 2. Jagdish Kumar, Bank Bazar, Bhatinda. (Transfeior)
- Dharam Singh S|o Jangir Singh,
 Hans Raj S|o Brahm Dutt,
 Savittri Devi W|o Jagan Nath, Kacha Patiala.
 C|o Hukmi Di Hatti, Bhatinda.
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as montioned in the Registeration sale deed No. 2660 of Aug. 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax

Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECIING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. Uo./5342.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having Rs. 25,000|- and bearing having a fair market value exceeding

No. as per schedule, situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 if 1957);

(1) Balbir Kaur Wo Ajmer Singh Advocate Ro Civil Lines, Bhatinda Mukhtiare am of Sh. Gurcharan Singh So Ajmer Singh.

(Transferor

(2) Jagvinderpal Kaur Wo Joginder Singh Vill. Bagha Teh. Muktsar.

(Transferee,

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and person as mentioned in the Registration sale deed No. 2684 of August, 83 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalancham

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:-

Date: 11-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1983

Ref. No. A.P. No. 5343.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Darbara Singh Slo Rajoo Singh Mukhtiere-am of Punjab Kaur Do Rajoo Singh, Patti Jhuth, Bhatinda.

(2) 1. Maya Devi Wo Achhroo Ram 2. Pakash Rani Do Ramji Dass, 3. Ramesh Kumar So Brij Lal Co Sub-Registrar, Bhatinda 4 Atma Singh So Bharpoor Singh, Retd.
Tehsildar, Gurunanakpura, Bhatinda, 5. Ujaggar Singh So Bachan Singh Co Ms Bachan Singh & Sons, Jewellers, Hospital Bazar, Bhatinda
6. Baboo Singh Son Bachan Singh
7. Bhalinder Singh 8. Inderjit Singh, 9. Umarinder Singh So Harnam Singh, 10. Chanan Singh So Bachan Singh Co Bachan Singh & Sons Saraf, Hospital, Bazar, Bhatinda.

(Transferee) (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from date of the publication of this Notice in Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2791 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5344.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

No. As per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Bhatinda on Aug. 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the sheet of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Maghar Singh S.o Rajoo Singh Mukhtiare-am of Sh. Sham Kaur Wo Rajoo Singh Patti Jhuth, Bhatinda.

(Transferor)

(Transferee)

- (2) 1. Maya Devi Wo Achhroo Ram 2. Pakash Ram Do Ramji Dass, 3. Ramesh Kumar So Brij Lal, Co Sub Registrar, Bhatinda, 4. Atma Singh So Bharpoor Singh Retd.

 Tehsildar, Gurunanak Pura, Bhatinda, 5. Ujaggar Singh So Sh. Bachan Singh, 6. Baboo Singh So Bachan Singh, 7. Bhalinder Singh, 8. Sh. Inderjit Singh, 9. Umarinder Singh So Harnam Singh 10. Chanan Singh So Bachan Singh Co Mos Bachan Singh & Sons, Saraf, Hospital Bazar, Bhatinda.
- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2792 of August 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-4-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5345 and 5346.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovabue property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No. as per schedule situated at Banga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Banga on August 1983 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income origing from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Sat Paul So Sh. Amritsaria Ram Ro Banga Dist. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Manohar Lal, Kharaiti Ram Sslo Chaudhri Ram Rlo Mohalla Kapooran, Banga Distt, Jalandhur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House situated in Mohalla Kapooran, Banga and persons as mentioned in the registered sale deed No. 963 and 898 of August. 1983 of the Registering Authority, Banga.

J, L, GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-4-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5347.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on Aug. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M|s Kuldip Finance Co. Pvt. Ltd. Jalandhar through Sh. Jamiat Singh, Mg. Director of the Firm. (Transferor)
- (2) Ramesh Chander Gupta So Chuni Lal 173-Lajpat Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
- (Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property plot No. 5 (1K-10 Mls, 169 S. ft) situated at New Jawahar Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2959 of August 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-4-84 Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5348.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—64—76GI|84

 New Finance & Credit Corporation Pvt. Ltd. Jalandhar, through Shri Ram Kumar Bhardwaj, Mg. Director Clo Pt. Sat Pal & Co. Milap Chowk, Jalandhar.

(Transferor)

(2) S|Shri Rajesh Kumar, Arun Kumar Ss|o Harkishan Lal, 359, Lajpat Nagar, Jalandhar, C|o Kohinoor Book Depot., Tanda Chowk, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property plot No. 81 (4517 sq. ft.) situated in Jyoti Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3438 of August, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5349.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908, in the office of the Registering Officer at

Jalandhar in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Dewan Karta Kishan Slo Shri Dewan Chand 246, Model Town, Jalandhar, Mukhtiar-ai-am of Smt. Surinder Puri Wdlo Shri Hans Raj

(Transferor)

(2) Shri Suresh Kumar Slo Shri Ram Pal Rlo Ghas Mandi, Malerkotla Distt. Sangrur.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occuation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 11 5|8 Mls. situated at Nakodar Road, near Cine Payel Cinema, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3384 of August, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5350.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, bleng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No, as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Dewan Karta Kishan Slo Shri R. S. Dewan Chand 246, Model Town, Jalanábar, Mukhttar-ai-am of Smt. Sukhbir Kaur Wdlo Shii Mohan Bir Singh

(Transferor)

(2) Shri Kanti Lal Slo Shri Ram Pal Rlo Ghas Mandi, Malerkotla Distt. Sangrur.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person inferested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property plot 41 5 8 Mls. situated at Nakodar Road, near Cine Payel Cinema, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3385 of August, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5351.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the ımmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. as per schedule at Maksoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Vinod Kumar Slo Shri Gurdial Batra, Mukhtiar-Khas of Amrit Singh Slo Shri Teja Singh Mukhtiar-ai-am of Shri Sohan Singh Rlo Mohalla Gopal Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Gurdeep Kaur Wo Shri Ranbir Singh and Shri Raghuvinder Singh So Shri Mota Singh Ro V. Maksoodpur Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 2 K-17 1 2 Mls. situated in V. Maksoodpur and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3050 of August, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5352 and 5353,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Amravati Wo Shri Baru Mal Ro NK-223, Charanjit Pura, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Mangat Rai Slo Shri Ram Nath Rlo S-208 Industrial Area, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1 K.-200 S. ft. (each deed) situated in Din Dyal Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3011 and 3239 of August, 1983 of the registering authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1984

Ref. No. A. P. No. 5354.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Shahkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rajinder Singh S|o Bhagat Singh R|o Shahkot Tehsil Nakodar Distt. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Ram Chand so Dina Nath and Ravinder Kumar, Dharminder Kumar Sso Ram Chand, Main Bazar, Shahkot Teh. Nakodar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(4) Any other person in occupation of the property)
(Person in occupation of the property)
(Person in occupation of the property)
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property shop situated in Main Bazar, Shahkot and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1169 of August, 1983 of the Registering Authority, Shahkot,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th April 1984

Ref. No. A. P. No. 5355,-Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the registering officer at Jalandhar in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereece for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :-

(1) Shri Rajcet Singh slo Raj Kumar and Ripjeet Singh of Raja Nagar, Shahjehanpur Rlo Ladowali Road, Street No. 4, Preet Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Kuldio Singh slo Darshan Singh and Ramesh Kumar slo Bhagwan Dass Rlo Street No. 4, Preet Nagar, Ladowali Road, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property house area 6 Mls. situated in Preet Nagar, Ladowali Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3136 of August, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-4-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th April 1984

Rcf. No. A.P. No. 5356,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. as per schedule situated at Garha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jalandhar in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cen of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Devinder Singh Mukhtiar Khas Naresh Kumar Rlo H. No. 344 Kapurthala Road, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Jit Soo Bashamber Singh and Smt. Kulwant Kaur woo Surinder Jit and Jaswinder Jit Singh soo Bashamber Singh and Agiya Kaur woo Jaswinder Jit Singh Roo Ranjit Nagar, Garha. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
 (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property house 20 M/s. situated in Garha Vahinda and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3071 of August, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-1AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5357.—Whereas, I, I. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No, as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

of transfer with the object of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—65—760I[84]

 S|Shri Kanwar Rattan Jit Singh s|o Ripjit Singh of Raja Nagar R|o 135-A, Preet Nagar, Jalandhar Self and attorney of Raj Kumar

(Transferor)
(2) Smt. Gurmeet Kaur wd o Pyara Singh
Ro Gali No. 3,
Preet Nagar, Ladowali Road,
Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property house area 12 Mls. situated in Preet Nagar, Ladowali Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3422 of August, 1983 of the registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5360.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Shri Charanjit Singh Cheema
 Bahadur Singh
 R|o 164-Defence Colony, Jalandhar
 Through Mukhtlar
 Smt. Rajinder Kaur d|o Boota Singh.

(2) Shri Harkewal Singh soo Gurdarshan Singh 164-Defence Colony

Jalandhar.

(Transferee)

(Transferor)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 164-Defence Colony, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3044 of August, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar,

J. L. GTRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jallandhar, the 12th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5358.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at

Jalandhar on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, pamely:—

- Shri Ajit Singh s|o Kartar Singh r|o House No. 44, Basant Bihar, Jalandhar.
- (2) Smt. Shanti Devi wo Hardit Singh, ro 29-A, Guru Nanak Nagar, Jalandhar.
- (3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 29-A (Portions) situated in Guru Nanak Nagar, Jalandhar and persons at mentioned in the registered sale deed No. 3165 of August 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

I. L. GIRDHAR Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-4-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5359.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

as per Schedule

situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jalandhar on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monays or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ajit Singh s|o Kartar Singh r|o House No. 44, Basant Bihar, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Suinder Pal Singh so Hardit Singh 1/0 29-A, Guru Nanak Nagar, Jalandhar.
 (Transferee)

(3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 29-A (Portion) situated in Guru Nanak Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3248 of August, 83 of the Registering Authority. Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ialandhar

Date: 12-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jallandhar, the 12th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5361.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. as per schedule situated at Basti Sheikh, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ujjal Singh slo Jassa Singh rlo 38-L. Model Town, Jalandhar through mukhtiar Roshan Singh, Rlo IA-Udham Singh Nagar Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Gurbachan Kaur woo Roshan Singh Roo I-A. Shaheed Udham Singh Nagar, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2_above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 2 K-9 1/2 Mls. situated at in Bastl Sheikh, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 31/12 of August, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jallandhar, the 12th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5362,—Wheeras, I.J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. as per schedule situated at Basti Sheikh, Jalandhar and more fulry described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Jalandhar on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property land area 2 K-9 1/2 Mls. situated in Basti Sheikh, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3111 of August, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

THE SCHEDULE

J. L. GIRDHAR
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

(1) Shri Jagdish Singh soo Jassa Singh Ro B-12 12, Rana Partap Bagh, Delhi.

(2) Smt. Gurbachan Kaur woo Roshan Singh roo IA. Shaheed Udham Singh Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date: 12-4-1984

The second secon

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jallandhar, the 12th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5364.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule

situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bhatinda on Aug, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Karam Singh So Nikka Singh Ex-Professor, Mansa Road, Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Smt. Kuldip Kaur & Jagdev Singh Daughter & Son of Partap Singh Vill. Kot Bhara, Teb. Bhatinda.

 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter-XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2476 of Aug, 1983 of the Registering Authority, Rhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-4-1984

(1) Shri Bikker Singh S|0 Ajaib Singh V. Chak Fatel Singh Wala Teh. Nathana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jallandbar, the 12th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5365.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000|- and bearing No. as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on Aug., 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Bikram Singh alias Bikker Singh V. Kundal Distt. Ferozepur. (Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2497 of Aug. 1983 of the Registering Authority. Bhatiade.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal
Acquisition Range, Jalandhai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the ise of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:—

Data: 12-4-1984

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th April 1984

Ref. No. A.P. No. 5366,—Whereas I, J. J. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per Schedule

situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on Aug., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--66—76 GI 84

(1) Enri Baibir Singh Sto Ganda Singh Mukhtiare am of Bhagwain Kaor Ro Back of Rose Garden Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Shri Sukhjitinder Singh Sjo Sukhdev Singh, Vill, Dulewala, Teh. Rampura Phul.
 (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2612 of Aug., 1983 of the Registering Authoruy Bhatinda

> J. L. GIRDHAR. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandbar

Date - 12-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 3rd May 1984

Ref. No. A.P. No. 5386.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule

situated at Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moga on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Yidya Wanti wd. o Ratten Lal r o Street No. 1, Anand Nagar, Moga.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Devi woo Harbans Lal soo Chajju Ram roo House No. BIX-576 49, Street No. I. Anand Nagar, Moga.

(3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the proporty

(3) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. MC, BIX-576-49 situated in Anand Nagar, Moga and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4474 of August, 83 of the Registering Authority, Moga,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-5-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. N. Hari Singh rlo 1,127, Sector 21-B Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Darshan Singh Sahni r o 1127, Sector 21-B Chandigarh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th April 1984

Ref. No. CHD[64]83-84.—Whereas, J. JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the momentax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing H. No. 1127, Sector 21-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to betteve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 APIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1127, Sector 21-B situated in Chandigarh. (The Property as mentioned in the Registered deed No. 615 of August 1983 of the Registering Authority, Chandigarh)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Page : 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Kapoor Chand Sharma & Sh. Dharam Pal 10 203, Sector 21-A Chandigarh (Transferor)

(2) Smt. Jaswinder Kaur & Sh. Prem Raj Singh Gill ro H. No. 203, Sector 21-A Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th April 1984

Ref. No. CHD[57]83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 110 Sector 36-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has bee ntransferred under the Registration Act 1908 (16 on 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 110 situated in Sector 36-A. Chaudigarh. (The Property as menitoned in the Registered deed No. 556 of August 1983 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26917 of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-4-1984

Seal : /

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Major D. S. Ghai son Late Sub Maj. G. S. Ghai con A. Quis Eastern Command, Engineers Branch, Fort William Calcutta.

(Transferor)

(2) Sh. Janak Raj Mahajan s|o Sh. Mool Raj r|o H. No. 165 Sector 21-A Chandigarh.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1984

Ref. No CHD:56:83-84.—Whereas I JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No Plot No. 1176 Sector 34-C situated at Chandigath and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908:16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

l APLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1176 situated in Sector 34-C Chandigarh. (The Property as mentioned in the sale deed No. 550 of August 1983 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the eaid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-4-1948

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1984

Ref. No. CHD 58 83-84.—Whereas, I JOGINDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. H. No. 1702 Sector 22-B situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Mrs. Champa Dhawan woo Sh. K. C. Dhawan roo F-45 Kalkaji, New Delhi.
- (2) Sh. Subhash Chander Bhalla s|o Sh. J. N. Bhalla r|o H. No. 1143, Sector 21-B Chandigarh. Now at H. No. 1702 Sector 22-B Chandigarh. (Transferor)
- (3) "Milan Centre Property Dealers" H. No. 102 Sector 22-B Chandigarh. (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1702, situated in Sector 22-B Chandgiarh. (The Property as mentioned in the Registered deed No. 559 of August 1983 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhians

Date: 11-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th April 1984

Ref. No. CHD|55|83-84,—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 1156, Sector 34-C situated at Chandigath

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh i,n August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shri Muni Lal Baboota, So Late Sh. Pheru Ram (ii) Sh. Mangat Rai Baboota So Sh. Muni Lal Baboota
 - (iii) Mrs. Pravesh Baboota Wo Sh. Mangat Baboota, Ro H. No. 622, Sector 20-A Chandigarh.

(Transferor)

12169

(2) Sh. Bol Krishan Chhabra So Sh. Phiraya Lal, Ro H, No. 1400, Sector 34-C, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1156., situated in Sector 34-C The property as mentioned in the Registered deed No. 542 of August 1983 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludbiana

Date: 9-4-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 16th April 1984

Ref. No. LDH|94|108 & 112|83-84.—Whereas, I, 10GINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3|8th share in Factory Building No. 266 (Municapal No. B-23.856), (Industrial Area-A, Ludhiana)

situated at Ludhiana

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

at Ludhiana in August September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mr. P. N. Oswal Hosiery Factory, Sur. Pur. circular Road Ludhana through Sh. Om Parkash Slo Sh. Daulat Ram, Partner (for self & on behalf of other partners).
- (2) M|s. Suparash Hosiery Industries, 417, Industrial Area-A, Ludhiana.

(Transfreee)

(Transferor)

(3) M/s. Jainson Hosiery Industries, 266, Industrial Area-A, Ludhiana.

(Person in occupation of the Property)

(4) ***

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire, later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

any 3|8th share in Factory Building No. 266 (Municipal No. B-23.856) situated in Industrial Area-A, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 6812 of

August, 83 & Nos. 7187 & 7288 of September, 1983 of the Registering Authority, Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 16-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 16th April 1984

Ref. No LDH|80|81-82 & 90|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 1/2 share in Factory Building No. 266 (Municipal No. B-23 856) situated at Industrial Alea-A, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereece for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—67-76 GI|84

(1) M|s. R. N. Oswal Hosiery Factory, Shiv Puri, Circular Road. Ludhiana through Sh. Om Parkash S|o Sh. Daulat Ram, Partner (for self & on behalf of other partners) (Transferee)

(2) M/s. Shankeshar Hosiery Industries, Oswal Road, Industrial Area-A, Ludhiana.

(Transferee)

(3) M/s. Jainson Hosiery Industries, 266. Industrial Area-A, Ludhiana.

(Person in occupation of the property)
Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

112 share in Factory Building No 266 (Municipal No. B-23 856), situated in Industrial Area-A, Indhiana.
(The property as mentioned in the sale deed Nog. 6253, 6370, 6150 and 6642 of August, 1983 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGIE
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 16-4-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQ**QIS**ITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th April 1984

Ref. No. 1.DH|78|83-84.—Whereas, I, JOGINDIR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 1 8th share in Factory Building No. 266 C Municipal No. B-23.856) situated at Industrial Area-A, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereo), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M[s. R. N. Oswal Hosiery Factory, Shiv Puri, Circular Road, Ludhiana through Sh. Om Parkash S[o Sh. Daulat Ram, partner for self and on behalf of the other partners.

 (Transferor)
- (2) M|s. Jainson Hosiery Industry, Oswal Roda, Industrial Area-A, Ludhiana, (Transfreee)
- (3) M/s. Jainson Hosicity Industry,
 Oswal Rond, Industrial Area-A, Ludhiana.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|8th share in Factory Building No. 266 (Municipal No. B-23.856) Industrial Area-A, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 6218 of August. 1983 of the Registering Authority, Ludhiana).

IOGINDER SINGII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 16-4-1984

. The transfer of the Committee of the Commit

FORM ITNS ----

(1) Shii Om Parkash Slo Sh. Hem Raj, Rlo 2267, Haibowal Kanal, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Chander So Sh. Kundan Lal Rlo House No. B. XI, 440 1, Naulakha Garden, Benjamin Road, Ludhiana.

(Transfree)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 17th April 1984

Ref No. LDH|83A & 18C|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 1/2 Share in House No. B. XI. 440/1, situated at Naulakha Garden, Benjamin Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby 'aitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preserty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inferested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Ho No. B. XI, 440/1, Naulakha Garden, Benjamm Road, Ludhiana,

(The property as mentioned in the sale deed No. 6373 of 8 83 and 10841 of December, 1983 of the Registering Authority, Ludhiana),

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 17-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Vinod Kumar S|o Shri Tirath Ram R|o, I'illi Gate, Jagraon.

(2) Shri Ashok Kumai Slo Sh. Kesar Dass Rlo 805, Rangi Ram Street, Ludhiana.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transfreed)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th April 1984

Ret. No. LDH|102 & 107|83-84.--Whereas, I, 10GINDFR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mirrovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000- and bearing

No. 1/2 share in House No. B. XX. 659/4, situated at Gurdev Nagar, Ludhiana,

tand more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1098 in the office of the Registering Officer at Ludhana in August|September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which outlet to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days for
the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as gives in that Chapter,

THE SCHEDULE

1/2 share in House No. B. XX, 659/4, Gurdev Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 7023 of August, 1983 and No. 7161 of September, 1983 of the Registering Authority, Ludhiana).

IOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The same of the sa

(1) Shi Raj Kumar Soo Sh. Mukand Laj Roo Filli Gate, Jagraon.

(Transferor)

(2) Smt. Anu Batra Wo Shri Ashok Kumar, Ro 805, Rangi Ram Street, Ludhiana.

(Transfree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ludhana, the 11th April 1984

Ref. No. LDH|101 & 105|83-84.--Whereas, 1, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 1/2 share in House No. B. XX .659/4, situated at Gurdev Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana on Aug, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair nurket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other axacts which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the netice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in House No. B. XX. 659/4, Gurdev Nagar, Ludhiana,

(The property as mentioned in the Sale deed Nos. 7022 of August, 1983 and 7159 of September, 1983 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-4-1984

FORM ITNS-

<u>- - Andria de calactera do compaño ante la capación en el compaño de la capación de la compaño de la compaño d</u>

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Ram Lubhai Kapoor Wo Sh. Tirath Ram Ro Filli Gate, Jagraon.

(Tiansferoi)

(2) Smt. Kanta Devi Wlo Sh. Bansi Dhar Rlo 303, Rangi Ram Street, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th April 1984

Rcf. No. LDH|103 & 109|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share in House No. B. XX, 659/6 situated at Gurdev Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Ludhiana in Aug. Sept. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in House No. B. XX. 659/6, Gurdey Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 7089 of August, 1983 and 7223 of September, 1983 of the Registering Authority, Ludhiana).

IOGINDER SING:
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhlana

Date: 11-4-1984

FORM ITNS-

(1) Smt. Ram Lubhai Kapoor Wo Sh. Tirath Ram, Rlo Filli Gate, Jagraon, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bansi Dhai Slo Sh. Kesar Dass R|o 805, Rangi Ram Street, Ludhiana.

(Transfreee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, I UDHIANA

Ludhiana, the 11th April 1984

Ref. No. LDH 106 83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 25,000|- and bearing No. 4 share in House No. B. XX. 659'6, situated at Guidev Nagar, Ludhiana,

(and more fully described in the schedule annexed hereto,

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the for market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

ith share in H. No. B. XX, 65916, Gurdey Nagar Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 7160 of September, 1983 of the Registering Authority, Ludhiana)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Date: 11-4-1984

Shal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhina, the 11th April 1984

Ref. No. LDH|1041|83-84 --- Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

H. No. B-XX-65916 Gurdev Nagar, (1th Share) situated at Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at ludhiana in August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subrection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Vinod Kumar Slo Sh. Tirath Ram, Ro Fili Gate Jagraon,

(Transferor)

(2) Sh. Bagsi Dhar Slo Sh. Kesai Dass. Ro 805 Rangi Rom Street, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share in H. No. 659/6 situated in Gurdev Nagar, Ludhiana.

(The Property mentioned in the sale deed No. 7090) of August 1983 of the Registering Authority, Ludhiann).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 11-4-1984

Shri Om Parkash Slo Sh. Hem Raj, Rlo H. No. 2267, Haibowal Kalan, Ludhjana. (Transferor)

(2) Smt. Kavita Khurana Wo Sh. Subhash Chander, Ro House No. B. XI. 440 1. Naulakha Garden, Benjamin Road, Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 17th April 1984

Ref. No. LDH|82A and 191|83-84,---Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 1 share in House No. B. XI 440|I (New) situated at Naulakha Gandan Periamin Road Ludbiana

Naulakha Garden, Benjamin Road, Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto. has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

share in House No. B. XI. 440 1, Naulakha Garden, Benjamin Road, Ludhiana.

(The Property as mentioned in the sale deeds No. 6363 of August, 1983 & 10920 of December, 1983 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhlana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely :-68-76GI|84

Date: 11-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th April 1984

Ref. No. 4|August|83—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S No. 4|3A3, 5|2, situated at Hosur Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Hosur, (Doc. No. 2930|83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Peria Muniappa, Slo Late Bomma Chettiar, M. Rajanna, M. Arunkumar, M. Sivanna, Slo. Muniappa, 33A, Weavers Street, Hosur.

(Transferor)

(2) S. S. Nagesh, S. S. Sampathkumar. S. S. Radeshham, Slo S. K. Seetharama Chetty, S. Sathiyanarayana Chetty, Slo Malligarjuna Chetty Varsha @ Shashi, Ashok Kumar, T. Shash, 1|13, Bazzar, Street, Soolaghi, Hoeur T. K. Dharamapuri Distt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Agricultural land at S. No. 4|3A3, 5|2, Hosur village, Doc. No. 2930[83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i]c)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 4-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, MADRAS-600 006 ACQUISITION RANGE-I

Madras-600 006, the 3rd April 1984

Ref. No. 3|Sep|83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. New No. 23A, situated at Pillaiyar Koil Street. New Town @Gandhi Nagar, Vaniyambadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred.

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer

at Vaniyambadi, (Doc. No. 2194|83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transftr as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) V. Narayanasamy Iyer, So Venkatraman, N. Kumar alias N. Venkatraman, N. Mohan alias N. Janakiraman, 61, Mookathal Street, Purasawalkam, Madras-7.

(Transferor)

(2) Mrs. K. Jayalakshmi, Wo Shri M. Kannan, New No. 23A, Pillaiyar Koll Street, New Town. Vaniyambadi, N. A. Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at New No. 23A, Pillaiyar Koil Street, New Town @ Gandhi Nagar, Vaniyambadi. Doc. No. 2194[83).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (l|c) Madras-600 006.

Date: 3-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I (MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd April 1984

Ref. No. 7|Sep|83.—Whereas, I,

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. 27, situated at Government Pentland Hospital Road, Vellore Town.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vellore-I, (Doc. No. 3324|83) on Septembr 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

V. I. Fareeda Parveen,
 D|o V. J. Mohamed Ibrahim,
 V. K. Abdul Alim Sahib,
 No. 4, Necli Godown Street,
 Vellore. N. A. Dist.

(Transferor)

S. Sankari Ammal,
 W|o V. L. Shanmugam,
 V. L. Kumar,
 S|o V. S. Lakshmanan Nadar,
 87, Reddiappa Mudali Street,
 Vellore. N. A. Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 27, Government Pentland Hospital Road, Vellore Town Doc. No. 3324 83).

R. P. PILLA
Competent Authorit
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i|c)
Madras-600 006

Date: 3-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd April 1984

Ref. No.*31|Scp.|83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 395, Divi. E. Ward No. 3, situated at Line Audipatty village, Salem Town.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Madras North-I, (Doc. No. 3047|83) on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Nabisabi, W|o Late C. B. Alavi. M. Hajirabi, W|o K. Mohammed,
 Block 'A', New Police Quarter, Linemedu, Salem-636006.

(Transferor)

(2) A. Alamelu Wo Late Amcerthalingam, S. R. Mani, S. R. Navamani, S. R. Sigamani, So E. Rengasamy Bakthar, 83, Pension Line Cross Road, Annathanapaty, Solem-366002.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE
(Land and building at S. No. 395, Divi. 'E' Ward No. 3,
Line Andipatty village, Salem Town. Doc. No. 3047|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i|c)
Madras-600 006.

Date: 12-4-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
(MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th April 1984

Ref. No. 36|Sep.|83.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
incompetax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing No.
S. No. 1|3, 27|3, situated at Vellagalpatty village,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Namagiripettai, (Doc. No. 844|83) on September 1983.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Lakshmi Wo Late Natarajan, Palaniammal, Wo Late Ramaswamy, Periasamy, Slo Kappai Muthu Gounder, Vellagalpatty P.O. Salem Dist.

(Transferors)

(2) Senkoda Gounder, S|o Chellappa Gounder, Perumayee, Vadukam Muniappampalayam P.O. Salem Dist.

(Transferees)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Agricultural land at S. No. 1]3, 27]3, Vellagallpatty village. Salem Dt. Doc. No. 844[83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I (i|c)
Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd March 1984

Ref. No. 88|Sep.|83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
T. S. No. 11, Block No. 17, situated at Thatcha Nallur Road. Timpalvel! Road, Tirunelveli. (and more fully described in schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirunelveli-I, (Doc. No. 793|83) on September 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration hereto by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) S. N. Karunanithi, So Nataraja Nadar, Mothilal Street, Tirunelveli-1.

(Transferor)

(2) S. Sankaranarayanan Chettlar, S. Janakiraman, S. Subbaraman,

Vijavalakshmi,

S. Raman, R. Saroja, R. Muthuraja, R. Ramesh, R. Makesh, 36, Santhi Nivas,

Padma Nagar, Fort, Trivandrum,

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land at No. T. S. No. 11, Block No. 17, Thatcha Nallur Road, Tirunelveli. Doc. No. 793 83).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i|c) Madras-600 006.

Date: 22-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th April 1984

Ref. No. 90|Sep|83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 1131, 1129, situated at Meclavittan village, Tuticorin

S. No. 1131, 1129, situated at Meclavittan village, Tuticorin (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Tuticorin Melur, (Doc. Nos. 422, 423|83) on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly statied in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ef 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Pon Esu Magaraja.
 So Perianaicka Nadar,
 Soundara Vadivu, Jaya Jothi,
 Rajathi alias Rajammal Minor Guardian,
 David Puram Main Road,
 Tuticorin,

(Transferor)

(2) Kumar Publication Trust, K. P. Kandasamy S|o Perumal Nadar, 106|107, Katecherry Road, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the safe meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Agricultural land at S. Nos. 1131, 1129, Meelavittan village, Tuticorin, Doc. Nos. 422, 423|83),

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (||c)
Madras-600 006.

Date: 4-4-1984

Seal 🕕

(1) P. Kathirvela

Tuticorin.

(2) Shri N. Periasamy, So Narayana Nadar, 39, Polnaickenpettai,

So Perumal Naicker, 61, Kaliyappa Pillai Street,

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THER INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I-

Madras-600 006, the 22nd March 1984

MADRAS-600 006

Ref. No. 91|Sep|83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

T. S. No. 4255, situated at Polnaickenpettai, Tuticorin Town.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Tuticorin-II, (Dec. No. 1745 83) on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more -than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land at T. S. No. 4255, Polnaickenpettai. Tuticorin. Doc. No. 1745|83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i|c) Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforespid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-69--76GI|84

Date: 22-3-1984.

Scal:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd April 1984

Ref. No. 99|Sep.|83.--Whereas, I, R. P. PILLAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 120, situated at Thirumalagiri,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sendamangalam, (Doc. No. 1263|83) in September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Saraswathy. Dlo Late Parthasarathy Naidu. Kalappa Naickenpatty-637409. Sendamangalam.

(Transferor)

(2) Palani Ammal. Dio Karuppanna Gounder, K. Ramasamy, 6|31, East Veethi, Nallipalayam, Sendamangalam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Agricultural land at S. No. 120, Thirumalagiri village, Doc. No. 1263 83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006.

Date: 3-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

MADRAS-600 006-

Madras-600 006, the 22nd March 1984

Ref. No. 103|Sep.|83.—Whereas, I, R. P. PILLAI.

of transfer with the object of :--

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

New No. 423, situated at T. H. Road. Madras-21. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Royapuram, (Doc. No. 1594/83) in September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 herey initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. P. Damodara Chetty,
Sio Parthasarathy,
K. Balakrishna Chetty,
Sio Gopal Chetty,
K. L. Kanchana, Wio K. P. Lokavya Chetty,
K. Nagamma. Wio K. Venkatappa Chetty,
K. Banumathi, Wio K. Gajarajulu Chetty,
14, Chandrappa Mudali Street,
Madras-1.

(Transferoi)

(2) Shri S. A. Swamy, Sjo Sankaran, 423, T. H. Road, Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 423, T. H. Road, Madras-21, Doc. No. 1594[83)

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax Acquisition Range-I (i|c) Madras-600 006.

Date: 22-3-1984.

FORM NO. I.T.N.S.-

 V. Murugananthan, Slo V. Veerappan Chettiar, 10, Subharaya Mudali Street, Royapettah, Madras-600 014.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th March 1984

Ref. No. 109|Sep.|83.--Whereas, J, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
No. 147]1, situated at T. H. Road Tondiarpet, Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereta)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
1908) in the office of the Registering officer
at Royapuram, (Doc. No. 1822|83) on September 1983
for an apparent consideration which is less than the tair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid

at Royapuram, (Doc. No. 1822/83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under subsection (I, of Section 269D of the said Act, to me following sersons, namely:—

(2) Shri M. Kulandaisamy, Shii P. S. Shanmugaham & Shii P. S. Chandra Bose, Clo Mis. M. Kulandaisamy & Co. 35-A, Patel Road, Coimbatore-641009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 147]1, T. H. Road, Tondiarpet, Madias, Doc. No. 1822[83].

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i|c)
Madras-600 006.

Date: 29-3-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.----

(1) G. Jagadeesan. No. 6, Kummalamman Koil Street, Madras-81.

(Transferor)

(2) G. Balakrishnan, Slo S. S. Guruswamy, 70, Thandavaraya Gramani Street. Madras-81.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th March 1984

Ref. No. 114|Sep|83.-Whereas, I.

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 70, situated at Thandavaraya Gramani Street, Tondar-

pet, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Royapuram, (Doc. No. 1560|83 in September 1983

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transitions as agreed to between the parties has not been truly stated in the cold instrument of transfer with the children of: the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land at No. 70, Thandavaraya Gramani Street, Tondiarpet, Madras-81, Doc. No. 1560[83),

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 (i|c) Mad(as-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

Date: 29-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th March 1984

Ref. No. 115|Sep. 83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

New No. 6, situated at Kummalamman Koil Street, Madras-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer

at Royapuram (Doc. No. 1560/83) in September 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

 Shri G. Balakrishnan,
 So S. S. Guruswamy Nadai,
 Thandavaraya Gramani Street, Tondiarpet. Madras-81,

AND DESCRIPTIONS OF THE PARTY O

(Transferor)

(2) G. Jagadeesan, Slo S. S. Guruswamy Nadar, No. 6, Kummalamman Koil Street, Tondiarpet, Madras-81.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at New No. 6, Kummalamman Koil Street, Madras-81. Doc. No. 1560 83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i|c) Madras-600 006.

Date: 29-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'I COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANG I, MADRAS 600 006.

Madras-600 006, the 29th March 1984

Ref. No. 117|Sep |83 ---Whereas, I, R. P PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Res 25,000]— and

bearing No 174, situated at T. H. Road, Tondiarpet,

Madras-81.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Royapuiam, (Doc. Nos. 1580 & 1583|83)

on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Z₁p Industries Private Limited, 118, Broadway, Madra₃-108.

(Transferor)

(2) Shii Moolchand Maheshwari,No 3, Crescent Park, Street,T. Nagar,Madras 17

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant Land at No. 174, T. H. Road, Tonduarper, Madras-81, Doc. Nos. 1580 & 1583/83).

R P. PH LAI
Compount Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, (1/e)

Madras-600 006.

Date: 29-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-I, MADRAS-600 006

Maduas-600 006, the 29th March 1984

Ref. No.129[Sep.]83 ---Whereas, I, R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred co as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. 458, T. H. Road, situated at Madras-21. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Royapuram, (Doc. No. 1658|83)

in September 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) V. Kanniappau, K. Kamesh, K. Kumar (Minor), V. Thuunavukkatasu & V. Mednakshi Ammal, 458, F. H. Road, Madras-21.

(Transferor)

(2) Shri A. Sundaravel, So. Ai unachalam, No. 21, Avathanam Ramasamy Iyei Street, Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-9ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the gaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No 458, T. H. Road, Madras-21. Doc No. 1658 83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1. (i|c) Madras-500 005.

Date: 29-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd April 1984

Ref. No 134 Sep | 83 — Whereas, I, R P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

RS No 1631 1 & 1626 4 situated at Pantheon

Road, Egmore, Midras

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Raistab Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Pear Copy (20).

at Madics Nevil 1 (Dos No 3108'83) in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
70—76GI'84

(1) B Patturaj & Others, 63, "Neela" Main XV Cross, Malleeswaram, Bangalore-560 005

(Transferor)

(2) S G Agarwala, 2, Mon'ieth Lane. Egmore, Madras-8

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULL

(Land and building at R S No 1631|1, 1625|4, Panthon Road, Fgmore Madras. (Doc No. 3108|83)

R P PHIAI
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (1/c)
Madras-600 006

Date · 3-4-1984.

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd March 1984

Ref. No 148|Sep.|83.—Whereas, I,

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. 288, situated at Kilpauk Garden, Road, Malhas-10. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Periamet, (Doc. No. 1007/83) in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mis. Veena Jindal, Wlo. Suresh K., Jindal, 118, Purasawalkam High Road, Madras-7.

(Transferor)

(2) V. C. Sethu, Slo. V. Chandran, No. 23, Pancharyappas Hostel Road, Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land at No. 288, Killpauk Garden Road, Madras-10). Doc. No. 1007/83.

R P. PILLAI
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Pange-I (ilc)
Madras-600 006.

D :: : 22-3-1984. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 CF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) T. A. Rajaram, No. 21, 1st Cross Street, Lake Area. Madras-31.

(Transferor)

(2) Georage Abraham, 124, General Peters Road, Madras-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, tae 22nd March 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 149|Sep.|83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269% of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

bearing No. 1, 17th Avenue, situated at Harrington Road, Mad-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Officer at Periament, (Doc. No. 1008|83) in September, 1983,

for an a ment consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Te said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 1, 17th Avenue, Harrington Madras-31. Doc. No. 1008[83]

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, (i|c) Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 22-3-1984. Seal 4

FORM ITNS----

(1) M. Venkata Gopal, 37, Sat Colony, List Street, l'gmore, Madras-8.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 443 OF 1961)

(2) Shii R Kumai & R Baskaran, 52, Pachuyappa's College Hostel Road, Chetpur., Madi as-31.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd March 1984

Ref. No. 150|Sep.|83,---Whereas, I,

R. P. PHLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 52, situated at Pachaiyappa's College Hostel Road, Chetput, Madras-31

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Officer at Periamet, [Doc. No. 1012[83] September 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which digital to the discovered by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 52, Pachaiyappa's College Hostel Road, Chetput, Madras-31 Doc. No. 1012 83)

> R. P. PILLAL-Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, (i|c) Madras-602 006.

Date: 22-3-1984,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANG-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd March 1984

Ref. No. 155, Sep. 83. - Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. 5, situated at Harrington Road, XIII Avenue. Chetpur, Madras,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Periament, (Doc. No. 1041[83) on September, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value or the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. East Coast Sonestructions & Industries Rep. by A M. Seyed Abdul Caber, 4, Moores Street, Madras-6

(Transleror)

Shri S, Anwarullah,
 Kastun Rangan Road,
 Madras-18.

(Transferec)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 5, Harrington Road, XIII Avenue Chetpur, Madias).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (i|z)
Madras-600 006.

Date: 29-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd March 1984

Ref. No. 156|Sep.|83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. 5, situated at Casa Major Road, Sec and Lane, Egmore, Madras-600 008. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periament, (Doc. No. 1043|83) in September 1983, for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Salma Basheer, 138, Greams Road, MaJras-600 006.

(Transferor

 Mrs. M. Ameerunnisa Begum, 28, V. V. Koil Street, Periamet, Madras-600 003.

(Fransferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 5, Casa Major Road, Second Lane, Egmore, Madras-600 008, Dec. No. 1043 83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 22-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd April 1984

Ref. No 172|Sep.|83.—Whereas, J, R. P. PILI AI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing T. S. No. 28, Block No. 15, situated Peravallum for Village.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Peristering Officer at Sembiam, (Doc. No. 4249/83) in September 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. Ranganathan, No. 87, S. R. P. Colony, Peravallur, Madras-82.

(Transferor)

(2) Shri G Nagabooshanam, 87, S. R. P. Colony, Peravallur, Madjas-82,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Vacant land at T. S. No. 28, Block No. 15, Peravallur village, Doc No. 4249 83)

R P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 3-4-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd March 1984

Ref. No. 187|Sep.|83 —Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000,- and

bearing No. 4, situated at Stringer Street, Madras-I. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet, (Doc. No. 502, 503 83) in September 1983.

at Sowcarpet, (Doc. No 502, 503|83) in September 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an yincome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persors, namely:—

 M|s. V Perumall Chetty & Sons and Others,
 Stringer Street, & 19, Flowers Road, Madras-8,

(Transferoi)

(2) Smt. Snehalatha Agaiwal, 10, Montieth Lane, Madras-8, Shn Viiendra Kumai Agaiwal, 121, Rasappa Chetty Street, Madras-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The firms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 4, Stringer Street, Madras-1, Doc. Nos 502, 503[83]).

R. P. PHIAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date : 22-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd April 1984

Ref. No. 155]Oct [83.--Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2580, situated at Naduvakkaraj village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Madras Central, (Doc. No. 251|83) on Oct., 83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—71—76GI[84]

 K. Krishnamoorthy, Slo. Late B. Krishna Iyer, W607, 29th Cross Street, Indra Nagar, Madras-600 020

(Transferor)

(2) Capt. B. N. Rao, Slo. Shri B. Ganesha Rao, Dr. Sulochana Rao, AC 56, River View Colony, Anna Nagar, Madras-600 102.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Land and building at Plot No. 2580, Naduvakkarai village, Doc. No. 251 83)

R P. PILLA]
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I. (1|c)
Madras-600 006.

Date: 3-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th April 1984

Ref. No. 35|Aug. 183.-Whereas. 1,

R. P. PILLAI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. T. S. No. 4|2B1 & 4|1C, situated at Railway Feeder Road, Palani.

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Madurai-II, (Doc. No. 1200|83) on August, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) S. Karuppammal, Wo. Late N. Shanmugam Chettiar, J. Kasturi Bai, Wło. S. Jayaprakash, V. Chandralekh, Wło. R. Vijayakumar, R. Vijaylakshmi, Wo. S. Ramaraj, S. Rajendran, S.o. Shanmugam, No. 1B, Pethi Chetty Puram, Tiruppur.

(Transferor)

(2) Dr. Pitamanayagam, Mrs. P. Velam, P. P. N. Hospital, Railway Feeder Road Palani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

THE SCHEDULE

(Land and building at T. S. No. 4|2B1 & 4|1C, Railway Feeder Road, Palani. Duc. No. 1200 83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, (1/c) Madras-600 006.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namel(:--

Date: 5-4-1984.

Scal:

 Mariammal, Wo. A. Peter Alangaramony, Kodaikanal Town, Paradise Compound, Kodaikanal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th April 1984

Ref. No. 119|Aug.|83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 258, situated at Kodaikanal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central, (Doc. Nos. 53 to 55[83) on

August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Master Mayank Kumar, Arvind Kumar Ruia, Archana Auia, Smt. Dita Devi, 12, Parthasarathi Garden. Kasturi Ranga Road, Madras-18.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Agricultural land at S. No. 258, Kodaikanal, Doc. Nos. 53 to 55[83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-1, (i|c)
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th April 1984

Ref. No. 2|Sep.|83.-Whereas, J,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. situated at Virupatchiputam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering

Officer at Vellore-I, (Doc. No. 3325|83).

on September 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. P. Koshy, S|o. P. Pilipose, Mrs. Rachel Koshy, W|o Dr. P. Koshy, 'Chacho Gardens'
 U. C. College, Veliathunadukara, Alwaye.

(Transferor)

(2) Shri A. Bhawarlal,
So. K. Ajaraj,
R. Natarajan,
N. Inbarasi, S. D. Murali,
M. Brinda, S. M. Mccnakshi Sundram,
P. Mahaveer Chand, P. Gowtham Chand,
280, Sauthapet,
Gudiyattam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Virupatchipuram, Doc. No. 3325| 83).

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 5-4-1984.

Scal:

FORM I.T.N.S.

(1) Reliable Construction Company

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Superlite

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. IAC|Acq. RI|Cal-G.A.52|83-84|SI.866.—Whereas, al S. K. CHNUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. 61-B situated at Park Street, Calcutta-16

No. 61-B situated at Park Street, Calcutta-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at C.A., Cal. on 27-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Convered space No. 'C' on the ground floor facing South North in the building known as 'Neelam' at premises No. of 61B, Park Street, Calcutta-700016. Registered before the office the Competent Authority, I.A.C., Acqn. Range-J, Calcutta vide Sl. No. 52 dt. 27-8-1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-4-1984

Seal

.....

FORM ITNS-

(1) Smt. Omrao Devi Tulshan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dayanand Soni

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. I.A.C. Acq.R-I Cal.TR-237 83-84 S1.859.— Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4 situated at Sukhlal Jahuri Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annered hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the oflice of Registering Officer at R. A. Cal. on 5-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undevided 1/6th share each in the premises No. 4. Sukhlal Jahuri Lane Calcutta comprising of a partly 4 and partly 5 storieved building on 11K 9Ch. 30 Sft. of land. The proerty registered before the Registrar of Assurances. Calcutta vide Deed No. I-7892 dt. 5th August, 1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-4-1984

(1) Sri Lakshmi Churn Law

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s Hoograjuli (Assam) Tea Co. Ltd.
(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calculta, the 10th April 1984

Ref. No. TR-259|83-84|SI.860 I.A.C.|Acq.R.I|Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 5 situated at Pretoria Street. Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A., Cal. on 10-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that property at 5, Pretoria Street, Calcutta with an area of 1 Bigha and 18 Cottahs. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcuta vide Deed No. I-8130 dt. 10th August, 1983.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-4-1984

(1) Mr. Atmaram Kanoria

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Phipson & Company Limited

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Tenanted

(Persons in occupation)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. TR-261|83-84|SI, 861 I.A.C|Acq. R-I|Cal.—Whereus, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6 & 7 situated at Old Court house Street, Calcutta-700 001

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

S.R.A. Cal. on 5-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that property at premises No. 6 & 7, Old Court House Street, Calcutta 700001 including open land and buildings. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-7932 dt. 5th August, 1983.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-4-1984

(1) M/s. Pari Enterorises

(Fiansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Golden Properties & Traders Ltd.

(Fransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I. **CALCUTTA**

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. I.A.C. Acq.R-I Cal. C.A.41 83-84 S1.862.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

Whereas, I, S. K. CHAUDHURI.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 7|1-A situated at Dr. U. N. Brahamchari Street, Calcutta and the same fully described in the Schedule approved hereats)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at C.A., Cal. on 12-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 4 D at fourth floor at premises No. 7|1A, Dr. U. N. Brahamchari Street, Calcutta-17. Registered before the office of the Competent Authority I.A.C., Acqn. Range-I, Calcutta vide SI. No. 41 dt. 12-8-1983.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

S. K. CHAUDHURI Competent Authority

Acquisition Range-I

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persóns, namely:-

Date: 11-4-1984

Scal:

72-76GI 84

(1) Mis. Pari Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Himangsu Kumar Sett

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. I.A.C. Acq.R-I|Cal.|C.A.42|83-84|Sl.863.--Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 7/1A situated at Dr. U. N. Brahamchari Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed herero) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at C.A., Cal. on 12-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 A at third floor at premises No. 711-A, Dr. U. N. Brahamchari Street, Calcutta-17. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acq.Range-I, Calcutta vide Sl. No. 42 dt. 12-8-1983.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date; 11-4-1984

(1) Kali Durga Estate & Ots.

(Transferor)

(2) Motilal Kelriwal

(Transferee

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undesrigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. I.A.C. Acq.R-I|Cal. T.R.-228 83-84 81.852.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 158 situated at Lenin Sarani Calcutta

No. 158 situated at Lenin Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

Registering Officer at R.A., Calcutta on 12-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undevided & share of an office room No. 16 in the first floor of the premises No. 158, Lenin Sarani, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances. Calcutta vide Deed No. I-8201 dt. 12-8-1983.

(t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assrt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-4-1984

Scal:

(1) Kali Durga Estate & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Santosh Kumar Kejriwal

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. 1.A.C.|Acq.R-I|Cal,|TR-229|83-84|Sl.853.— Whereta, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding of Registering officer at Rs. 25,000|- and bearing

No. 158 situated Lenin Sarani, Colcutta
(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

R. A. CAL, on 12-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a perioTd of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that undervided ½ share on an office room No. 14 in th efirst floor of the premises No. 138, Lenin Sarani, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurance, Calcutta vide Deed No. I-8202 dt. 12-8-1983.

THE SCHEDULE

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Date: 10-4-1984

Seal : Seal:

FORM ITNS (1) Smt. Omrao Devi Tulshan

(Transferor)

12215

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Ginni Devi Soni

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. I.A.C. Acq.R-I Cal.TR-232[83-84]51.854.---Whereus, I, S. K. CHAUDHURI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4 situated at Sukhlai Jahuri Lane, Calcuta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R.A., Cal. on 5-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undevided 1/6th share in the premises No. 4, Sukhlal Jahuri Lane, Calcutta comprising of apartly 4 and partly 5 storieved building on 11K. 9Ch. 39ft. of land, Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-7887 dt, 5th August, 1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incone-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Date: 11-4-1984

(1) Smt. Omrao Devi Tulshan

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Devi Soni.

(Transferee)

(3) Tenants

(Persons in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. TR-233[83-84]SI.855[I.A.C.]Acq.R-I]Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. 4, situated at Sukhhal Jahuri Lane. Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A., Calcutta on 5-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incom-tax Act, 1922 (11 of 1922) or th said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that undevided 1|6th share in the premises no. 4, Sukhlal Jahuri Lane, Calcutta comprising of a partly 4 and partly 5 storied building on 11 K 9Ch. 39 Sft. of land Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-7888 dt. 5th August 1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Date: 1,1-4-1984

(1) Smt. Omrao Devi Tulshan

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Devi Soni.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Tenants

(Persons in occupation)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I CALCUITA

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. TR-234|83-84|SI.856|I.A.C.|Acq.R-I|Cal.--Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 4 situated at Sukhlal Jahuri Lane, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer

at R. A., Calcutta on 5-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undevided 1|6th share in the premises No. 4, Sukhlal Jahuri Lane, Calcutta comprising of a partly 4 and 5 storied building on 11 K 9 Ch. 39 Sft. of land. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-7889 dt. 5th August. 1983.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date: 11-4-1984

FORM ITNS--

(1) Smt. Omrao Devi Tulshan

(Transferor)

(2) Smt, Shankar Devi Soni.

(Transferee)

(3) Tenants

(Persons in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. TR-235[83-84]SI.857[I.A.C.]Acq.R-I]Cal.—Whereas, I. S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4, situated at Sukhlal Jahuri Lane. Calcutta.

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of Registering officer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), at R. A., Calcutta on 5-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apperent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later:

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undevided 1|6th share in the premises No. 4, Sukhlal Jahuri Lane, Calcutta comprising of a partly 4 & partly 5 storied building on 11 K 9 Cr. 39 Sft. of lyand. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-7890 dt. 5th August 1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutt.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act is the following persons. namely:—

Date: 11-4-1984

(1) Smt. Omrao Devi Tulshan.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Devi Soni.

(Transferee)

(3) Tenants

(Persons in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. TR-236[83-84]SI.858[I.A.C.]Acg.R-I[Cal.--Whereas, I, S. K. CHΛUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4, situated at Sukhlal Jahuri Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement of registered under has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undevided 1|6th share in the premises No. 4, Sukhlal Jahuri Lane, Calcutta comprising of a partly 4 and partly 5 storied building on 11K 9Ch. 39 Sft. of land. The property registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-7891 dt. 5th August 1983.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I 54, Raft Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---

Date: 10-4-1984

(1) Sri Hrishikesh Das

(Transferor)

(2) Smt. Lopamudra Dey.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX. ACQUISITION RANGE-I **CALCUTTA**

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. TR-249|83-84|Sl.867|I.A C.|Acq.R-I|Cal.— Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being, the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. 6-C, situated at Biswanath Motifal Lane Calcutta-12

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officet at S.R.A., Cal. on 12-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the foir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tay Acr 1957 (27 of 1957). 1922

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Partly one and partly two storeyed building—land area— 1 Cottah, 2 Chittacks and 20 Sq ft ut premises No. 6-C, Biswanath Motilal Lane, Calcutta-12. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-8190 df 12-8-83

> K CHAUDHURI Competent Authority a pectupy 1989 and Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1. 54, Ran Ahmed Kidwai Road Calcui.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforceaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely --

Date: 11-4-1984

Scal .

(1) Sri Sudhir Kumar Seal

(Transferor)

(2) Mithai Lal Shaw & Mina Devi Shaw.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I **CALCUITA**

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. TR-270[83-84|Sl.868.I.A.C.|Acq.R-I]Cal.-

Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 8A, situated at Dhiren Dhar Sarani, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering officer at S.R.A., Cal. on 16-8-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tak under the said Act, is respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of noitce on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

ib) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacani land measuring 1 K-4 Ch-14 Sft, at premises No. 8A, Dhiren Dhar Sarani, Calcutta. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-8313 dt. 16-8-83.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I
> 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :---

Pate : 11-4-1984 Seal:

(1) M|s. Stephen Court Limited.

(Transferor)

(2) M|s. Sujan Viniyogo Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF TINCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 12th April 1984

Ref. No. I.A.C.|Acq.R-I|Cal. C.R.45|83-84|81-869.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 18, situate dat Park Street, Calcutta (and more fully described in the scheduled anuexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at C.A., Calcutta on 12-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Roof of premises No. 18, Park Street, Calcutta-17. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. 46 dated 12-8-83.

ny or

(b) facillating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

and/or

respect of any income arising from the transfer;

S. K. CHAUDHURY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J.
54, Rafl Ahmad Kidwai Road,
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-4-1984

(1) M/s. Pari Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Bimal Singh Sethia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. C.R.44|83-84|SI-865|I.A.C.|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7|1A, situated at Dr. U. N. Bahamachari, Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at C.A. Calcutta on 12-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5D at .fth floor at premises No. 7|1A, Dr. U. N. Brahamchari Street, Calcutta-17, Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. 44 dated 12-8-1983.

S. K. CHAUDHURY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmad Kidwai Road,
Calcutta

Date: 11-4-1984

(1) M|s. Pari Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. Bina Devi Sethia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. C.A.43]83-84|SI.864|1.A.C.|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

C.A., Calcutta on 12-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- .9. factificating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the delication persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5E at Fitth floor at premises No. 7[1A, Dr. U. N. Brahamchari Street, Calcutta-17, Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide No. Sl. No. 43 dated 12-8-83.

S. K. CHAUDHURY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafl Ahmad Kidwai Road,
Calcutta

Date 11-4-1984

(1) Amarendra Nath Dey.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Devi Prosad Ghosh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th April 1984

Ref. No. 1474|Acq. R-III|84-85.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income--tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedings Rs. 25,000|- and bearing No.

8, situated at Haralal Das Lane Cal.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offices at Calcutta on 9-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wealth-184 Act 1937 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 4 K (1|4th share) being Premises No. 8, Haralal Das Lane, Calcutta.

5. K. CHUADHUR!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III
34. Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Date: 12-4-1984

Seal : .

(1) Smt. Rampati Devi Bose.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pranlata Gupta Bose.

(Transferec)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III. **CALCUTTA**

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. 1473 Acq. R-III 84-85.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 67|43 situated at Strand Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hercto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 2-8-1983

for an apparent consideration which is less than market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persent whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

All that piece or parcel of land measuring 5K-10ch. 25sft. with building being Premises No. 67|43, Strand Road, Calcutta.

> S. K. CHUADHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III 54. Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-4-1984

(1) Shii Amal Kumar Mukherjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Green Jublee Appartments Housing Co-operative Society Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-JII,

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No 1472|Acq R-III|84-85 —Whereas, I, S K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

6, s'tuated at Juble Park, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Calcutta on 6-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:——74—76 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or patcel of land measuring 2K-8Ch-35sft. being premises No. 6, Jubilce Park, Celcutta.

S. K. CHUADHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Date: 11-4-1984

TORM ITNS-

(1) Shri Gobinda Chandra Auddy.

Transferor

(2) Mls. MITCO Commercial Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JII, CATCUITA

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. 1471|Acq. R-III|84-85.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

52 1 situated at Hezra Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 8K-4Ch.-37sft. Lot No. 'B' being Premises No. 52|1 Hegra Road, Calcutta.

S. K. CHUADHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Date: 11-4-1984

- (1) Shri Ashok Kumar Jain.
- (Transferor)
- (2) Mjs. Singhvi International,

(Trunsferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICN UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. 1470 Acq. R-111 [84-85.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

2|7 situated at Sarat Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 28-8-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat cover area 1132 sft. Office space No. 6 being Premises No. 2 7, Sarat Bose Road, Calcutta Registered before I.A.C. Acquisition Range-III, vide Sl. No. 72 dated 28-8-83.

S. K. CHUADHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Date: 11-4-1984

(1) Vasundhara Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hopes Manufacturing Co. Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. 1469 Acq. R-III 84-85.--Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

2 7 situated at Sarat Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

41 1A, 41 C situated at Sarat Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Calcutta on 6-8-1983

tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULE

All that Flat covered area 1092 sft. being Premises No. 217. Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C. Acquisition Range-III, Calcutta vide SL No. 83 dated 22-8-1983.

> S. K. CHUADHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rauge-III 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-4-1984

(1) Shri Ashok Kumar Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Jute Textile Corporation.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. 1468, Acq. R-III, 84-85,—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2,7 situated at Sarat Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed herefo), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Calcutta on 28-8-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat measuring 955 sit. office space No. 4, being Premises No. 2,7, Saret Bose Road, Calcutta Registered before the office of I.A.C. Acquisition Range-III, Calcutta vide Sl. No. 6|B dated 1-8-1983.

S. K. CHUADHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-4-1984

(1) Orient Investment Private Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Shiwachchandra Dabriwalla.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,

CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. 1467 Acq. R-III 84-85.—Whereas, I,

S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No. 41/1A and 41/1C situated at Jhowtalla Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

All that piece or parcel of land measuring 1B-8Ch, 11Ch, together with building being premises No. 41/1A and 41/1C, Jhowtalla Road, Calcutta.

> S. K. CHUADHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 700 of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-4-1984

(1) Shri Ashek Kumar Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. ESBI Transmissions Pvt. Ltd.

(Transferec.)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the*9th April 1984

Ref. No. 1466|Acq. R-III|84-85.--Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

2|7 situated at Sarat Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat measuring 1092 sft. office space No. 1, being Premises No. 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta registered before 1.A.C. Acquisition Range-III, Calcutta, vide Sl. No. 85 dated 22-8-83.

S. K. CHUADHURI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-4-1984

Sem :

FORM ITM

(1) Shri Ashok Kumar Jain.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. ESBI Transmission Pvt. Ltd.

(Transferee)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECPTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. 1465 Acq. R-III 84-85.—Whereas, 1, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to-as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 2|7 situated at Sarat Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hercto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 28-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat measuring 1021 sft. being Premises No. 2|7, Sarat Bose Road, Calcutta, Registered before I.A.C. Acquisition Range-III, Calcutta vide Sl. No. 84 dated 22-8-1983.

> S. K. CHUADHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
> 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Date: 11-4-1984

(1) Malabika Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. Acq.R-III 84-85.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

14 situated at Salimpur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

75---76 GI|84

(2) Surprise Traders Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 83½k (undivided 1/12th share) being premises No. 14. Salimpur Road, Calcutta.

S. K. CHUADHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Date: 11-4-1984

(1) Malabika Co-operative Housing Society Ltd.

(Transeferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Swadeshi Projects Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-III

CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. 1463 Acq. R-III 84-85.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

14 situated at Salimpur Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 13-8-83

and for

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferce for the puurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of pulication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 83½k (undivided 1/12th share) being Premises No. 14, Salimpur Road, Calcutta.

> S. K. CHUADHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-4-1984

(1) Malabika Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

(2) Chittaranjan Housing Co. (P) Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. 1462 Acq.R-III 84-85.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14 situated at Salimpur Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said natrument of transfer with the cole t of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 834 K (undivided 1]12(h share) being Premises No. 14, Salimpur Road, Calcutta.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmad Kidwai Road,
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Date: 11-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Malabika Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

(2) Gaylord Commercial Co. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. 1461 Acq.R-III 84-85.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No.

14 situated at Salimpur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 831 K (undivided 1]12th share) being Premises No. 14, Salimpur Road, Calcutta.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Juspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-#TN
54, Rafi Ahmad Kidwai Road,
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-4-1984

(1) Malabika Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhandari & Asopa (India) Pvt. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. 1460 Acq.R-III 84-85.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14 situated at Salimpur Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 83½ K (undivided 1112th share) being Premises No. 14, Salimpur Road, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmad Kidwai Road,
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-4-1984

(1) M|s. Malabika Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

(2) M[s. Prix India Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. 1459 Acq.R-III 84-85.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 14 situated at Salimpur Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 13-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-

cation of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

whichever period expires later;

from the service of notice on the respective persons,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 83½ K (undivided 1]12th share) being Premises No. 14, Salimpur Road, Calcutta.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmad Kidwai Road,
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 10-4-1984

(1) M|s. Malabik Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

(2) M/s. Evergreen Commercial Co. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. 1458|Acq.R-III|84-85.-Whereas, I,

S. K. CHAUDHURI.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. 14 situated at Salimpur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 13-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) racilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 83½ K (undivided 1]12th share) being Premises No. 14, Salimpur Road, Calcutta.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmad Kidwai Road Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : ---

Date: 10-4-1984

FORM LT.N.S.---

(1) M¹8. Malabik Co operative Housing Society Ltd. (Transferor)

(2) M/s, K D. Commercial Co. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. 1457 Acq.R-III 84-85,—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 14 situated at Salimpur Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 13-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 83½ K (undivided 1/12th share) being Premises No. 14, Salimpur Road, Calcutta.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmad Kidwai Road Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-4-1984

(1) Dilip Kr. Sen & Smt. Jayann Sen.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. 1456|Acq.R-UI|84-85,---Whereas, J. S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 2 on 1st floor situated at 5, Lower Rawdon

No. Flat No. 2 on 1st Street, Calcutta

(and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act of 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Acq.R-III, Calcutta on 7-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, manualy:—
76—76GI[84]

(2) Mrs. R. K. Dossant & Mr. K. G. Dossant & Mr. Ratiq Dossani

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the iforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nonce in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat measuring 1865 sft. floor space with 547 sft. open terrace being premises No. 5, Lower Rawdon Street, Calcutta flat No. 2 on first floor, read, before the office of Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acqu. Range-III, Calcutta vide Sl. No. 76 dated 7-8-1983,

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-In,
54, Rufi Ahmod Kidvin Road,
Calcutta

Date: 10-4-1984

(1) Mr. Sukomal Ghosh

(Transferor)

(2) Mr. K. Sadagopan

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

ACQUISITION REPORTING CHECOTTE

Calcutta, the 10th April 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. 1455|Acq.R-III|84-85,-Whereas, I,

S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'sald Act'), have reason to believe that the impossible property. having a lair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5|2 situated at Russel Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by moso than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); All that Flat area 740 sft. being Promises No. 5/2 Rusel Street, Cal. Reg. before the office of IAC Acq. Q-III, vide Sl. No. 62B dt 14-8-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmad Kidwai Roads
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-4-1984

Seal .

FORM ITNS-

(1) Malabika Co-operative Housing Society Ltd (Transferor)

(2) Logas Marcanfiles Ltd.

(liansferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-JH, CALCUETA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. 1454|Acq R-HI|84-85 —Whereas 1, S. K. CHAUDHURI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

14 situated at Salimpur Road, Calcutin

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of parcel of land measuring 83½ K (undivided 1/12th share) being Premises No. 14, Salimpur Road, Calcutta.

- (e) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S. K CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Fast
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmad Kidwai Road.
Calcutta

Date: 10-4-1984

(1) Malabika Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Silverline Investment Co. Ltd.

may be made in writing to the undersigned.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. 1453 Acq.R III 84-85,---Whereas, I, 5. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

14 situated at Salimpur Road, Calcutta

cand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 13-8-1983

and, or

ton an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thetetor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as acreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-inx Act, 1957 (27 of 1957);

respect of any income arising from the transfer :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 831 K (undivided 1112th share) being Premises No. 14, Salimpur Road, Calcuita,

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

blow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the follow ing persons, namely :--

Date: 10-4-1984

(1) Malabika Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Lido Commercial Co. Ltd.

(Iransferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-HI, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. $1452_1\mathrm{Acq.R-HII}_184-85$.— Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 14 situated at Salmipui Road Calciuta (and more fully described in the Schedule anuxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13 8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurrowes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcatid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used bettern as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning so given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 83½ K (undivided 1/12th share) being Premises No. 14, Salimpur Road, Calcutta.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range-III.
54, Rafi Ahmad Kidwai Road,
Calcutta

Date: 10-4-1984

(1) Malabika Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDLR SICTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Vigilant Traders & Financers Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUITA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. 1451 Acq.R-III₁84-85,—Whereas, I, S, K, CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing

No. 14 situated at Salmpur Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed herto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 13-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ape defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Piece on percel of land measuring 834 K (undivided 1/12th share) and covered with structure being Fremises No. 14, Salimpur Road, Calcutta.

S. K. CHAUDHURI
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax'
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmad Kidwai Road,
Competent Authority
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-4-1984

(1) Ratul Krishna Banerice & Smt. Ranjua Chakraborty

(Fignsferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Anita Khandelwal

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. 1450 Acq.R-III 84-85.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the

Izcome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 301 & 303 situated at Prince Anwar Shah Road,

Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipure on 22-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of he liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ict, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (5) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 7K together with building being premises No. 301 & 303. Prince Anwar Shah Road, Calcutta.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmad Kidwai Road. Calcutta

Date: 10-4-1984

FORM I.T.N.S.—

(1) Ratul Krishna Banerjee & Smt. Ranjita Chakraborty

(Fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Krishna Kanodia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. 1449 Acq.R-III 84-85.-Whereas, J. S. K. CHAUDHÜRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. 301 & 303 situated at Prince Anway Shah Road,

Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Alipure on 22-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 7K together with building being premises No. 301 & 303, Prince Anwar Shah Road, Calcutta.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:-

Date: 10-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ratul Krishna Baneriee & Smt. Ranjita Chakraborty

(Transferor)

(2) Sri Pawan Kumar Kanodia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-III, CAI CUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. 1448|Acq.R-III|84-85.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bering
No. 301 & 303 situated at Prince Anwar Shah Road,

Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Alipure on 22-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 7K together with building being premises No. 301 & 303, Prince Anwar Shah Road, Calcutta.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assist at Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III, 54. Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 10-4-1984 Seal:

77-76GI 84

FORM ITNS

(1) Ratul Krishna Banerice & Smt. Ranjita Chaktaborty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Sudhii Kumar Satnaliwala,

(Transferce)

GOVÉRNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-HI
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. 1447 Acq.R-III 84-85,---Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 301 & 303 situated at Prince Anwar Shah Road, Calcutta and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Alipure on 22-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and on
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 7 K, together with building being premises No. 301 & 303, Prince Anwar Shah Road, Calcutta.

S. K. CHAUDHUR!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
54, Raft Ahmed Kidwai Road
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-4-1984

(1) Ratul Krishna Banerjee & Smt. Ranjita Chakraborty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Aloke Satualiwala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. 1446 Acq.R-III 84-85.—Whereas, 1,

S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 301 & 303 situated at Prince Anwai Shah Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Alipure on 22-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

All that piece of parcel of land measuring 7K, together with building being premises No. 301 & 303, Prince Anwar Shah Road, Calcutta.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-4-1981

(1) Ratul Krishna Banerjee & Smt. Ranjita Chakraborty.

(Transferor)

(2) Smt. Anita Khandelwal.

(Traḥsferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ANSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-UL CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. 1445 Acq.R-III 84-85.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 301 & 303 situated at Prince Anwar Shah Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Alipure on 22-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 7K, together with building being premises No. 301 & 303, Prince Anwar Shah Road, Calcutta.

S. K. CHAUDHUR!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Calcutt

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoust d property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-4-1984

FORM ITNS....

(1) Ratul Krishna Banerjee & Smt. Ranjita Chakraborty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gita Devi Kanodia.

(Trahsferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. 1444|Acq.R-111|84-85.—Whereas,I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 301 & 303 satuated at Prince Anwar Shah Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Alipure on 22-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichevel period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

All that piece of parcel of land measuring 7 K, together building being premises No. 301 & 303, Prince Anwar Shah Road, Calcutta.

S. K. CHAUDHUR!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-4-1984

FORM ITNS----

 Ratul Krishna Banerjce & Smt. Ranjita Chakraborty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gita Devi Kanodia.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. 1443 Acg R.III 84-85.—Whereas, I,

S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 301 & 303 situated at Prince Anwar Shah Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Alipure on 22-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that niece or parsel of land measuring 7 K, together with building being premises No. 301 & 303, Prince Anwar Shah Road, Calcutta.

S. K. CHAUDHUR!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Foac
Calcutte

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-4-1984

(1) Ratul Krishna Baneriee & Smt. Ranjita Chakraborty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Savitri Devi Satnaliwala,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. 1442 Acq.R- H_1 84-85.—Whereas, J. S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 301 & 303 situated at Prince Annan Shah Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Alipure on 22-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 7 K, being premises No. 301 & 303, Prince Anwar Shah Road, Calcutta together with building.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54. Raft Ahmed Kidwai Road
Calcutta

Date: 10-4-1984

Stal:

(1) Ratul Krishna Banerjee & Smt Ranjita Chakraborty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sii Bhagwati Prasad Kanodia,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE-III CAI CUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. 1441|Acq.R-III|84-85.—Wherens, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R₃, 25,000/- and bearing

No. 301 & 303 situated at Prince Anwar Shah Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 22-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 7 K, being premises No. 301 & 303, Priace Anwar Shah Road, Calcutta, together with purtly one storeged and pawl by two storeged building.

S. K. CHAUDITURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Comm.ssioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54. Rafi Ahmed Kidwai Road'
Calcutta

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date: 10-4-1984

(1) Smt. Man Devi Khettry.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D41) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Lin Tzu Lie & Mr. Liu Shih Hsiang

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. 1440|Acq.R.III|84-85.—Whereas. I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 47, situated at South Tangra Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 12-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 924.36 sq. mtds. being premises No. 47, South Tangra Road, Calcutta, regd. before S|R|A. Calcutta vide deed No. I-8216 dt. 12-3-1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
78—76GI[84]

Date: 10-4-1984

Scal:

(1) Manjusree Guha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Prasanta Kumas Bowmick.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE III CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1984

Ref. No. 1439 Acq.R III 84-85 — Whereas, 1, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 7-A situated at 116, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta-29.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Calcutta on 10-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

All that flat measuring 1285 sft. being premises No. 116. Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta flat No 7-A, on 7th floor regd. before I.A.C. Acq.R-III, Calcutta vide Sl No. 63B dt 10-8-1983.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIL 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta

Date: 10-4-1984

FORM ITNS----

(1) Sri Sushil Kr. Das.

(Transferor)

NOTICH UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sankarananda Chakravorty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III - CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1984

Rei. No. 1438]Acq.R|III|84-85.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No.

a piece of land situated at

Mouza—Baishnabghata, P.S Jadavpur, Calcutta-84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 19-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K-4ch, being premises No. Mouza-Balshnabghata, P.S. Jadavpur, Calcutta-84, regd. before R|A. Calcutta, vide Deed No. 4317 dt. 19-8-1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta

Date: 11-4-1984

(1) Shree Nursinghsahay Mudungopal Engineers (P)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Rakesh Gupta Yogesh Gupta (Minors).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No.1437/Acq.R-III/84-85,—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 55 situated at Ezra Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 25-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that space measuring 233 sft. being premises No. 55, Ezra Street, Calcutta regd. before S.R.A. Calcutta vide deed No. I-11155P dated 25-8-1983.

S. K. CHOUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta

Date: 11-4-1984

Scal:

__

FORM ITNS-

(1) Manoj Sankar Mitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Good-Day Estate Private Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1984

Ref. No. 1436|Acq.R.III|84-85.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No, 76|2A & 76|2B, situated at Bidhan Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 2-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 1B-11K-40sft. (1|6th share) being premises No. 76|2A & 76|2B, Bidhan Sarani, Calcutta, regd. before S.R.A. Calcutta vide No. I-7772 dt. 2-8-1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta

Date: 11-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORF-560001.

Bangalore, the 10th April 1984

Ref. No. 62|38978|83-84|Acq|B.—Whereas, 1, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Property situated at Kodathi Village, Varthur Hobb. B'lore South Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at B'lore South Taluk on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Gita Maulinee alias Gita Bhattachari 247, II main Road,
 Block Jayanagar,
 B'lore-11.

(Transferor)

(2) Shri M. S. Nagendra, 2. M.S. Dattatreya, No. 125-A, 10th Main Road, I Block, Jayanagar, B'lore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sake Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2750|83-84 Dated August 1983)

Property situated at Kadathi Village Vanthur Hobli, B'lore Soutuh Taluk.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalort

Date: 10-4-1934.

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 6th April 1984

No. 62/39003|83-84|ACQ|B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. T.S. No. 311-A & 306-A2 and R. S. No. 229-A and 234-A2 situated at Kadri Village, Mangalore

(and more fully described in the Scheduled annexed herto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of Registering Officer at Mangalore under document No. 470|83-84 on 10-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Maj Gopalakrishna Kandige, Slo K. Krishna Bhat—By Spl. P.O.A. Holder No. (2) 2. Sh. Rajarama Kandige Z. Sn. Rajarama Kandige
Mrs. Premalatha S. Rao Wlo P. R. S. Rao
Ootacamund by sp. P.O.A. Holder No (5)
4. Mrs. Sumalath V. Bhat
Wlo B. V. Bhat Nounq, Assam
by Spl. P. O. A. Holder No. (2)
5. Mrs. Sarsilia V. Wlo Dan V. Vicinia Di 5. Mrs. Sarojini K. Wo Dr. K. Krishna Bhat. Kadri Road, Mangalore-3. (Transferor)

(2) Dr. Jayaprakash Kandige. S,o Dr. K. Krishna Bhat, Kadri, Mangalore-3

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-uble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 470|83-84 dated 10-8-1983). Properties situated in Kadri Village of Mangalore Taluk and within the 15th Bendore ward of Mangalore City Corporation R. S. No. 229A, and 234-A2 and T. S. No. 311 and 306-A2 with Ground floor only built (area 0.16 cents).

> MANJU MADIIAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-4-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

60, Wheeler Road, II cross, Bangalore-5

(1) Shri A. Padnanabha Naidu 36, Stephens road,

Bangalore-5

(Transferor)

(2) Shri Khanchand, J. Kirpalani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore--560001, the 31th March 84

C. R. No. 39045|83-84|ACQ|B -- Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. 49 (old M. 5¹6) situated at Coles Road Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Shivajinagar under document No. 1389|83-84 on 31-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said According to the said have the same meaning as given it that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1389|83-84 Dated 31-8-1983)

All that property bearing No. 49 (old No. Si6) situated at Coles Road, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001.

Bangalore, the 9th April 1984

C, R. No. 41694|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. Nos. 269, 268|2, 268|1, and 267 situated at Bihigunda village, Virajpet Taluk, Kodagu Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Virajpet on 8-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
79—76 GI|84

Shrimati Najumunnisa Begum
 Mubcen Ahmed,
 Jameel Ahmed,
 Zakia Sultana,
 Tasneem Sultana &
 Ahamdy Sultana.
 D. No. 47, Model House,
 Karunapura, Lashkar Mohalla,
 Mysore-7.

(Transferor)

(2) Shri P. P. Kunhi Mayan Gonigopal town, Virajpet Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 286/83-84 dated 8-8-83.)

Property bearing Sy. Nos. 269, 268|2, 268|1 and 267, situated at Bihigunda village, Virajpet Taluk, Kodagu Distr.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-4-1984

Seal 🖟

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001,

Bangalore-560 001, the 3rd April 1984

C.R. No 62 41195 83 84 ACQ B.—Whereas, 1, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No 16 situated at pottery town layout, Distr. No. 48

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagan under document No. 1398/83-84 on 31-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afotesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Shakunthala Bai No. 16, pottery town, layout, Bangalore-560046.

(Transferor)

(2) Shri S. Babu No. 7, 1 floor, Kodandaramnagar, N. P. Street, Bangalore-560001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1398|83-84 dated 3-4-1984), All that property bearing No. 16 situated at Pottery Town Jayout, Bangalore,

MANJU MADHAVAN
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore-1, the 6th April 1984

Ref. No. C.R. No. 62|39001|83-84|ACQ|B.-Whereas, I, 4ANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the imnovable property, having a fair market value exceeding s. 25,000|- and bearing

Vo. T.S. No. 185-1 R.S. No. 603-1 about 567 sq ms. situated

it Kasba Bazar Village, 13th Market ward, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at fangalore under document No. 492|83-84 on 11-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

astrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any incom eor any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Mrs. M. Lolakshi, wo Late Mr. K. Sheenappa, Twin House, Pandeshwar New Road, Mangalore.
 - 2. Mrs. M. Vanitha Suvarna, wo Mr. N. Manu Suvarna, No. 81, Narayanappa Block, Near Ravindranath Tagore Nagar Bangalore— for herself & as guardian of her minor children Sharon & Sharauya.
 - Mrs. M. Sudha Suvarna, wo Mr. N. Ranjan Suvarna, 122B, H.I.G. Rajamannar Salai, K. K.
 - Nagar, Madras.

 4. Mr. M. Pavitra Kumar, s|o Mrs. M. Lolakshi, Twin House, Pandeshwar New Road, Mangalore.

 5. Mr. M. Jeevan Kumar, s|o Mrs. M. Lolakshi,
 - Twin House, Pandeshwar New Road, Mangalore. 6. Mr. M. Hareen Kumar, so Mrs. M. Lolakshi.
 - Twin House, Pandeshwar New Road, Mangalore.

- 7. Mr. M. Rajan Kumar so Late M. Heerakshi,
- Mudigere, Chikmagalur Dist.

 8. Mr. M. Praveen Kumar slo Mrs. M. Heerakshi,
- Mrs. M. Sumano Kamlaksha, Wio M.r M, Kamalaksha, Malpe, Udupi Tahuk—for herself and as guardian of her minor children Divya & 9. Mrs. M. Dipthi.
- 10. M. Hemanathi, wo Mr. K. Ravinath. Pandeshwar Cross Road, Mangalore—for herself & as guardian of her minor daughter M. Neena.
- 11. Mrs. M. Prathibha, wo Mr. Suresh Kumar, Plot No. 25A, Near Shivakripa, Rajeevnagar, Dombiyli (West) Thana District, Maharashtra for herself & as guardian of her minor daughter
- 12. Mrs. M. Kiran, wo Mr. Padma Ponjary, Pandeshwar Cross Road, Mangalore—for herself
- & her unborn child in Datary.

 13. Mrs. M. Roshini, wo Mr. Vipin Suvarna, No. 1-71, Annanagr East, Madras.

 14. Miss. M. Vidya, do Mrs. M. Hemanthi,
- Pandeshwar Cross Road, Mangalore.
- 15. Dr. M. Rajendra Bangera, so Mrs. Sundari Bai Pandavinangadi, Mangalore-8. 16. Mr. N. Naveen Bangera,
- sio Mrs. Sundari Bai, Pandeshwar Cross Road, Mangadore—of whom Nos. 2, 3, 6 to 9, 11 and 13 are represented by Attorney No. 16. (Transferor)
- (2) 1. Sri R. L. D'Souza, s'o Mr. Mascal D'Souza, Rosalind ViVlla, Attavar, Mangalore.
 2. Mr. H. R. D'Souza, s'o Mrs. Pascal D'Souza,

 - Mr. H. R. D'Souza, slo Mrs. Pascal D'Souza, Rosalind Villa. Attawar, Mangalore.
 Mr. Jerome Roche, slo Mr. Alex Roche, Casca Church Compound, Morgan Gate, Mangalore.
 Mr. K. Sankappa, slo Late Mr. Tukra Moily, Valencia, Gorigudda, Mangalore.
 Smt. J. Sumathi, dlo Mr. K. Sankappa, Valencia, Gorigudda, Mangalore.
 Mr. Raghavendra Kamath, slo Mr. Yaman Kamath, Vaman Villa, Mannagudda, Mangalore.
 Mr. I. Dayananda, slo Mr. Obayya
 - 7. Mr. J. Dayananda so Mr. Obayya. Morgan Gate, Mangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 492|83-84 dated 11-8-83). Non Agricultural immovable property bearing T. S. No. 185-1 R.S. No. 603-1 measuring 567 sq. mts, situated at Kasba Bazar Village, 13th Market ward, Mangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore-560 001, the 11th April 1984

C.R. No. 62|38986|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Door No. 13 IV Cross situated at H. Siddaiah Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Basavangudi Bangalore under Document No. 1534[83-84 on 28-8-1983]

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability bf the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Mr. M. Abdul Rahim, so Mr. Janab Mohammed Tippu Saheb, "National Scrap Traders", No. 84, VII Cross, W. B. Bangalore-27.

(Transferor)

(2) M|s. Electro Chemical Metal Fireshes, No. 2 V Cross, H. Siddaiah Road, Bangalore-27, Ref sented by its partner Mr. M. K. Giri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1534|83-84 dated 28-8-1983). Residential Land and Buildings and premises present Door No. 13 (old No. 18) (premises No. 8) in IV Cross, H. Siddaiah Road, Bangalore-27.

MANJU MADHAVAN
Competnt Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 11-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME, TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 6th April 1984

Notice No. 744.—Whereas, I, MRS. MANIU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property hanivg a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing No. Agrl. land R.S. No. 108|3 situated at Jirnal Village, Hukkeri Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Hukkeri on 22-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shamsundar Ramachandra Kulkarni, G. P. Holder of Shri Suresh Ramachandra Kulkarni, R|o Yamakanmardi, Tal: Hukkeri, Dist: Belgaum.

(Transferor)

(2) I. Shri Rama Shivaling Kotawali, 2. Shri Apanna Shivaling Kotawali, 3. Shri Irapanna Balappa Chongula, All Ro Yamakanamaidi, Tal: Hukketi, Dist: Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 63 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 544|83-84 dated 22-8-1983. Agricultural land bearing R.S. No. 108|3 situated at Jirnal Village, in Tal: Hukkeri, Dist: Belgaum.

MRS. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 6th April 1984

Notice No. 745 84-85.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

No. CTS No. 163 20B situated at Deshpande nagar, Hubli (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1698 in the office of the Registering Officer at Muthil on 22 8 1083

Hubli on 23-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ta under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be distilised by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Dector Safish Upendra Baliga, H. No. 330, I floor, Jyoti Nilaya, I stage, Indiranagar, Bangalore. (Transferor)
- (2) Smt. Gayatri W o Sri Jayant Rai, Managing Partner Sri Akshata Finance Corporation (Regd.), Deshpandenagar, Hubli.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are denned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1216 dated 23-8-83.

Property bearing CTS No. 163|20B (part) situated at Baliga Cross, Deshpande Nagar, Hubli (Land and building).

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-4-1984

(i) Shri S. N. Dugar, No. 9, Elephant Gate Street, George Town, Madras-i.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGI; BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 11th April 1984

C.R. No. 62|39008|83-84¹ACQ|B.--Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 19 situated at Edward Road, Civil Station, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 3-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shrimati Ugamadevi Dugar, No. 19, Edward Road, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning to given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1121/83-84 dated 3-8-83), 1/2 share in premises No. 19, situated at Edward Road, Civil Station, Bangalore,

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 11-4-1984

(1) Manual Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sanjay Mukerji

(Trasnferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th April 1984

Ref. No. AR III 2784 83-84.—Wherens, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. A-45, 4th floor Manali Bldg. No. 1 Plot Nos 48, 49 & 50 Valnai Village, Malad(W), Maive Rd. Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1983

for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-45, 4th floor Manali Bldg. on plot Nos. 48, 49 & 50 at valuai Village, Malad(W), Marve Road, Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III|37FF|1125 dated 1-8-1983,

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 9-4-1984

Scal:

(1) Shri S. Narayanan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. S. Mani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1984

Ref. No. AR-III]37EE[2642.—Whereas, I. A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. D-4, Nava Geeta Co-op. Housing Society 1 td. St. Anthony's Rd., Chembur, Bombay-400 071 situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

80—76 GI 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-4. Nava Geeta Co-op. Housing Society Ltd., St. Anthonys Rd., Chembur, Bombay-400 071.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|1153 dated 17-8-83.

A. I.AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III,
Bombay.

Date: 11-4-1984,

(1) Inderjit Properties Pvt. Ltd.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Sunny Enterprises

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR-II|37EE|5510,83-84.-Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing No.
Shop No. 4, Ground floor, Town Towers at Village Oshiwara, Four Bunglows, Off. J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay. situated at Andheri (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresald property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No 4, Ground floor, in 'Twin Towers' Plot 8A-8B Survey No. 41(Part) at Village Oshiwara, Four Banglows, Off. J P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE.5510|83-84 Date 19-8-1983.

> S. H. ABBAS, ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Bombay:

Date: 12-4-1984.

Scal:

FORM ITNS----

(1) Inderjit Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Das V. Prabhu.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR-II]37EE|5511|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Shop No. 17, Ground floor, in 'Twin Towers' at Village Oshiwata, Four Bunglow, Oil J. P. Road, Versova, Andheri (West), Rombow, eitherted at Andheri West.

Andheri (West), Bombay situated at Andheri West (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chamer.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 17, Ground floor, in proposed building "Twin Ioweis Plot 8A-8B Survey No. 41 (Part) situated at Village Oshiwara, Four Bunglows, Off. J. P. Road, Andhui (West), Bombay.

The agreement has been registered by the competent

Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE.5511}83-84 Dated 19-8-1983.

S. H. ABBAS, ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-JI, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons namely -

Date: 12-4-1984.

Scal :

FORM ITNS ----

(1) Mis. Ravirar Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Kiran K. Juneja

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR-II₁37EF₁5363|83-84|—Whereas, 1, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing No. 'Benzer' Shop No. 15, Four Bunglows, Oshiwara, Versova,

No. 'Benzer' Shop No. 15, Four Bunglows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay situated at Andheri (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay, on 6-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immsvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

'Benzer' Shop No. 15, on Ground floor, Plot No. 9/9A, S. No. 41, Four Bunglows, Oshwara, Versova, Andheri (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE.5363|83-84 Date. 6-8-1983.

S. H. ABBAS, ABIDI Competent Authority
The agreement has been registered by the Competent Acquisition Range-II.
Bombay

Date: 12-4-1984.

Scal:

FORM ITNS———

(1) M's. Rokadia Enterprises

(Transferor)

(2) Pradipkumar Mangaldas Talsania, Rashmi Pradipkumar Ralasania.

may be made in writing to the undersigned :---

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR-II|37EE|5319|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 53, floor, Rokadia Niketan, Parsi Panchayat Road, Andheri (E), Bombay-400 069 situated at Andheri (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombny, on 2-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F)at No. 53, 5th floor of Bldg. known as Rokadia Neketan, CTS No. 1419, S. No. 50 Hissa No. 3F, of Mouje Mogra, Parsi Panchayat Road, Andheri (E), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-II|37EE|5319|83-84 dated 2-8-1983.

S. H. ABBAS, ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax, Acquisition Range-II, Bombay,

Date: 12-4-1984.

(1) Ms. Rokadia Interprises,

(Transferor)

(2) Shri Sureshbhai Hansraj Sampat & Shri Jayshree Suresh Sampat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR-II|37EE|5317|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 52, 5th floor of Bldg. known as Rokadia Niketan CTS No. 141B, S. No. 50, Hissa No. 3F, of Mouje Mogra, Parsi Panchayat Road, Andheri (F), Bomby 400 069 situated

at Andheri (East) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mothan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facunating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 52, 5th floor of Bldg. known as Rokadia Niketan CTS No. 141B, S. No. 50, Hissa No. 3F of Mouje Mogra, Parsi Panchayat Road, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE\[^15317\]83-84 dt. 1-8-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR-II|37EE|5440|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.
Hat No. 11, 3id floor, Plabhu Daval Co. Op. Housing Society Ltd., Nityanand Marg. Andheri (E), Bombay-400093

situated at Andheri (East).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the

Competent Authority at Bombay on 13-5-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Prakash Ganesh Soman & Sint Pournima Prakash Soman

(2) Smt Savata Vithal Dample & Shii Raghunath Mahadeo Damile

(Transferor)

11 Raghunath Mahadeo Damile (Fransferee)

(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersign

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor, Prabhu Dayal Co. Op. Housing Society Ltd S. Nityanand Marg. Andheri (East), Bombay-400093.

The agreement has been registered by the Competent 84 dated 13-8-1983.

S. H. ABBAS, ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 12 4 1984

(1) Smt. Gopi Ramchand Sakhrani. (Transferor)

(2) Shri Murari Prasad Sharma.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
-ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR-III[37EE]2777[83-84.—Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Flat No. 55, 5th floor, Nidhi Apartments No. 1,
C. T. S. 419, Liberty Garden, Malad (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 55, 5th floor, Nidhi Apartments, No. I, C.T.S. 419, Liberty Garden, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR-III|37EE|1189|83-84 dt. 16-8-1983.

A. LAHIR! Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-4-1984

FORM ITNS

(1) Parul Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Jafri Begum Zahir Hussain.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1984

Ref. No. AR-III]37EE $[2510_183$ -84.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Hat No. 3, 4th Floor, Wing B Bldg. No. 3, Damodar Park, L. B. S. Marg, Ghalkopar (W)

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—81—76 GI]84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 3, 4th floot, Wing B Bldg, No. 3, Damodar Park, L. B. S. Marg, Ghatkopar(W).

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE 1118 83-84 dated 1-8-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-4-1984

(1) Mis. Rokadia Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Manilal Ganpat Gala & Maniben Manilal Gala

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR-II|37EE|5314|83-84,—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Sand Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 21 on 2nd floor, Bldg known as Rokadia Niketan, Parsi Panchayat Rd., Andheri(F), Bombay-69, situated at Andheri (E).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLYNATION,—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 21, 2nd floor, Rokadia Niketan, CTS No. 141B, S. No. 50, H. No. 3F of Mouje Mogra, Parsi Panchayat Rd. Andheri (Γ), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EF.5314|83-84 Date 1-8-1983.

S. H. ABBAS, ABID! Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay:

Date: 12-4-1984.

Scal:

FORM ITNS ----

(1) Mr. Lalit Navnitlal Golwala & Mrs. Chandtika Lalit Golwala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kirit Chandrakant Dhruv &

Mis. Virendra Chandiakant Dhinv.

may be made in writing to the undersigned :---

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from he date of publication of this notice

(b) by any other person interested in the said immov-

able property within 45 days from the date of the

publication of this notice in the Official Gazette.

in the Official Gazette or a period of 30 days from the scivice of notice on the respective persons,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

RU. No. ARIV[1536]37EE[83-84,--Whereas, I, VIIAY RANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25,000]- and beating Hat No. 105, Hart Om, Opp. B-3 Bldg., S. V. Road, Borryli, Bombay-92 situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5th August, 1983, to, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

FIREINATION ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plat No 105, Hari Om Apartments, B-3 Bldg., situated at S. V Road Borivli (W). Bombay-400 092 The agreement has been registered under serial No. ARV[1536]83-84 dated 5th August, 1983.

> VIJAY RANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 12-4-1984.

 Smt. J. C. Suthar, Shri C. A. Suthar & Shri S. A. Mistry.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt H. S. Sheth, Shri D. S. Sheth and J. S. Sheth.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|1491|83-84.—Whereas, 1, VIJAY RANJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 2B|202, Paras Nagar Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-400 067, situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under section 269IB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay 1-8-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2B|202, Paras Nagar Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARIV|1491|83-84 dated 1st August, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-talk
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-4-1984.

Scal :

(1) M₁₈. Modern Builders

(Transferor)

(2) Mr. K. S. Shiyaram

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. **BOMBAY**

Bombay, the 12th Apri 11984

Ref. No. AR-III]37EE[2506]83-84.--Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'axid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1 lat No. 2, Kanjur Co.op. Society Kanjur Marg, Bhandup,

Bombay situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 2, Kanjur Co.op. Society Kanpur Marg Bhandup, Rombay.

The agreement has been registered with the Connetent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37EE|1205|83-84 dt. 1-8-1983

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 12-4-1984

(1) M/s. Omprakash Tolaram

(Transferor)

(2) Mr. V. N. Bhat

(Fransferee)

NOTICE UNDLE SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ret. No. AR-III]37EE[2469]83-84.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 406 'Vaikunth 357 Little Malabar Hill, Bombay-71 situated ut

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the cobject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 aud/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of faction 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULF

Flat No. 406 Varkunth 357 Little Malabar Hill, Bombay-71 The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-IH/37EE/1208/83-84 dt 1-8-1983

A. I AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 12-4-1984

FORM ITNS----

(1) Patel Corporation

(Transferor)

(2) Shri B. Monappa Shetty

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR-III|37FF 2541 83-84.- Whereas, I,

A. I AHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Grokul Flat No. 6, C T S. No. 12. Govan Paaia Road, situated at Muland (F), Bomboy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ausing from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

F.XPI ANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gokul Pada Road, Mulund (Fast), Bombay-81. The agreement has been registered with the Competent Authority vide social No. AR-JH[37FF]1161 dated 8-8-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 12-4-1984 Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: ---

(1) Shri N. V. Senkara

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Kishore A. Manseta & Bhirai A. Mansetta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGF-III, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR-III¹37FE[2489]83-84.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value ecceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Flat No. 3, 1st floor, Alpna Rashmi Co.op. Hosg. Soc. 1td. Mehur Rd., Opp. Mehul Cinema Mulund, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
 - (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor, Alpna Rashmi & Co-op. Hosg. Soc. Ltd. Mehur Rd., Opp. Mehul Cinema Mulund, Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority, vide serial No. AR-III|37FE|1163 dt. 6-8-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-4-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ramchandra G. Tendulkar,

(Transferor)

(2) Kishorkant H. Mehta,

(Transferoe)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-111. BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR-III|37EE|2492|83-84.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 3, Shivam, 'B' Plot No. 1017/1043 or R. P. Rd.,

Mulund (W), Bombay

and/or

(and more fully described in the Schedule annexed hareto), and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Shivam 'B' Plot No. 1017/1043 or R. P. Road, Mulund (W), Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority—Bombay vide serial No. AR-III[1159 dt. 5-8-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Bombay.

Date: 12-4-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following retsons, namely:-82—76 GI|84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ms. Patel Corporation.

(Transfero:)

(2) Shri Mukesh Jethalal Someva.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III,

BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR-III|37EE|2544|83-84.--Whereas. I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 202, Mathura S. 16, Hissa. No. 6, C. T. S. No. 12, Govan Pada Rd., Mulund (E), Bombay-81

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 8-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Mathura S. 16 Hissa No. 6, C. T. S. No. 12, Govan Pada Rd., Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37EE|1178|83-84 dt, 8-8-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 12-4-1984

(1) Mr. S. M. Shetty.

(Transferor)

(2) Mr. Jitendr Babulal Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th April 1984

Ref. No. AR-III|37EE|2583|83-84.—Whereas, 1. A LAIHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Jayanti Cooporative Housing Society, Building No. A, Block No. 13, R. B. Mehta Road, Chatkonar (E), Bombay-400077 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has need transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

Bombay on 16-8-19983

for m apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income using from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Jayanti Co-operative Housing Society, Building No. A. Block No. 13, R. B. Mehta Road, Ghatcopar (E), Bombay-400 077.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37EE|1109|83-84 dated 16-8-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-4-1984

Scal:

(1) Shri Girdharilal Rewachand Mulchandani (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sunder Menghrai Ahuia

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF NCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 30 March 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3232/83-84.—Whereas, I.

S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Godown No. 41, Hari Market, 4th Road, Bombay-52 situated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Autho-

Bombay on 8-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown No. 41, Hari Market, 4th floor, Bombay-500 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II]37EE]3232|83-84 dt. 8-8-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Li-Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 30-3-1984

- (1) Shri Arunkumar & Associates
- (Transferor)
- (2) Shri Xavier Ashley Fernades.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1984

Ref. No. AR-III|37EE|2736|83-84.--Whereas, I. A. LAHIRI.

seing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sai Baba Park, Ashish Bldg., flat No. 19, 4th floor, Mithi Chowkie, Marve Road, Malad, (West), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurroses of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sai Baba Park, Ashish Bldg, flat No. 19, 4th floor, Mith Chowkie, Marve Rd., Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Serial No. AR-JII/37EE/1135/83-84

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 11-4-1984

FORM I.T.N.S.---

(1) Jamnatain Co-op. Housing Society.

may be made in writing to the undersigned :--

- (Transferor)
- (2) Smt. Namji Khimji Shah & Mrs. Manjula Manji Shah

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR-III/37EE/2693/83-84.---Whereas, 1. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 15, Swami Narayan Darshan situated at Dr. D. P. Road, Mulund West, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of thic Registering Officer at Bombay on 29-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid eceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the dats of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective

persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Otheral Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHLDULE

Flat No. 15, 2nd floor, Swami Narayana Darshan Dr. R. P. Road, Mulund West, Hombay-80. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-III/37EE/1171/83-84, dated 29-8-1983

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 12-4-1984

The same and the second states of the second states

FORM ITNS-

(1) Dr. L. R. Tanna

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Virendra Himatlal Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR-III/37EE/2456/83-84.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred so as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Flat No. 14, 3rd floor, Panchsheel Bldg. Panch Rasta, Mulund, Bombay-80

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Income-tax Act 1961 in the Office

of the registering Officer at

for an apparent consideration

Bombay on 1-8-1983

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and/or
- (b) facilitating the concealment of any pome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd floor, Panchsheel Bldg. Panch Rasta, Mulund, Bombay-8.

The agreement has been registered with the Competent Authority vide serial No. AR-III|37EE|1162 dt. 1-8-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2691' of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 12-4-1984

(1) Shrì Roman Joseph Mendis.

(Transferor)

(2) M/s. R. Patel Builders.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME, TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR-III[37EE]2830|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 7, Hissa No. 1, C. T. S. No. 154, Malvani Malad

(West), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under sction 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 26-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of -

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land bearing S. No. 7, Hissa No. 1, C. T. S. No. 154, Malvani Malad (West), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent

Authority Bombay vide serial No. AR-III|37EE|1183|83-84 dated 26-8-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-4-1984

Seal:

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

المنظمين المنظمين المنظمين المنظمين المنظمين المنظمين المنظمين المنظمين المنظمين المنظم المن

FORM ITNS (1) Kishorchandra & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narendrakumar Jam.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR III/37FE/2552/83-84.--Whereas I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

Flat No. 36, 6th fl. Flat Nos. 2 & 3, Thakarnagar, Malund

(L), Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) Office of the Registering Officer at

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12 8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; mad / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

THE SCHEDULB

Hat No. 36, 6th fl. Mithagar cross road, Plot Nos. 2 & 3, The agreement has been registered with the Compresent Authority vide serial No. AR.III|37EF|2552 dated 12-8-1983

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 12-4-1984

Scal:

83--76GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

lexplanation;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Patel Corporation.

(2) Mrs. R. Meenukshi

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONFR OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR III 37FF 2543 -- Whereas, I,

LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing No. flat No 303 S 16. Hissa No 6, C.T.S. No. 12, Gayapudi

Road, Mulund(E),

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

Authority

at Bombay on 8-8-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mathura, Flat No. 303, S. 16, Hissa No. 6, C.T.S. No. 12, Govan pada Road, Mulund, (F), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III 37EE 1176 83 84 84 dated 8-8 1983.

A. LAHIRU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 12-4-1984

FORM ITNS----

(1) M/s. Trimuthi Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Kanial Vasant Aher.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 25th Apol 1984

Nο. AR-IV /37.EL / 2930 / 83-84.—Whereas I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. 28, 2nd floor, Rohan Apartments Nav Gay, Mandapeshwar Road, Bortyli (W),

situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 22nd June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforested property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 28, 2nd floor, Rohan Aparlment, Nava Gav Mandapeshwar Road, Borivli (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV/2930/83-84 dated 22nd August, 1984.

VIIAY RANJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Rombay

Date: 25 4-1984 Seal :

(1) M/s. Trimuribi Construction.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

('liansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 4961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bhanudas S. Wagh.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 25th April 1984

Ref. No. $\Delta R IV[37]$: $\Gamma[2929]83-84$.—Whereas, I, VHAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. Hat No. 58, 3rd floor, at Revenue Village Mandapeshwar

Taluka, situated at Borivli,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competennt Authority Rombay on 22nd June 1983,

We an apparent consideration which, is less than the tir market value of the aforesaid property and I have lesson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration benefits by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer. as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 38, 3rd floor at Revenue Village, Mandapeshwar Taluka, Borivlì,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV|2929'83-84 dated 22nd August, 1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bomba:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'sald Act' to the following persons, namely-:-

Date: 25-4-1984

- The state of the

FORM ITNS-

(1) Pushpa Kant Kanji Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahindra Chunilal Sheth.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 11th April 1984

AR-III / 7.1 F / 172283 -- Whereas 1, Ref. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Neel Kanth Jyot, 1st floor, Block No. 3, Plot Garodiya Nagar Gofeet Road, Ghatkopar, (East), Plot No. 168,

situated at Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Autho-

rity at Bombay on 1-8-1983

fity at Bombay on 1-0-1905 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and_or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pulposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nell Kanth Jyot, 1st sioor, Block No. 3, plot No. 168, Garodiya Nagar, Gofeet Road, Ghatkopar (East), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37.FE/1121/ 83-84 dated 1-8-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiale proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 11-4-1984

(1) Smt. Sitadevi Bansal.

(Transferor)

(2) Shii Yogesh Chhaganial Shah.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

> Bombay, the 9th April 1984

Ref. No. AR-III/37EE/2595/83-84.--Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Chandini Co-operative Housing Society Ltd., 353/22 R.B. Mehta Marg, Ghatkopar(E), Bombay-77 and the agreement is registered under section 269AB of the

Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

situated at Ghatkopar (East) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

at Bombay on 16-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Chandini Co-operative Housing Society Ltd., 353|22, R. B. Mehta Marg, Ghatkopar (E), Bombay-400 077.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-III/37EE. 1100/ 83-84 dated 16-8-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tage Acquisition Range-III; Bombay.

Date : 9-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (13 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

AR: III/37.EF/2694.—Whereas I, Ref. No. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 20, 4th floor Bhatshoba Bldg. Jivdaya Lane,

situated at Ghatkopar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-8-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Burdeep Builders.

(Transferor)

(2) Shri Baburao Baburao Dharangl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given 12 that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 20, 4th floor, Bhatshoba Bldg., Jivdaya Lane, Ghatkopar.

The agreement has been registered with the Competent Authority vide Serial No. AR. III/1166 dated 29-8-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Rombay.

Date: 12-4-1984

Scai:

FORM ITNS-------

(1) Faslah Developers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mathur Family Trust

(Transferee)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR-III/37.EE/2859 83-84 —Whereas I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Gala No. 117 on the 1st floor, Udyognagar off SV. Road, Goregaon(W), situated at Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17th August 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Gala No. 117 on the 1st floor, Udyognagat Off. SV. Road, Plot No. 7 Goregaon, Bombay-62

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay Vide serial No. AR-III/37 EE/1198 83-84 dated 17-8-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIL
Bombay.

Date: 12-4-1984

FORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Rombay, the 11th April 1984

Ref. No. AR III/37-EE/2738. -Whereas I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

Plot No. 28, Survey No. 26, situated at Village Valnai, Malad Marve Road, Malad West, Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-8-1983

84- -/6CiT 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:-

(1) M/s. Mehta Builders.

(2) V. Vitavan Umi Natt & Miss Natini M. Nair

(Transferer)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Miss Nalini M. Nair.

Plot No. 28, Survey No. 26, situated at Village Valnai, Malad Marve Road, Malad, West, Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide script No. AR-III/1136 dated 1-8-1983,

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 11-4-1984

- (1) M/s. Mehta Builder
- (Transferor)
- (2) Jayesh Girish Kamdar,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 11th April 1984

Ref. No. AR-III|37EE|2734.--Wherens, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 101-B, First floor, Rajendra Vihar, Plot No. 28, Survey No. 26, situated at Village Valani Malad, Marve Road, Mulad (W), Bombay-64

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay. on 1-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under sub-section (1) of fection 269D of the said Act to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 101-B, First floor, Rajendra Vihar, Plot No. 28, Survey No. 26, situated at Village Vanai, Malad Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III|1134 dated 1-8-1983.

A. LAHRI
Competent Author
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-toAcquisition Range-III,
Bombay

Date: 11-4-1984

Scal:

(1) M/s. Aun International.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Niwrutti Krishna Kokhande & Mrs. Vaishali Niwrutti Lokhande.
(3) Sellers, as building is under construction.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 16th April 1984

Ref. No. AR-IV|1454|83-84.—Whereas, I, VIJAI RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

G-16|4th floor, situated at Saibaba Dham Off S.V. Road, Borivli (West), Bombay-400092

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ip

Flat No. G-16, 4th floor, Saibaba Dham, Off S. V. Road, Borivli (West), Bombay-400 092.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV|1454|83-84 dated 17th August, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-4-1984

(1) Sunil Const. Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pushpabai Virumal Talrej.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR, III/37.EE/2664.—Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing

Flat No. 62, Crystal-I, Plot No. 357A Sindi Society, Chembur, situated at Bombay-71

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 27-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it anyy to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 62, Crystal-I Plot No. 357-A, Smdhl Society, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III|37EE|1182|83-84 dated 27-8-1983.

A. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Assit. Countriesioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-4-1984

(1) Mr. Risbanial M. Mistry,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR.III 37.EF.2749 —Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

flat No. 9, Hirnon Shopping Centre, 117, S. V. Road, Goregaon (W). Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-8-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the unid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Mr. Rameshchandra C. Mehta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 9, Hinnon Shopping Centre, 117, S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-64

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR-III|37EE|1185|83-84 dated 12-8-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-4-84

Scal :

(1) M's, Golden Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Vincent Sequeira

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

DFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th March 1984

No. AR-III|37EE,2512|83-84.—Whereas, AHIRI

eing the Competent Authority under Section 269B of the noome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable reporty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/nd bearing lat No. C|13. of Village Kole Kalyan, Kalina, Bombay-

and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred and the agreement is registered under ection 269AB of the Income-tax, 1961, in the office of the competent Authority at

lombay on 6th August 1983

or an apparent consideration which is less than the fair tarket value of the aforesaid property and I have reason to clieve that the fair market value of the property as aforesaid xceeds the apparent consideration therefor by more than tteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(b) by any other person interested in the said immov-

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. C₁13, C15 Nos. 5651, 5656, 5659 & 5660 of Village Kole Kalyan, Kalina, Bombay-400 029.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|1084|83-84 dated 6th August, 1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of the notice under sub-ection (1) of section 269D of the said Act, to the followersons, namely .-

Date: 4-4-1984 Seal:

(1) Mrs. Shilpa Madhukar Warang.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rupani Vantaj Hemraj.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombny, the 12th! April 1984

Ref. No. AR-III/37-EE/255,---Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shivam 'B' Flat No. 2 R.P. Cross Rd., Bulund, Bombay-

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority.

Bombay on 12-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereing as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shivam B. Flat No. 2 R. P. Cross Rd., Mulund, Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR[III]1160 dated 12-8-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 265 D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 12-4-84

Scal :

(1) Mrs. Meen: Ashok Umarani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Navinchandra Jaisukhlal Dani,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR III[37f] 1/2534[83-84] --Whereas. I. A. I.AHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1 at Gardoia Nagar, Nupur Co-op, Housing Society, Plot No. 185, Gardoia Nagar, Ghatkopar (ES), Bombay

and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 at Garodia Nagar, Nupur Co-op. Housing Society, Plot No. 185, Garodia Nagar, Ghutkopar (E), Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/1117 dated 1-8-83

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-4-84

Scal .

(1) Spit M. Shantha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Veena V. Banka.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay the 12th April 1984

AR-III|37EE|2847|83-84.--Whereas, I, A. Ref. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

81|33 Jai Krishna Sudma CHS Ltd. Bangur Nagar Gore-

gaon (W) situated at Bombay-90

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17th August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the frankferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

85-76GT184

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

81/33 Jai Krishna Sudama CHS Ltd. Bangur Nagar Goregaon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR- III/37 PE 1197 83-84 dt. 17-8-83

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-4-84

Seal

- (1) Mr. P. Rajgopalau.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Prema Anand Almed.
- (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-III]37EE|2635|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inco ne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Flat No. 10. Asha Bldg., in Ghatkopar Asha Bindu Co.op. Housing Society, Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay-77

situated at Garodia Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 11th August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Asha Bldg, in Ghatkoper Asha Bindu Cooperative Housing Society, Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay-400 077.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE.1096/83-84 dated 16th August, 1983.

A. LAHIRI, Competent Authoritif Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:——

Date: 9-4-1984

(1) Cresent Engineering

(Trareferor)

(2) M|s Vale & Brothers

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th April 1984

Ref. No. AR III|37EE|2453|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Survey No. 11, Hissa No. 3 (PT) & Hissa No. 2(PT) CTS No. 6 (pt) in Ghatkopar Kirol Village Shed No. A|2-B (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incom earising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
- are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 11 Hissa No. 3 (PT) & Hissa No. 2 (Pt) CTS No. 5 (Pt) in Ghatkopar Kirol Village Shed No. A|2B.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III/37EE/1119 dated 1-8-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date , 11-4-1984

Sen1:

(1) M's Evershine Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Lieutenant Siddappa Basava Raj Chander & Mrs. Asha Chander

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. ΛR -III|37EE|2753|83-84.—Whereas, I, Λ , LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. Bi15, 4th floor Brindavan Building, Plot No. 47 Off Marve Road, Village Valnai, Malad (W) Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay, on 12-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by rather than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1-lat No. B₁15 on 4th floor, Brindavan Building, Plot No. 47 Off Marve Road, Village Valnai, Malad (West) Bombay-400 064.

The agreement has been registered with Competent Authority Bombay vide serial No. AR III 37EE 1187 83-84 dt. 12-8-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-4-1984

SenI :

(1) Thaverr Futerprises,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Yvotte D'Souza,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. A R III|37FE|2536-83-84 —Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1°61 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/-and bearing

No Govardhan Nagar Shop No 6 ground floor, building No. B to A, Mulund (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombuy on 8-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govardhan Negai Shop No. 6, Ground fl. Building No. 16 to A Muland (West), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III 37EF 1175 dated 8-8-1983.

A. LAHIR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12 4-1984

(1) Deepak Kumar Sanderdas Kankal.

(Transferor)

(2) Narsibhai Budhaibhai Patel.

(Fransferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. ARIII|37EE|2793|83-84.-Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000]and bearing

No. Buildings known as Vijay Bhuwan and Rukmani Niwas, Subash lane, Duftari Road, Malad.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 16-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovproperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vijay Bhuwan Bldg. & Rukmani Niwas, Subash Lane, Daftari Rd Malad.

The agreement has been registered with the Competent Authority vide serial No. A.R.III|37EE|1184 dated 16 8-83.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

Date · 12-4-1984

Seal 1

(1) Mis, Shiv Shakti Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Dev Engineering Co.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period empires later;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay the 12th April 1984

Ref. No. ARII]37FF|402|83-84 --Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Industrial Shed No. 244, Shiv Shakit Industrial Estate, Marol Village, Off, Andheri-Kurla Road, Andheti, Bombay-400 059

situated at Andheri-Kurla, Andheri

'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

at Bombay on 1-8-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which other to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 244, Shiv Shaktl Industrial Estate, Matol Village, Off Andheri-Kurla Road, Andheri, Bombay-400 059

The agreement has been registered by the Competent Authoritl, Bombay under serial No. AR-I]37EE|5402|83-84 dated 1-8-1983,

S H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Bombay

Date · 12-4-1984

Seal •

FORM ITNS-

(1) Smt. Shakuntala Jagdish

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOMINATAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shti Hati Chandra Mogre

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. ARII[37EE]3269[83-84, --Whereas, 1, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Room No. 23. Sitaladevi Temple Rd.

Kings Corner Co-operative Housing Society Itd. Mahim situated at Mahim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

at Bombay on 10-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 23, Sitaladevi Temple Road, Kings Corner Cooperative Housing Society Ltd., Mahim.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IU37EE 3269 83-84 dated 10-8-83

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bo nhav

Date: 12-4-1984

FORM LT.N.S.-

(1) President Construction Co.

(Transferor)

(2) Shridhar Ramchaudra Kenkarc.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. ARII|37EE|5439|83-84,-Whereas, I.

S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 102, 1st floor, Pushpeshwar, 140,

Sher-e Punjab Co.operative Housing Society Ltd., Mahakali

Andheri (East), Bombay situated at Andheri (East)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax, Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

at Bombay on 1-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st 'floor, Pushpeshwar, 140, Sher-E-Punjab Co-operative Housing Society Ltd., Mahakali, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|5439|83-84 dated 1-8-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the nforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 86---76GII84

Date: 12-4-1984

(1)M|s, Shiv-Shakti Builders,

(Transfero:)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Excellent Printers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. ARII₁37FE|5401|83-84.—Whereas, I, A, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Industrial Shed No. 264, Shiv Shakti

Industrial Estate, Oft. Andheri Kiula Road, Andheri

Bombay-400 059

situated at Andheri

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax. Act, 1961,

Authority at Hombay on 18-1983

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 264, Shiv-Shakti Industrial Estate, Village, Off. Andheri Kurla Road, Andheri, Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authouty, Bombay under serial No. AR-II|37EE|5401|83-84 dated 1-8-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-4-1984

FORM I.T.N,S. -

(1) Ms. Mahesh Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Anil R. Bhatia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR. II|37EE|83-64|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

Flat No. 601, 6th floor, 'Mangal Jyoti', Juhu Cross Lane, Vile-Parle, Bombay 400057 situated at Vile Parle

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor 'Mangal Jyoti' Juhu Cross Lane Vile-Parele, Bombay-400057.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-II[37EE. 3264[83-84]] dated 1-8-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initaite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-4-1984

(1) M|s. Shah & Desai Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. U. J. Choksi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR. II|37EF|5492|83-84 —Wherens. I. S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,900/and bearing.

No. Residential Flat bearing F.P. No. 211 of TPS, IV, Mahim at 34, D. L. Vaidya Road, Dadar (W) Bombay situated at Dada₁ (West)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income tax Act 1961 in the office of the competent authority at Bombay on 18-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Flat bearing F.P. No. 211 of TPS IV, Mahim at 34 D. L. Vaidya Road, Dadar (W), Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR II 37EE. 5492 83-84 dt. 18-8-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
-Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-4-84

Seal

(1) M/s. Nav Bharat Development Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) I. Miss Rachna Ashok Chawla Master Gaurava Ashok Chawla

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th April 1984

No. AR-II|37EE-3380|83-84.--Whereas, I,

S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Flat No. 602-A, 6th floor, Kalpana Apts., Plot No. 1290,

Sherly Rajan Village Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered by the Competent Authority under sec, 269AB of the I.T. Act 1961 at Bombay

Bombay on 1-9-1983

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) afcilitating the reduction or exasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for

THE SCHEDULE

Flat No. 602-A, 6th floor, Kalpana Apts., Plot No. 1290, Sherly Rajan Village, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37-EE-3380|83-84 dated 1-9-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. H. ABBAŞ ABIDI Competent Auuthority Inspecting Assit. Compossioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-4-1984

(1) Messrs. Cozyhome Builders.

(Transferor)

ME-

(2) Shri Milind Lakshmikant Patil

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th April 1983

Ref. No. AR-I|37-EE-798|83-84.—Whereas, I, R. K. BAOAYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 15, 2nd floor, 'Peter Marcel' Building

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 2nd floor, 'Peter Marcel' Building, Plot No. 941 and 941A, Prabhadevi, Bombay-400 025. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I|768|83-84, dated 12-8-1983

R. K. BAQAYA
Competent Auuthority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-4-1984

- (1) 1. Shri Keshavdas Mehra and Shri Daulatram K. Mehta
- Mehta
 (Transferor)
 (2) Shri Bakul M Vyas and Smt. Sumita B Vyas
 - (Transferce)
- (Person in occupation of the property)

(4) —— (Person whom the undersign

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1984

Rcf. No. AR-I|37EE|833|83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. D/4, 4th floor, Gulbahar Co-op. Hsg. Soc. Ltd. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 20-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the "ansfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-4, 4th floor, Gulbahar Co-operative Housing Society Limited, Barrak Road, behind Metro Cinema, Bombay-400 020. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. Range-I | 873 | 83-84, dated 20-8-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Auuthority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-4-1984

(1) Smt. Kalawanti Jethanand Gwalani

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

(2) Mr. Ajit Rasiklal Sanghvi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1984

Rel. No. AR-I|37EE|766|83-84.--Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 13, B Wing, New Pushpa Kunj Co-op. Housing Society Ltd.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred,

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, B Wing, 2nd floor, New Pushpa Kunj Coop. Housing Society Ltd., Plot No. 50, Sion (West) Bombay-400 022. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-1|702|83-84, dated 30-8-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay ,the 9th April 1984

Ref. No. AR-I|37EE|843|83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Office premises No. 41, Nariman Bhavan under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office (and more fully described in the schedule annexed hereto), and the Agreement is Registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 25-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secton 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) K. Mohan & Co. (Exports)

(2) Modison Metal Refiners

(Transferor)
(Transferee)

odison Metal Renners

(3) Transferee

(4) -

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 41, 4th floor, Nariman Bhavan, 227, Nariman Point, Bombay-400 021. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under serial No. ACQN, RANGE-1|825|83-84, dated 25-8-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Auuthority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-4-1984 Seal:

		-		
•				,
				•
			1	